* श्री *

हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति

क्रमिक पुस्तक मालिका

दूसरी पुस्तक

[हिन्दी अनुवाद]

मूल ग्रन्थकार

पं० विष्णुनारायण भातखंडे

सम्पादक और प्रकाशक

लक्ष्मीनारायण गर्ग

ने मराठी से हिन्दी भाषा में अनुवाद कराकर

संगीत कार्यालय, हाथरस

से प्रकाशित की।



द्वितीय आवृत्ति

सितम्बर, १९५६ :: मूल्य ८) रुपया

संगीत प्रेस, हाथरस (उ० प्र०) में मुद्रित।

प्रकाशक—
लक्ष्मीनारायण गर्ग
सम्पादक 'संगीत' मासिक

पुस्तक मिलने का पता—
संगीत कार्यालय, हाथरस
SANGEET KARYALAYA
HATHRAS-U. P.

मुद्रक—
चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा
संगीत प्रेस, हाथरस में मुद्रित।

प्रस्तावना

संगीताचार्य श्री भातखण्डे जी लिखित 'हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका' (मराठी) के दूसरे भाग का यह हिन्दी अनुवाद संगीत प्रेमियों के सन्मुख रखते हुए हमें अतीव प्रसन्नता हो रही है। इसके प्रथम भाग का हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित हो चुका है उससे संगीत के विद्यार्थियों ने यथेष्ट लाभ उठाकर संगीत कार्यालय के परिश्रम को सफल बनाया है।

प्रथम भाग में हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के आधार स्तम्भ दस थाटों के दस आश्रय रागों की साधारण स्वरलिपियाँ दी गई थीं, वे ही दस राग इस दूसरे भाग में विस्तृत रूप से दिये गये हैं। प्रत्येक राग के अन्तर्गत प्रसिद्ध घरानेदार गायकों की कई-कई चीजें देकर इसे विद्यार्थियों के लिये अधिक उपयोगी बना दिया गया है। प्रत्येक राग के आरम्भ में प्राचीन ग्रन्थों के श्लोक एवं शास्त्राधार भी दिये गये हैं, तत्पश्चात उस राग के सरगम, लक्षणगीत, मध्यलय की चीजें एवं विलम्बितलय की चीजें तथा ध्रुपद व धमार दिये गये हैं, जिन्हें भली प्रकार तैयार कर लेने पर विद्यार्थी का राग ज्ञान पक्का हो जाता है एवं उसका आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त होता है। इस प्रकार इस पुस्तक में दस रागों की २१६ चीजें दी गई हैं।

पुस्तक के अन्त में प्रत्येक राग के स्वर विस्तार भी दिये गये हैं, जिनसे राग का अङ्ग अथवा चलन विद्यार्थी की समझ में आयेगा और उसका स्वर ज्ञान भी ठोस हो जायेगा। इन स्वर विस्तारों में विभिन्न स्थानों पर कॉमा (अल्प विराम चिन्हों) का उपयोग किया गया है, उनका विशेष महत्व है! अर्थात् राग-विस्तार में दिये हुए अल्प विराम चिन्ह उचित स्थानों पर थोड़ा सा रुकने के लिये संकेत करते हैं, यह बात विद्यार्थियों को ध्यान में रखनी चाहिये।

इस पुस्तक का प्रथम मराठी संस्करण आज से ३३ वर्ष पूर्व अप्रैल १९२१ ई० में प्रकाशित हुआ था, अब इस हिन्दी अनुवाद से राष्ट्रभाषा हिन्दी के सङ्गीत विद्यार्थी भी पूरा पूरा लाभ उठा सकेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है। इसके अनुवाद कार्य में श्री वामन नत्थोपंत भट्ट एवं अन्य संगीत विद्वानों से जो सहयोग प्राप्त हुआ है, उसके लिये संगीत कार्यालय उनका आभारी है।

वसंत पंचमी
संवत् २०१०

प्रभूलाल गर्ग

अनुक्रमणिका

१० रागों की ३१९ चीजें

इस पुस्तक में आये हुए चिन्हों का खुलासा

र, ग, ध, नि, इन स्वरों के नीचे–इस प्रकार आड़ी रेखा लगी हो तो उन्हें कोमल स्वर समझना, यदि रेखा न हो तो तीव्र समझना चाहिये।

म इस प्रकार लिखा हुआ मध्यम कोमल या शुद्ध समझना।

मं इस प्रकार लिखा हुआ तीव्र मध्यम समझना।

. ऐसा विन्दु जिन स्वरों के नीचे हो, उन्हें मन्द्र स्थान के तथा जिनके ऊपर हो उन्हें तार स्थान के स्वर समझें। बिना विन्दु के स्वर मध्य सप्तक के समझें।

‿‿ ‿ ऐसे चिन्हों में दिये हुए स्वर एक मात्रा काल में गाये जावें।

⁀⁀ ⁀ स्वरों के ऊपर ऐसे चिन्ह यह दिखाते हैं कि कौन से स्वर से कौन से स्वर तक मींड (एक स्वर से दूसरे स्वर तक घर्षण करते हुये जाना) है।

— स्वरों के आगे ऐसे जितने चिन्ह हों, उस स्वर को उतनी ही मात्रा तक लम्बा खींचना है, अथवा यह समझना चाहिए कि इस स्वर पर इतनी मात्रा की विश्रान्ति है।

ऽ गीत के शब्दों के आगे ऐसे अवग्रह चिन्ह जितने हों, वहां पिछले अक्षर का आखिरी स्वर (अकार–उकार इत्यादि) उतनी ही मात्रा लम्बा खींचकर उच्चारण किया जावे।

( ) जो स्वर, इस प्रकार के कोष्ठक में बन्द हो तो उसके बाद का स्वर फिर वही स्वर, एवं उसके पहिले का स्वर, पुनः वही स्वर ऐसे चार स्वर एक मात्रा काल में गाने चाहिए।

जैसे:—(प)=धपमप, (म)=पमगम, (सा) रेसानिसा।

नि
सा, इस प्रकार कहीं–कहीं स्वरों के ऊपर छोटे टाइप में दिये हुए स्वर अलंकारिक (ग्रेस नोट) कहलाते हैं, इन्हें कण स्वर भी कहते हैं। ये बारीक कण नवीन विद्यार्थियों के गले से न निकल सकें तो भी इनके अभाव में राग हानि होने का भय नहीं है; किन्तु इन कण स्वरों के प्रयोग से गायन अधिक रंजक होता है।

× यह चिन्ह गायन में ताल की सम दिखाता है। सम को पहिली ताली मानकर शेष तालियां उसी आधार से माननी चाहिए।

० यह चिन्ह ताल के खाली स्थान को बताता है।

इस पुस्तक में आई हुई नई तालों का स्पष्टीकरण

ताल रूपक–मात्रा ७

मात्रा–	१ २ ३	४ ५	६ ७
	×	२	३

मूलताल–मात्रा १०

मात्रा–	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०
	×	०	२	३	०

चौताल–मात्रा–१२

मात्रा–	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
	×	०	२	०	३	४

आड़ाचौताल–मात्रा १४

मात्रा–	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४
	×	२	०	३	०	४	०

ताल झूमरा–मात्रा १४

मात्रा–	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल धमार–मात्रा १४

मात्रा–	१ २ ३ ४ ५	६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल दीपचन्दी–मात्रा १४

मात्रा–	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल पंजाबी व तिलवाड़ा–मात्रा १६

मात्रा–	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
	×	२	०	३

मात्रा–

ब्रह्मताल–मात्रा २८

१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४	१५ १६	१७ १८	१९ २०	२१ २२	२३ २४	२५ २६	२७ २८
×	०	२	३	०	४	५	६	०	७	८	९	१०	०



ग्रंथकारः—कै. पण्डित विष्णु नारायण भातखंडे

बी. ए., एल-एल. बी.

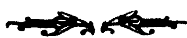
("चतुर पंडित")

जन्म ता० १० अगस्त १८६०　　　　मृत्यु ता० १६ सितम्बर १९३६

'मद्भक्ता यत्र गायन्ति तत्र तिष्ठामि नारद: ।'

क्रमिक

दूसरी पुस्तक



मंगलाचरण

प्रणम्य शिरसा देवौ सरस्वतिविनायकौ ।
विचिन्त्य मनसा विष्णुं कर्तव्यं कर्तुमारभे ॥

शास्त्रीय परिचय

संगीत

गीत, वाद्य व नृत्य इन तीनों कलाओं का समावेश 'संगीत' इस शब्द में होता है। वस्तुतः यह तीनों कला स्वतन्त्र हैं, किन्तु गीत प्रधान होने के कारण तीनों का समावेश 'संगीत' में किया जाता है।

दक्षिण व उत्तर पद्धति

अपने देश में संगीत की दो पद्धतियां हैं; एक दक्षिण पद्धति व दूसरी उत्तर पद्धति। मद्रास प्रान्त व मैसूर आदि में जो पद्धति प्रचलित है, उसे दक्षिण अथवा कर्नाटकी पद्धति कहा जाता है। इनके अतिरिक्त देश के बाकी सभी स्थानों में जो पद्धति चालू है, उसे उत्तरीय या हिन्दुस्थानी पद्धति कहते हैं।

नाद

संगीत का सम्बन्ध ध्वनि (आवाज़) से है। ध्वनि के दो प्रकार हैं (१) संगीतोपयोगी (२) तद्व्यतिरिक्त। पहिले को तो नाद कहा जायगा और दूसरे को कोलाहल या शोरगुल कहा जायगा। हमें यहां पर 'नाद' पर ही अपने विचार प्रकट करने हैं। नाद के विषय में तीन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है:-(१) नाद का छोटा बड़ापन (२) नाद की जाति अथवा गुण (३) नाद की ऊंचाई, नीचाई। इसी को योरोपीय नाद शास्त्री क्रमशः Magnitude Timbre व Pitch कहते हैं।

(१) नाद का छोटा बड़ापन

एक ही नाद का हम धीरे से अथवा जोर से उच्चारण कर सकते हैं। धीमे नाद को केवल पास में बैठा हुआ व्यक्ति ही सुन सकता है, किन्तु जोर से बोला हुआ नाद दूर तक सुनाई पड़ता है। यह अन्तर होते हुए भी वास्तव में इन दोनों ही प्रकारों में नाद एक ही है।

(२) नाद की जाति अथवा गुणः—

नाद की जाति से यह अनुमान सहज ही में लगाया जा सकता है कि नाद किसी वाद्य का है या किसी मनुष्य का। उदाहरणार्थ एक ही नाद हारमोनियम, शहनाई, सारंगी, वायोलिन आदि वाद्यों द्वारा निकलता हो तो वाद्यों को देखे बिना ही यह कहा जासकता है कि अमुक नाद किस वाद्य का है। इस प्रकार नाद की जाति से ही नाद को पहिचानने का प्रमाण मिल जाता है।

(३) नाद की ऊंचाई नीचाईः—

नाद की ऊँचाई-नीचाई का सम्बन्ध प्रत्येक सैकेण्ड में होने वाले आन्दोलनों से है। यह आन्दोलन (Vibration) जितने अधिक होंगे उतना ही नाद ऊंचा होगा एवं आन्दोलन जितने कम होंगे उतना ही वह नाद नीचा होगा। ध्यान रखना चाहिए कि नाद के छोटे या बड़े होने का आन्दोलन संख्या से कोई सम्बन्ध नहीं होता, अपितु नाद की ऊंचाई-नीचाई का सम्बन्ध आन्दोलन संख्या के आधार पर होता है, अतः यह कहा जा सकता है कि एक ही नाद छोटा या बड़ा हो सकता है, किन्तु ऊंचा या नीचा नहीं होसकता।

स्वर

हमारे देश के संगीतशास्त्रकार प्राचीन समय से ही संगीतोपयोगी मुख्य नाद एक सप्तक में २२ मानते चले आ रहे हैं। जिनको शास्त्रों में "श्रुति" कहा गया है। इन २२ नादों में से ही गायन के लिये उपयोगी सात स्वरों की उत्पत्ति हुई है। इन नादों को एक के बाद दूसरा क्रमशः ऊंचा मानने का व्यवहार है। इन्हीं २२ नादों के आधार पर अर्वाचीन हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के अनुसार हम अपने सप्त स्वरों की स्थापना करना चाहें तो १, ५, ८, १०, १४, १८ तथा २१ इन नादों पर करेंगे। संगीतोपयोगी उपरोक्त २२ नाद तथा उन्हीं में से उत्पन्न होने वाले स्वर आदि की विशद चर्चा आगे चलकर क्रमिक पुस्तक भाग ४ में की जावेगी।

गायन उपयोगी मुख्य स्वर सात हैं, यह पहले बताया ही जा चुका है। इनके सर्वमान्य नाम क्रमशः षड्ज, रिषभ, गान्धार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं। जिनको व्यवहार में "सा रे ग म प ध नि" इन संक्षिप्त नामों से पुकारते हैं।

सप्तक

ऊपर बताये हुए मुख्य सात स्वर क्रमानुसार एक के बाद एक पंक्तिबद्ध लिखने, रखने या गाने से 'सप्तक' का रूप बनता है। इस सप्तक को हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में **'बिलावल सप्तक'** कहते हैं तथा इस सप्तक के सात स्वरों को शुद्ध स्वर कहते हैं।

स्थान

नाद की ऊँचाई-नीचाई के अनुरूप उसके मन्द्र, मध्य व तार ऐसे तीन भेद बताये गये हैं, इनको नाद स्थान कहते हैं। इन प्रत्येक स्थानों में एक-एक स्वर सप्तक मानकर—**मन्द्र स्वर सप्तक, मध्य स्वर सप्तक,** तथा **तार स्वर सप्तक** ऐसी तीन सप्तकें बनती हैं। अपनी साधारण आवाज में मनुष्य जैसे बातें करता है, उस आवाज की गणना मध्य स्वर सप्तक में होती है। इस आवाज़ से कुछ घटा कर नीची आवाज़ में जब कोई बोलता है उसे मन्द्र स्वर सप्तक में तथा इन दोनों से परे कुछ ऊँची आवाज़ से बोलचाल करे तो उसे तार स्वर सप्तक समझना चाहिये। मंद्र से दूनी आवाज़ मध्य की तथा मध्य से दूनी आवाज़ तार सप्तक की होती है, ऐसा प्रमाण है। गायन में बहुधा ऐसी तीन ही सप्तकों का प्रयोग होता है। मन्द्र, मध्य व तार सप्तकों के चिन्हों का विवरण प्रथम पुस्तक में दिया जा चुका है।

सप्तक में तीव्र तथा कोमल स्वर

मुख्य स्वर सात हैं और उनके संक्षिप्त नाम क्रमशः सा रे ग म प ध नि इस प्रकार हैं, यह ऊपर बताया ही जा चुका है। इन स्वरों के दो भेद किये जाते हैं—**शुद्ध** व **विकृत**। कोई-कोई इसे **प्रकृत** तथा **विकृत** भी कहते हैं। मूल स्वर को नीचे उतारने से वह कोमल बनता है तथा ऊपर चढ़ाने से तीव्र बन जाता है। इस प्रकार अपने स्थान से हटने पर उस स्वर को विकृत नाम भी दिया जाता है।

सप्तक में १२ स्वर

शुद्ध स्वर सात व विकृत स्वर पांच मिलाकर कुल १२ स्वर एक सप्तक में होते हैं। ऊपर बताये हुये संगीतोपयोगी २२ नादों में से विकृत स्वरों की रचना ३, ७, १२, १६, २० इन स्थानों पर होगी। यह विकृत स्वर शुद्ध स्वरों की विशिष्ट अवस्था में होने के कारण इनके नाम भी शुद्ध स्वरों जैसे ही हैं, इस प्रकार इन बारह स्वरों की सहायता से आजकल सभी रागों का निर्माण किया जाता है।

मुख्य सात स्वरों को 'शुद्ध स्वर' कहते हैं, यह ऊपर बताया जाचुका है। शुद्ध स्वर अपने नियत स्थान से जब ऊँचा या नीचा होता है तो वह विकृत

बन जाता है। प्रस्तुत हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति में स्वरों को विकृत करने के कुछ नियम बताये गये हैं, वे इस प्रकार हैं:—

(१) **"रे ग ध नि"** यह चार स्वर जब विकृत होते हैं तो उन्हें क्रमशः कोमल रे, कोमल ग, कोमल ध और कोमल नि, ये नाम दिये जाते हैं।

(२) **मध्यम** स्वर जब विकृत होता है तो उसे तीव्र म कहते हैं।

(३) **सा व प,** ये स्वर विकृत कभी नहीं होते। इसीलिये इनको अचल स्वर कहते हैं।

(४) प्रचार में कोई-कोई गायक या वादक "रे ग ध नि" इन शुद्ध स्वरों को तीव्र स्वर तथा शुद्ध मध्यम को कोमल मध्यम भी कहते हैं।

थाट

'थाट' यह सप्तक के आगे वाली सीढ़ी है। सप्तक में किये गये वर्णन के अनुसार १२ स्वरों में से ही थाटों की उत्पत्ति होती है। संस्कृत ग्रन्थकार थाट को **"मेल"** कहते हैं। नाद से स्वर, स्वर से सप्तक तथा सप्तक से थाट, यह हमारी हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का क्रम है। थाट शब्द की व्याख्या ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

मेलः स्वरसमूहः स्याद्रागव्यंजनशक्तिमान।

भावार्थ—मेल अथवा थाट, स्वरों की एक विशिष्ट रचना होती है जिससे राग उत्पन्न हो सकते हैं।

थाट सम्बन्धी कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं, जो इस प्रकार हैं:—

(१) थाट में हमेशा सात स्वर ही होने चाहिये।

(२) वे सात स्वर "सा रे ग म प ध नि" इसी क्रम मे तथा इन्हीं नामों से होने चाहिये।

(३) थाट में आरोह-अवरोह का होना आवश्यक नहीं है।

(४) थाट में रंजकता होना भी आवश्यक नहीं है।

(५) थाटों को जानने पहिचानने के लिये उसमें से निकले हुये किसी प्रसिद्ध राग को (जिस थाट का जो राग हो) उसी थाट का नाम देने की प्रथा है, चाहे उस राग में सातों स्वर लगते हों या कम लगते हों।

अपनी एक सप्तक में जो शुद्ध तथा विकृत मिलाकर १२ स्वर होते हैं, उनमें से प्रत्येक थाट के लिये सात स्वर नियमित क्रम से लेकर तथा उन स्वरों को सा रे ग म प ध नि, यह नाम देने से अनेक थाट उत्पन्न होते हैं। हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में रागों को उत्पन्न करने वाले ऐसे केवल १० ही थाट लिये गये हैं। उन थाटों के नाम स्वरादि की जानकारी क्रमिक पुस्तक पहली में दी जा चुकी है।

राग

राग की उत्पत्ति थाट से होती है, कारण थाट ही राग का उत्पत्ति स्थान है। एक थाट से सैकड़ों राग उत्पन्न हो सकते हैं। राग की व्याख्या हमारे ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

योऽयं ध्वनिविशेषस्तु स्वरवर्णविभूषितः।
रंजको जनचित्तानां स रागः कथितो बुधैः॥

भावार्थ—ध्वनि की एक विशिष्ट रचना, जो कि जनचित्त (मानवहृदय) का रंजन कर सके एवं जिसे स्वरवर्ण के योग से सौन्दर्य प्राप्त हुआ हो उसे बुद्धिमान् व्यक्ति 'राग' कहते हैं।

इस व्याख्या में स्वर तथा वर्ण ये पारिभाषिक शब्द हैं। वर्ण की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है।

गानक्रियोच्यते वर्णः स चतुर्धा निरूपितः।
स्थाय्यारोह्यवरोही च संचारीत्यथ लक्षणम्॥

भावार्थ—गायन की प्रत्यक्ष क्रिया को वर्ण कहते हैं। वर्ण चार प्रकार के हैं—(१) स्थायी (२) आरोही (३) अवरोही (४) संचारी।

स्थाई वर्ण—एक ही स्वर को बार-बार कहना यह स्थाई वर्ण का उदाहरण होता है।

आरोही वर्ण—षड्ज स्वर से निषाद तक जाते हुए स्वरों को गाने से आरोही वर्ण समझा जाता है।

अवरोही वर्ण—निषाद से षड्ज तक वापिस आने को अवरोही वर्ण कहते हैं।

संचारी वर्ण—जिसमें आरोह-अवरोह दोनों का मिश्रण हो (मिले हुये हों) उसे संचारी वर्ण कहा जाता है।

प्रत्येक गायक की गायकी में ये चारों वर्ण पाये जाते हैं। राग व्याख्या में 'वर्ण' शब्द आया है, इससे यह स्पष्ट है कि प्रत्येक राग में आरोह-अवरोह निश्चय रूप से होने ही चाहियें। थाट की व्याख्या में वर्ण शब्द नहीं आया है यह आपको विदित ही है।

रागों के तीन भेद

रागों के उपयोग में आने वाली स्वर संख्या के अनुसार रागों के तीन भेद माने गये हैं। वे हैं—औडुव, षाडव और सम्पूर्ण।

औडुव राग—जिस राग में ५ स्वर होते हैं, उसको औडुव राग कहते हैं

षाडव राग—जिस राग में ६ स्वर होते हैं, उसे षाडव राग कहते हैं।

संपूर्ण राग—जिस राग में सातों स्वर प्रयुक्त होते हैं, उसे सम्पूर्ण राग कहते हैं।

ये तीनों प्रकार के राग थाटों में से ही उत्पन्न होते हैं, इसीलिये प्रत्येक थाट को सातों स्वरों की आवश्यकता होती है। अतः यह सिद्ध हो गया कि थाट सम्पूर्ण अर्थात् सात स्वरों का होना ही चाहिये।

राग में पांच से कम स्वर नहीं होने चाहिये, ऐसा हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का सर्वमान्य नियम है। सबसे कम स्वरों का राग ही औडुव राग कहा जाता है।

अलंकार

"अलंकार" शब्द की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है—

विशिष्टवर्णसंदर्भमलंकारं प्रचक्षते।

भावार्थ—कुछ नियमित वर्ण समुदाय को अलंकार कहते हैं।

विशिष्ट स्वर समूह ही अलंकार बन जाते हैं, उनको भी आरोह अवरोहादि वर्णों की आवश्यकता होती है। प्रचार में गुणीजन अलंकारों को **'पल्टे'** भी कहते हैं। प्रथम पुस्तक में कुछ अलंकार दिये जा चुके हैं। छात्रों को स्वरज्ञान होकर रागविस्तार का ज्ञान शीघ्रता से प्राप्त हो जाय, यही अलंकारों का मुख्य उद्देश्य है। अलंकारों के लिये किसी नियमित स्वर संख्या का कोई विशेष नियम नहीं है।

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

प्रत्येक राग में हमेशा वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी इन चार प्रकार के स्वरों की ओर ध्यान रखना पड़ता है।

वादी—राग में प्रयुक्त होने वाले सभी स्वरों की अपेक्षा जो स्वर बार-बार स्पष्टता से लगता हो या जिसकी आवृत्ति बार-बार होती हो उसे, वादी स्वर कहते हैं अर्थात् जिस स्वर का प्रयोग राग में अधिकता से होता हो, वह

उस राग का वादी स्वर कहलाता है। वादी स्वर को राजा की उपाधि से विभूषित किया जाता है तथा वादी स्वर के स्पष्ट हो जाने से राग का नाम, उस राग को गाने का समय और राग के लक्षण जानने में सुविधा होती है।

संवादी—वादी स्वर से कम किन्तु अन्य स्वरों से अधिक व्यवहार में आने वाला स्वर संवादी कहलाता है। संवादी स्वर को मंत्री की उपमा दी जाती है।

अनुवादी—वादी व संवादी स्वरों के अतिरिक्त राग के बाकी नियमित स्वरों को अनुवादी स्वर कहते हैं। इन स्वरों को सेवकों की उपमा दी जाती है।

विवादी—जिस स्वर को लगाने से राग की हानि होती हो उसे विवादी स्वर कहते हैं, ऐसे स्वर को शत्रु की उपमा दी जाती है। कुशल गायकों द्वारा किसी राग में जब ऐसे स्वर का प्रयोग किया जाता है तो उसे वर्जित स्वर भी कहते हैं। ऐसे स्वर का प्रयोग करके राग रक्ति संभालना बड़ी कठिनाई का काम है, जो कुशल गायक वादकों के लिये ही संभव है।

स्वरमालिका, लक्षणगीत, ख्याल, ध्रुवपद, धमार

स्वरमालिका—किसी राग में लगने वाली स्वरों की तालबद्ध रचना, जिससे राग का स्वरूप स्पष्ट होता हो, उसे स्वरमालिका अथवा सरगम कहते हैं।

लक्षणगीत—राग का नाम, समय, वादी, संवादी, जाति, स्वर आदि उल्लेखनीय बातें जिस गीत में होती हैं, उस गीत को उसी राग में गाने से वह उस राग का लक्षणगीत कहलाता है, अर्थात् राग लक्षण बतलाने वाला गीत।

ख्याल व ध्रुवपद—यह हमारे प्राचीन गुणीजनों द्वारा रचित गीत हैं। आजकल उच्चस्तर का सङ्गीत यही माना जाता है। ख्याल व ध्रुवपद का भेद, उनके शब्द, रस, भाव तथा गायनशैली आदि से जाना जाता है।

धमार—धमार नामक ताल में गाये जाने वाले होरी गीत के प्रबन्ध को ही धमार कहते हैं, ऐसे सभी प्रबन्धों का विशेष परिचय क्र० पुस्तक चौथी में दिया जायगा, जिसे आप आगे चलकर पढ़ेंगे।

स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग

ये सब गीत के अवयव (हिस्से या अङ्ग) हैं। प्राचीन ग्रन्थकार इन्हें "धातु" कहते हैं। कुछ गीतों में केवल स्थायी अन्तरा यह दो अवयव ही

होते हैं, किन्तु ध्रवपद में बहुधा ये चारों अवयव मिलते हैं। ख्याल में विशेष रूप से स्थायी व अन्तरा ये दो ही अवयव होते हैं। कोई-कोई गायक संचारी को "भोग" भी कहते हैं।

आश्रय राग

अपनी हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति में थाट का नाम उसी थाट से उत्पन्न हुये किसी प्रसिद्ध जन्य राग के नाम पर रखने का व्यवहार है। यह तत्व हमारे देश के प्राचीन ग्रन्थकारों को भी मान्य था। जिस जन्य राग का नाम इस विधि से रखा जाता है, उसी को हमारी आज की पद्धति में **आश्रय राग** कहा जाता है थाट से उत्पन्न होने वाले अनेक जन्य रागों में इस आश्रय राग का थोड़ा बहुत रूप मार्मिक (समझदार) लोगों को दिखाई देता है, किन्तु आश्रय राग, थाट से उत्पन्न होने वाले सभी अन्य रागों का उत्पादक है, यह सिद्धान्त माननीय नहीं है। थाट को राग का नाम केवल उसकी सुविधा के लिये दिया जाता है। जन्य रागों के स्वतन्त्र नियम अज्ञानवश गायक की ओर से भङ्ग होने पर,उत्पन्न होने वाले राग का प्रकार थाटवाचक राग के समान दिखाई देने लगता है,इसलिये थाटवाचक रागों को आश्रय राग कहने की प्रथा है।

वक्र स्वर, पकड़, मात्रा एवं लय

वक्र स्वर—आरोह अथवा अवरोह करते समय जब एकाध स्वर तक जाकर फिर उससे पिछले स्वर पर वापिस आना पड़ता है तो जिस स्वर से पीछे लौटते हैं उसी को "वक्र स्वर" कहते हैं जैसे—"प ध नि़, ध, सां" इस स्वर-समूह में नि़ स्वर वक्र हो गया, ऐसा समझना चाहिये।

पकड़—रागवाचक मुख्य स्वरसमुदाय को 'पकड़' कहते हैं अर्थात् स्वरों का वह छोटा सा समूह, जिसका स्वरालाप करने से राग की छाया झलकती हो, उसे ही राग की 'पकड़' कहेंगे।

मात्रा—गायन का समय तौलने के माप या प्रमाण को मात्रा कहते हैं।

लय—गायन में काल की गति को 'लय' कहते हैं। लय के प्रकार ३ हैं-विलम्बित, मध्य तथा द्रुत। सावकाश रुक रुक कर आहिस्ता गाने को विलम्बित लय कहते हैं, विलम्बित की दुगुन को मध्यलय तथा मध्य की दुगुन को द्रुतलय कहते हैं।

राग यमन.

कल्याणो यमनो विभाति सकलैस्तीव्रस्वरैर्मण्डितो ।
गांधारः कथितोऽत्र वाद्यथ च संवादी निषादः स्वरः ॥
शेषाः स्युस्त्वनुवादिनः क्वचिदिह स्यान्मध्यमः कोमलो ।
गेयो रात्रिमुखे मनीषिभिरसौ सम्पूर्णरागाग्रणीः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र सर्वे स्वरास्तीव्रा वादिसम्वादिनौ गनी ।
निशामुखे तु यमनः क्वचित्कोमलमध्यमः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सबही तीवर सुर जहां वादि गंधार सुहाय ।
अरु सम्वादि निखाद तें ईमन राग कहाय ॥

चन्द्रिकासार ।

गरी निरी सगौ रिगौ पगौ गरी परी च सः ।
इतीमनो भवेद्गांशो रात्र्यां प्रथमयामके ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'यमन'—यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है, इसमें मध्यम स्वर तीव्र तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर गांधार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय रात्रि

का प्रथम प्रहर है। यमन राग में जब कभी अल्प प्रमाण में कोमल मध्यम का प्रयोग करते हैं तब इसे **यमन कल्याण** ऐसा संयुक्त नाम कोई-कोई विद्वान देते हैं। यह राग सरल व सीधा होने के कारण बहुतों को आता है। यमन राग को कल्याण का **आश्रयराग** कहा जाय तो यह उपपद इसके लिये शोभायमान ही होगा।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सारेग, मंप, ध, निसां। सांनिध, प, मंग, रेसा.

पकड़ः—

निरेगरे, सा, पमंग, रे, सा.

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध प म॑	ग रे ग म॑	नि ध म॑ ऽ	प म॑ ग रे
०	३	×	२
ग म॑ प म॑	ग रे सा नि़	ध़ नि़ ऽ म़॑	ऽ ध़ नि़ रे
०	३	×	२
ग रे ग म॑	प ध नि ध	प म॑ ग म॑	ग रे सा ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

सा रे ग सा	रे ग म॑ प	ध नि सां नि	ध प म॑ ग
×	२	०	३
रे ग म॑ प	ध नि रें ऽ	ध ऽ गं रें	ऽ ध रें ऽ
×	२	०	३
सां नि ध प	म॑ प नि ध	प म॑ ग म॑	ग रे सा नि़
×	२	०	३
ध़ नि़ ऽ म़॑	ऽ ध़ नि़ रे	ग रे ग म॑	प ध नि ध
×	२	०	३
प म॑ ग म॑	ग रे सा ऽ		
×	२		

यमनकल्याण–चौताल (विलम्बित लय).

स्थायी.

म॑		नि		म	ध						
प	नि	ध	प	प	म॑	ग	रे	ग	रे	ग	म
ऐ	ऽ	म	न	क	ऽ	ल्या	ऽ	ण	सु	ग	म
३		४		×		०		२		०	
				नि				नि	ग		
ग	रे	सा	सा	सा	रे	सा	–	सा	रेग	सा	सा
रा	ऽ	ग	नि	सं	ऽ	पू	ऽ	र	नऽ	सु	र
३		४		×		०		२		०	
प				ध							
ग	–	प	ध	सां	–	नि	–	ध	–	प	–
ती	ऽ	व	र	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	में	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प		प		म				प			
ग	–	ग	–	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां
गा	ऽ	वा	ऽ	दी	ऽ	सु	र	नी	ऽ	स	म
×		०		२		०		३		४	
नि				सां		नि	नि				
सां	रें	सां	–	नि	ध	ध	ध	सां	–	सां	–
वा	ऽ	दी	ऽ	मे	ऽ	ल	क	ल्या	ऽ	णी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				नि							
सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प				
								म॑		ध	
शा	ऽ	स्त्र	ब	खा	ऽ	न	त	प	ऽ	म॑	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								नि			
ग	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	रे	सा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								प			
सा	रे	सा	ऽ	ग	रे	सा	ऽ	ग	ग	प	ध
×		०		२		०		३		४	
ध											
सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ				
×		०		२		०					

यमन—एकताल (मध्यलय)

स्थायी.

प			ध	ध		मं					
सां	सां	नि	नि	मं	प	प	प	मं	ग	–	ग
स	ब	गु	नि	ज	न	इ	म	न	गा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

मं						ग			रे		
ग	–	ग	रे	ग	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
ती	ऽ	व	र	सु	र	क	र	त	सा	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	

सा	सा	रे	रे	ग	ग	मं	मं	प	प	ध	ध
×		०		२		०		३		४	

						नि					
नि	नि	रें	रें	गं	रें	सां	रें	सां	नि	ध	प
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

मं						प					
प	ग	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां	–	सां
सु	र	वा	ऽ	दि	गं	धा	ऽ	र	सा	ऽ	ध
×		०		२		०		३		४	

नि									ध		
सां	सां	रें	–	गं	रें	सां	सां	नि	नि	ध	प
स	म	वा	ऽ	दी	ऽ	क	र	नि	खा	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

						प					
प	ग	ग	प	प	प	नि	नि	ध	प	ध	प
रा	ऽ	त	स	म	य	प्र	थ	म	प्र	ह	र
×		०		२		०		३		४	

			ध						ग		
सां	सां	नि	नि	मं	प	प	ग	प	रे	–	सा
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	रि	झा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

राग यमन—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प											
नि	ध	प	म॑	ग	म॑	प	—	म॑	ग	—	ग
भ	ज	म	न	क	रु	णा	ऽ	नि	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
		म॑				प			रे		
ग	रे	ग	म॑	प	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
सु	ख	सं	ऽ	प	द	ए	ऽ	क	धा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
								ग			
सा	सा	रे	—	ग	ग	म॑	—	प	प	ध	प
श	र	णा	ऽ	ग	त	व	ऽ	त्स	ल	प्र	भु
×		०		२		०		३		४	
म॑									ध		
प	—	ध	ध	नि	नि	सां	सां	नि	नि	ध	प
पू	ऽ	र	त	स	ब	म	न	सु	का	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग						प					
प	ग	प	प	ध	प	सां	—	सां	सां	सां	सां
मं	ऽ	ग	ल	सु	ख	दा	ऽ	य	क	प्र	भु
×		०		२		०		३		४	
नि								सां	ध	ध	
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	—	नि	नि	प	प
अ	खि	ल	ज	ग	त	ना	ऽ	य	क	वि	भु
×		०		२		०		३		४	

म॑ प	प	ध म॑	म॑	ग	–	प	रे	ग	रे	सा	सा
अं	ऽ	त	र	या	ऽ	मी	ऽ	अ	वि	क	ल
×		०		२		०		३		४	
नि सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	सां	निध	नि	ध	प
नि	र	गु	न	क	र	च	तु	रऽ	ध्या	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														सा	रे
														अ	ब
ग	म॑	प	ग रे	ग	रे	सा	–	ग	रे	ग	ग	प म॑	ग	प	ध प
गु	न	न	की	ऽ	जि	ये	ऽ	गु	नि	स	न	का	ऽ	जा	ऽ
०				३				×				२			
ग रे	–	ग	ग	रे	सा	–	सा	प म॑	ग	प	ध प	–	पम॑	ग	रे
ने	ऽ	गु	न	की	सा	ऽ	र	हो	ऽ	गु	नि	ऽ	गुऽ	नी	ऽ
०				३				×				२			
म॑ ग	म	ग	रे	सा	रे	सा	–	सारे	गम॑	प	रे	ग	रे	सा	रे
जा	ऽ	ने	ऽ	गु	न	की	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	अ	ब।
०				३				×				२			

अन्तरा.

मं	नि सां		
प ग – प	– प सां ध	सां – सां सां	सां रें सां सां
ब ड़ी ऽ बे	ऽ र स म	झा ऽ ऊं न	स म झ त
०	३	×	२
		नि	ध
सां ध ध सां	– सां सां सां	सां – (सां) –	नि नि (प) –
बे ऽ र बे	ऽ र अ ब	कौ ऽ ऽ ऽ	न क हे ऽ
०	३	×	२
मं			ध
प ग ग प	– प प प	मंप धनि सां –	नि नि (प) –
ए ऽ क बा	ऽ र क ह	दीऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सां रें	ध ध	प ग	
गं गं सां सां	नि नि प प	ग – प रे	– रे सा रे
कौ ऽ न क	हे ऽ अ ब	बा ऽ र बा	ऽ र, अ ब
०	२	×	२

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

			ऩि
			सा
			पि
	ऩि सा		
सा रे ग रे	सा रे सा –	ऩि ध़ सा सा	ऩि ध़ प़ प़
य र वा ते	हा ऽ री ऽ	ने ऽ क न	ज र प र
	३	×	२

सा – सा सा | – रे सा सा | ग – ग रे | ग मंग मं प
बा ऽ र बा | ऽ र ग इ | हूं ऽ ब लि | हा ऽऽ री ऽ
० | ३ | × | २

ग म गरे ग | रे – सा – | रे ग रे नि़ | – रे सा सा
ब र जऽ र | ही ऽ हूँ ऽ | बा ऽ र बा | ऽ र मैं, पि
० | ३ | × | २

अन्तरा.

सासा
मोरे

सा सा ग प | – प नि नि | (प) प – प | ग – रे प
म न को पू | ऽ ज आ ऽ | ई ली ऽ ने | हा ऽ ल क
३ | × | २ | ०

रे नि़ रे सा | सा – ग रे | ग – ग – | प प ध नि
र प्या ऽ र | मी ऽ स नि | वा ऽ ये ऽ | ह स र स
३ | × | २ | ०

(प) – मं ग | प प पमं रे | ग रे सा – | सा रे ग प
पा ऽ र उ | त र नऽ हा | ऽ र, पी ऽ | य र वा ते
३ | × | २ | ०

रे नि़ रे सा |
ऽ हा ऽ री |
३

यमन—त्रिताल (मध्यलय

स्थायी.

[ग] प -
मं ऽ

ग रें ग रें	सा - सा -	ग - - रे	[नि़] सा रें सा सा
द र म न	ला ऽ ये ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
[नि़ ध़] सा सा नि़ नि़	प़ ध़ प़ प़	[नि़] सा रे ग रे	[सा] सा सा प -
अ न त र	ह त स खी	सो ऽ सु ऽ	द र, मं ऽ
०	३	×	२
ग रे ग रें	[नि़] सा रें सा -		
द र म न	ला ऽ ये ऽ		
०	३		

अन्तरा.

[ग] प - ग प	प प ध प	[मं] प - ध ध	[ध ध] नि नि (प) -
बा ऽ त क	ह त तू तो	रा ऽ त स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
[नि़] सा - ग रे	ग ग ग -	[ग⌒] प प प (प)	[ग] रे - सा -
मो ऽ म न	म न भा ऽ	ये ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

र्मप				र्म		प		ध							
प	ग	ग	प	प	प	प	—	प	ध	ध	नि	प	ध	प	—
च	तु	र	सु	ध	र	मो	ऽ	ऽ	ऽ	रा	पि	य	र	वा	ऽ
०				३				×				२			
नि़														सा	
सा	—	ग	रे	ग	—	ग	—	गर्म	पध	निध	पर्म	गरे	गरे	सा	प
भा	ऽ	ग	न	हीं	ऽ	पा	ऽ	येऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ,	मं
०				३				×				२			

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

				र्म				ग		ग					
प	नि	ध	निध	(प)	—	र्म	ग	प	—	रे	ग	रे	—	सा	सा
आ	ऽ	ले	नऽ	बी	ऽ	ओं	ऽ	ला	ऽ	दे	अ	ली	ऽ	प	र
०				३				×				२			
नि़		नि़						नि़							
सा	—	सा	सा	—	रे	सा	सा	सा	सा	ग	रे	ग	म	(प)	—प
वा	ऽ	र	वा	ऽ	र	जा	ऊं	ज़ो	ह	रा	के	फ	र	ज़ं	ऽद्
०				३				×				२			
प				ग				ग				ग, ग			
ग	म	गरे	ग	रे	—	नि़	सा	रे	ग	रे	गर्मप	र्म	म	प	—
ह	स	नऽ	हु	से	ऽ	न	पे	वा	ऽ	र	जाऽऽ	ऽ	ऊं	मैं	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

	सां ध		
सारे गर्म पध निसां	नि नि (प) प	प ग प सांध	सां सां सां
याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ज ग में इ	ना ऽ ऽ ऽऽ	य त की ऽ
०	३	×	२
नि सां	ध	ध मं	ग
सां रें रें गं	(मां) नि (प) –	म – ग –	रे – सा –
ला ऽ ज तु	मी ऽ को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	है ऽ जो ऽ
०	३	×	२
प ग		मं	मं ध
सा म म म	प – प –	प नि ध प	प प म ग
अ र ज क	रूं ऽ मो ऽ	पू ऽ र न	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२
	ग		
ग म गरे ग	रे – नि सा		
ह म नऽ हु	से ऽ न पे	स्थायी के	अनुसार
०	३		

यमनकल्याण– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा

लं

		सा	
सा रे ग रे	सा रे सा सा	ध – सा –	– – सा सा
ग र तु र	क जि न छु	वो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो री
०	३	×	२

	ग		नि़ सा
सा ग रे ग	— प — रे	सा रे ग रे	सा रे सा —
ग ग रि या	ऽ भा ऽ री	अ ब दे ऊं	गा ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सा	
ध़ नि़ ध़ सा	सा — सा —	ध़ नि़ ध़ सा	नि़ ध़ प़ प़
हों ऽ ब्रि ज	ना ऽ री ऽ	नि र ख नि	र ख स ब
०	३	×	२
			ग
सा सा ग रे	ग — ग ग	गम॑ पध निध पम॑	गध पम॑ रे सा
हँ स हँ स	दे ऽ मो हे	ताऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ री, लं
०	३	×	२

——— ———

अन्तरा.

म॑ प			नि
प ग प —	सां सां ध सां	— सां सां —	सां रें सां सां
तु म तो ऽ	म हा ऽ धी	ऽ ट पी ऽ	अ त त न
×	२	०	३
नि	नि	ध	म॑ नि
सां रें गं रें	सां रें सां सां	नि नि प प	प प ध नि
ला ऽ गो हि	आ ऽ व त	धा ऽ व त	अ त बा ऽ
×	२	०	३
	प	प	सां नि
ध प — प	ग म ग रे	ग — प प	ध ध सां सां
र बा ऽ र	मैं ऽ स न	हे ऽ र त	घे ऽ र त
×	२	०	३

		गं		रें					सां			प			
सां	–	रें	गं	मां	मां	रें	मां	–	ध	–	प	ग	–	ग	रे
हों	ऽ	ला	ऽ	ज	न	म	री	ऽ	जा	ऽ	त	हूं	ऽ	ब्रि	ज
×				२				०				३			
					ग										
गमं	पध	निध	पमं	गध	पमं	रे	मा								
नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री,	लं								
×				२											

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

											प		ग		
सारे	गमं	पध	निसां	निध	पमं	गरे	सासा	प	–	ग	मंपध	प	रे	–	रे
हृऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	गगा	गा	ऽ	ज	मऽऽ	हा	रा	ऽ	ज
०				३				×				२			
नि			ध			प			ग			ग	रे		
सां	(सां)	–	निनि	(प)	–	मंप	धनि	सां	रे	–	प	रे	नि़	रे	सा
ग	जा	ऽ	नऽ	ना	ऽ	त्रिऽ	ऽऽ	ऽ	द्या	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श
०				३				×				२			

अन्तरा.

मं				नि				नि					ध		
प	–	सां	सां	सां	रें	सां	–	सां	रेंसां	रें	गंरें	(सां)	नि	(प)	प
गा	ऽ	ऊं	ब	जा	ऽ	ऊं	ऽ	रा	ऽऽ	ग	रुऽ	रा	ऽ	ग	नि
०				३				×				२			
प						प			ग			ग			
सां	(सां)	-	नि,धनि	(प)	–	मंप	धनि	सां	रे	–	प	रे	नि़	रे	सा
पु	ऽ	ऽ	त्र,बऽ	धू	ऽ	सऽ	ऽऽ	ऽ	न	ऽ	छ	त्ती	ऽ	ऽ	स।
०				३				×				२			

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	ध म	म	
सा नि ध नि	मं प मं ग	प — प प	— मं ग —
आ ऽ ह त	अ न ह त	भे ऽ द ना	ऽ द के ऽ
०	३	×	२
मं मं		प	
ग ग रे ग	— मं प प	रे रे ग रे	सा रे सा —
प्र थ म भे	ऽ द श्रु ति	य न सों ऽ	हो ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि			ध ध
सा सा रे रे	ग ग मं मं	प — प सां	नि नि मं प
अ न ह त	मु नि ज न	ध्या ऽ न ध	र त ज ब
०	३	×	२
मं			
प नि ध नि			
आ ऽ ह त			
०			

अन्तरा.

प		नि	
ग — ग प	— प नि ध	सां — सां सां	— रें सां —
ना ऽ भि कं	ऽ ठ औ र	मू ऽ र्ध स्था	ऽ न सों ऽ
०	३	×	२
सां		नि	
नि — ध सां	— सां सां सां	सां रें गं रें	सां नि ध प
मं ऽ द्र म	ऽ ध्य औ र	ता ऽ ऽ र	हो ऽ व त
०	३	×	२

मं प – प प	प म म ग –	मं प रे ग रे	नि सा रे सा –
स ऽ म सु	र न के ऽ	ना ऽ म ब	खा ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा रे ग म	प ध नि सां	नि ध प म	ग रे सा ऽ।
०	३	×	२

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे रे ग रे	रे नि रे सा सा	सा नि ध सा सा	ध ध नि नि प प
म ना ऽ तू	का ऽ है न	धी ऽ र ध	र त अ ब
०	३	×	२
नि सा – रे रे	ग गमंप म प प	प ग म ग रे	रे नि रे सा सा
धी ऽ र ध	रेऽऽ ऽ स ब	का ऽ र ज	सु ध र त।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प प – ग –	मं प प नि ध	सां – सां सां	नि सां रें सां सां
जा ऽ के ऽ	स र र घु	ना ऽ थ बि	रा ऽ ज त
×	२	०	३
सां सां नि – नि ध	सां सां सां –	ध सां (सां) – निध	नि ध प प
बा ऽ के ऽ	स ब ही ऽ	का ऽ ऽ रज	सा ऽ ध त
×	२	०	३

नि ध नि ध प	– ध प प	नि ध – नि ध	प (प) मं ग
तु ल सि दा	ऽ म र घु	ना ऽ थ कृ	पा ऽ तें ऽ
१	२	०	३
मं ग म ग रे	नि रे सा सा		
त्रि ध न म	ब ट र त		
×	२		

यमन -- त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध ग निनि (प) – रे	– मा ग रे	प ग – – मं	ग – मं प प
पिऽ या ऽ की	ऽ न ज रि	या ऽ ऽ जा	ऽ दु भ री
०	३	×	२
मं प – प प	ध मं – ग रे	सारे गमं प रे	ग रे सारे सा
मो ऽ ह लि	यो ऽ म न	प्रेऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ म भऽ री।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प प सां सां	सां सां सां सां	नि रें सां सां नि ध	नि ध प –
क व न ज	त न अ ब	क रि ये ऽ	आ ऽ ली ऽ
०	३	×	२
मं प मं ग प	ग रे – सारे सा	सारे गमं प रे	ग रे सारे सा
ना ऽ हिं प	रे ऽ मोऽ हे	चैऽ ऽऽ ऽ न	ए क घऽ रि।
०	३	×	२

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़		रे रे	ध़ ध़
सा ग रे ग	— मा मा रे	ध़ नि़ सा सा	नि़ प़ — प़
क हो स खी	ऽ पि या कें	द र स कैं	मे पा ऽ ऊं
×	२	०	३
म॑		सा	
प़ नि़ ध़ सा	मा रे सा सा	निसा रेग म॑प रे	ग रे साग मा
क ल न प	र त मो हे	घऽ ऽऽ ऽऽ रि	प ल छिऽ न।
×	२	०	३

अन्तरा.

प		म॑	म॑ ध
म॑ ग प प	प — ध प	प धप ध निध	प प म॑ ग
ज ब से ग	ये ऽ मो री	सु धऽ हु नऽ	ली ऽ नी ऽ
×	२	०	३
ध		रे	
ग रे ग प	मा रे मा —	निरे गम॑ प रे	ग रे सारे सा
त र फ त	जि य रा ऽ	मीऽ ऽऽ ऽ न	ज ल बिऽ न।
×	२	०	३

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		म॑	
सा रे मा —	ग — रे रे	गम॑ पग प (प)	ग रे — सा
अ नि में ऽ	की ऽ ऽ त	हींऽ ऽऽ नी ऽ	मा ऽ ऽ ई
३	×	२	०
नि़	नि़	नि़	
सा मा सा	मा ग रे सा	सा सा नि़ ध़	नि़ ध़ — प़
ऽ ढो ल ण	में ऽ ना ले	मि लं दा ऽ	ना ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं प			
प ग प प	प नि ध सां	नि नि सां —	नि ध प —
इ त उ ठ	उ च क उ	च क यूं ऽ	फि रं दा ऽ
३	×	२	०
प प	ध ध	मं	
मं मं प ध	नि नि मं प	पप धध पमं ग	प रे ग —
स दा ऽ रं	गी ऽ ग लि	याऽ ऽऽ ऽऽ मां	हीं ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ग रे सा —			
अ नि में ऽ			
३			

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	मं	ग	
प गमं	नि ध प —	— रे — सा	ग रे ग ग
अ रीऽ	ये ऽ री ऽ	ऽ आ ऽ ली	पि या बि न
	०	३	×
— — प प	ग मं ग प	प ध प प	नि ध प प
ऽ ऽ स खि	क ल ना प	र त मो हे	घ री प ल
२	०	३	×
ग	सा ध		
रे रे सा सा	नि नि (प) —		
छि न दि न	ये ऽ री ऽ		
२	०		

अन्तरा.

मं		प	
प प सां सां	सां – सां सां	सां (सां) नि ध	नि ध प प
ज ब तें पि	या ऽ प र	दे ऽ स ग	व न की नो
०	३	×	२
मं प		नि	ग
प गं रें सां	नि ध प प	ध नि ध प	रे रे सा सा
र ति यां क	ट त मो हे	ता ऽ ऽ रे	गि न गि न।
०	३	×	२

राग यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़ ध़
सां ऽ

सा		सा	नि़
नि़ रे ग रे	सा रे सा सा	नि़ ध़ प़ प़	ध़ सा – –
व रे दि सु	र त मा नु	मां ऽ ऽ दि	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
नि़		ग	ग
सा – ग रे	ग – ग –	प ग प (प)	रे – सा नि़ध़
मैं ऽ डी ऽ	सैं ऽ यो ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प	मं ध	मं	मं
प ग प प	प मं मं ग	ग ग प प	प निध सां (मां)
त्रि न दि ठि	यां ऽ मा नु	क ल ना हिं	प डंऽ दी ऽ
३	×	२	०
	मं प	ग	नि
नि ध प –	प ग ग प	रे – सा –	सा रे ग मं
री ऽ ऽ ऽ	चि त च ढ़	जां ऽ दी ऽ	भू ऽ म र
३	×	२	०
ग	ग		
प मं प –	प – (प) –	रे – सा निध	
पां ऽ दी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ	
३	×	२	

राग यमन–त्रिताल (विलंबित लय).

स्थायी.

प ध	ग	ग	
निनि (प) मं ग	प – मं ग	रे ग ग रे	सा रे सा –
भऽ ज ह रि	ना ऽ ऽ म	तू ऽ मो रे	म न वा ऽ
३	×	२	०
नि	नि		मं ग
सा रे ग रे	सा रे सा सा	सा सा ग गरे	ग मं मं प
स ब सु ख	का ऽ र क	भ व भ यऽ	हा ऽ र क
३	×	२	०

मं प	–	प	प	ध मं	–	मं	ग	ग	रे	सारेगमं	प	रे ग	रे	रे निरे	सा
पू	ऽ	र	न	हो	ऽ	त	म	क	ल	तेऽऽऽ	ऽ	ऽ	रे	काऽ	म।
३				×				२				०			

अन्तरा.

प	ग	प	धप	मां	–	मां	मां	नि मां	रेंनि	रें	गं	नि ध सां	निनि	(प)	–
य	ह	मं	ऽऽ	मा	ऽ	र	ग	ड़ी	ऽऽ	का	ऽ	स	पऽ	ना	ऽ
३				×				२				०			
मं प	–	प	मं प	ध मं	–	मं	ग	ग	रे	सारेगमं	प	रे ग	रे	निरे	सा
मां	ऽ	च	ए	ऽ	ऽ	क	च	तु	र	कोऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नाऽ	म।
३				×				२				०			

यमन—एकताल (विलंबित).

स्थायी.

प ध निनि	मं प(प)	प ग	प गप	ग रे	ग	ग	ग	ग	रे	मं ग	मं
जिऽ	योऽ	क	रोऽ	को	ऽ	टि	ब	र	स	लों	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प	ग रे	निरे	सा	नि सा	रे	ग	रे	सा	(सा)	नि	निध
ऽ	जा	ऽऽ	में	अ	ति	सु	ख	पा	ऽ	यो	तेऽ
३		४		×		०		२		०	

ध						प		ग			
नि़	ध़	प़	—	प	—	ग	प	रे	नि़	रे	सा
हा	ऽ	रे	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म॑		म॑								नि	नि
प	ग	प	धप	सां	—	सां	सां	—	सां	सां	सां
तू	ऽ	रा	ऽऽ	ऊ	ऽ	अ	बा	ऽ	द	ब	दौ
३		४		×		०		२		०	

नि								म॑			म॑
रें	रें	सां	निध	नि	—	ध	प	प	पग	—	प
ऽ	म	त	मुऽ	दा	ऽ	ऽ	म	ब	हऽ	ऽ	के
३		४		×		०		२		०	

		नि						म॑			ध
—	प	ध	—	नि	ध	प	—	प	निध	—	सां
ऽ	म	हुं	ऽ	ऽ	म	दी	ऽ	आ	ऽऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

									रे		
—	नि	(प)	पग	प	—	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
ऽ	ले	हि	सऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म ।
३		४		×		०		२		०	

यमन- त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा

सुम

ग रेगमंप -रे गरे सा	सा (सा) – नि़ध़	नि़ ध़ प़ –	ध़ नि़ सा – – -सा
रऽऽऽ ऽन करूँ मैं	तो ऽ ऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ	तू ऽ ऽ ,मा
३	×	२	०
ग रे रे गरे नि़रे सा	नि़ सा – ग रे	रे ग – ग –	प प मं मंग प प
है बऽ मेऽ रा	आ ऽ वो ऽ	मे ऽ रे ऽ	गु नऽ अ व
३	×	२	०
मं प प मंपधनि -ध प	ग प(प) मं ग रे	रे प – ग रे	रे नि़ रे सा, सासा
गु नऽऽऽ ऽत न	नने हा ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र, सुम
३	×	२	०

अन्तरा.

ग प ग प धप	प सां – (सां) –	नि ध सां -रें	सां नि ध प
तू ऽ ही ऽऽ	दा ऽ ता ऽ	तू ऽ ही ऽक	री ऽ ऽ म
३	×	२	०
प सां गं रें निरें सां	ध नि ध मं,धनि (प)	मं ध प मं ग रे	रे नि़ रे सा, सासा
ते ऽ रोऽ हि	ना ऽ ऽ,ऽऽ म	क र ता ऽ	ऽ ऽ र, सुम।
३	×	२	०

यमन—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

			निध बन
म प (प) मं ग रे ऽ ऽ ब ३	ग ध प मं मं लैं ऽ ऽ ×	ग रे ग - रे यां ऽ ऽ ऽ २	नि सा रे सा लूं ऽ गी ०
नि सा - नि ध आ ऽ ज सु ३	नि सा रे निरे हा ऽ गऽ ×	रे प - ग रे की ऽ ग ऽ २	सा (सा) निध ऽ ऽ तन ०
सासानिध नि (प) - देऽऽऽ ऽ ला ऽ ३	ध प प प ब र पा ×	ध मं ग रे पपधनि या ऽ ऽ ऽऽऽऽ २	ध सारेंसांनि सां, निनि ऽऽऽऽ ऽ बन ०
(प) - मं मग रे ऽ ऽ बऽ ३			

अन्तरा.

ग प ग प धप चं ऽ द्र ऽऽ ३	प सां सां सां ब द न ×	(प) ग प धप प र नि पऽ २	सां सां - ट की ऽ ०

नि सां – रें रें	सां नि ध	ध सां (सां) नि ध	नि ध प
लो ऽ च न	च म क	त ल री ऽ	यां ऽ ऽ
३	×	२	०
नि नि ध ध सां (प)	प ग ग	प प प ग ग ग रे	रे प – ग
ब ना ऽ ब	नी ऽ के	मु ख तं ऽ	बो ऽ ल
३	×	२	०
प नि ग प ध सां	(प) – ग	ग रे ग प	ग रे – सा
बी ऽ री ब	ना ऽ य	अ न गि न	दू ऽ गी।
३	×	२	०
नि सा – नि ध			
आ ऽ ज मु	इत्यादि······		
३			

यमन—त्रिताल. (विलम्बित)

स्थायी.

नि

यान

मं प (प) – मंग	ग प – मं ग	ग रे ग – रे	सा – निसा गरे
बी ऽ ऽ यार	सू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ लि	ल्ला ऽ ऽऽ सद
३	×	२	०

नि		नि	सा सा सा
मा (मा) – निध	सासानिध नि – ध	प – – सा	रे रे रे –
का ऽ ऽ हम	नैऽऽऽ ऽ ऽ न	का ऽ ऽ मु	श कि ल ऽ
३	×	२	०
नि रे	ग		नि
सा ग ग –	प – – रे	ग – – रे	सा रे सा निध
मे ऽ गी ऽ	आ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा ऽ न, यान
३	×	२	०

अन्तरा

मं		नि	
प ग प धप	सां – सां –सां	सां रें सां –	रें गं (सां) –
तु म तो ऽऽ	दी ऽ न ऽदु	नी ऽ के ऽ	बा द शा ऽ
३	×	२	०
ध		मं ध	प
सां (सां) – निध	सांसांनिध निध (प)	प मं ग रे	ग प ध निध
या ऽ ऽ रऽ	सूऽऽऽ ऽलि ला ऽ	तु म तो ऽ	मु झ प रऽ
३	×	२	०
	ग		रे
मंपधनिसां रेंसां (सां)	प – ग प	रे ग – रे	नि रे सा निध
मेऽऽऽऽ ऽ ह र	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ न, यान।
३	×	२	०

यमन—त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

गरे

पट

ग	प ध मं	प	रे
गमंप मं प प	निनि प(प) – ग	प (प) ग गप	ग – रे –
तोऽऽ ऽ ऽ रे	कऽ वऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ नऽ	दे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

ग	ग		
प - ग -	प (प) - गरे	ग रे सारे मा	ग रे सारे मा
हाँ ऽ ऽ ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽऽ ग	तु ऽ मुऽ
३	×	२	०
मा	ग	मं	मं
प ग प रे	गमंप मं प पप	प ध - निध	प (प) ग रे
ग्या ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ ऽ नम	हुं ऽ ऽ मद	मा ऽ ए ऽ
३	×	२	०
मं		ध	मं
ग मं प -ध	नि - ध	मं ध सांसांनिध निध	प - मं मंरे
च तु र ऽवा	ल ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽमु	वा ऽ ऽ, पट।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं
प
ग

मं नि ध		सा ध	
प ध नि नि	सां - (सां)	नि ध, मंध	सांसांनिध निध प -
क तो ऽ ह	री ऽ जा ऽ	का ऽ ऽ, भऽ	ईऽऽऽ ऽल वा ऽ
३	×	२	०
मं ध	रें	नि मा	प
प मं ग रे	नि रे मा -	सा सां नि ध	मंध सांसांनिधनि,ध प(प) मंरे
म दा ऽ ऽ	रं ऽ ग ऽ	री झे ऽ आ	नऽ ऽऽऽऽऽ,मु वाऽ, पट।
३	×	२	०

यमन—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

(प ध मं) निनि	प(प)	—	मंग	पपमंग	मं	ग	रे	सा	—	गरे	ग
एऽ	रीऽ	ऽ	लाल	मीऽऽऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽजि	या
३		४		×		०		२		०	
(ग) प	ग	(ग) प	(प)	प	ग	(ग) प	ग	(ग) रे	ग	रे	सा
ऽ	ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	सू	ऽ	द	ऽ	ऽ	र
३		४		×		०		२		०	
(नि) सा	गरे	ग	ग	(ग) प	(प)	रे	ग	रे	सारे	सारेग	—
ग	ऽऽ	जें	द्र	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(ग) प	ग	(ग) प	(प)	प	ग	रे	सा	सासारेग	—रे	साप़	धप़
जा	ऽ	ज	ग	त	में	ऽ	ऽ	लाऽऽऽ	ऽव	लाऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ग) प	ग	प	धप	(प) सां	—	—	(नि) सां	नि	(ध) नि	रें	सां
जो	ऽ	जा	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	भा	ऽ	ऽ	व	र
३		४		×		०		२		०	

नि सांसांनिध निध	सांसांरें गं –रें	नि सां निध	नि सां(सां)-,नि ध	नि धप	ग पग प
सोऽऽऽ ऽऽ ३	ऽऽऽऽ ऽहि ४	बे ऽऽ ×	गांऽ ऽ,तऽ ०	न ऽऽ २	बेऽ गा ०
पपधनिसां रें	नि सां (सां)	निध निध	प –ध	नि ध	रेंरेंसांनिसां,-निध
म्हाऽऽऽऽ ऽ ३	रे ऽ ४	अऽ तऽ ×	ऽ ऽक ०	गे ऽ २	ऽऽऽऽऽऽ,रिमं ०
ध ध मं,धमं निनि	मं प(प) –,मंग	पपमंग मं	ग रे		
ग,ऽऽ ऽऽ ३	लऽ ऽ,लाल ४	मीऽऽऽ ऽ ×	ले ऽ ०		

यमन—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

,रें

,म

						प मं
ग धधपमंप	परे –,गरे	सा –	– मा ,गरे	ग –	–	
हूँ ऽऽऽऽऽ ३	ऽऽ ऽ,मद ४	आ ऽ ×	ऽ ऽर ०	बी ऽ २	ऽ ०	या
ग ,–मं	प मंप	ग प (प)मं	ग रे	सा नि̣	ध̣	ध̣
ऽ ऽन ३	बी ऽऽ ४	स लीऽ ×	ल्ला ऽ ०	ऽ ऽ २	ऽ ०	हो

म॑ प॒	नि॒ध॒	सा	–रे	रे प	ध म॑	ग	रे	रे नि॒	रे	सा –रे
आ	लेऽ	ही	ऽव	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म, ऽम।
३		४		×		०		२		०

अन्तरा.

ग प	ग	प	सांध	मां	–	मां	मां	–	सांरें	मां –मां
पं	ज	त	नऽ	पा	ऽ	क	द्वा	ऽ	ऽरेइ	मा ऽम
३		४		×		०		२		०
सां नि	–	निध	मां	मां	सां	प मां	(मां)	निध	नि	ध प
चा	ऽ	देंऽ	मा	सू	मे	मू	ऽ	तेंऽ	जा	ऽ लि
३		४		×		०		२		०
सां ध	मां	(प)	पम॑	प ग	प	रे	ग	रे	रे नि॒	रे मारें
नू	ऽ	रे	वऽ	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ म,म।
३		४		×		०		२		०

यमनकल्याण—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

प म॑ पप निध प(प)- ,म॑ग	ग प	–	ग	रे	ध प	(प)	ग	रे	प	रे	गरें	सा
पल कन सेंऽ ऽ,मग	झा	ऽ	रू	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽऽ	ई
३	×				२				०			
प ग म॑ प ध	सांसांनिध	नि	प(प)		म॑ पप	निध	सांनि	रें	सां,निध	निम॑	ध ग पम॑	
क ब घ र	आऽऽऽ	ऽ	बे	ऽ	मोग	ऽऽ	ऽऽऽ		प्या,ऽऽ	ऽ	राऽऽ।	
३	×				२				०			

अन्तरा.

ग	प							नि						ध	
प	प	सां	-सां	सां	सांनि	रें	सां	सां	रें	गं	(सां)	सांसांनिध	नि	प	(प)
त	प	त	ऽबु	झा	ऽऽ	ऽ	ऊं	ग	रे	ऽ	ल	गाऽऽऽ	ऽ	ऊं	ऽ
३				×				२				०			

नि				नि			
धनि	सारें	मंमंगरें,गरें	सारें,सां	सां,निध	सांसांनिध,निध	पध	प
तन	मन	धऽऽऽ,ऽन	ऊऽ,न	प,रऽ	बाऽऽऽ..ऽ	ऽऽ	रू
३				×			

						ध	ग
पध	निध	मांनि	रें	सां,निध	नि	मं	पम
मोरा	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	प्या,ऽऽ	ऽ	रा	ऽऽ।
२				०			

यमन–एकताल (विलंबित).

स्थायी.

		नि़						प़		नि़	
,गग	रे,गरे	सा(सा)	-,नि़ध़	सासानि़ध़	नि़ध़	प़	–	सा	सा	सा	रे
ऽ,कहे	स,खीऽ	कैऽ	ऽ,सेके	कऽऽऽ	ऽरि	ये	ऽ	भ	रि	ये	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				नि़				मं			
ग	रे	सा	नि़सा	सा	–	ग	–	ग	–	ग	रे
ऽ	दि	न	ऽऽ	ऐ	ऽ	से	ऽ	ला	ऽ	ल	न
३		४		×		०		२		०	
ग—		ग		प				रे			
प	ग	प	(प)	रे	ग	–	रे	ध़	नि़	सा	–
के	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ग)प	ग	प	धप	(प)सां	–	सां	निसां	(नि)सां	(सां)	–	निध
सु	न	री	ऽस	खी	ऽ	मैं	ऽऽ	का	ऽ	ऽ	कहुँ
३		४		×		०		२		०	
सांसांनिध	निध	(मं)प	(प)	(मं)प	(प)मं	ग	रे	(प)ग	प	निध	सां
तोऽऽऽ	ऽऽ	सें	ऽ	उ	नऽ	ही	के	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
–	(सां)नि	ध	प	(प)रे	ग	–	रे	(रे)ध़	नि़	सा	–
ऽ	न	ऽ	त	ढं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

यमन—एकताल (बिलम्बित).

स्थायी.

नि़	प़	नि़ध़	,सारे	सा	–	नि़	रे	ग	रे	सा	(सा)
मे	रा	ऽऽ	,मन	बां	ऽ	ऽ	ध	ली	नो	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(पध)निनि	(मं)प(प)	रे	(पग)मंमं	प	प(प)	ग	रे	(रे)ध़	नि़	सा	सा
हांऽ	रेऽ	ऽ	इन	जो	गीऽ	या	के	सा	ऽ	ऽ	थ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म		प ध म			नि
ग म	प ध	निनि प(प)	मंग गप	ग रे	सारे सा
स दा	रं ग	कऽ रऽ	मऽ कऽ	रो ऽ	क्यूंऽ ना
३	४	×	०	२	०
सा		प ध		ग सा	
नि़ रे	ग म	निनि (प)	मंग प	रे नि़	रे सा
इ न	आ ऽ	नऽ ना	ऽऽ थ	के हा	ऽ थ
३	४	×	०	२	०

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा
सो

सा रे नि़					
गग सा(सा)	— नि़ध़	सासानि़ध़ नि़ध़	प़ —	प़ ग	— रे
हेऽ लाऽ	ऽ ऽऽ	नंऽऽऽ दूऽ	के ऽ	गा ऽ	ऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
रे रे		नि			प ध म
नि़ गग	(सा) —	सा ग	गरे पग	प प	निनि प(प)
ऽ ऽऽ	बो ऽ	ब जा	ऽऽ ऽऽ	ऽ बो	तोऽ रेऽ
३	४	×	०	२	०

								नि̣			
—	पग	पग	प,धप	ग	रे	सा	—	सा	(सा)ध̣	नि̣ध̣	,सा
ऽ	मंऽ	द्रीऽ	ऽ,ऽल	रा	ऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ऽऽ	,सो।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

	मां									
	निध	पमं गरें	ग	मं	प	मंप,ध	नि	ध	सां	सां
ऽ	मोंऽ	काऽ समम	अ	म	म	ऽऽ,वि	स	ऽ	ऽ	म
३		४	×		०		२		०	

मांरें										प	
गंगं	(मां)	नि	धध	सांसांनिध	नि	ध	प	ध	प	ग	म
अऽ	ती	ऽ	तअ	नाऽऽऽ	ऽ	ऽ	घा	ऽ	त	म	न
३		४		×		०		२		०	

		प		प ध			ग			रे	
ग	रे	ग	मंध	निनि	(प)	—	रे	ग	रे	ध̣नि̣	सा,सा
रं	ग	के	ऽऽ	दिऽ	खा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,सो।
३		४		×		०		२		०	

यमन–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

											नि̣
											सासा
											दिय
ग				नि̣				प			सा
रे	ग	रे	सा	सा	नि̣	ध̣	प̣	मा	नि̣	रे	रे
रा	ऽ	ऽ		बा	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ	ऽ	गी
३		४		×		०		२		०	

रे		नि		नि	रें
ग रे	सा (सा)	सा निध	सा सा	सा ग	ग –
धि या	के ऽ	ह जऽ	र त	ख्वा ऽ	जे ऽ
३	४	×	०	२	०
प ध	ग	प			
म मग	प प	ध प	ग प	रे –	सा सासा
खि दऽ	र के	न ज	ऽ ऽ	ऽ ऽ	र, दिय।
३	४	×	०	२	०

अन्तरा.

मं		प	प		मं
प पग	प प	ध प	मग पध	सांसांनिध निध	प (प)
दू धऽ	पू त	औ र	अन धन	लऽऽऽ ऽछ	मी ऽ
३	४	×	०	२	०
मं ध		रें		रें निरें	
प म	ग रे	प ग	प रे	नि गग	(सा) ,सासा
नि स	दि न	श्या ऽ	ऽ म	फ जऽ	र ,दिया
३	४	×	०	२	०

यमन—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं	ग		ग ग		नि
पग गमंधप	रे सासा	गरे ग	पग प(प)	र सा	सां निध
याऽ ऽऽऽर	दा मेंनु	नित दा	नीऽ होऽ	ऽ रा	मैं याऽ
३	४	×	०	२	०

[ध] सां(सां),निध	सांसांनिध निध	प –प	[ध नि] प ध,निध	निसांरेंरेंसांनिसां निध	[नि ग] मंप मंप
निऽ ,मेंनु	भांऽऽऽ ऽव	दाऽनि	हो ग,ऽऽ	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ
३	४	×	०	२	०
[प] निधप प,गमंधप	गरें सासा				
याऽऽ ऽ,ऽऽऽर	दाऽ मेंनु				
३	४				

अन्तरा

[मं] पग पप	पप मंध	प –	[मं] पग पध	सां (सां)	निध प
कित वल	मज ऽनूं	वे ऽ	कित वल	कु ऽ	काऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
[नि] सांसां रें	सां –,निध	सांसांनिधनि (प),प	[ध नि] प ध,निध		
इश्क पैं	या ऽ,मियां	जोऽऽऽऽ रा,नि	हो रा,ऽऽ	स्थायी के अनुसार	
३	४	×	०		

यमन–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

[नि़] सा
स

[नि़] सा रे ग –	[ग ध] प – मं –	[मं ग] ग – रे –	सा – – –
लो ना रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	बा ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

नि़ रे सा,रेग नि़ (सा)	नि़ ध़ सा नि़	नि़ ग रे	नि़ सा – – सा
ऽ,लम मो ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ, स ।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं प – मं ग	प – प –	ग प – रे –	ग रे ग मं प
सू ऽ हा ऽ	चो ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	अ त रं ग
३	×	२	०
प नि ध सां (सां)	ध नि ध प –	ग प प (प) ग ग	रे ग – रे रे
भी ऽ ऽ ऽ	ना ऽ ऽ ऽ	आ ऽ ज मु	हा ऽ ऽ ग
३	×	२	०
ग ध – (प) –	ध मं – रे –	ग – रे –	सा – – नि़
की ऽ ऽ ऽ	गा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	तें ऽ ऽ, स ।
३	×	२	०

यमन– त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

सा
नि़ रे
ओ दे

ग प ग रे	नि़ सा रे ग	मं ग मं (प)	– रे – मं
लें ते दे लें	त न द्रे द्रे	त द्रे ऽ न्ना	ऽ दी ऽ म्त
०	३	×	२

ग			
(प) – रे ग	रे सा सा रे	ग रे सा नि़	ध़ नि़ ध़ –
दी ऽ म्ता ऽ	न्न द्रे द्रे तों	ऽ द्रे द्रे त	दा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
		ग	
प़ ध़ नि़ रे	ग रे नि़ रे	ग – म॑ म॑	– (प) – –
दा ति दा नि	उ दे दा नि	दी ऽ म्त द्रे	ऽ न्ना ऽ ऽ
०	३	×	२
			सा
नि़ – रे ग	म॑ (प) – –	रे ग रे सा	– सा नि़ रे
ता ऽ न्न दे	रे ना ऽ ऽ	दी ऽ म्त दा	ऽ नि, ओ दे
०	३	×	२

अन्तरा.

प प प सां	ध सां – सां	सां – सां –	रें गं रें सां
ना द्रे द्रे दी	ऽ म्दी ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	म्त त न दे
०	३	×	२
ध			
नि नि – रें	सां – नि ध	प प रे ग	– रे नि़ सा
रे ना ऽ त	नूं ऽ धि या	ना रे नि ता	ऽ न्न दे रे
०	३	×	२
		रे	
गं – रें –	नि – (प) –	ग – रे सा	– सा नि़ रे
ता ऽ नूं ऽ	दे ऽ रे ऽ	ना ऽ त दा	ऽ नि, ओ दे।
०	३	×	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा सा
त न

रे ग रे नि़	— रे सा सा	ध़ नि़ ध़ नि़	सा सा सा रे
ना द्रे द्रे तो	ऽ म्त न न	त द रे दा	ऽ नि ता रे
०	३	×	२
			मं प
ग ग — ग	ग म ग रे	ग म ग रे	प ग प (प)
दा नी ऽ त	द रे दा नि	त न न न	न न न न
०	३	×	२
		प	ग
ग — रे ग	ग रे सा सा	नि ध — ध	प — प ग
ना ऽ ऽ त	द रे दा नि	त ना ऽ त	ना ऽ त ना
०	३	×	२
रे			
— ग रे —	सा रे सा सा	ध़ नि़ ध़ सा	सा सा रे नि़
ऽ त ना ऽ	त न ना रे	ना द्रे द्रे दा	नी तुं द्रे द्रे
०	३	×	२
रे रे — मं	ग प प प	प ध प मं	ग रे सा सा
दा नि ऽ त	द रे दा नि	त न न न	न न, त न
०	३	×	२

अन्तरा.

सा	रे	ग	ऽ	सा	रे	ग	ऽ	ग	रे	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×				२				०				३			
ग	रे	प	ग	प	प	ध	सां	प	ध	प	मं	ग	रे	सा	ऽ
×				२				०				३			
								धध	पप	पप	धध	पप	पप	ध	–
सा	ग	रे	मं	ग	रे	सा	ऽ	तिर	किट	तक	धिर	किट	तक	धा	ऽ
×				२				०				३			
			ग												
प	(प)	–प	प	ग	रेरे	सा	सा								
धे	त्लां	ऽग	धे	त्लां	ऽग,	त	न								
×				२											

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

–	सारे	ग	–	प(प)	ग	रे	गरे	–सारे	सा	सारेगमंप	रेरे
ऽ	यारे	मन्	ऽ	यल	ली	ऽ	ऽऽ	ऽ,यल	ला	ए	ऽल
४		×		०		२		०		३	
सा(सा)	निध,सारे										
बाऽ	ऽऽ,यारे										
४											

अन्तरा.

ग		ग	ग						ग		
प	(प)	मंग	,मंमं	प	मंप	प	–	पपमंग	मंमं	प	प
ना	द्रे	ऽऽ	,द्रेते	ला	ऽ	ना	ऽ	तेऽऽऽ	ऽले	ला	ना
३		४		×		०		२		०	

प ग प त दी ३	सां ध सांनि या ऽना ४	ध निध प रेऽ ऽ ×	प निध ना ऽऽ ०	प(प) गरे द्रे ऽऽ २	नि,ध मंध तों,ऽम द्रेऽ ०
पपधनि धपमंग ना ऽ ३	रेंसानिध ,सारे ऽ ऽ,यारे ४				

यमनकल्याण—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

सा,साध़ निरे ऽ ऽ ते,ले नादिर ३	ग ग – रे गरे दी ऽम दी ऽम ×	सानि़ रे ममगरे गरे दी ऽ म्त ऽन २
सा – निरेरेसानिसा धनि़ ना ऽ द्रे ऽऽ ०	नि़ नि़ (प)– पध़ सासा न्ना ऽ उदे लेते ३	सासा – सारेसासा निध़ द्रेले ऽ ऽ ल्लाना ×
निरे निरे ममगरेग रे तेले ऽले ला ऽ २	सा – सानि़ रे ना ऽ ता रे ०	गरे सा सा(सा) –,निरे दा नि ते,ले ,नादिर ३

अन्तरा.

ग	ध	
पमं प (प) –मंमं	प –ग मं ध	सांसांनिध निध (प) –
दीन्द रा ऽ ऽ,दर	ये ऽद बी ऽ	गो ऽ य ऽम
३	×	२
	ग	ग
गमंपधप पग परे गरे	नि रेनि गरे सा	रेरे पपमंगमंग मं प
बे धी ऽ ऽ	रा ऽ ऽ वे	मित वा वे ऽ
०	३	×
ग		
रे गरे नि रेसा	सा निध प(प) रेसा	सारेगमंप रे,सा सा(सा) –,निरे
द ऽर्द रा ऽवे	पी ऽर गो ऽम्त	आ ऽवे ते,ले ऽ,नादिर ।
२	०	३

यमनकल्याण–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

पध ग			
निनि निधप ––,पमं	सां निध,प –	पपमंगमं धधपमंपमं ग रे	गरे गमंप –
दरा ऽऽऽ ऽ ऽ,दानि	द राऽ,ऽ ऽ	ऽ द रा ऽ	दरा तो मुऽ
३	×	२	०
रे			
ग रे सा निसा	मग मम रे	ध सा,रे सा (सा)	ध प –
द ऽ रा ऽ	दर दरा ऽ	दी ऽम्त दा ऽ	ऽ नि ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

		म	(म)	ध़ (म)	-	‿सा	‿रे	ग	-	-	प	(प)	-	
ऽ	ऽ	आ	व	सा	ऽ	न्नऽ	ऽर्स	रे	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	
३				×			२				०			
ग (प)	‿प	‿प	सां	ध	सां	सांसां	सांध	रे	रे	-	रे	मरे	गमंपध	
द	ऽम	ऽद	री	ऽ	ऽ	वज	रा	ऽ	ने	ऽ	ब	क्क	र	
३				×			२				०			

निसांरेंगं	रेंसांनिध	पमंगरे	सारेसासा	|
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,मदानि	|

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग (सा)	-	रे	-	सा	सा	सा (नि)	ग	रे	ग (मं)	मं	प
तू	ऽ	ही	ऽ	भ	ज	भ	ज	ऽ	रे	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
नि (प)	प (ध)	-	मं (ध)	-	ग	ग (मं)	म	गरे	ग	रे	सा
म	न	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	बा	ऽ	सुऽ	दे	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	

			ग						ग		
सा	रे	ग	रे	—	सा	सा	रे	ग	रे	सारे	सा
प	द	म	ना	ऽ	भ	प	र	म	पु	रूऽ	ष
०		३		४		×		०		२	
		मं				मं					
सा	रे	ग	मं	प	प	प	रे	ग	रे	सारे	सा
प	र	मे	ऽ	श्व	र	ना	ऽ	रा	ऽ	यऽ	न ।
०		३		४		×		०		२	

——

अन्तरा.

मं			मं			प					
प	ग	ग	प	ध	प	सां	सां	सां	सां	रें	सां
जो	ऽ	ग	जा	ऽ	ग	ज	प	त	प	क	र
×		०		२		०		३		४	
सां		सां	सां			ध			ध	ध	
नि	—	नि	नि	ध	ध	सां	—	नि	नि	प	
वा	ऽ	म	दे	ऽ	व	ना	ऽ	र	द	मु	नि
×		०		२		०		३		४	
मं				मं					प		
प	प	नि	ध	प	ध	प	मं	ग	मं	प	प
व	सी	ऽ	ष्ठ	स	न	का	ऽ	ऽ	दि	क	स
×		०		२		०		३		४	
				नि़				नि़			
प	मं	ग		सा	रे	सा	सा	सा	रे	सा	स
क	ल	सु	र	गा	ऽ	व	त	ध्या	ऽ	व	त
×		०		२		०		३		४	

ध						सां			ध		
म	ग	म	प	–	प	नि	सां	नि	नि	म	प
अ	ऽ	ष्ट	जा	ऽ	म	क	र	त	र	ह	त
×		०		२		०		३		०	
म											
प	रे	ग	रे	सारे	सा						
पा	ऽ	रा	ऽ	यऽ	न						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म			म						म	नि	
प	–	प	प	–	ध	प	–	प	प	ध	सां
पी	ऽ	र	द	ऽ	स्त	गी	ऽ	र	ह	ज	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	ध			ध				ग		रे	
नि	नि	ध	प	म	म	ग	रे	रे	ग	ग	म
र	त	ऽ	तु	म	गु	रु	ऽ	सा	ऽ	हे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	नि़	ध़	–	प़	सा	सा	रे	ग	ग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	इ	स	ब	श	र
×		०		२		०		३		४	
म				ध		म		ग			
ग	ध	प	–	म	–	ग	–	रे	–	सा	–
अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा						सा			म		
ध़	नि़	ग	रे	सा	–	प	–	म	ग	रे	ग
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			सा								
सा	सा	–	सां	–	सां	–	सां	सांनि	रें	सां	–
कि	यो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	दा	ऽऽ	ऽ	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि							ध				
सां	रें	गं	रें	सां	–	नि	प	–	प	ग	प
स	ब	ऽ	न	को	ऽ	य	हृ	ऽ	ज	ग	ब
×		०		२		०		३		४	
ग								म॑			
रे	–	सा	–	सा	सा	रे	–	ग	म॑	ग	प
खा	ऽ	न	ऽ	त	र	का	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
			प	नि		ध					
–	प	ध	ध	ध	नि	नि	रें	सां	–	नि	–
ऽ	दि	ला	वो	अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	–	प	–	म॑	–	ग	–	रे	–	सा	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि़						सा			म॑		
ध़	नि़	ग	रे	सा	–	प	–	म॑	ग	रे	ग
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			प			ग			ग		
प	—	प	ग	—	ग	रे	ग	—	रे	—	रे
ता	ऽ	न	ता	ऽ	ल	सो	ही	ऽ	गा	ऽ	इ
०		३		४		×		०		२	
						सा			नि़		
सा	—	सा	ग	रे	सा	नि़	ध़	ध़	सा	—	रे
ये	ऽ	अ	न	गि	न	ता	ऽ	न	गा	ऽ	इ
०		३		४		×		०		२	
		प	प			प					
ग	—	ग	ग	—	रे	ग	म	प	प	—	प
ये	ऽ	सु	ना	ऽ	इ	ये	ऽ	ऽ	बे	ऽ	गि
०		३		४		×		०		२	
प						ग			ग		
नि	ध	प	ध	प	—	रे	ग	—	रे	—	सा
प	र	स	त	है	ऽ	सु	ध	ऽ	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

म		प	सां						नि		
प	प	सां	ध	सां	—	सां	सां	—	सां	रें	सां
सु	न	अ	त	ही	ऽ	अ	ला	ऽ	प	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि़						नि					
सां	गं	रें	गं	मं	रें	सां	—	निध	नि	ध	प
मु	ऽ	ऽ	द्रा	ऽ	में	गा	ऽ	वेऽ	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

म	ध						म		नि		
प	म	—	ग	प	—	—	प	—	ध	नि	प
प्र	मा	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	री	ऽ	भा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
म										ध	
प	निध	नि	मां	रें	गं	रें	मां	नि	ध	प	—
मा	ऽऽ	नो	ऽ	गु	नि	य	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प			ग								
ग	—	प	रे	—	सा						
हो	ऽ	त	कं	ऽ	ठ						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि			ध	ध		नि					
सां	सां	नि	नि	म	प	ध	नि	ध	प	—	प
च	र	न	न	सु	ख	चि	रं	ऽ	जी	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
म						म					
प	—	ध	प	—	—	प	प	प	पग	ग	रे
मा	ऽ	ऽ	धो	ऽ	ऽ	द	ल	न	सुऽ	ख	ऽ
०		३		४		×		०		२	
						नि				रे	
सा	रे	ग	रे	सा	—	सा	—	रे	—	सा	रे
रा	ऽ	ज	क	रो	ऽ	बं	ऽ	सी	ऽ	अ	ध
०		३		४		×		०		२	

	प		ग			ग			रे		
ग	म	—	म	प	—	रे	ग	रे	नि	रे	सा
र	गा	ऽ	ज	त	ऽ	गा	ऽ	ज	रा	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	

सा			ध	ध	
सां	सां	नि	नि	म	प
च	र	न	न	सु	ख
०		३		४	

अन्तरा.

ग						प					
प	—	ग	प	ध	प	सां	—	सां	रें	सां	—
ध	ऽ	मं	मु	क	ट	छ	ऽ	त्र	ब	ढो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां									ध		
नि	—	ध	सां	सां	रें	सां	—	नि	नि	ध	प
ला	ऽ	ख	मु	र	त	ना	ऽ	म	ले	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
मं	प					नि			मं		
प	ग	—	प	प	—	ध	नि	ध	प	ध	प
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
		नि	नि					रें			ध
प	प	ध	ध	सां	सां	रें	गं	सां	—	नि	नि
त	न	म	न	ध	न	सु	ख	पा	ऽ	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रें			ध								
सां	—	नि	नि	ध	प						
रा	ऽ	ज	रा	ऽ	ज						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

[प]नि	ध	प	[प]म॑	[म॑]ग	—	रे	[प]म॑	[प]म॑	प	प	[म॑]प
ए	त	क	त	हूं	ऽ	ऽ	तें	हा	ऽ	री	आ
३		४		×		०		२		०	
ध	प	—	प	[म॑]प	ध	[प]ध	[ध]सां	नि	ध	नि	ध
म	दा	ऽ	स	ज	न	म	ज	न	म	के	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प	म॑	ग	[प]म॑	प	—	प	[प]ग	म	ग	रे	[रे]नि़
ऽ	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रे	दु	ऽ	ख	ऽ	ह
३		४		×		०		२		०	
रे	सा	—	—	[नि़]सा	[सा]प	—	[प]म॑	[म॑]ग	—	ग	रे
ऽ	रो	ऽ	ऽ	सा	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
[रे]नि़	रे	सा	—	[नि़]ध़	नि़	—	[नि़]ग	रे	सा	—	नि़सा
हौ	ऽ	जे	ऽ	कौ	ऽ	ऽ	म	र	के	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा

[म॑]प	प	—	[प]सां	ध	सां	सां	—	सां	सां	—	सां
तु	म	ऽ	सों	ऽ	जो	क	ऽ	न	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि		मं	रें						नि		
सां	–	गं	गं	–	मं	गं	रें	–	सां	रें	सां
जा	ऽ	मों	जा	ऽ	य	क	हूँ	ऽ	दौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

सा	ध					म॑			रे		
नि	नि	ध	प	म॑	ग	गम	ग	रे	नि़	रे	सा
ह	म	ऽ	को	ऽ	तो	नऽ	हीं	ऽ	ठौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि़		म॑							ध		
सा	रे	ग	म॑	ध	नि	रें	सां	नि	नि	ध	प
बि	न	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	न
×		०		२		०		३		४	

म॑	नि		ध		म॑						ध
प	ध	नि	म॑	पम॑	ग	म॑	नि	–	ध	प	म॑
प	र	ऽ	के	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	क	त
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां					ग				ध		
नि	ध	–	प	म॑	म॑	प	–	प	म॑	–	ग
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	श	री	ऽ	र	ज्ञा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

					ग				नि़		
ग	–	रे	ग	म॑	म॑	प	–	रे	सा	रे	सा
ना	ऽ	द	भे	ऽ	द	ती	ऽ	न	स्था	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि सा	-	रे	-	ग	ग	प म	ग	प	पम	ध	प
द्वा	ऽ	वि	ऽ	श	ति	श्रु	ति	शु	चिऽ	स्व	र
×		०		२		०		३		४	
म प	-	ध	ध	नि	ध	सां	सां	नि	ध नि	ध	प
द्वा	ऽ	द	श	वि	क	र	त	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म प	-	ग	प	ध	प	नि सां	-	सां	सां	रें	सां
बं	ऽ	श	जा	ऽ	ति	व	ऽ	र्ण	द्वी	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
सां नि	-	नि	ध	सां	-	सां गं	रें सां	नि	ध नि	ध	प
छं	ऽ	द	ऋ	षी	ऽ	वि	नि	ऽ	यो	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म प	प ग	-	प	-	प	नि	ध	नि	ध म	ध	प
श्रु	ती	ऽ	जा	ऽ	ति	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
प सां	-	नि	ध प	-	प ग	प	-	रे	रे नि	रे	सा
ए	ऽ	क	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि़			सा			मं			मं		
सा	–	सा	प	–	प	प	–	प	प	ध	प
शु	ऽ	द्ध	क्रू	ऽ	ट	भे	ऽ	द	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			नि						ध		
प	प	–	ध	नि	ध	सां	–	नि	नि	ध	प
प	र	ऽ	स्ता	ऽ	र	मे	ऽ	रु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
मं		ध						नि़			
प	–	म	–	ग	–	ग	रे	सा	रे	सा	सा
न	ऽ	ष्टो	ऽ	दी	ऽ	ष्ट	प्र	बो	ऽ	ध	न
×		०		२		०		३		४	
नि़								ग			
सा	–	रे	–	ग	ग	म	–	मं	प	ध	प
सा	ऽ	धा	ऽ	र	ण	को	ऽ	बि	धा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

मं						प					
प	ग	प	प	ध	प	सां	सां	सां	–	रें	सां
का	ऽ	क	लि	सु	र	अ	रु	अं	ऽ	त	र
×		०		२		०		३		४	
नि						नि					
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध	प
च	तु	र	ब	र	ण	अ	लं	ऽ	का	ऽ	र।
×		०		२		०		३		४	

ध								ध			
म	ग	प	−	प	−	नि	ध	म	ध	प	प
जा	ऽ	ती	ऽ	ल	ऽ	च्छ	न	कौं	ऽ	ब्र	ल
×		०		२		०		३		४	
प			ध	ध			प				
सां	सां	नि	नि	प	प	प	ग	प	रे	−	सा
र	त	ना	ऽ	क	र	म	त	प्र	मा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—धमार. (विलम्बित, मात्रा १४)

स्थायी.

प	ध	
नि	प	−
की	धों	ऽ

			ग					प			ग		
रे	−	म	म	प	−	−	ग	म	ग	रे	रे	ग	म
ऽ	ऽ	तो	वे	चे	ऽ	ऽ	ट	ऽ	क	ऽ	की	धों	ऽ
३				×					२		०		
				सा	रे								
ग	रे	सा	−	ग	सा	−	नि़	ध़	प़	−	प़	सा	ध़
टो	ऽ	ना	ऽ	की	धों	ऽ	तो	ऽ	वे	ऽ	जं	त्र	ऽ
३				×					२		०		
				ग	ग		रे				सा	ध	
सा	−	रे	−	प	रे	−	नि़	−	रे	सा	नि	प	ध
मं	ऽ	त्र	ऽ	य	ही	ऽ	ना	ऽ	ऽ	र	की	धों	ऽ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

म॑										नि			
प	–	–	सां	–	ध	मां	सां	–	–	सां	रें	सां	–
जो	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ	हे	दे	ऽ	ऽ	ख	ऽ	त	ऽ
×					२		०			३			
नि					रें					ध			
सां	नि	रें	गं	–	सां	–	नि	ध	नि	प	–	प	प
मो	ऽ	ऽ	ह	ऽ	त	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽ	र	हि
×					२		०			३			
म॑	ध		प				ग			सा	ध		ग
प	प	–	म॑	ग	ग	प	रे	–	सा	नि	प	म॑	म॑
क	छू	ऽ	सु	ध	न	मं	भा	ऽ	र	की	धों	तो	वे ।
×					२		०			३			

यमनकल्याण–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

प⁀					ध					ग		रे	
नि	ध	प	प	प	म॑	प	म॑	ग	–	रे	ग	ग	प
के	ऽ	ऽ	स	र	घो	ऽ	र	के	ऽ	अं	ऽ	ग	ल
×					२		०			३			
प					सा					रे		ग	
रे	ग	–	रे	सा	ग	ग	सा	नि़	–	नि़	–	रे	ग
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	अ	ब	तु	म	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल
×					२		०			३			
ग		म॑	प		नि								
प	म॑	ग	ग	म॑	ध	नि	सां	नि	ध	प	म॑	ग	म॑
क	हां	ऽ	जै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हों	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ज ।
×					२		०			३			

अन्तरा.

					ग								
					रे	ग	प	प	निध	सां	सां	–	सां
					ब	हु	त	दि	नऽ	ऽ	की	ऽ	नी
					२		०			३			
सां													
नि	ध	नि	रें	सां	नि	ध	प	प	रे	ग	रे	सा	–
अ	धे	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	इ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	को	ऽ
×					२		०			३			
रे	ग		मं		नि								
नि̣	रे	–	ग	मं	ध	नि	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं
फ	ल	ऽ	स	ब	पै	ऽ	ऽ	हो	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज।
×					२		०			३			

राग अल्हैयाबिलावल

रागो वेलावलीति प्रथित इह सदा मान्यशुद्धस्वरेषु ।
षड्जन्यासग्रहोऽयं प्रकृतिसुरुचिरो धैवतांशो गमंत्री ॥
कल्याणांगं दधानो विलसति निगयोर्वक्रता चात्र नित्यं ।
प्रातर्गेयोऽभिगीतो रमयति हृदयं शृण्वतामेष पूर्णः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावलीरागभवस्त्वल्हैया पूर्णो धवादि सहचारिगान्वितः ।
मृदुर्निषादोऽभिमतोऽत्र किंचिदारोहणे मध्यमवर्जितोऽयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावली मान्यशुद्धा गसंवादिधवादिनी ।
गनिवक्रा तथा पूर्णा प्रातरेव हि गीयते ॥
वेलावलीसमुद्भूत आरोहे वर्ज्यमध्यमः ।
अल्हैया धगसंवादोऽवरोहे मृदुनिः क्वचित् ॥

चन्द्रिकायाम ।

मृदु मध्यम तीवर सबहि सुर सोहत जेहि मांहि ।
धग वादी संवादि है कहत बिलावल ताहि ॥
मृदु मध्यम सब तीव्र सुर मध्यममें न चढैया ।
कहुँ निखाद कोमल लगत धगसंवाद अल्हैया ॥

चन्द्रिकायाम ।

सरी गमौ पधौ निसौ निधौ पमौ गमौ रिमौ ।
शुद्धवेलावली धांशा गेया प्राह्ण मनोहरा ॥
आरोहे चेन्मरिक्तासौ निद्वया गनिवक्रिता ।
अल्हैया स्यात् सुविख्याता धैवतांशपरिष्कृता ॥

अभिनवरागमंजर्याम ।

'अल्हैया बिलावल'—यह राग बिलावल थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है। इसराग में सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत और सम्वादी गान्धार है। गायन समय प्रातःकाल का प्रथम प्रहर है। यह राग कल्याण सरीखा ही दिखता है अतः कभी-कभी इसे प्रातः का कल्याण भी कहते हैं। इस राग में निषाद व गन्धार स्वर वक्रगति से प्रयुक्त होते हैं। इसके आरोह में जब मध्यम वर्जित किया जाता है और अवरोह में किंचित कोमल निषाद लेते हैं तब गुणीजन इसे **अल्हैयाबिलावल** ऐसा नाम देते हैं। प्रचार में अल्हैयाबिलावल अधिकतर सुनाई देता है।

बिलावल का आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां । सां नि ध, प मग, रे सा.

अल्हैया स्वरूपः—

सा, रे, गरे, गप, ध, निध, नि सां सां नि ध, प, धनि॒धप, मग, मरे, सा.

अल्हैया की पकड़ः—

गरे, गप, ध, निसां

अल्हैयाबिलावल—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	सां	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग
×		२			०		३		
ग	म	प	म	ग	म	रे	सा	रे	सा
×		२			०		३		
ध	ध	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	रें	गं	मं	पं	मं	गं	मं	रें	सां
×		२			०		३		
गं	रें	सां	रें	सां	ध	प	सां	ध	प
×		२			०		३		
ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	रे	सा।
×		२			०		३		

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

																नि	
																सां	सां
																त	ब
नि		ग	रे	ग		ध							ध				
ध	प	म	ग	प	—	नि	नि	सां	—	सां	सां	नि	नि	प	प		
क	ह	त	बि	ला	ऽ	व	ल	में	ऽ	द	च	तु	र	ज	ब		
०				३				×				२					

धनि	सांरें	सां	सांनि	ध	प	म	ग	ग	रे	ग	म	ग	रे	सा	–
मेऽ	ऽऽ	ल	मिऽ	ला	ऽ	व	त	शु	ऽ	द्ध	मु	र	न	को	ऽ
०				३				×				२			
							ध		रें				ध		
सा	म	ग	प	प	–	नि	नि	सां	गं	सां	सां	नि	नि	सां	सां
प्रा	ऽ	त	स	मैं	ऽ	नि	त	प्र	थ	म	प	ह	र,	त	व
०				३				×				२			

अन्तरा.

			ध							रें		गं			
प	–	नि	नि	सां	–	सां	–	निसां	गं	गं	मं	रें	–	सां	–
धै	ऽ	व	त	वा	ऽ	दी	ऽ	गाऽ	ऽ	म	म	वा	ऽ	दी	ऽ
०				३				×				२			
मं			मं												
गं	मं	पं	गं	मं	रें	सां	सां	धनि	सांरें	सां	सांनि	ध	नि	सां	सां
अ	ऽ	ष्ट	मे	ऽ	द	स	व	गाऽ	ऽऽ	य	मऽ	धु	र,	त	व
०				३				×				२			

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			सां			नि				ग	
सां	सां	–	ध	नि॒	प	ध	नि॒	ध	प	म	ग
अ	ल्है	ऽ	या	ऽ	बि	ला	ऽ	ऽ	व	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म			म			प					
ग	म	रे	ग	म	प	ग	–	मग	म	रे	सा
रा	ऽ	ग	नी	ऽ	वि	ची	ऽ	ऋऽ	मा	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	

			म			प		नि			
गा	मा	सा	ग	म	रे	ग	प	ध	नि	सां	सां
म	क	ल	सू	ऽ	र	शु	ऽ	द्व	जा	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	
नि	सां	रें			ध	ध		नि			
सां	गं	सां	—	नि	नि	प	—	ध	नि	सां	सां
र	स	शां	ऽ	ती	ऽ	को	ऽ	दि	खा	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			नि		ध						
प	—	—	ध	नि	नि	सां	—	सां	सां	—	सां
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	जा	ऽ	में	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
नि						गं					
सां	गं	मंरें	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रें	सां
गं	ऽ	ऽऽ	धा	ऽ	र	म	म	ऽऽ	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
		नि				प		प	ध		
सां	—	ध	प	मग	मरे	ग	प	नि	नि	सां	सां
नी	ऽ	द्व	य	गुऽ	निऽ	च	तु	र	सु	म	त
×		०		२		०		३		४	
नि			रें	सां	ध			नि			
सां	रें	गं	सां	नि	नि	प	—	ध	नि	सां	सां
अ	भि	न	व	रं	ग	दे	ऽ	ब	ता	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि सां सां त ब
नि ग रें ध प म ग क ह न अ ०	ग ध प – नि नि ल्है ऽ या ऽ ३	 सां – सां सां रू ऽ प च ×	ध ध नि नि प प तु र ज ब २
नि धनि सांरें सां सां गुऽ ऽऽ द्ध सु ०	नि ध प मग मरें र न कोऽ ऽऽ ३	म ग म प मग मे ऽ ल मिऽ ×	म रे – सा सा ला ऽ व त २
नि प सा – गम ग दो ऽ नोऽ नि ०	ध प – नि नि रवा ऽ द ल ३	 सां सां सां सां ग त सु म ×	ध नि नि सां सां धु र, त ब। २

अन्तरा.

ध प – नि नि धै ऽ व त ०	 सां – सां – वा ऽ दी ऽ ३	नि रें सां गं गं मं गा ऽ स म ×	 गं रें सां – वा ऽ दी ऽ २
मं पं गं मं पं गं स म य क ०	 मं रें सां सां ह त दि न ३	सां ध नि सां सां प्र थ म प ×	ध नि नि सां सां ह र, त ब। २

संचारी.

नि़— नि नि | नि नि | ध | म नि
सा सा ध ध | – ध ध – | नि – प – | प – ध नि
ब ड़ो ऽ ज्ञा | ऽ न वा ऽ | को ऽ जो ऽ | जा ऽ न त
० | ३ | × | २

नि सां— | | | म
सां रें सां ध | नि प म ग | म रे ग मग | रे – सा सा
अ ऽ ष्ट भे | ऽ द बि ल | वा ऽ लि मुऽ | मं ऽ म त।
० | ३ | × | २

आभोग.

म ध | | नि रें |
प – नि नि | सां – सां – | सां गं गं मंगं | मं रें सां सां
शु ऽ द्ध अ | ल्है ऽ या ऽ | दे ऽ व गिऽ | रि कु क भ
० | ३ | × | २

मं पं | | नि | ध
गं मं पं गं | मं रें सां सां | धनि सांरें सां सां | नि नि सां सां
सा ऽ ख शु | क ल इ म | नीऽ ऽऽ प र | दा ऽ त व।
० | ३ | × | २

बिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां | प | |
सां सां ध निप | ग गम प म | ग – मरे –सा | सा रे सा –
र व मों ऽऽ | ने ऽऽ ह ल | गा ऽ ऽऽ ऽतु | म न वा ऽ
० | ३ | × | २

नि़ म | प ध | | गरे
सा – ग मरे | ग प नि नि | सां सां सांसां गंरें | सांरें सांनि धप मग
दू ऽ जो ऽऽ | ना ऽ हिं श | र न वाऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ।
० | ३ | × | २

अन्तरा.

प ध		नि सां रें	
प – नि नि	सां – सां सां	सां गं गं मं	गं रें सां सां
मां ऽ चो सु	खी ऽ को उ	ज ग में न	दी ऽ स त
०	३	×	२
मं	गं	सां ध	गरें
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	नि नि सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
ह र रं गऽ	मा ऽ न ब	च न याऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ।
०	३	×	२

बिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां		म	ग
सां – ध प	म ग म रे	ग म प मग	म रे सा –
जा ऽ ग उ	ठे ऽ स ब	ज न तु मऽ	जा ऽ गो ऽ
०	३	×	२
नि म	प सां ध	सां	गरे
सा – ग मरे	ग प नि नि	सां – रें सां	सांरें सांनि धप मग
गौ ऽ व नऽ	के ऽ च र	वा ऽ ल च	रैऽ ऽऽ ऽऽ याऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

प ध		नि रें	
प – नि नि	सां सां सां सां	सां गं गं मं	गं रें सां सां
ग्वा ऽ ल बा	ऽ ल स ब	गौ ऽ वां च	रा ऽ व त
०	३	×	२

नि		नि म	
प प ध नि	सां – सां सां	सां गंरें गंमं पंमं	गं रें सां सां
तु म रे ऽ	का ऽ र न	आ ऽऽ वऽ तऽ	धा ऽ व त
०	३	×	२
प म प	सां ध	नि	गरे
ग ग मरे ग	प प नि नि	सां रें सां –	सांरें सांनि धप मग
स दा ऽऽ रं	ऽ ग म न	तु म सों ऽ	लाऽ ऽऽ ऽऽ गोऽ।
०	३	×	२
ग नि	प		
सां – ध प	ध ग म गरे		
जा ऽ ग उ	ठं ऽ स वऽ		
०	३		

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प
ग म

प ध		प	
प नि – नि	सां – – –	सां सां ध प	म ग रे ग
न ह ऽ र	वा ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ म
३	×	२	०
		नि	
प धनि सां नि	सां – – –	सां रें सां नि	ध प प प
न हऽ ऽ र	वा ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मैं का
३	×	२	०

नि		प	
ध नि सां रें	सां नि ध प	ग म प म	ग – रे सा
ह रि ह रि	चु रि यां ऽ	दे ऽ हो मं	गा ऽ ऽ य
३	×	२	०
नि		ध	
सा – सा रे	ग – म –	प प नि नि	सां – सां –
रं ऽ ग रं	गी ऽ ली ऽ	औ र च ट	की ऽ ली ऽ
३	×	२	०
नि	गं		प
सां – गं गं	मं रें सां रें	सां – ध प	म ग रे ग
ता ऽ प र	ध न क टं	के ऽ ली ऽ	ऽ ऽ ऽ, म
३	×	२	०
प धनि सां नि			
न हऽ ऽ र			
३			

अन्तरा.

ग	सां ध		
प – प प	नि – नि –	सां – – सां	सां रें सां –
औ ऽ र ग	ले ऽ को ऽ	हा ऽ ऽ र	लूं ऽ गी ऽ
३	×	२	०
नि	सां		सां
सां रें गं रें	सां – ध नि	सां – (सां) –	ध – नि प
मो ति य न	था ऽ ल भ	रूं ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

प सां सां सां सांनि	ध प मग मरे	ग म (म) ग	म रे सा -
ख र क खऽ	र क मोऽ रीऽ	चु रि यां ऽ	ख र के ऽ
३	×	२	०
			प
सां रें गं रें	सां रें सां सां	सां नि ध प	म ग रे ग
बं ग रि मु	र क ग इ	ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, म।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां	प	म	
सां सां ध प	ग म प म	ग – रे –	सा रे सा -
ह रि सों ऽ	च ऽ क्र ध	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ॐ ऽ
०	३	×	२
प प	प ध		
ग – ग मरे	ग प नि नि	सां – सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
भी ऽ ष मऽ	ना ऽ म क	हा ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ॐऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

	सां ध		
प – प प	ध नि नि सां	सां – सां सां	– रें सां –
पां ऽ ड व	से ऽ न स	मे ऽ त सा	ऽ र थी ऽ
०	३	×	२

नि		सा	सां
सां – रें गं	गं रें सां सां	ध – सां (सां)	ध नि प –
शो ऽ णि त	पू ऽ र ब	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प	सां प	म	म
प प सां सां	ध प ग मरे	ग म प मग	रे – सा –
य ह न क	रू ऽ तो ऽऽ	आ ऽ न तेऽ	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा	नि		रे
सा – गं –	मं रें ध नि	सां – सांरें सांनि	धप मग म ग
का ऽ पी ऽ	ध्व ज तें उ	ता ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ रू
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां			
सां – ध प	गम प – म	ग – म रे	सा रे सा सा
ला ऽ ड़ि ली	ऽऽ ला ऽ ड़	फू ऽ ऽ ले	आ ऽ व त
०	३	×	२
नि ग प		सां	म
सा – म म	– प – प	धनि सांरें सांनि धप	मग मग रे सा
ला ऽ ड़ि ली	ऽ ला ऽ ल	फूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ
०	३	×	२
सा सां			
सां – ध प			
ला ऽ ड़ि ली			
०			

अन्तरा.

सां—			नि
प – प ध	सां सां सां सां	सां – सां सां	सां रें सां –
कू ऽ ज के	ऽ लि न व	रं ऽ ग बि	हा ऽ गी ऽ
०	३	×	२
नि	ध सां	प	म
सां रें गं रें	सां (सां) ध प	गप धनि सांरें सांनि	धप मग रे मा
सु र त हिं	डो ऽ रे ऽ	भूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ।
०	३	×	२
मा सां			
मां – ध प			
ला ऽ ड़ ली			
०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां	प	म	म
सां सां ध प	ग प म ग	रे गम प मग	रे – सा –
ब लि ब लि	जा ऽ ऊं म	धु रऽ सु रऽ	गा ऽ वो ऽ
०	३	×	२
नि		सा	सा
सा रे ग म	रे सा रे मा	ध़ नि़ रे सा	ध़ नि़ प़ –
अ ब कि बे	ऽ र मे रे	कुँ व र क	न्है ऽ या ऽ
०	३	×	२

प ग – गम रे नं ऽ दुऽ हि ०	प प ध ग प नि नि ना ऽ च दि ३	सांसां गंरें सांनि धनि आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ×	सांनि धप मग रेम ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ। २
मा सां मां मां ध प ब लि ब लि ०			

अन्तरा.

प – प – ता ऽ री ऽ ०	ध नि ध नि – दे ऽ दे ऽ ३	सां सां सां – अ प ने ऽ ×	सां रें मां – क र की ऽ २
मां रें गं मं प र म प्री ०	रें सां रें सां ऽ त उ प ३	सां ध नि (सां) – जा ऽ ऽ ऽ ×	सां ध नि – प ऽ ऽ ऽ वो २
नि सां धनि सां सां ध आऽ ऽ न जौ ०	नि प मग मरे ऽ न्त धुऽ नऽ ३	ग रे गम प मग सु नऽ ड रऽ ×	म रे सा सा प त क त २
प प ग – ग मरे मो ऽ भु जऽ ०	प ध ग प नि नि कं ऽ ठ ल ३	सां – सांसां गंरें गा ऽ ऽऽ ऽऽ ×	सांरें सांनि धप मग ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ। २
ग सां सां सां ध प ब लि ब लि ०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म म ध	प	म	रे
ग म नि नि	ध प म प	ध प म ग	– म – ग
क व न ब	ट रि या ऽ	ग इ लो ऽ	ऽ मा ऽ इ
०	३	×	२
म	प		
ग म प –	ग म प म	ग – – रे	सा – रे सा
दे ऽ ऽ ऽ	हो ऽ ऽ ब	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
०	३	×	२
सां	नि	नि	रे
सां सां गं रें	सां नि ध नि	सां नि ध प	म म ग ग
इ त ही ऽ	इ त मो ग	चु र वा ग	इ ल वा ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध		नि सां	नि
प प नि नि	सां – सां –	सां रें सां सां	ध प ध –
ले ने ग इ	सौ ऽ दा ऽ	अ रे ह ट	वा ऽ रे ऽ
०	३	×	२
	मं	सां	ग रे
सां सां गं गं	रें – सां –	ध नि सां सांनि	ध प म ग
इ त नि ग	ली ऽ में ऽ	ग इ लो कऽ	व नु वा ऽ
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सां सां
अ ति

नि प रे	ध		
ध प गम ग	प प नि नि	सां — सां सां	नि नि प प
अ रु गाऽ ब	र न पि या	नैं ऽ न तु	म्हा रे अ ब
०	३	×	२

नि			
धनि सांरें सां सां	ध प मग मरे	ग मग प मग	म रे सा —
माऽ ऽऽ न हुँ	र ति रऽ सऽ	भ येऽ ऽ रऽ	ग म गे ऽ
०	३	×	२

नि सा	ध	रें	ध
सा म ग प	— प नि नि	सां सां सां सां	नि नि सां सां
क र त के	ऽ लि पि या	प ल क बि	सा रे, अ ति।
०	३	×	२

अन्तरा.

म ध		नि मं	
प — नि नि	सां सां सां —	सां गंरें गं मं	गं रें सां —
मं ऽ द मं	ऽ द डो ऽ	ल तऽ सं ऽ	क र सों ऽ
०	३	×	२

मं		सां	ध
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
सो ऽ भि तऽ	म ऽ ध्य म	नोऽ ऽऽ ह र	ता रे, अ ति।
०	३	×	२

संचारी.

नि̣ नि नि	नि नि नि	नि	नि
सा – ध ध	– ध ध ध	ध नि̲ प प	प ध नि
बा ऽ र बा	ऽ र अ व	लो ऽ कि प	र म रु चि
०	३	×	२
नि सां		म	म
सां रें सां ध	नि̲ प मग मरे	ग म प मग	रे – सा –
क प ट ने	ऽ ह मऽ नऽ	ह र त हऽ	मा ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

म नि		नि मं	
प – ध नि	सां सां सां सां	सां गंरें गं मं	गं रें सां सां
सू ऽ र श्या	ऽ म दे खे	सु खऽ पा ऽ	व त दु ख
०	३	×	२
गं̣		नि	ध
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
मो ऽ च नऽ	लो ऽ च न	होऽ ऽऽ र त	ना रे, अ ति।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध
सां
दै

सां		ग	प
धनि̲ धप म पम	ग रे सा –	रे ग ममगरे ग	ग प प –
ऽऽ याऽ ऽ ऽक	हां ऽ ऽ ऽ	ग ये ऽऽऽऽ ऽ	लो ऽ ग ऽ
३	×	२	०

प ध नि नि सां –	नि सां (सां) – –	सां ध नि प –	म ध ग म सां
ब्रि ज के ऽ	ब सै ऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध प – नि ,नि	सां – रें सां	नि रें सां गं गं मं	गं रें सां –
ना ऽ मो ,रे	पं ऽ ख ना	पा ऽ य ल	पा ऽ सो ऽ
३	×	२	०
सां ध धनि धप मगमरे	प प ध ग प नि –नि	सां सां (सां) ध निप	म ध ग म सां
ना ऽऽ कोऽ ईऽऽऽ	सु धि को ऽले	वै ऽ या ऽऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म
,नि
,पी

प ध प गम गरे	सा – – सा	सारे गम ग –	रे पपमग म ग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	मत अर वा ऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०
प ध प गम पम	ग रे सा सा	नि सा रे ग ग	म गम पपमग रेग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	म त ब र	वाऽ ऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०

अन्तरा.

म नि		गं गं	प सां
प पप, पप धनिध	सांसां सांसां सांरें सां	रेंरें गं रें सां	सां (सां) ध नि॒प
मां गत,मध वाऽऽ	मइ सन अब का	करि हों मो री	मा ऽ ऽ ऽऽ
×	२	०	३
	नि सां	प ध म	
पप प पपधनिसां रें	सां – धनि॒ प	ध ग म ,नि॒	
कल ली याऽऽऽ ऽ	ना ऽ हीऽ न	घ र वा ,पी	
×	२	०	

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म
नि॒
,ढो

		प					ध
ध	प	गम	,गरे	सा	–	सासारेरेसानि॒	नि॒,सारे
ल	न	ऽऽ	,मांडे	जा	ऽ	नेऽऽऽऽऽ	ऽ,हम
३				×			
				ग			
ग	म	ग	–	मग	–ग	ममगरेग	,म,गम
वा	ऽ	री	ऽ	वारी	ऽकि	थीऽऽऽऽ	,कु,रऽ
२				०			
				म			
प	–	नि	ध	प	प(प)	ग	मरे
वा	ऽ	ऽ	न	जी	ऽऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

ग प	धनिसांरें	–,सांनि	(प)	पपधनि	–ध	प	प म गम,नि
ग	रेऽऽऽ	ऽ,लग	वे	होऽऽऽ	ऽमि	यां	ऽऽ,ढो।
२				०			

अन्तरा.

पप
तप

सां –सां सां –रें	सां – निध नि	सां – ध नि (प)	ध पध सांरें गं गं
दी ऽता ती ऽरा	ती ऽ दऽ या	ऽ ऽ ऽ वे	सोऽ णाऽ ऽ सु
३	×	२	०
गं रें गं रें सां	नि सांसां रेंसां नि ध नि	सां सां – ध प	पपधनि –ध प म पगम,नि
ना ऽ ऽ वे	दर ऽम न ऽ	दी ऽ मो ती	ऽऽऽऽ ऽमा ला ऽऽ,ढो
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा
मा

ग रे	ग	रेसा धप	नि ध –	– ध नि	ध सां	– –,धप
ई	ऽ	एक तोक	था ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ,भोऽ
३		४	×	०	२	०

								सा			
म	ग	ममगरेग,	पम	ग	रे	सा	—	ग	रे	सा	—
रे	ऽ	ऽऽऽऽऽ,	सुन	सैं	ऽ	यां	ऽ	र	ऽ	हो	ऽ
३		४		×		०		२		०	

नि	ग			प ध							
सासा	मग	प	मप	निनि	(प)	—	मप	धधपम	पम	ग	—
उन	बिन	ना	ऽऽ	जाऽ	ये	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽघ	री	ऽ
३		४		×		०		२		०	

				ग						ध	
ममगरे	ग	—	मप	म	ग	रे	सा	नि़	सा	नि़	,सा
ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	पल	छी	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	,मा
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			ध					नि			
पप	सांसां	सांसां	निनि	रें	सां	—	निसां	पसां	नि	सांसांनिधनि	सां
मुझ	बिर	हिन	ऽऽ	ऽ	को	ऽ	ऽऽ	बिर	हा	भाऽऽऽऽ	री
३		४		×		०		२		०	

नि	नि							नि			
सांसां	सां,गंमं	गंरें	सां	सांसांनिधनि	धनि	सां	निसां	सां	(सां)	धनि	,धप
जारे	जा,ऽऽ	रेऽ	ऽ	जऽऽऽऽ	ऽत	न	ऽऽ	क	छु	ऽऽ	,बऽ
३		४		×		०		२		०	

प ध				नि	
निनि,धप	मग	म	धप	ध	—
ताऽ,एऽ	कऽ	ऽ	तोक	था	ऽ
३		४		×	

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ध		सांसां				प ध	सां		ध	
सांसांनिध	निनि	सां	रेंरें,सांनिसां	सां	ध	निप	,निनि	सां	ध,निप	पध	पधनि
साऽऽऽ	ऽरी	र	नऽ,बऽऽ	ना	ऽ	ऽऽ	,बन	आ	ऽ,ऽऽ	ईऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				म		ग				प	
ध	प	मग	मरे	ग	-म	म	(म)	ग	रे	ग	प
ला	ऽ	ऽऽ	ऽमु	हा	ऽग	स	न	ऽ	ऽ	मं	ऽ
३		४		×		०		२		०	
						ग		ग			
धनि	-,धप	ध	प	ममगरे	ग	मग	प	म	(म)ग	मरे	सा
ऽऽ	ऽ,गऽ	ल	ऽ	गाऽऽऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	ला	ऽऽ	ऽऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

						नि					गं
प	पप	प	सांसांनिधनिध	सां	सां	सारें	सां	सांसां	रेंगं	—	मं(मं)
हा	थन	में	दीऽऽऽऽऽ	बां	हीं	चूऽ	रा	मुख	तमो	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
		प		सां				सां		ध	
गरें	सां	सां	(सां)	ध	निप	धनिसांरें	सां	ध	निप	पध	पधनि
लऽ	ऽ	ब्या	ऽ	हा	ऽऽ	नऽऽऽ	आ	ऽ	ऽऽ	ईऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ध	प	स्थायी के अनुसार									
ला	ऽ										
३											

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

		ध		नि					म	रे	म
		निध	निसां	सां	ध	नि	ध	प	गम	ग	,पम
		काऽ	हूऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽऽ	ऽ	,इन
		४		×		०		२		०	
म				नि	सा		रे	म म		नि	
ग	रे	सा	—	सा	प	गमपपमगरे	गग	गग	धध	ध,निध	सांसांनिधनि
को	ऽ	ऽ	ऽ	मा	या	ऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	अब	हम	ये,ऽऽ	ऽऽऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
(प)	ध,गम										
रे	ऽ,ऽऽ										
३											

अन्तरा.

म		सां	ध								
प	प	नि	—नि	सां	—	सां	निसां	सां	सां	रें	गंरें
अ	ब	मो	ऽरा	मैं	ऽ	यां	ऽऽ	को	सं	दे	ऽस
३		४		×		०		२		०	
नि		सां— —		ग				नि	सा		रे
सां	(सां)	ध	निप	मग	(म)	गरे	सा	सा	प	गमपपमगरे	गग
वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	लेऽ	ऽ	जाऽ	मा	मा	या	ऽऽऽऽऽऽऽ	ऽवे
३		४		×		०		२		०	
		ध	नि					मम		नि	
प	ध,गम	निध	सां	(सां)	ध	नि	प	गग	धध	ध,निध	सांसांनिधनि
ऽ	ऽ,ऽऽ	काऽ	हू	को	ऽ	ऽ	ऽ	अब	हम	ये,ऽऽ	ऽऽऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
(प)	ध,गम										
रे	ऽ,ऽऽ										
३											

अल्हैयाबिलावल–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
कं

नि	धप	म	,पम	ग	रे	सा	निसा	नि सा	-रे	गरे	सा
ऽ	थाऽ	ऽ	,ऽऽ	मो	ऽ	रे	ऽऽ	ये	ऽऽ	ऽजि	न
३		४		×		०		२		०	

				ग		प		म			ध
सासानिध	सा,निरे	ममगरे	ग	म	ग	ग	प	प	प	ध	गम
जाऽऽऽ	ऽ,ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	वो	ऽ	रे	ऽ	आ	रे	ऽ,	कंऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म		सां	ध								
प	–	नि	निनि	सां	–	सां	–	सांसां	रें	गं	मं
ना	ऽ	को	ऽऊ	ऐ	ऽ	सी	ऽ	मोरि	भा	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

				म	सां	रें	सां	म			ध
(मं)	गं	मंरें	सां	प	धसां	सां	ध,निप	प	प	ध	गम
ऽ	ऽ	ऽऽ	वे	बे	गिले	आ	वो,ऽऽ	आ	रे	ऽ,	ऽ,कं।
३		४		×		०		२		०	

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प –
दी ऽ

ध ग – प	– नि ध नि	सां – सां ध	नि सां सां सां
म्त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न द्रे	ना ऽ त न	ना ऽ त न
०	३	×	२
सां ध नि प	ध नि ध प	– म ग –	म रे सा –
नि ता ऽ न	त न दे रे	ऽ त दा ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सा सा सां –	सां नि ध नि	सां – गं	सांसां निनि (प) –
य ल ली ऽ	या ऽ ल्ला ऽ	ला ऽ ल ले	दिर दिर, दी ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

प –
दी ऽ

– सांसांनिध निनि	सां – सां –	रेंगं मंपं गंमं रें	सां –सां नि –नि
ऽ रऽऽऽ ऽ दि	ले ऽ आ ऽ	माऽ ऽऽ ऽऽ च	दि ऽलु स ऽतु
०	३	×	२

सांसां सां(रें) नि नि(ध)	सां रें सां –	– ध प म	ग –ग ग –
गूऽ ऽ ऽ न	ह र वा ऽ	ऽ द ऽ बॅ	ग ऽलृ च ऽ
०	३	×	२
मम गग(रे) म ग	– म प –	म ग म रे	सा – सा ग
इमेऽ ऽऽ ब खु	ऽ न्द री ऽ	या ऽ ऽ ऽ	स्ती ऽ आ ऽ
०	३	×	२
म प – प	प – पप धनि	सांरें सां – ध	प –प, प –
श के ऽ व	तू ऽ फाऽ ऽऽ	ऽऽ द ऽ बॅ	ग ऽलृ, दी ऽ ।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

प
ओ

प नि ध नि	सां – – –सां	ध प म गग	प (म) – ग(रे)
द त ऽ न	दी ऽ ऽ ऽम्	दी ऽ ऽ ऽम्	त दा ऽ नि
३	×	२	०
ग म (प) म	ग – रे(म) सा	– सा सासा रेग	– रे सा –सा
ता रे दा नि	ता ऽ ऽ दीं	ऽ नी दाऽ ऽऽ	ऽ नि दी ऽम्
३	×	२	०

		म	नि
सा सा सा रे	ग ग ग ग	म पप ग रे	ग प ध नि
नि त न त	न दे रे त	न दिर नो ऽ	म्त न न न
३	×	२	०
रें			
सां – ध –	सां – सां सां	ध प म ग	रे सा – प
दी ऽ म्दी ऽ	म्दी ऽ म्त न	दे रे ता रे	दा नि ऽ, ओ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प प सां सां	सां सां – रें	सां – सांसां रेंगं	– रें सां नि
त ना दे रे	ना तो ऽ म्त	दी ऽ म्तोऽ ऽऽ	ऽ म्त न न
०	३	×	२
ध			म नि॒ नि॒
सांसां निध नि नि	सां – (सां) –	ध पप (म) ग	ग म ध ध
तोंऽ ऽऽ ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	ऽ ऽम ऽ ऽ	त दि या ना
०	३	×	२
नि॒			प
ध – नि॒ प	सांसां निध नि सांसां	रेंगं रें सां सां	धनि॒ प – ध
रे ऽ ऽ ऽ	ताऽ ऽऽ ऽ दींऽ	ऽऽ न्नि त दा	ऽऽ न्नि ऽ त
०	३	×	२
ध			
ग – ग प			
दी ऽ ऽम, ओ			
०			

बिलावल—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

निध	प	मप	गरे	ग	—रे	सा	निसा
द्रेंद्रे	द्रें	ऽऽ	तन	दे	ऽरे	ना	ऽऽ
३				×			
सारे	गम	ग	—	गमपपमग	रेग,मध	प ध निनि	ध प
तन	देरे	ना	ऽ	ऽ	उऽ,ऽऽ	द	त
२				०			
म प	ममगरेग	—रे	गरे	सा	निसा	पग	मप
ऽ	न	ऽऽ	दरे	ना	ऽ	वे	तदा
३				×			
सांसांनिध	नि	(प)	—	प सां	सां धनि	प	गम
ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
२				०			

अन्तरा

पप	सांसां	सांसां	निसां	सांसां	सां	निसां	सांसांरेंगं
नाद्रे	तुद्रे	तना	ऽ	द्रेत	ना	ऽ	ऽ
३				×			
—रें	नि सां	नि	—	नि	सांसांरेंरेंसांनि	धनि	ध —नि
ऽत	दा	रे	ऽ	ता	रे	ऽऽ	ऽदा
२				०			

सां	निसां	सांसां	गंरें	गं	मं	गंरें	गंरें
नी	ऽ	यला	ऽऽ	या	ऽ	ल्लाऽ	ऽग्र
३				×			
				सां			ध
सां	–प	धनिसांरें	–सां	धनि	प	ध	गम
ला	ऽग्र	लं	ऽग्र	ला	ऽ	ऽ	लेऽ।
२				०			

बिलावल—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

			ग भ				
			मनि	ध	प	गम	,गरे
			तन	न	ना	ऽऽ	,द्रे
				३			
				ध			
सा	–	निसा	सासारेरे	सासानिनि	–	सा	–रे
ना	ऽ	ऽ	द्रे	ऽ	ऽ	ना	ऽत
×				२			
			रे				
ग	–	गम	ग	गमपप	मगरेग	–	मप
दा	ऽ	ऽऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	दर
०				३			
म	ग	रे	ऽ	सा	रे	ममगरे	ग
ता	ऽ	ऽ	ऽ	र्दा	ऽ	ऽ	ऽ
×				२			

नि़	नि़										
सा	रे	सा	निसा	सामग	प	-ध	प	प	धनिसांरें	सां	सांध
नी	ऽ	ऽ	ऽ	नाद्रेऽ	तो	ऽम	द्रे	ता	रे	दा	नी
०				३				×			
	प							ग म			
ध	ध	नि	ध	प	म	गमपपमग	रेग	मनि	धप	गम	-,गरे
त	दा	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	तन	नना	ऽऽ	ऽ,द्रे।
२				०				३			

—— ——

अन्तरा.

									गं		
पग	पप	सांसांनिधनि	धनि	सां	रें	सां	–	सांसां	रें	गं	रें
धेते	लेला	ना	ऽरे	ना	ऽ	रे	ऽ	तारे	दा	ऽ	ऽ
३				×				२			
सांसांनिधनि	धनि	सां	–	सां	(सां)	धनि	प	धनि	धप	गम	पम
नि	ऽत	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत
०				३				×			
							ध				
ग	रे	सा	–	गम	पप	सांसांनिधनि	-नि	सां	–	–	निसां
दा	ऽ	नि	ऽ	नाद्रे	द्रेतु	द्रे	ऽद्रे	दीं	ऽ	ऽ	ऽ
२				०				३			
सांसां	रें	मंमंगंरेंगं	-रें	सांसांनिधनि	–	सां	–	गंगंरेंसां	निधपम	गरेसासा	मनि
तदि	या	ना	ऽरे	तो	ऽ	म्द्रे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	तन।
×				२				०			

अल्हैयाबिलावल—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प		सां							
सां	–	ध	नि	प	म	प	म	ग	मरे
ले	ऽ	ते	ऽ	रि	ल	क	री	ऽ	ऽऽ
×		२			०		३		
म									
ग	म	प	ग	मग	म	रे	सा	रे	मा
ले	ऽ	ते	ऽ	रीऽ	का	ऽ	म	ऽ	रि
×		२			०		३		
		नि	नि	नि	नि	नि	नि		
सा	सा	ध	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प
ब	छ	रा	ऽ	च	रा	ऽ	व	ऽ	न
×		२			०		३		
सां								सां	
ध	नि	रें	–	सां	सां	सां	ध	नि	प
हूं	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	–	प	निध	निध	सां	–	सां	सां	सां
मं	ऽ	ग	केऽ	ऽऽ	ग्वा	ऽ	ल	व	ल
×		२			०		३		
								सां	
सांध	निध	सां	सां	रें	सां	–	सां	ध	निप
भऽ	ऽऽ	द्र	बि	न	ए	ऽ	क	लो	ऽऽ
×		२			०		३		

प		नि	नि				सां		
ग	म	ध	ध	—	सां	सां	ध	नि̱	प
ए	ऽ	क	लो	ऽ	ब	न	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां							सां		
ध	नि	रें	—	सां	सां	सां	ध	नि̱	प
हूँ	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	रे		ग		ध				सां		
गम	ग	—	प	नि	नि	सां	—	सां	ध	नि̱	प
सऽ	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
नि									ग		
ध	नि̱	ध	प	गम	प	म	ग	—	म	रे	सा
ब	ऽ	ल	ते	ऽऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रो
०		३		४		×		०		२	
नि				सां	ध				सां		
सा	म	ग	प	नि	नि	रें	सां	—	ध	नि̱	प
रा	ऽ	ख	ले	सि	रि	भ	ग	ऽ	वा	ऽ	न।
०		३		४		×		०		२	
प	ध		प		ध						
ध	ग	प	नि	—	नि	सां	—				
स	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ				
०		३		४		×					

अन्तरा.

			प	सां							
प	प	–	नि	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें	सां
स	ब	ऽ	बि	धि	ऽ	हो	ऽ	सु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि				मं					सां		
सां	रें	गं	मं	रें	रें	सां	–	सां	ध	नि	प
गु	नि	ज	न	क	र	त	ऽ	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
						सां		सां			
सां	सां	मंगं	मं	रें	सां	नि	सां	ध	सां	सां	सां
च	तु	ऽऽ	रा	ऽ	इ	जा	ऽ	न	त	स	ब
×		०		२		०		३		४	
			सां				ध		प		
रें	सां	–	ध	नि	प	ध	ग	प	नि	ध	नि
म	हा	ऽ	ग्या	ऽ	न	ऽ	स	र	स	ऽ	प्र ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

												प
												ग
												पा
							सां				प	
प	नि	ध	नि	रें	सां	–	ध	नि	प	–	ग	
ल	ना	ऽ	ऽ	प	ल	ऽ	प	ऽ	ल	ऽ	गा	
३		४		×		०		२		०		

				म			म				नि
म	रे	गम	प	प	म	ग	रे	–	सा	–	सा
ऽ	ऊं	पऽ	ल	झु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ला
३		४		×		०		२		०	
म				प			सां				प
ग	मग	प	प	रें	सां	–	ध	प	मग	मरे	ग
ल	नऽ	ऽ	की	सु	भ	ऽ	घ	ड़ि	रेऽ	ऽऽ,	पा।
३		४		×		०		२		०	

———

अन्तरा.

			सां	सां	ध						
प	प	प	नि	नि	नि	सां	–	सां	रें	सां	–
अ	ग	र	चं	द	न	का	ऽ	प	ल	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
			मं						सां		
सां	–	रें	गं	मं	रें	सां	–	–	ध	नि	प
रे	ऽ	स	म	ऽ	की	डो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	मं				ध				सां		
गं	रें	–	सां	ध	रें	सां	–	–	ध	नि	प
झु	ला	ऽ	व	ऽ	त	मैं	ऽ	ऽ.	या	ऽ	सु
×		०		२		०		३		४	

प		सां					प
सां	–	ध	प	म	ग	मरे	ग
हा	ऽ	ग	भ	री	ऽ	ऽऽ,	पा
×		०		२		०	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			सां			नि				ग	
सां	–	सां	ध	नि॒	प	ध	नि॒	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	औ	ऽ	र	का	ऽ	ल	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म	म					ग					
ग	ग	मरे	ग	म	प	म	–	ग	म	रे	सा
दि	न	ऽऽ	प्र	ऽ	ति	औ	ऽ	र	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि॒		नि॒	नि॒		नि				सां	ध	
सा	–	ध	ध	–	ध	नि॒	प	–	नि	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	र	सि	क	ऽ	गि	री	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				रें						सां	
सां	–	रें	गं	सां	निध	नि	प	–	निध	नि	सां
रा	ऽ	ज	ध	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	इऽ	री	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			नि		ध				नि		
प	प	–	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	रें	सां
दि	न	ऽ	प्र	ऽ	ति	न	ई	ऽ	छ	ऽ	बि
×		०		२		०		३		४	
			रें			गं			गं		
सां	सां	गं	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रें	सां
ब	र	ऽ	ने	ऽ	सो	कौ	ऽ	नऽ	क	ऽ	ब
×		०		२		०		३		४	

म		नि̲	नि̲—			प	ध		प	ध	
ग	म	ध	ध	नि̲	प	नि	नि	प	नि	नि	सां
पा	ऽ	न	की	ऽ	जे	री	ऽ	झ	र	हि	ये
×		०		२		०		३		४	
नि			रें							सां	
सां	रें	गं	नि	सां	निध	नि	प	—	निध	नि	सां
म	दा	हि	म	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	इऽ	री	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						नि̲					
म	—	म	प	—	प	ध	नि̲	ध	प	—	प
सो	ऽ	भा	श्या	ऽ	म	अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
		नि							नि		
प	—	ध	नि	सां	—	रें	सां	सां	ध	नि̲	प
ला	ऽ	ज	त	को	ऽ	टि	क	अ	नं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म	म								म		
ग	ग	मरे	ग	म	प	म	ग	मग	रे	—	सा
छ	वि	ऽऽ	की	ऽ	उ	ठ	त	तऽ	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि़		नि̲	नि̲			प			सां		
सा	—	ध	ध	नि̲	प	सां	सां	सां	ध	नि̲	प
वि	ऽ	श्व	को	ऽ	ऽ	म	न	ह	र	ऽ	नि ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			सां⌒								
प	–	प	ध	सां	सां	–	मां	सां	–	रें	सां
च	ऽ	त्र	भू	ऽ	ज	ऽ	म्र	भू	ऽ	गि	रि
×		०		२		०		३		४	
		मं	रें							नि	
मां	–	गं	गं	मं	रें	सां	–	रें	मां	ध	प
धा	ऽ	री	को	ऽ	स	रू	ऽ	प	मु	द	र
×		०		२		०		३		४	
म		नि̱	नि̱		नि̱	नि̱			नि		
ग	म	ध	ध	–	ध	ध	नि̱	प	ध	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	बा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि				नि					ध		
मां	सां	रें	गंरें	सां	निध	नि	प	नि	नि	सां	–
ब्र	र	न	बऽ	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	ई	री	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		नि				प			प		ध
सां	सां	ध	प	मग	मरे	ग	प	–	नि	–	नि
मो	ति	य	न	कीऽ	ऽऽ	झा	ल	ऽ	र	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
		नि				सां			नि⌒		
सां	–	सां	रें	सां	मां	ध	नि	सां	ध	नि̱	प
गी	ऽ	हे	ऽ	म	ज	री	ऽ	ऽ	मा	ऽ	नो
०		३		४		×		०		२	

प		नि				ग			म		
सां	—	ध	प	मग	मरे	रे	ग	मग	रे	—	सा
ही	ऽ	र	न	सोंऽ	ऽऽ	च	हूँ	ऽऽ	ओ	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
नि			म			सा	ग				
सा	रे	ग	रे	—	सा	ग	रे	—	सा	रे	सा
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	उ	जा	ऽ	गा	ऽ	र।
•		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

						सां	मं				
सां	सां	—	सां	—	सां	गं	रें	—	सां	—	सां
रा	जा	ऽ	रा	ऽ	म	उ	म	ऽ	रा	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
नि							नि	सां		सां	
सां	गं	रें	सां	रें	सां	सां	सां	ध	प	ध	—
पा	ऽ	य	ब	क	सि	स	आ	ज	न	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	ध	सां	—	सां	सां	गं	रें	सां	रें	सां
न	व	ऽ	रो	ऽ	ज	अ	प	नि	अ	प	नी
×		०		२		०		३		४	
सां			सां								
ध	सां	—	ध	नि	प						
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रि						
×		०		२							

अल्हैयाबिलावल–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	प		नि							सां	
	ग	प	प	नि	सां	रें	सांनि	सां	सां	ध	प
ऽ	सु	र	त	ऽ	बि	सा	ऽऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	म				प				नि		
म	ग	मरे	गम	प	ग	म	रे	–	सा	रे	सा
ऽ	का	ऽऽ	हूंऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री
०		३		४		×		०		२	
नि		म	म	म		प					
सा	–	ग	ग	गम	रे	ग	प	धनि	ध	प	म
नं	ऽ	द	नं	दुऽ	न	गि	रि	ऽऽ	धा	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	प										
गरे	ग										
रीऽ,	सु										
०											

अन्तरा.

म			नि		ध						
प	–	–	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	रें	सां
सू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	भ	व	न	ऽ	दू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नि		मं	मं	मं					सां		
सां	गं	रें	गं	रें	सां	रें	सां	सां	ध	नि	प
दू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	ल	ग	त	री	आ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

प	प		प			नि					
ग	ग	मरे	ग	प	प	ध	नि	सां	सां	रें	सां
अ	ब	ऽऽ	लों	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि	सां		प	ध			प				
सां	ध	प	ध	ग	म	गरे	ग				
ब	न	ऽ	वा	ऽ	ऽ	रीऽ,	सु				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			सां			नि					
सां	–	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	को	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	सु	भ	ग
×		०		२		०		३		४	
म			म								
ग	म	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	–	सा
सां	ऽ	व	रे	ऽ	गु	पा	ऽ	ल	जू	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	
			म			प			नि		
सा	सा	–	ग	म	रे	ग	प	–	ध	नि	सां
क	ह	ऽ	त	ऽ	न	ब	न	ऽ	आ	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
सां											
रें	–	गं	रें	सां	सां	निध	नि	–	प	निध	नि
दे	ऽ	ख	हि	ब	न	आऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प	प	प	सां	सां	सां	सां	–	रें	सां	–	सां
भू	ष	न	ब	स	न	भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
सां			सां			नि			सां		
नि	–	नि	नि	ध	नि	सां	रें	सां	ध	नि॒	प
अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग	अ	ङ्ग	त	कां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
नि॒						प		नि			
ध	नि॒	ध	प	म	ग	ग	प	ध	नि	सां	सां
ल	ट	प	टी	ऽ	सु	दे	ऽ	स	पा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि			मं	मं							
सां	–	रें	गं	रें	सां	निध	नि	–	प	निध	नि
चि	ऽ	त्त	को	ऽ	चु	राऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

प	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	प	प	ध	नि	ध	प	–	प
म	क	र	कुं	ड	ल	ति	ल	क	भा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म						सां			सां		
प	–	नि	ध	सां	–	रें	सां	सां	ध	नि॒	प
क	ऽ	स्तू	ऽ	री	ऽ	अ	ति	र	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प	प	म				ग		सा			
ग	गरे	गम	प	म	ग	म	रे	रे	सा	रे	सा
चि	तऽ	वऽ	न	लो	ऽ	च	न	बि	शा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

नि		नि	नि							सां	
सा	—	ध	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	धनि	प
को	ऽ	टि	का	ऽ	म	ल	जा	ऽ	वे	ऽऽ	रि ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म											
प	—	प	सां	सां	—	रें	सां	सां	सां	—	सां
कं	ऽ	ठ	सि	री	ऽ	मो	ति	न	मा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

नि		गं			रें						
सां	—	रें	गं	गं	गं	मं	रें	सां	सां	ध	प
फें	ऽ	टा	ऽ	क	टि	ज	री	दु	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प	प	नि	नि	नि	नि	नि			नि		
ग	ग	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प	ध	नि	सां
छ	वि	ऽ	नि	र	ख	नि	र	ख	आ	ली	री
×		०		२		०		३		४	

सां		मं									
रें	—	गंमं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
धी	ऽ	रऽ	ज	म	न	लाऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		प			प						
ग	–	ग	प	–	नि̱	ध	प	म	प	म	ग
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र	अ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	
	प		म					म			
	ग	मरे	गम	प	–	म	ग	रे	सा	रे	सा
ऽ	मे	ऽऽ	रेऽ	री	ऽ	का	ऽ	न्हे	कुं	व	र
०		३		४		×		०		२	
नि़								नि	नि	ध	
सा	–	–	रे	सा	–	सा	सा	ध	ध	नि̱	प
नं	ऽ	ऽ	द	को	ऽ	ल	प	क	भ	प	क
०		३		४		×		०		२	
प	ध			नि					सां		
ध	ग	–	प	ध	सां	रें	सां	सां	ध	प	ध
च	प	ऽ	ला	ई	ऽ	क	र	त	नि	ड	र।
०		३		४		×		०		२	
ध											
ग	–										
वा	ऽ										
०											

अन्तरा.

			प								
प	प	–	सां	–	सां	रें	सां	सां	–	सां	सां
प	न	ऽ	घ	ऽ	ट	ज	मु	ना	ऽ	त	ट।
×		०		२		०		३		४	

नि			गं			गं			नि	सां	
सां	–	सां	रें	गं	गं	मं	रें	–	सां	धनि	प
बा	ऽ	ट	घा	ऽ	ट	ब्रि	ज	ऽ	बि	थिऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प	पं		नि		नि				सां		
ग	ग	ध	ध	–	ध	नि	प	–	ध	सां	सां
ल	गो	ऽ	ई	ऽ	र	ह	त	ऽ	सं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

			सां		प	ध	
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	–
ड	ग	र	ब	ग	र	बा	ऽ
×		०		२		०	

संचारी.

प	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	–	प	ध	नि	ध	प	–	प
आ	व	त	जा	ऽ	त	खे	ल	त	खा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म		नि				नि					
प	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां	सां	ध	प
नै	ऽ	न	न	की	ऽ	सै	ऽ	न	दे	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
प				म		ग					
ग	–	रे	ग	गम	प	म	ग	म	ग	सारे	सा
पां	ऽ	य	प	रऽ	त	प	र	स	त	तऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि॒		नि	नि			प			सां		
सा	सा	ध	ध	नि॒	प	सां	–	–	ध	नि॒	प
झ	ग	ऽ	र	ऽ	ऽ	झ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			सां								
प	–	–	ध	सां	सां	रें	सां	–	सां	सां	–
धी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ज	के	ऽ	ऽ	प्र	भू	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि			रें			गं		मं		सां	
सां	सां	गं	गं	गंमं	पं	मं	गं	रें	सां	धनि॒	प
म	न	ऽ	भा	ऽऽ	ई	बा	ऽ	तें	क	रऽ	त
×		०		२		०		३		४	
प		नि	नि			प	ध			सां	
ग	–	ध	ध	नि॒	प	ध	ग	प	ध	सां	सां
दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख	क	र	त	हां	ऽ	सि
×		०		२		०		३		४	
सां			सां		प	ध					
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	–				
स	ब	हि	न	ग	र	वा	ऽ				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—धमार(विलम्बित).

स्थायी.

ग			ध				ध		नि॒				
प	–	नि	नि	सां	–	–	नि	प	ध	नि॒	ध	प	–
ए	ऽ	जू	ऽ	का	ऽ	ऽ	ल	की	ग्वा	ऽ	लि	न	ऽ
३				×					२		०		

प | प | म |
म प म ग | ग म रे ग म | प मग | म रे –
ए ऽ मे ऽ | रो ऽ ऽ ऽ ऽ | म नऽ | ले ऽ ऽ
३ | × | २ | ०

नि | प | | नि
सा रे सा – | सा – – ग – | प – | धनि ध प
ग ऽ ई ऽ | ले ऽ ऽ ग ऽ | ई ऽ | ऽऽ री ऽ।
३ | × | २ | ०

प ध
ग प नि नि
ए ऽ जू ऽ
३

अन्तरा.

सां | | | नि
नि – निध सां सां | सां – | रें सां – | सां रें गं मं
सां ऽ ऽऽ झ म | ई ऽ | अ ज ऽ | हूँ ऽ न हिं
× | २ | ० | ३

| ध | ध | नि
गं रें – सां – | नि नि | प – – | ध नि सां –
आ ऽ ऽ ई ऽ | झू ऽ | ठे ऽ ऽ | ब च न ऽ
× | २ | ० | ३

नि सां | | प ध | ध
सां ध नि ध प | – प | निध ग – | प – नि नि
दे ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ग | ईऽ र ऽ | ए ऽ जू ऽ।
× | २ | ० | ३

बिलावल—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

प ध
ध ग़ –
ए ता ऽ

सां ध | ध | | सां
प – नि नि | सां – – नि नि | सां – | रें सां –
री ऽ ड फ | बा ऽ ऽ ज त | मो ऽ | ह न ऽ
३ | × | २ | ०

सां | प प म | |
ध धनि प – | ग ग मरे ग म | प मग | ग रे –
छ विऽ छा ऽ | ज त ऽऽ ना ऽ | च तऽ | म त ऽ
३ | × | २ | ०

| नि मां | | प ध
सा – – सा | सां सां – ध – | नि प | ध ग –
सों ऽ ऽ अ | नं ऽ ऽ द ऽ | ऽ ता | रे, ता ऽ।
३ | × | २ | ०

अन्तरा

नि सां ध | | | नि
सां – – नि नि | सां – | सां – सां | सां रें सां –
बा ऽ ऽ ज त | ता ऽ | ल ऽ मृ | दं ऽ ग ऽ
× | २ | ० | ३

नि रें | | मं | नि
सां गं – गं – | – मं | रें – – | सां रें सां सां
बी ऽ ऽ न ऽ | ऽ धु | न ऽ ऽ | ने ऽ व र
× | २ | ० | ३

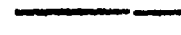
सां | सां | प ध |
ध सांनि रें सां सां | ध निप | ध ग – |
की ऽऽ ऽ झ न | का ऽऽ | र, ता ऽ |
× | २ | ० |

राग खमाज



खमाजो यत्र तीव्रा ऋषभगधनयो मो मृदुर्निमृदुःस्या-
दारोहे रिनिषिद्धः प्रभवति परिपूर्णोऽवरोहे पवक्रः ।
वादी गांधार एव प्रविलसति तथा संप्रवादी निषादो
रात्र्यां यामे द्वितीये प्रमदयति मनः श्रोतुरप्येष रागः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।



मृदुमो निद्वयो गांशो निसम्वादी खमाजकः ।
नारोहे ऋषभो यामे द्वितीये निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।



चढ़त रिखब न लगाइये कोमल मनी विराज ।
गनि वादीसम्वादितें कहियत राग खमाज ॥

चन्द्रिकासार ।



निसौ गमौ पनी सश्च सनी धमौ पधौ मगौ ।
खमाजो गांशको नित्यं द्वितीयप्रहरे निशि ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।



"खमाज"—यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसमें निषाद कोमल तथा शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी गंधार और सम्वादी निषाद है। इसके आरोह में रिषभ स्वर वर्जित किया जाता है, अर्थात इसकी जाति षाडव-सम्पूर्ण है। इस राग का गायन समय रात्रि का दूसरा प्रहर माना जाता है। इसके आरोह में धैवत स्वर का विशेष महत्व नहीं है तथा अवरोह में अनेक बार पंचम वक्र करके लगाया जाता है। आरोह में तीव्र निषाद ले सकते हैं। इस राग का वैचित्र्य **ग, म, प, नि** इन स्वरों पर अवलम्बित है एवं इन्हीं स्वरों पर अनेक तानें आकर समाप्त होती हुई द्रष्टिगोचर होती हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, ग म, प, ध नि सां, सां नि ध प, म ग, रे सा।

पकड़—

निध, मप, ध, मग.

—— ——

खमाज—आड़ाचौताल (मध्यलय).

[मात्रा १४]

स्थायी.

सा	ग	म	प	ग	म	नि	ध	म	प	ध	ग	ऽ	म
×		२		०		३		०		४		०	
प	नि	सां	रें	नि	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	ऽ	म।
×		२		०		३		०		४		०	

अन्तरा.

मं	गं	रें	मं	गं	रें	सां	नि	सां	रें	नि	सां	नि	ध
×		२		०		३		०		४		०	
म	प	ध	ग	ऽ	म	ग	ऽ	प	म	ग	रे	सा	ऽ
×		२		०		३		०		४		०	
सा	ग	म	ग	रे	सा	सां	गं	मं	गं	रें	सां	नि	सां
×		२		०		३		०		४		०	
प	नि	सां	रें	नि	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	ऽ	म
×		२		०		३		०		४		०	

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			ध
			सां सां
			त ब

ध ध	ध		
नि नि धप म	म प ध म	ग – – म	ग – सा सा
क ह तऽ च	तु र ऽ ख	मा ऽ ऽ ज	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
ग	म	ध	ध प ध
सा सा म ग	म – नि ध	म ध नि सां	नि ध सां सां
ज ब ह रि	कां ऽ भु जि	मे ऽ ल क	र त, त ब।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग नि		सां	सां
म ग म ध	– नि सां –	ध नि सां –	मं गं रें सां
सु र गं धा	ऽ र को ऽ	वा ऽ दी ऽ	स म भ त
०	३	×	२
मं	गं रें		ध प ध
गं मं पं गं	मं गंरें नि सां	नि नि सां सां	नि ध सां सां
खां ऽ ड व	सं पुऽ र न	त ज त रि	ख ब, त ब।
०	३	×	२

खमाज–आड़ाचौताल (विलंबित).

स्थायी.

सां नि नि	सां सां	नि सां (सां)	नि धप	ग म प	ध नि धप	(म) ग
स ब	स खि	यां ऽ	मि लऽ	ख मा	ऽ जऽ	गा वो
×	२	०	३	०	४	०

ग सा	म ग म	प नि	सां सां	सां नि –	सां सां	प धनि ध
ह रि	कां ऽ	सु जि	सु र	मे ऽ	ल ब	नाऽ वो।
×	२	०	३	०	४	०

अन्तरा.

म गम गम	प –	नि नि	सां –	सां नि सां	नि सां	ध नि ध
आऽ ऽऽ	रो ऽ	ह न	में ऽ	रे ऽ	ख ब	त ज
×	२	०	३	०	४	०

सां नि –	सां निसांरेंसां	नि सां –	नि ,धप	प म प	सां नि धप	(म) ग
वा ऽ	दि गंऽऽऽ	धा ऽ	र ,मऽ	धु र	दि खऽ	ला वो।
×	२	०	३	०	४	०

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प रे		
सा सा ग ग	म म ग –	म प – ग	म – – ग
अ रे म न	ह र सौं ऽ	क्र रे ऽ तु	प्री ऽ ऽ त
×	२	०	३
नि॒			सां
ध नि॒ ध प	ध नि॒ ध प	प सां नि सां	ध नि॒ ध –
मा ऽ त पि	ता ऽ सा हि	अ खि ल ज	ग त को ऽ
×	२	०	३
	सां	प	
ग म प ध	नि॒ – ध प	ग म प –	ध (म) – ग
अं ऽ त स	मैं ऽ ना ऽ	दू ऽ जो ऽ	को मी ऽ त
×	२	०	३

अन्तरा.

म नि॒		सां	
ग म ध नि	सां नि सां –	नि – सां सां	(सां) – नि॒ ध
य ह सं ऽ	सा ऽ रा ऽ	भू ऽ ठ प	सा ऽ रा ऽ
×	२	०	३
		प	
ग म प ध	सां नि॒ ध प	ग म प –	ध (म) – ग
ह र रं ग	क हे जूं ऽ	सि क ता ऽ	कि भी ऽ त।
×	२	०	३

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	नि	प प	
प नि सां सां	सां (सां) नि धप	नि नि धप गम	ग – – ग
सां ऽ व ल	मो ह ना मैंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×
सां	रें ध	प प	
नि – सां गं	नि सां नि पध	सां नि धप गम	ग – – म
सां ऽ व ल	मो ह ना मैंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×

अन्तरा.

म		सां	नि
ग म नि धनि	सां – नि सां	नि सां सां निसां	सां (सां) नि ध
बि न वे ऽऽ	खं ऽ सा नु	क ल ना ऽऽ	प डं दी ऽ
०	३	×	२
ग म	सां		
म – ग म	प – नि –	सां – गं (सां)	प नि – सांसां
तूं ऽ में ऽ	डे ऽ ही ऽ	आ ऽ ऽ न	सां ऽ ऽ वल।
०	३	×	२

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि		म	नि
सां सां नि नि	ध ध (म) ग	ग म प ध	सां नि सां –
न म न क	रूं ऽ मैं ऽ	स ऽद्गु रु	च र णा ऽ
०	३	×	२

नि सां सां गं मं	रें रें गं गं नि सां	सां नि नि सां –	प नि सां नि ध
स व दु ख	ह र णा ऽ	भ व नि ऽ	स्त र णा ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

प नि ग म ध नि	सां नि सां सां	नि – सां –	सां नि सां नि ध
शु ऽ द्ध भा	ऽ व ध र	अं ऽ तः ऽ	क र णा ऽ
०	३	×	२
नि सां सां गं मं	रें रें गं – नि सां	सां नि – सां सां	प निसांरें निसां नि ध
सु र न र	कि ऽ न्न र	वं ऽ दि त	चऽऽ रऽ णा ऽ।
०	३	×	२

खमाज–दादरा (मध्यलय).

स्थायी.

नि सा सा सा	म ग – ग	ग म – म	प प ध
सु धि न	ली ऽ नि	ज ऽ क्षें	ग ये ऽ
×	०	×	०
ध सां – नि	ध – म	ध प ध म	ग – –
नै ऽ न	वा ऽ ल	गा ऽ य	के ऽ ऽ
×	०	×	०

सां नि	—	नि	सां	—	नि	सां	—	सां	प	प	ध
नै	ऽ	न	वा	ऽ	ल	गा	ऽ	य	मे	रो	ऽ
×			०			×			०		
पध	सां	नि	ध	—	म	गम	पध	म	ग	—	—
जीऽ	ऽ	य	रा	ऽ	ह	राऽ	ऽऽ	य	के	ऽ	ऽ।
×			०			×			०		
ग म	सा	सा									
मु	धि	न									
×											

अन्तरा.

ग म	ग	म	ध नि	ध	नि	सां	—	नि	सां	सां	—
त	र	फ़	त	हूँ	ऽ	रै	ऽ	न	दि	ना	ऽ
×			०			×			०		
प	—	नि	नि	सां	—	नि सां	(सां)	—	नि	ध	—
चै	ऽ	न	न	हीं	ऽ	उ	न	ऽ	बि	ना	ऽ
×			०			×			०		
नि सा	सा	सा	म ग	ग	—	ग म	—	म	प	प	ध
अ	ज	म	पि	या	ऽ	बै	ऽ	ठ	र	हे	ऽ
×			०			×			०		

ध						ध					
सां	–	नि॒	ध	ध	म	प	ध	म	ग	–	–
सौ	ऽ	त	न	घ	र	जा	ऽ	य	कें	ऽ	ऽ।
×			०			×			०		
ग	सा	सा									
सु	धि	न									
×											

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	म		रें										सां		ध
सा	ग	–	ग	म	–	म	प	ध	म	ग	म	प	नि	–	नि
न	मा	ऽ	नुँ	गी	ऽ	न	मा	ऽ	नुँ	गी	ऽ	न	मा	ऽ	नुँ
×				२				०				३			
								सां							
सां	–	–	–	नि	सां	–	–	नि	–	सां	–	नि	सां	–	सां
गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ
×				२				०				३			
								प							
सां	ध	सां	–	नि॒	–	ध	धप	ग	म	प	–	ध	म	ग	–
न्हीं	ऽ	ऽ	ऽ	कें	ऽ	ऽ	मऽ	ना	ऽ	यें	ऽ	ऽ	बि	ना	ऽ।
×				२				०				३			

अन्तरा.

								नि							
नि	नि	नि	सां	सां	सां	नि	सां	सां	–	(सां)	–	नि॒	नि॒	ध	प
जा	ओ	जि	जा	ओ	जि	स	खि	वे	ऽ	तो	ऽ	अ	प	ने	ऽ
०				३				×				२			

प	प	नि रें	
ग म प ध	ग म ग –	सा ग – ग	म – म प
र स के ऽ	र सि या ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ न जा
०	३	×	२
	सां ध		
ध म ग म	प नि – नि	सां – – –	नि सां – –
ऽ ऊं गी ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सां			
नि – सां –	नि सां – सां	सां ध सां –	नि – ध धप
मैं ऽ तो ऽ	ऽ ऽ ऽ उ	न्हीं ऽ ऽ ऽ	के ऽ ऽ मऽ
०	३	×	२
प			
ग म प –	ध म ग –		
ना ऽ ये ऽ	ऽ बि ना ऽ		
०	३		

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प
गम
सखि

	नि प	प	म
प नि सां सां	सां नि धप नि	नि धप ग म	ग – – गम
मे रो म न	ली ऽ नोऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×

सां	प प	प	सां
प नि — सांसां	सां (सां) नि,धप सां	नि ध ग म	ग — — निसां
मे रो ऽ मन	ली ऽ नो,ऽऽ स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
सां	रें	प ध	ग म
नि प नि सांरें	नि सां पध सांसां	नि धप गम प	म ग — गम
मे रो ऽ मन	ली ऽ नोऽ ऽस	लो नेऽ सऽ ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
रे	रे सा	प	म
प ग म ग	नि — सा सां	नि ध ग म	ग — — गम
मे रो म न	ली ऽ नो स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×

अन्तरा.

प नि		सां	
ग म ध नि	सां — नि सां	नि नि सां सां	सां निसां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ र त	र स भ रि	मू ऽऽ र त
०	३	×	२
प नि		प नि	
ग गम ध नि	सां धनिसां सां सां	गम धनि सां— निसां	निनि सांसां सांसां निध
सां ऽऽ व रि	सू ऽऽऽ र त	सांऽ वरि मूऽ रत	रस भरि मूऽ रत
०	३	×	२
प नि			
ग म ध नि	सां — धनिसां सांसां	प नि सां सां	सांनि सां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ ऽऽऽ रत	र स भ रि	मूऽ ऽ र त
०	३	×	२

ग म	सां	प	नि
म – ग म	प प नि नि	सां (सां) निध गग	म ध – निसां
बं ऽ सी ऽ	ब ट ज मु	ना ऽ ऽऽ सखि	मे रो ऽ मन
०	३	×	
प	प	प	
सां नि धप सां	नि धप ग म	ग – – गम	
ली ऽ नेंऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि	
०	३	×	

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म
गम
मोरे

		प	म
प नि सां सां	सां नि ध प	ध ग म	ग – – गम
सैं यां न हिं	आ ऽ ये मैं	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
सां	रें	प	सां
प नि – सांरें	नि सां (नि) धप	ध ग म	ग – – निसां
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
	सां	सां प	प
नि प – धरें	सां – नि धप	पध नि ध गम	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	काऽ ऽ ऽ रिक	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×

	प	प	म
प प – धप	ग प म ग	ध ग म	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये ऽ	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	●	३	×
प नि सां सां			
सैं यां न हिं			
१			

अन्तरा.

प नि॒			प
ग म ध नि	सां – नि सां	नि सां –	सां (सां) नि॒ ध
का ऽ सें क	हूँ ऽ अ ब	ऽ ए री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
प नि॒		सां	प
ग म ध नि	सां सां नि सां	प नि सां –	सां (सां) नि॒ ध
का ऽ सें ऽ	क हूँ अ ब	ए ऽ री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
सां सां	सां	प	म
नि नि – सांधां	सांध नि॒ ध प	नि॒ ध – गम	ग – – गम
जि या ऽ धब	राऽ ऽ वे मैं	ऽ का ऽ रिक	रू ऽ ऽ, मोरे।
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध
प ध
अ ब

ध सां नि॒ ध प	प ग रे म प म ग	म म प —	सां — प ध
क ब त क	त र सा ये	र खि यो ऽ	जी ऽ अ ब
२	०	३	×
ध सां नि॒ ध प	प ग रे मप म ग	म म प —	ग ग म ग म ग
क ब त क	ऽ तर सा ये	र खि यो ऽ	मैं तो नै न
२	०	३	×
रे नि॒ सा नि नि	सां सां नि नि सां सां	ध पनि सांरें सां नि॒	ध प पध
भ र छ बि	दे ख न की	हूंऽ ऽऽ ग र	जी ऽ ऽ अब
२	०	३	×
ध सां नि॒ ध प	प ग रे मप म ग	मम प —	सां — — —
क ब त क	ऽ तर सा ये	ऽ रखि यो ऽ	जी ऽ ऽ ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

नि॒ धनि॒ ध ध	सां नि॒ — ध प	ध म — प ध	(म) — ग —
ऽ कद र पि	या ऽ मैं ऽ	तो ऽ रे ऽ	बा ऽ री ऽ
२	०	३	×

सां नि नि सां –	नि सां (सां) नि ध	ध म – – पध	(म) – ग –
बि न दा ऽ	मों ऽ में ऽ	चे ऽ ऽ रिते	हा ऽ री ऽ
२	०	३	×
गं – मं गं	रें नि – सां सां	नि प नि – सांरें	सां नि सां निध पध
हूँ ऽ रा ऽ	जी ऽ जि स	में ऽ ऽ तोरि	म र जीऽ अब
२	०	३	×
ध सां नि ध प	प ग रे – मप म ग	मम प ध	सां – – –
क ब त क	ऽ तर मा ये	ऽ रखि यो ऽ	जी ऽ ऽ ऽ।
२	०	३	×

खमाज--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प सां प प सां धसांनि	नि धप ध म	प मपधसां निधपध ग म
	धु न सों ऽऽऽ	बा जेऽ मों स	खीऽऽऽ ऽऽऽऽ मु र
	२	०	३
ग – – –	म नि ध नि	सां -- नि नि	सां सां सां (सां)
ली ऽ ऽ ऽ	च लो ऽ च	लो ऽ व हीं	हु ई हैं ऽ
×	२	०	३
प नि ध ग म			
पी ऽ, कहीं			
×			

अन्तरा.

			रें
म म ध नि	सां नि सां सां	प नि सां रें	नि निसां निध म
त र प त	र प नि त	र ह त हुँ	म ऽज नीऽ क
२	०	३	×
ग म प ध	पध निसां नि सां	नि सां पनिसांरें सांनिसां-	नि ध ग म
द र वि न	नाऽ ऽऽ हिं ल	ग त मोऽऽऽ राऽऽऽ	जी ऽ, क हीं ।
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	नि		प
सां नि सां सां	धनि पध सां सां	नि धप म प	ध (म) गम पध
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	मैं हा ऽऽ रीऽ
×	२	०	३
सां	नि ध	ग	ग म
नि नि सां सां	धनि पध सां नि	ध धप म ग	सा - ग म
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	रा ऽ र क
×	२	०	३
सां		गं रें रें	प
प प नि नि	प नि सां सां	मं गं नि सां	सां (सां) धनि ध
र त प नि	यां भ र त	नै यां न छु	वो ना ऽऽ रि ।
×	२	०	३

अन्तरा.

सां		प	प प
नि नि नि सां	सां सां नि धप	ग म प धप	ग म ग –
अ व न सु	न त ना हिंऽ	ढी ऽ ट लंऽ	ग र वा ऽ
०	३	×	२
सां रें		प	प प
नि सां गं नि	सां सां नि धप	ग म प धप	ग म ग –
क र त रा	ऽ र मो ऽऽ	ह न प रऽ	वा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
सा सा ग म	प प नि नि	नि सां – सां	प नि सां सां
उ म र क	र त बि न	ति श्या ऽ म	जि त क र
०	३	×	२
सां रें	नि प		
गं नि सां सां	सां नि ध ध		
पि या जि या	सों हा ऽ रि		
०	३		

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ध		
नि नि सां सां	सां – निध म	मपधसां निधपध ग म	ग – – ग
अ रे मो रे	सैं ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ का ह	मा ऽ ऽ र
२	०	३	×
नि नि सां रें	सांध सां निध म	मपधसां निधपध ग म	ग – – सा
अ रे मो रे	सैंऽ ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ का ह	मा ऽ ऽ जों
२	०	३	×

ग – ग म	प – नि –	नि – सां –	नि सां निध पम गग
ओ ऽ ल त	ना ऽ हीं ऽ	ए ऽ कौ ऽ	बा ऽऽ ऽऽ ऽर
२	०	३	×

अन्तरा.

ग म प नि	नि सां सां –	नि नि सां –	सां नि (प) म
औ ऽ र जु	लु म जो ऽ	चा ह ना ऽ	क र ना क
२	०	३	×
ग म ग म	प नि – नि	नि नि सां नि	सां निसांरेंरे सांनिधप –प
द र पि या	दे ना ऽ ना	दि ल से उ	ता ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽर
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि म सा – ग ग	ग म म गम पध	नि सां – निसां	नि प सां (सां) नि धध
श्या ऽ म सु	द र ऽऽ बन	मा ली ऽ ऽऽ	के ऽ स खीऽ
०	३	×	२
सां नि सां – सांध	सां नि धप ध	प ग म सां नि	धप (म) ग ग
द र ऽ सऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ सा ऽ य।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग		नि प	नि
म नि ध नि	सां – नि सां	सां (सां) नि धध	सां (सां) नि ध
सो ह ऽ नि	सू ऽ र त	मो ऽ ह नि	मू ऽ र त
०	३	×	२
ग		सां	
म ग गम पध	नि सां सां सां	नि सां निसां सां	(सां) नि ध पध
ह र ऽऽ रंग	की ऽ छ बि	मो ऽ ऽऽ म	न ब मी सखि
०	३	×	२
सां		प	
नि सां – सांध	सां नि धप ध	ग म सां नि	धप (म) ग ग
द र ऽ मऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ मा ऽ य।
०	३	×	२

खमाज–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ध	सां	प प
ग सा ममगरेग ,ग	म गम – पध	नि सां – निसां	सां (सां) नि ध
प र देऽऽऽऽ ऽस	वा ऽऽ ऽ जिन	जा इ ऽ ऽऽ	यो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
सां		म	
नि सां सां निसांरेसां	नि – ध म	ग म सां नि	ध (म) ग –ग
पा न न छाऽऽऽ	ई ऽ प न	व रि ऽ या	ऽ भं वऽर।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म म नि ध नि	सां नि सां निसां	प नि सां सां	प सां (सां) नि धप
का हे ऽ की	ऽ ते री ऽऽ	ना ऽ व न	व रि या ऽऽ
०	३	×	२
म ग गम	पधनिसां -नि सां निसां	सां नि - सां -	रें ध नि सां निध पध
ऽ का हे ऽऽ	काऽऽऽ ऽते रा ऽऽ	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ साऽ तेरा
०	३	×	२
सां सां नि सां सां ध	सां नि धप म	प ग म सां नि	ध (म) ग -ग
रा ख न हा	ऽ रा ऽऽ ऽच	ता ऽ ऽ ये	ऽ भं व ऽर।
०	३	×	२

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प नि
ओ द

नि सां - नि	ध प ध म	ग - - -	प म ग म प म
ना तो ऽ म्त	न न दे रे	ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ता रे
०	३	×	२
ग - रे -	सा - - -	ग म नि सा सा ग	- म प प
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ	धि ति लि तो	ऽ म्त न न
०	३	×	२
सां नि नि सां सां	गं रें गं रें सा	रें सां नि नि सां नि	प सां - ध नि सां
दिर दि ना रे	तो ऽ म्त न	त द रे दा	ऽ नि, ओ द।
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि		
ग ग म नि॒	ध प ध नि	सां – सां नि	सां – – –
य ल लि य	ल लि य ल	लों ऽ य ल	लों ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
नि	गं		नि
सां गं रें गं	– नि नि रें	– नि नि सां	– ध नि सां
धि ति लि तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न त
×	२	०	३
सां ध	प सां		
नि नि सां नि॒	– ध नि सां		
त द् रे दा	ऽ नि, ओ द्		
×	२		

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

ध			
नि॒ ध नि॒ प	ध नि॒ (सां) –	नि॒ ध ‿प म	ग ‿ग मम गग
ओ दे त न	दे रे ना ऽ	ऽ दी ऽम् त	नो ऽम दिर दिर
२	०	३	×
	प		
रे सा ग मम	नि॒ ध ग म	नि॒नि॒ धध निनि सां	– रें सां नि॒नि॒
दा नि दी ऽम्	दी ऽ म्दा रा	दिर दिर दिर दी	ऽ म्त दी ऽम्
२	०	३	×
नि			
(सां) – ध नि	(सां) – ध प	म ग रे म	ग रे सा सा
दी ऽ म्त न	ना ऽ नि त	त द रे त	द रे दा नि।
२	०	३	×

अन्तरा.

म त्रि			
ग म ध नि	सां – नि सां	सां सां रें सां	नि̱ ध नि सां
स ऽ ब्ज नि	म ऽ त्म ना	गि र्दा ऽ दृगि	र्दं ऽ त्रे ऽ
०	३	×	२
मं			
गं मं रें सां	नि सां (सां) नि̱	ध ध नि̱ रेंरें	म (म) रे सासा
ख ऽ ल्मे नु	मे ऽ रो मा	ऽ गि र्दा ऽदृ	गि र्द ऽ ऽम
०	३	×	२
		सां	मं
म ग – म	नि̱ – ध –	नि – सां –	– गं मं रें
ब रा ऽ बि	रं ऽ गे ऽ	सो ऽ जों ऽ	ऽ म् ऽ क
०	३	×	२
			ध
सां नि सां (सां)	नि̱ ध ध नि̱	रें सां नि̱ सांसां	नि̱ ध नि̱ प
ऽ ल्मू ऽ नि	मा ऽ गि र्दा	ऽ दृगि र्दं ऽम	ओ दे त न।
०	३	×	२

खमाज–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	सां		
ग म प	नि सां	निसांरें सां नि̱	धप ध
सो लै क	ला ऽ	जाऽऽ में स	माऽ नि
३	×	२	०
मं			प
ग म प	सां नि̱	धप गम पध	म ग
अ मृ त	जै सी	बोऽ लऽ तऽ	बा नि
३	×	२	०

म									
ग	सा	ग	ग	म	प	नि	प	नि	सां
मु	ख	क	म	ल	द्यु	ति	नि	र	ख
३			×		२			०	
नि			रें						
सां	मं	गंरें	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध
चं	ऽ	द्रऽ	जो	ऽ	तिऽऽ	हु	ल	जाऽ	नि
३			×		२			०	

अन्तरा.

ग									
म	ग	म	प	नि	प	नि	नि	सां	सां
क	टि	के	ह	रि	क	द	लि	जं	घ
३			×		२			०	
					नि	रें			
नि	सां	नि	सां	सां	सां	सां	नि	धप	ध
ना	सि	क	प	र	की	ऽ	र	वाऽ	गे
३			×		२			०	

ग			म						
म	ग	सा	ग	म	प	नि	प	नि	सां
अ	ल	क	प	र	वा	गे	अ	म	र
३			×		२			०	
नि			रें						
सां	मं	गंरें	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध
चा	ऽ	लऽ	म	द	गऽऽ	ज	म	माऽ	नि।
३			×		२			०	

खमाज—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		म			प		म		
नि़	सा	ग	म	प	ग	म	सां	–	नि॒
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		
					ध	प			
ध	म	प	–	ध	ग	म	ग	–	–
अ	प	नें	ऽ	गु	न	न	की	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		ध							
ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	नि	सां	–
तु	म	दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	दो	ऊ	ऽ
×		२			०		३		
ध									
प	नि	सां	–	सां	नि	सां	नि॒	–	ध
ज	ग	के	ऽ	खे	व	न	हा	ऽ	र।
×		२			०		३		
ध							प		
प	ध	म	ग	म	प	प	सां	–	नि॒
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		

अन्तरा.

म		ध		ध					
ग	म	नि॒	ध	पध	नि	सां	सां	–	सां
मा	ऽ	ढे	ऽ	मऽ	ढै	ऽ	या	ऽ	छ
×		२			०		३		

नि					सां				
प	नि	सां	—	सां	नि	सां	नि	ध	पध
व	न	ला	ऽ	गि	अ	ख	त	र	ऽऽ
×		२			०		३		
ग									
म	—	ग	—	म	प	ध	नि	सां	रें
पी	ऽ	र	ऽ	फ	की	ऽ	र	ऽ	स
×		२			०		३		
		ध	म		ध		ग		
नि	ध	ग	प	—	नि	धप	म	ग	—
भी	ऽ	गु	नी	ऽ	सु	रऽ	मु	नी	ऽ।
×		२			०		३		

खमाज—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां					मां				
नि	—	सां	सां	सां	नि	सां	नि	—	धप
सं	ऽ	ग	त	अ	ना	ऽ	धा	ऽ	तऽ
×		२			०		३		
प							ग		
ग	—	म	प	सां	नि	धप	म	ग	—
दे	ऽ	सि	मा	ऽ	र	गऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
ग		ग			रें		रें		
प	—	म	ग	म	ग	—	नि	सा	सा
हो	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ग।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म		ध							
ग	म	नि	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
जै	ऽ	जै	ऽ	गु	नी	ऽ	तैं	ऽ	तैं
×		२			०		३		
		सां							
प	नि	नि	सां	—	नि	सां	नि	ध	—
क	ठि	न	जा	ऽ	न	त	है	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सा		ध		ध			प		
नि	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	म	ग
य	ह	है	ऽ	खि	लो	ना	ना	ऽ	ग
×		२			०		३		

खमाज—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

नि						सां					
सां	—	नि	सां	—	सां	नि	—	सां	नि	—	नि
रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ल	रू	ऽ	प	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प		ध					प			
ध	ग	म	प	सां	नि	ध	—	म	ग	—	ग
अ	ध	ऽ	र	ऽ	अ	धो	ऽ	क	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	रे		म						प		
ग	नि	सा	ग	—	म	प	—	ध	ग	—	म
द्रि	ग	न	ला	ऽ	ल	डो	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प						ध	ध		प		
सां	–	नि	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग।
को	ऽ	रे	ला	ऽ	ल	भ	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग			ध								
म	ग	म	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
क	र	ऽ	ला	ऽ	ल	चू	ऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

सां						नि					
नि	–	नि	सां	–	सां	सां	नि	सां	नि	–	नि
सी	ऽ	स	फू	ऽ	ल	द्रु	में	ऽ	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

	प					सां					
ध	ग	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	ती	ऽ	ला	ऽ	ल	बी	ऽ	च	प्या	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

नि						ध	ध		प		
सां	रें	नि	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग
ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	प	ल	ऽ	कें	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						सां					
नि	नि	नि	सां	सां	सां	नि	–	सां	नि	नि	ध
अ	स	न	ब	स	न	ला	ऽ	ल	द	स	न
×		०		२		०		३		४	

	प							प			
ध	ग	म	प	सां	नि॒	ध	—	म	म	ग	—
च	म	क	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	ल	ही	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	रे									प	
ग	नि़	सा	ग	—	म	प	प	—	ध	ग	म
ल	ल	ऽ	ना	ऽ	प	ग	न	ऽ	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
						ध	ध		प		
नि॒	—	—	ध	—	म	प	प	ध	म	—	ग
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	मुं	ग	न	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म											
ग	—	म	नि॒	ध	नि	सां	सां	नि	सां	—	सां
मा	ऽ	ला	ला	ऽ	ल	स	ब	हि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ध						सां		नि			
प	नि	—	सां	—	सां	नि	सां	सां	नि॒	—	ध
दु	ल	ऽ	री	ऽ	को	रे	स	म	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प					सां					
ध	ग	म	प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
स	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	प्या	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
						ध	ध		प		
रें	—	नि॒	ध	—	म	प	प	ध	म	—	ग
ला	ऽ	ल	ही	ऽ	में	ल	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

खमाज—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग म ते

				ध		सां			प	प	
ग	म	प	ध	सां	—	ध	नि॒	ध	म	म	प
ऽ	रो	ही	ऽ	चं	ऽ	द्र	ब	द	न	शो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प		प								ग	म
नि॒	ध	म	ग	ग	सा	ग	मप	ग	म	म	नि॒
भा	स	द	न	म	द	न	दऽ	ह	न	म	न
३		४		×		०		२		०	
				सां			नि				प
ध	नि	सां	—	रें	नि	सां	सां	नि॒	धप	ध	,म
ऽ	र	स	ऽ	ब	स	ऽ	क	र	नऽ	ऽ,	ऽते
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प						सां	सां				
ग	म	नि॒ध	नि	सां	सां	नि	नि	सां	सां	—	सां
द	र	सऽ	प	र	स	प	र	ऽ	स्प	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सां				रें							
नि	सां	रें	—	नि	सां	नि	नि	सां	नि॒	—	ध
उ	प	जा	ऽ	व	त	अ	ति	अ	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

ध		सां				ग				
सां	सां	ध	नि॒	धप	मग	म	नि॒	ध	नि	सां
स	क	ल	सु	खऽ	दऽ	स	ब	ऽ	बि	धी
×		०		२		०		३		४

सां	रें		नि				प
रें	नि	सां	सां	नि॒	धप	ध	म
दु	ख	ऽ	ह	र	नऽ	ऽ,	ते
×		०		२		०	

खमाज—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग			ध		ध	सां				
	म	ग	म	प	ध	सां	ध	सां	नि॒	ध	म
ऽ	मा	ऽ	इ	री	ऽ	ब	र	ऽ	जो	ऽ	ना
०		३		४		×		०		२	

प	ध			प						प	
म	प	नि॒	ध	म	ग	ग	सा	गम	पध	ग	म
मा	ऽ	ऽ	न	त	ऽ	अ	त	हीऽ	हऽ	ठी	लो
०		३		४		×		०		२	

ग						सां			ध		
म	नि॒	ध	नि	सां	—	रें	नि	सां	सां	नि॒	धप
ते	ऽ	ऽ	रो	ही	ऽ	कुं	व	र	का	ऽ	न्हऽ।
०		३		४		×		०		२	

	प
ध	म
ऽ	मा
०	

अन्तरा.

म			ध								
ग	म	–	नि̲	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
ज	म	ऽ	ना	ऽ	के	नी	ऽ	र	ती	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
			ध						रें		
म	म	–	नि̲	ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	सां
ज	म	ऽ	ना	ऽ	के	नी	ऽ	र	ती	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि					सां						
प	नि	–	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	नि̲	ध
धे	ऽ	ऽ	नू	ऽ	च	रा	ऽ	ऽ	ऽ	व	त
×		०		२		०		३		४	
प					नि̲	सां					
ग	–	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
बां	ऽ	सु	री	ऽ	ब	जा	ऽ	य	गा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सां			नि				ध				
रें	नि	सां	सां	नि̲	धप	ध	म				
नी	ऽ	की	ता	ऽ	नऽ	ऽ	मा				
×		०		२		०					

खमाज–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां					सां			नि			
नि	सां	नि	सां	–	रें	सांनि	सां	सां	नि̲	–	धप
आ	ऽ	ज	तो	ऽ	स	खी	ऽ	री	दे	ऽ	खेऽ
×		०		२		०		३		४	

प			ध					प			
ग	–	म	प	सां	नि॒	ध	–	म	ग	–	सा
ग	ऽ	म	चं	ऽ	द्र	छ	ऽ	त्र	धा	ऽ	ये
×		०		२		०		३		४	
			म			ध					
सा	सा	–	ग	–	म	प	ध	नि	सां	सां	–
ग	ज	ऽ	की	ऽ	स	वा	ऽ	रि	की	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां					सां			नि			प
रें	नि	सां	सां	–	रें	सां	–	सां	नि॒	ध	ध
च	ले	ऽ	जा	ऽ	त	बा	ऽ	ट	में	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग			म								
म	ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
के	ते	ऽ	आ	ऽ	स	बा	ऽ	र	सो	ऽ	है
×		०		२		०		३		४	
सां	सां					सां					
नि	नि	सां	सां	–	सां	नि	सां	निसां	नि॒	–	ध
के	ते	ऽ	सो	ऽ	है	ब	कें	ऽऽ	दा	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
प											
म	ग	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
के	ते	ऽ	के	ऽ	ते	न	की	ब	बो	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	

सां गं	रें नि	सां	सां	सां	—	रें नि	सां	सां	नि	ध	प ध
आ	नं	ऽ	द	के	ऽ	ठा	ऽ	ठ	में	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

गम	पध	प	—	म	—	—	ग	रे	ग	मा	मारे	ग	रे
होऽ	ऽऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	—	—	प	—	—	प	मप	मग	रेग
चा	ऽ	ऽ	है	का	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ
३				×			२				०		
गम	पध	प	—	म	—	—	ग	रे	ग	मा	मारे	ग	रे
होऽ	ऽऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	—	—	प	—	—,	प	ध	म	—
चा	ऽ	ऽ	है	का	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ,	अ	री	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
प	—	ध	—	नि	नि	—	सां	—	—	रें	नि सांसां	निध	नि
मे	ऽ	रो	ऽ	म	न	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ह	नाऽ	ऽऽ	ऽ
३				×			२				०		

ध	–	प	–	मपधसां	सांनिध	नि	ध	प	–	ध	मप	मग	रेग
मो	ऽ	मे	ऽ	आऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	मि	लेऽ	ऽऽ	ऽऽ।
३				×			२				०		

अन्तरा.

	प	प	प	–	ध	–	नि	–	–	सां	–	–	–
ऽ	बि	न	पी	ऽ	या	ऽ	कैं	ऽ	ऽ	मे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
रें	–	गं	रें	–	–	सां	सां	–	–	सां	नि	ध	प
फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
नि	नि	–	सां	–	–	रें	सां	–	–	नि	ध	नि	प
अ	बी	ऽ	र	ऽ	ऽ	गु	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	पे
×			२				०			३			
प	ध	नि	ध	प	–	ध	म	ग	ग	गम	पध	प	ध
आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ल	गो	ऽ	ऽ	होऽ	ऽऽ	री	ऽ।
×			२				०			३			

खमाज–दीपचन्दी (चाचर) (मध्यलय).

स्थायी.

										प			
	सा	सा	ग	—	—	ग	म	—	—	ग	म	प	ध
ऽ	अ	च	रा	ऽ	ऽ	छो	रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
×			२				०			३			
सां			सां					नि					
नि	—	—	नि	—	मां	—	—	ध	सां	नि	ध	प	—
जा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	घो	ऽ	ऽ	ह	म	को	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
	सां						नि						
	नि	नि	मां	—	—	—	सां	नि	ध	नि	—	प	—
ऽ	क	व	में	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	ऽ	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
×			२				०			३			
							ध	ध					
	म	म	गम	गम	पध	निसां	नि	प	ध	म	गरे	ग	सा
ऽ	चिं	ट	राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ब	न	ऽ	सें	ऽऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

प			ध										
म	—	म	नि	ध	—	नि	सां	—	सां	मां	—	—	—
सा	ऽ	मु	हो	ऽ	ऽ	गी	टो	ऽ	ह	में	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां			सां										र
नि	—	—	नि	—	—	नि	सां	सां	—	नि	नि	ध	ध
बा	ऽ	ऽ	ट	ऽ	ऽ	त	क	त	ऽ	हु	इ	हैं	ऽ
×			२				०			३			

सां नि	—	—	नि	—	—	नि	सां	सां	—	नि	नि	नि	ध
या	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	क	ह	के	ऽ
×			२				०			३			
प म	—	—	पध	नि	—	धप	ध	म	—	ग	—	—	—
दो	ऽ	ऽ	खऽ	ऽ	ऽ	लऽ	गें	ऽ	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
मं गं	मं	—	रें	—	—	सां	सां	—	—	नि	नि	सां	—
दे	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	की	न्हीं	ऽ	ऽ	इ	त	नी	ऽ
×			२				०			३			
—	प	नि	सां	—	—	रें	नि	सां	—	नि	ध	प	ध
ऽ	प	नि	यां	ऽ	ऽ	भ	र	न	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां नि	—	नि	सां	—	—	—							
जा	ऽ	य	द्यो	ऽ	ऽ	ऽ	स्थायी के			अनुसार			
×			२										

———

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

सा	—	—	ग	—	—	ग	म	म	—	ग	म	प	ध
जा	ऽ	ऽ	वां	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	ऽ	ऽ	ना	हीं
×			२				०						

नि	–	–	सां	–	–	–	–	सां	सां	सां ध	सां	नि
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म	से ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३		

ध	प	ध	(म)	–	–	ग	म	म	–	गम	पध	निसां	नि
जा	ऽ	ऽ	बो	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	हीं
×			२				०			३			

सां	–	–	सां	–	–	निनि	सां	(सां)	–	नि	–	ध	–
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	अरे	ह	म	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

	नि	–	नि	–	–	सांसां	सां	ध	सां	नि	–	ध	–
ऽ	ह	ऽ	म्से	ऽ	ऽ	बहु	तें	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

	म	म	मप	मप	धसां	निध	प	ध	प	म	ग	रे ग	–
ऽ	तु	म	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	द	म	से	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

म	ग	म	नि	ध	–	नि	सां	–	नि	सां	–	सां	–
भू	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ
×			२				०			३			

ग			म ध प										
म	—	—	निनि धध	—	नि	सां	—	—	नि	सां	सां	सां
भू	ऽ	ऽ	ठीऽ ऽऽ	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व	त
×			२			०			३			
	नि	नि	सां —	सां	—	सां	नि	सां	नि	—	ध	—
ऽ	ना	हिं	मो ऽ	हे	र	भा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ
×			२			०			३			
नि	—	—	— —	सां	सां	सां	ध	सां	नि	—	ध	—
हो	ऽ	ऽ	ऽ ऽ	ह	र	जा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×			२			०			३			
											रं	
	म	म	मप मप	धसां	निध	प	ध	प	म	ग	ग	—
ऽ	तु	म	रेऽ ऽऽ	ऽऽ	जम	ऽ	ज	म	से	ऽ	ऽ।	
×			२			०			३			

खमाज— दीपचन्दी (विलंबित).

स्थायी.

म													
ग	नि़	सा	ग	—	—	ग	म	म	—	ग	म	प	ध
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	ऽ	ऽ	मो	सें
×			२				०			३			
सां	सां						सां						प
नि	नि	—	सां	—	—	सां	नि	सां	—	नि	—	ध	ध
न	ई	ऽ	रे	ऽ	ऽ	न	ई	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां
नि – – | सां – सां – | निसां निसां – | नि – – धप
का ऽ ऽ | भ ऽ यो ऽ | नऽ नंऽ ऽ | दी ऽ ऽ अऽ
× | २ | ० | ३

प
ग म – | सां – नि धप | ग म – | ग – – –
नो ऽ ऽ | ऽ ऽ खे पिऽ | या ऽ ऽ | से ऽ ऽ ऽ
× | २ | ० | ३

अन्तरा.

ग | ध | | सां
म ग म | नि – ध नि | सां सां – | नि सां सां –
ब र ऽ | जो ऽ ऽ रि | क र ऽ | मो ऽ री ऽ
× | २ | ० | ३

सां | | रें |
नि – – | सां – नि सां | सांरें नि सां | नि – ध –
बै ऽ ऽ | यां ऽ ऽ ग | हऽ त ऽ | है ऽ ऽ ऽ
× | २ | ० | ३

ग
म ग म | प – – ध | नि सां – | सां – सां –
अ प ऽ | नी ऽ ऽ क | ह त ऽ | औ ऽ र ऽ
× | २ | ० | ३

सां रें
रें नि – | सां – – रें | नि सां – | नि – ध –
क छू ऽ | ना ऽ ऽ सु | न त ऽ | है ऽ ऽ ऽ
× | २ | ० | ३

सां								रें					
नि	—	—	सां	—	—	सां	नि	सां	—	नि	—	ध	प
आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ज	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ
×			२				०			३			
प							प						
ग	म	—	मां	—	नि	धप	ग	म	—	ग	—	—	—
ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	रे	गऽ	ई	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

							म								
					ग	सा	ग	—	म	प	ध	नि	सां		
					अ	ब	के	ऽ	म	मैं	ऽ	फा	ऽ		
					२		०			३					
सां	सां					प	सां						प		
नि	नि	सां	नि	ध	नि	ध	नि	सां	—	नि	—	ध	म		
गु	न	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	खे	ल	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये		
×					२		०			३					
ध															
प	ध	—	म	ग	ग	सा									
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	अ	ब									
×					२										

अन्तरा.

ग	म	ध											नि	
म	ग	म	नि	—	ध	नि	सां	नि	सां	सां	—	—	सां	
अ	प	ऽ	ने	ऽ	ऽ	री	अ	प	ऽ	ने	ऽ	ऽ	मं	
×					२		०			३				

सां मं	गं	–	गें नि	–	सां	–	सांगें	नि	सां	नि॒	–	ध	–
दि	र	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	निऽ	क	ऽ	मी	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
ग म	ग	म	प	–	–	ध	सां नि	मां	–	सां	–	मां	–
को	ई	ऽ	मां	ऽ	ऽ	व	री	ऽ	ऽ	को	ऽ	ई	ऽ
×					२		०			३			
सां नि	सां	–	नि॒	ध	नि॒	प ध	सां नि	मां	–	नि॒	–	ध	म
गो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये
×					२		०			३			
ध प	ध	–	म	ग	ग	सा							
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	अ	ब							
×					२								

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

													सा
													आ
म ग	–	म	प	ध	नि	सां	नि सां	नि	सां	नि॒	ध	–	ध पध
ये	ऽ	ऽ	रं	ग	सों	ऽ	भी	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ	मोऽ
०			३				×					२	

ध
नि सां – | नि – ध म | प ध म ग – | – सा
ह न ऽ | ऽ ऽ सु ख | दै ऽ ऽ या ऽ | ऽ, आ ।
० | ३ | × | २

अन्तरा.

ग
म ग म नि – | ध नि | नि सां – | नि सां सां सां
मो ऽ ऽ र ऽ | ऽ मु | कु ट ऽ | ऽ ऽ कु टि
× | २ | ० | ३

नि रें | | सां |
सां मं गं नि – | सां – | नि सां – | नि – ध –
मो ऽ ऽ हे ऽ | पी ऽ | तां ऽ ऽ | ब ऽ र ऽ
× | २ | ० | ३

प
म ग म प – | – ध | नि सां – | रें नि सां –
मु र ऽ ली ऽ | ऽ अ | ध र ऽ | सो ऽ हे ऽ
× | २ | ० | ३

सां प
नि सां – नि ध | – नि | नि सां – | नि – ध म
ये ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ मो | ह न ऽ | ऽ ऽ सु ख
× | २ | ० | ३

ध
प ध म ग – | – सा | |
दै ऽ ऽ या ऽ | ऽ, आ | |
× | २ | |

राग भैरव.

रागादिर्भैरवाख्यो मृदुऋषभमधस्तीव्रगस्तीव्रनिश्च ।
वाद्यस्मिन् धैवतोऽस्यादृषभ इह तु संवादिरूपोऽभिगीतः ।
आरोहेऽल्पर्षभत्वं क्वचिदपि मृदुनिः प्राहुरेके विकल्पं ।
प्रातःकालेषु नित्यं जगति सुमतिभिः सुस्वरं गीयतेऽसौ ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

प्रथमो भैरवो रागो मृदुमर्षभधैवतः ।
वादी धैवत एवात्र संवादी चर्षभो मतः ॥

चन्द्रिकायाम ।

भैरव कोमल रिमध सुर तीव्र गंधार निखाद ।
धैवत वादी सुर कह्यो तासुं रिखब सम्वाद ॥

चन्द्रिकासार ।

मगौ मपौ धपौ मगौ रिगौ मपौ मगौ रिसौ ।
भैरवो नित्यपूर्णः स्याद्धैवतांश प्रभातगः ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"भैरव"—यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है। रिषभ तथा धैवत स्वर इसमें कोमल प्रयुक्त होते हैं, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत व सम्वादी रिषभ है। इस राग का गायन समय प्रातःकाल माना जाता है। कभी-कभी इस राग के अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग कोई-कोई गायक कुशलता पूर्वक करते हैं। इस राग की प्रकृति गम्भीर है। भैरव राग की सब विशेषता रे, ध इन स्वरों पर निर्भर है। इन स्वरों के आन्दोलन से यह राग अधिक रक्तिदायक होता है। इसके आरोह में रिषभ का अल्पत्व रहता है। मध्यम से रिषभ की मींड इसमें बहुत सुन्दर दिखाई देती है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे॒ ग म, प ध॒, नि सां। सां नि ध॒, प मग, रे॒, सा।

पकड़—

सा, ग, म प, ध॒, प.



भैरव–त्रिताल (मध्यलय). (कलावंती)

स्थायी.

रे	ग	रे	ग	म	प	ग	म	नि	ध	ऽ	ग	ऽ	म	ग	रे
०				३				×				२			
ग	म	प	ग	म	नि	ध	..	रें	ऽ	सां	गं	ऽ	ग	ऽ	म
०				३				×				२			
नि	ध	रें	ऽ	ध	ऽ	रें	ऽ	ग	म	प	ग	म	ग	रे,	नि।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग	ग	प	प	ध	ध	नि	नि	ध	नि	नि	ध	म	प	ग	म
×				२				०				३			
ध	ऽ	नि	ध	ऽ	रें	ऽ	मां	गं	ऽ	रें	ऽ	पं	ऽ	गं	मं
×				२				०				३			
धं	ऽ	ध	ऽ	नि	ध	ऽ	नि	रें	गं	नि	रें	ध	नि	म	ध
×				२				०				३			
ग	म	प	ग	म	ग	रे,	नि								
×				२											

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	रे	ग	ऽ	ऽ	म	ऽ	प
०		३		४		×		०		२	
						नि	नि		नि		
				—	सां	सां	ध	—	ध	—	प
ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	ये	म	म	ऽ	सू	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
						म			म		
—	म	ग	मरे	ग	प	प	म	ग	रे	—	सा
ऽ	मो	ऽ	मऽ	न	में	ऐ	से	ऽ	आ	ऽ	ये।
०		२		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि								
प	—	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	ध	—	प
स	रे	ऽ	ग	म	की	ऐ	ऽ	सि	हो	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

सा	सा	ध़	ध़ (नि)	ध़ (नि)	ध़ (नि)	—	ध़	—	ध़ (नि)	—	प
पु	न	ऽ	दु	ग	न	ऽ	की	ऽ	जे	ऽ	तो
×		०		२		०		३		४	
ध़ (नि)	—	ध़	नि	सां	सां	सां	नि	सां	ध़ (नि)	—	प
ऐ	ऽ	मे	ली	ऽ	जे	सु	र	ऽ	न	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	
ग (प)	ग (म)	रे़ (ग)	—	ग	प	म	ग	म	रे़	रे़ (ग)	सा
त	ब	आ	ऽ	वे	स	ब	न	के	म	त	में
×		०		२		०		३		४	
ध़ (नि़)	—	ध़	नि़	सा	सा	रे़ (ग)	—	—	रे़ (ग)	—	सा
कं	ऽ	ठ	को	ऽ	सु	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध़	नि़	सा	नि़	सा	रे़	सा	रे़	ग	रे़	ग	म
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	म	प	ध़	प	ध़	नि	ध़	नि	सां
×		०		२		०		३		४	
सां	नि	ध़	नि	ध़	प	ध़	प	म	प	म	ग
×		०		२		०		३		४	
म	ग	रे़	ग	रे़	सा	ऽ	सा				
×		०		२		०					

भैरव—मूलताल (मध्यलय).

मात्रा १०.

स्थायी.

नि				प		प		ग	
ध॒	—	प	प	म	प	ध॒	प	म	ग
धै	ऽ	व	त	को	ऽ	म	ल	क	र
×		०		२		३		०	
		म		ग		ग —		ग	
मग	मरे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	रे॒	सा
रेऽ	ऽऽ	ख	व	सु	र	को	ऽ	म	ल
×		०		२		३		०	
नि़		नि़		सा		ग			
सा	—	ध़॒	ध़॒	नि़	सा	रे॒	रे॒	सा	सा
मं	ऽ	द	र	स्था	ऽ	न	म	धु	र
×		०		२		३		०	
ग									
मग	मग	रे॒	रे॒	मग	प	मग	मग	रे॒	सा
भैऽ	ऽऽ	र	व	शांऽ	ऽ	तिऽ	प्रऽ	चु	र ।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

		नि		सां					
प	—	ध॒	ध॒	नि	—	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	अं	ऽ	श	वि	च	र
×		०		२		३		०	

नि								नि	
ध	–	नि	सां	रें	सां	नि	सां	ध	प
रे	ऽ	ख	व	क	र	स	ह	च	र
×		०		२		३		०	
प				सां		नि		नि	
ध	रें	सां	–	नि	सां	ध	–	ध	प
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	सू	ऽ	द	र
×		०		२		३		०	
सां	नि	ध	प	म	ग	रे	रे	सा	ऽ।
×		०		२		३		०	

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	म			सा				नि							
सारे	ग	रे	सा	नि	सा	रे	सा	ध	–	नि	नि	सा	–	सा	सा
भैऽ	ऽ	र	व	ल	ऽ	च्छ	न	गा	ऽ	य	गु	नी	ऽ	व	र
०				३				×				२			
म				ग		ग					प	ग			
ग	–	म	म	म	म	रे	रे	रे	गरे	गम	म	म	रे	सा	सा
को	ऽ	म	ल	सु	र	ध	र	ग	मऽ	नीऽ	ऽ	सु	ध	क	र
०				३				×				२			
सा		म		नि				ग			प	ग			
नि	सा	ग	म	ध	–	प	–	म	रे	गम	म	रे	–	सा	सा
आ	ऽ	त	स	में	ऽ	री	ऽ	झ	त	नाऽ	ऽ	री	ऽ	न	र।
०				३				×				२			

अन्तरा.

म	नि	सां	
प — प प	ध — नि नि	सां — मां नि	सां नि सां नि
धैं ऽ व त	हो ऽ त प्र	धा ऽ न जी	ऽ व मु र
०	३	×	२
सां		सां	सां नि
ध — ध ध	नि नि सां सां	रें — सां सां	नि सां ध प
रे ऽ ख व	स ह च र	हाँ ऽ त पु	र ऽ स्म र
०	३	×	२
ग		नि	नि
म — ग म	प — प प	ध ध सां सां	ध — प प
मा ऽ ल व	ठा ऽ ठ लि	ख त अ ति	सू ऽ द र
०	३	×	२
	नि		
प ध सां —	ध ध प —	मग मरे गम प	म ग रे सा
भ ऽ क्ती ऽ	र स मों ऽ	गाऽ ऽऽ यऽ गु	नि च तु र।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म नि			
ग म ध ध	प — पध मप	म ग (म) रे	— रे — सा
सां ऽ ब स	दा ऽ शिऽ वऽ	भो ऽ ला ऽ	ऽ प्या ऽ रे
०	३	×	२
नि़ नि़		सा	ग
सा सा ध़ ध़	नि़ नि़ सा सा	रे रे रे रे	रे — सा सा
र ट म न	नि स दि न	प र म द	या ऽ घ न
०	३	×	२

सा		म						सां	सां					ग	
नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां	रें	रें	सां	नि	ध	प	म	ग
त	ज	मा	ऽ	या	ऽ	को	भ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

			नि			सां						सां			
प	—	प	ध	—	ध	नि	नि	सां	—	सां	सां	नि	सां	सां	सां
का	ऽ	म	क्रो	ऽ	ध	म	द	मो	ऽ	ह	रु	म	ऽ	त्स	र
०				३				×				२			
सां				सां				नि	सां			नि			
नि	ध	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	रें	सां	सांनि	ध	—	प	प
लो	ऽ	भ	क	ह	त	ख	ट	रि	पु	ह	तऽ	पा	ऽ	म	र
०				३				×				२			
			ध											प	
—	ध	—	रें	सां	नि	सां	नि	ध	नि	ध	प	म	प	ग	म
ऽ	छां	ऽ	ड	भ	र	म	श	र	न	जा	ऽ	य	च	तु	र।
०				३				×				२			

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि				ग		ग				ग			
ग	म	ध	ध	पम	प	म	ग	रे	—	मग	(म)	रे	—	सा	—
ध	न	ध	न	मूऽ	ऽ	र	त	कृ	ऽ	ष्णऽ	मु	रा	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			
नि़	नि़							ग				सा		म	
सा	ध़	—	नि़	सा	सा	सा	सा	रे	—	सा	—	नि़	सा	ग	म
सु	ल	ऽ	च्छ	ऽ	न	गि	रि	धा	ऽ	री	ऽ	छ	वि	सूं	ऽ
०				३				×				२			

नि	ध नि		
प प ध –	सां – ध प	पध निसां सांरें सांनि	धनि धप मग म
द र ला ऽ	गे ऽ अ ति	प्याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ री
०	३	×	२

अन्तरा.

म	नि		
प – प –	ध ध नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां –
बं ऽ सी ऽ	ध र म न	मो ह न सु	हा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
सां रें		नि	नि
रें रें मं मं	रें – सां –	सां सां रें सां	ध – प –
ब लि ब लि	जा ऽ ऊं ऽ	मो रे म न	भा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
म	नि		
ग म ग म	प – ध प	पध निसां सांरें सांनि	धनि धप मग म
स ब रं ग	ज्ञा ऽ न बि	चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ री
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल, (मध्यलय).

स्थायी.

म नि		ग	ग
ग म ध ध	प – ध प	म ग (म) रे	– रे – सा
अ ब न ज	गा ऽ वो ऽ	प्या ऽ रे ऽ	ऽ मैं ऽ का
०	३	×	२
सा	नि़	सा ग	
नि़ – सा सा	ध़ ध़ नि़ सा	रे रे रे रे	– रे सा सा
ला ऽ ग लि	अ खि मो रि	अ ब हुं ने	ऽ क प ल
०	३	×	२

सा म				निधु				ग		
नि़ सा ग म	प धु नि सां	धु सां – नि	धु प म ग
क भ प क	नि सि मा री	जा गी ऽ ज	गा इ तु म ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म	नि		
प – प प	धु – नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां सां
सो ऽ व न	दे ऽ मो हे	अ नं द भु	व न ग र
०	३	×	२
नि			नि
धु – धु –	नि – सां –	निसां रें सां सां	धु – प –
ला ऽ गू ऽ	गी ऽ तो ऽ	रेऽ ऽ छ ति	या ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रें		नि नि	प
– प धु सां	सां नि धु प	प धु धु प	मप ग – म
ऽ श र न	अ ब तू ऽ	जि न जा ऽ	वोऽ आ ऽ ज ।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म नि	प		म
ग म धु धु	प – धु मप	धुधु मप प –	म ग प मग
अ न त क	हा ऽ जि नऽ	जाऽ ऽऽ ऽ ऽ	वो ऽ पि याऽ
०	३	×	२

ग			ग
रे - - -	सा - - -	सारे ग म (म)	रे रे सा -
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	हीऽ ऽ ऽ ऽ	र हि ये ऽ
०	३	×	२
सा		सां नि	प
नि सा ग म	प ध नि सां	रें - सां ध	नि धप ग म
ए ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो रे	धा ऽ म श्या	ऽ मऽ तु म
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि		
प प प प	ध ध नि नि	सां सां सां -	नि सां सां -
ज न म ज	न म नि सि	दि न हूँ ऽ	ते ऽ री ऽ
×	२	०	३

नि			नि
ध - ध -	नि - सां सां	रें रें सां -	नि सां ध प
हूँ ऽ था ऽ	री ऽ च र	न न की ऽ	चे ऽ री ऽ
×	२	०	३

	ध नि		ग
ग म प ध	सां सां ध प	म ग (म) ग	रे - सा -
बि न ति सु	म न सु न	ली ऽ जे ऽ	मे ऽ री ऽ
×	२	०	३

सा म		नि	
नि सा सा ग	- म प प	ध - नि नि	सां - सां -
प्र भु गु ला	ऽ ब ब्रि ज	जी ऽ व न	मा ऽ धो ऽ
×	२	०	३

प ध	
ध रें सांनि ध	नि धप म ग
सु द रऽ श्या	ऽ मऽ तु म
×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		नि	
धधप मप म ग	म म प प	ध — — —	प — — —
ध्याऽऽ ऽऽ ला ऽ	मु झ भ र	दे ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग	म		
म ग (म) ग	रे — ग प	म ग म ग	रे — सा —
म त वा ऽ	रे ऽ मो रे	बी ऽ त ग	ई ऽ ली ऽ
०	३	×	२
सा		नि	नि
नि सा ग म	प ध नि सां	(सां) — ध सां	नि ध — प
सि ग री ऽ	रै ऽ न भ	ई ऽ ली ऽ	ऽ भो ऽ र
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि		
प प प प	ध — नि —	सां सां — सां	नि सां सां —
ह म तु म	पी ऽ वें ऽ	छ का ऽ छ	का ऽ वें ऽ
०	३	×	२
नि		गं	सां नि
ध ध ध ध	नि नि सां —	रें — सां सां	नि सां ध प
दु र ज न	लु ग वा ऽ	दे ऽ ख ड	रा ऽ वें ऽ
०	३	×	२
सा		सां सां	
नि सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां नि	ध प ध म
क र ली ऽ	यों ऽ अ ति	शो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे॒	सा सा	नि़	
रे॒ मग रे॒ रे॒	नि़ सा रे॒ सा	ध़॒ – नि़ –	सा सा सा –
प वऽ न च	ल त पु र	बैं ऽ या ऽ	सि य री ऽ
०	३	×	२
ग ग			म
म ग म ग	रे॒ – ग प	म ग (म) –	रे॒ – सा सा
मो रा अँ ग	वा ऽ ऽ ज	ड़ा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ य पि
०	३	×	२
ग	नि		म
नि़ सा म ग	म ध॒ प –	मग मरे॒ गप मग	रे॒ – – सा
ब र वा ऽ	ग र वा ऽ	लेऽ ऽऽ बोऽ लऽ	गा ऽ ऽ य।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि	सां		नि
प – ध॒ ध॒	नि – सां सां	नि सां सां सां	सां रें॒ सां –
आ ऽ वो स	दा ऽ रं ग	ह म तु म	सु क वा ऽ
×	२	०	३
नि	प	नि	सां नि
नि सां ध॒ प	ग म प –	ध॒ – सां –	नि सां ध॒ प
क र हीं ऽ	जा ऽ में ऽ	जा ऽ में ऽ	ऽ ऽ नि सि
×	२	०	३

म प म ग मग	रे – सा सा	ग नि सा म ग	ग नि म ध प –
बि हा ऽ ऽऽ	ऽ ऽ य पि	य र वा ऽ	ग र वा ऽ
×	२	०	३
मग मरे ग प	मग मरे रे सा	सा रे रे मग रे रे	
लेऽ ऽऽ बो ल	गाऽ ऽऽ ऽ य	प वऽ न च	
×	२	०	

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध – ध ध	नि ध – प –	धध पम प –	म – ग –
भों ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ	प्याऽ ऽऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग म ग (म) ग	ग रे – ग प	ग म ग म ग	ग रे – सा –
म त वा ऽ	रे ऽ मों ऽ	ग र वा ऽ	ला ऽ गों ऽ
०	३	×	२
सा नि सा ग म	प ध नि सां	नि ध ध रें सां –	नि ध ध प ग
ह म तु म	क र रं ग	र स की ऽ	ब ति यां ऽ
०	३	×	२
ग नि गम ध – ध	प – ध म		
भोंऽ ऽ ऽ भैं	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

अन्तरा.

म	नि		सां
ग म प प	ध – नि नि	सां – सां सां	नि सां सां –
आ ऽ प पि	वे ऽ औ र	मो ऽ को पि	ला ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
ध ध ध –	नि – सां सां	रें रें सां सां	नि सां ध प
म न को ऽ	भे ऽ द क	ब हुँ न ब	ता ऽ वे ऽ
०	३	×	२
प	नि ध	प	ग
ध ध सां सां	ध नि ध प	ग – म मग	रे – सा –
उ मं ग सुँ	च र नों ऽ	ला ऽ ग तऽ	है ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सां	नि
नि़ सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां –	ध ध प –
द र स है	ऽ त मो रि	र मि ली ऽ	छ ति यां ऽ।
०	३	×	२
प नि			
ग म ध ध	प – ध म		
भो ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़ नि			
सा ध ध ध	– प प प	धध पम प –	म – ग –
मे ह र की	ऽ न ज र	कीऽ ऽऽ ऽ ऽ	जे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

ग ग	म	सा	म
म ग म (म)	रे रे सा सा	रे ग म (म)	रे – सा –
मु ख सं ऽ	प द स ब	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ जे ऽ
०	३	×	२
सा नि		नि	
नि़ सा गम ध	– नि सां सां	ध नि सां रें	सां नि ध प
तू ऽ कऽ री	ऽ म क र	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२
ग—— नि			
म ध ध ध			
मे ह र की			
०			

अन्तरा.

ग	नि		
म म प प	ध – नि नि	सां – – –	नि सां सां –
नि त उ ठि	आ ऽ म ति	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
नि		सां	सां नि
ध – ध ध	नि नि सां सां	रें रें सां सां	नि सां ध प
सा ऽ फ न	ज र ते रे	द र का भि	का ऽ री ऽ
२	०	३	×
ग	सा म		सां
म ग रे सा	नि़ सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां सां
ज ग में ऽ	क र म फ	ज ल की श	र म र ख
२	०	३	×
नि	ग नि		
ध – प मगम	म ध ध ध		
ली ऽ जे ऽऽऽ	मे ह र की		
२	०		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

म	
प	म
प्र	भु

म															
रे	–	–	सा	–	रे	नि	सा	म	–	–	–	–	–	–	–
दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	स	ब	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
म								ध		नि	ध				
रे	–	म	म	प	–	प	ध	सां	सां	ध	नि	ध	प	म	म
तू	ऽ	र	ट	रे	ऽ	म	न	ध	रि	प	ल	छि	न,	प्र	भु।
०				३				×				२			

अन्तरा.

				नि											
प	–	प	–	ध	–	नि	–	सां	–	सां	सां	–	सां	सां	सां
जो	ऽ	तू	ऽ	चा	ऽ	हे	ऽ	दू	ऽ	ध	पू	ऽ	त	अ	न
०				३				×				२			
नि											सां		नि		
ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	ध	–	प
ध	न	ल	छ	मि	इ	मा	ऽ	न	वा	ऽ	को	ऽ	ना	ऽ	म
०				३				×				२			

ध़ प	ध़ ध़	सां	—	नि ध़	नि़	ध़	प	म	(म)	—	म	म रे़	—	रे़ प	म
ले	ऽ	वा	ऽ	के	ऽ	र	ब	को	ना	ऽ	म	ले	ऽ,	प्र	भु
०				३				×				२			
म रे़	—	—	सा	—	रे़	नि़	सा								
दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	स	ब	न								
०				३											

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि़	सा	प ग	म	नि़ ध़	—	नि़ ध़	ध़	—	ध़	प	प	नि़ ध़	ध़	प	ध़
ए	ऽ	हूँ	तो	बा	ऽ	र	बा	ऽ	र	जा	ऊं	तु	म्ह	रे	गु
३				×				२				०			
प	म प	म	ग	म ग	म	नि़ ध़	नि़ ध़	—	ध़	पम	प	ग म	—	म	म रे़
सैं	ऽ	यां	ऽ	ह	म	रि	बा	ऽ	त	कोऽ	ऽ	मा	ऽ	न	ले
३				×				२				०			
—	—	प ग	प	म	—	ग	—	(म)	—	रे़	—	ग रे़	—	सा	—
ऽ	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			

अन्तरा.

म	नि		सां
प प प –	ध॒ – नि नि	सां सां सां –	नि सां सां सां
नी के आ ऽ	वो ऽ तु म	ह म रे ऽ	ढिं ग वा क
×	२	०	३
	सां नि	प नि	ध॒
रें॒ रें॒ सां –	नि सां ध॒ प	ग म प ध॒	– ध॒ रें॒ सां
हि ल वा ऽ	ब ति यां ऽ	औ ऽ र डा	ऽ रु ग र
×	२	०	३
सां	प		सा प
नि सां ध॒ प	म ग म ग	रे॒ – सा –	ऩि सा ग म
ह र वा ऽ	प्या ऽ रे ऽ	मो ऽ रे ऽ	ऽ ऽ हूं तो
×	२	०	३

भैरव–त्रिताल (विलंबित मध्यलय).

स्थायी.

ग			
म म नि॒ ध॒	प प पध॒ मप	ध॒ध॒ पम प –	म ग प मग
पि या ऽ मि	ल न कीऽ ऽऽ	बाऽ ऽऽ ऽ ऽ	री ऽ अ रिऽ
०	३	×	२
ग	ग	सा	ग
रे॒ – – –	रे॒ रे॒ सा –	ध़॒ ध़॒ ऩि सा	रे॒ रे॒ सा –
ए ऽ ऽ ऽ	रि स खी ऽ	ज त न क	छु ब ता ऽ
०	३	×	२
सा म		सां	
ऩि सा ग म	प – ध॒ प	पध॒ निसां सां ध॒	नि॒ ध॒प म गम
मैं ऽ तो ऽ	री ऽ ब लि	हाऽ ऽऽ री बा	ऽ रिऽ मैं ऽऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म				नि											
ग	म	प	प	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	—
ब	हु	त	दि	न	न	पा	छे	पि	या	मो	रे	आ	ऽ	ये	ऽ
०				३				×				२			
सां				गं				प			नि				
रें	—	गं	मंगं	रें	—	सां	—	ध	रें	सां	ध	नि	धप	म	गम
मं	ऽ	ग	लऽ	गा	ऽ	वो	ऽ	म	खि	यां	सा	ऽ	रिऽ	मैं	ऽऽ।
०				३				×				२			

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग			म	नि								रे		ग	
म	—	गम	पप	ध	—	प	मप	धधपम	प	म	ग	म(म)	रे	रे	सा
बा	ऽ	ऽऽ	लमु	बा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मोऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	सैंऽ	ऽ	ऽ	यां
३				×				२				०			
म	नि			नि								ग		ग	
गम	ध	—	सां	ध	—	प	मप	धधपम	प	म	ग	म(म)	रे	रे	सा
सऽ	दा	ऽ	रं	गी	ऽ	ले	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे।
३				×				२				०			
			म												
निसा	म	गम	पप												
ऽऽ	बा	ऽऽ	लमु												
३															

अन्तरा.

ग		नि						सां				नि			सां
म	प	धध	निनि	सां	सां	सां	–सां	नि	सां	सां	–	ध	ध	ध	नि
हूं	तो	तुम	बिन	त	र	स	ऽग	ई	ऽ	ली	ऽ	द	र	स	वे
३				×				२				०			
			नि	गं			नि	म		नि		ग		ग	
सां	सां	निसां	,सां	रें	सां	निसां	धप	गमपध	निसां	ध	प,मप	म	(म)रे	रे	सा
ऽ	गि	ऽऽ	ऽव	ता	ऽ	ऽऽ	बोऽ	लैऽऽऽ	ऽऽ	हों	ब,ऽऽ	लै	ऽऽ	ऽ	यां।
३				×				२				०			

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

							म
							गम
							जीऽ
नि						ग	
ध	प	मप	धध,पमप	म	गम	म(म)रे	सा,निसा
य	रा	ऽऽ	हुऽलऽऽ	से	ऽऽ	ऽऽऽ	ना,मोऽ
३				×			
सा				नि			
म	–	गम	,प	ध	–	प	मप
रे	ऽ	ऽऽ	ऽपि	या	ऽ	के	ऽऽ
२				०			

				ग			
धधपम	प	म	ग	म(म)	गम	रे	सा
वेऽऽऽ	ऽ	ख	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	न
३				×			
सा						नि	
नि	सा	रे	सा	नि	सा	ध	प
बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ
२				०			
सा	म		निनि			नि	
निसा	गम	पप	धध	सां	निसां	ध	प,गम
उन	बिन	रहि	लोन	जा	ऽऽ	ऽ	य,अरि
३				×			
नि							म
ध	—	प	मप	धधपम	प	मग	म,गम
ये	ऽ	ऽ	ऽऽ	माऽऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,जीऽ
२				०			

अन्तरा.

		म	नि	ध			
		गमप	ध	सां	—	सां,निसा	सांसां
ऽ	ऽ	बेऽगा	वे	खा	ऽ	वे,ऽऽ	सब
३				×			
नि	नि			सां		सां	नि
धध	धध	सां	सां	निसां	रेंसां	निसां	धप
मिल	नभ	ई	लो	दूऽ	वर	भइ	लाऽ
२				०			

म	नि	म		सा	म		
गम	ध	पधपप	मग	निसा	गम	पप	पधनिसांरेंसां
काऽ	से	कऽहिऽ	येऽ	कौऽ	नख	बरि	याऽऽऽऽसु
३				×			
नि			म	नि			
ध	—	प	,गम	ध	प,मप	धधपमप	गम,गम
ना	ऽ	वे	ऽ,अरि	ये	ऽ,ऽऽ	माऽऽऽऽ	ऽऽ,जिऽ ।
२				०			

भैरव— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

												प
												नि
												ए
							नि	नि				
ध	प	म	गमप,म	प	—	मप	ध	ध	प,मप	म	ग	
क	प	ल	ऽऽऽ,छि	न	ऽ	ऽऽ	क	ब	हू,ऽऽ	ना	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
ग	म			ग				सा			ग	
म	प	गम	ग(म)ग	रे	—	सा	निसा	नि	सा	—	रे	
बि	स	रोंऽ	ऽऽऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ	ल	
३		४		×		०		२		०		
	ग			नि			म			नि		
रे	रे	सा	निसा	सा	म	म	प	—	प	ध	—	
न	त	न	ऽऽ	नै	न	न	आ	ऽ	गे	ठा	ऽ	
३		४		×		०		२		०		

ध		नि	नि								म
सां	–	सां	ध	नि	प	ध	म	प	ग	म	नि
ड़ो	ऽ	र	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	नि									नि	
गम	ध	–	नि	सां	सां	सां	सां	निसां	सां	ध	नि
सऽ	बं	ऽ	न	सु	न	त	जै	ऽऽ	से	रं	ग
३		४		×		०		२		०	
	गं				नि			म	नि		
सां	रें	सां	निसां	रेंरें,सांनिसां	ध	नि	प	गम	ध	–	प,मप
ऽ	र	स	ऽऽ	उऽ,पऽऽ	जो	ऽ	ऽ	एऽ	हो	ऽ	स,ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				निनि	निनि			नि			
म	गमप,म	प	प	धध	धध	सां	सां	ध	नि	सां	रें
दा	ऽऽऽ,रं	गी	ले	मम	दसा	ऽ	सो	बं	दी	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
गं		नि	नि								म
रें	सां	सां	ध	नि	प	ध	म	प	ग	म	नि
ऽ	ऽ	क	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

		नि		म			
		सा	सारे,गरे	ग	म	–	गम
ऽ	ऽ	औ	ऽऽ,सर	ला	ऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

रे म	म प	मग	मम ,पप,मगम	म रे	–	सा	निसा
ऽ	ऽ	ऽऽ	,ग,रऽऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽऽ
२				०			
सा निसा	ग रे	–	सा	निनि सासा	नि ध	–	–
तुम	रे	ऽ	आ	वऽ	न	ऽ	ऽ
३				×			
सा नि	सा	ग रे	सा	सा नि	नि सा	नि ध	–
का	ऽ	ऽ	ई	ब	ल	मा	ऽ
२				०			
नि ध	नि ध	ध सा	–सा	नि सा	ग रे	–	,ग
क	ब	आ	ऽवे	मो	रे	ऽ	,पि
३				×			
म	–	गम	,मम	(म)रे	रेसा	रेरेसानि	सा
या	ऽ	ऽऽ	,सुख	दाऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ
२				०			
नि	ध	नि सा	म ,गरे				
ई	ऽ,	औ	,सर				
३							

अन्तरा.

ग मम	म पप	नि धध	,निनि	सां	–	निसां	सांसां
सग	रीरैं	ऽन	,मग	जो	ऽ	ऽऽ	वत
३				×			

				नि			
रें	–	सां	निसां	ध	धध	सां	निसां,सांसां
बी	ऽ	ती	ऽऽ	भो	रभ	ये	ऽऽ,तब
२				०			
सां		नि					
नि	सां	ध	प	म	गम	प	प,प
आ	ऽ	ये	ऽ	वो	ऽऽ	हि	ऽ,भ
३				×			
नि				सां	गं		
ध	–	सां	निसां	निसां	रें	–	सांसां
ली	ऽ	जो	ऽऽ	तुम	रे	ऽ	मन
२				०			

		नि़	
धधनिसांनिधपम	गपमगरेरेसा-	सा	नि़सागरे
भाऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽइऽ	औ	ऽऽ,सर
३			

भैरव—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

															सा
															निसा
															पल
नि़				म				ग				ग			सा
सा	ध़	सा,	सारे	ग	म	गम	म	म	ग	म	रेंरे	रे	–	सा	,निसा
क	ऽ	ऽ,	दरि	या	ऽ	ऽऽ	व	मे	ऽ	ऽ	ऽरा	सां	ऽ	ई	,राऽ
३				×				२				०			

ग सा नि॒	सा ग म	ग	म म
रे॒ -सा नि॒सा ध॒ध॒	नि॒सा रे॒सा ग म	म ग म रे॒	ग म रे॒ सा,सारे॒
ई ऽका पर वत	पर वत क रे	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ,कर
३	×	२	०
म म	नि प	ग	रे॒
ग म गम ,गम	ध॒ सां ध॒ प,मप	म ग म रे॒	मग (म) रे॒ सा,सासा
ता ऽ ऽऽ ,कर	ता ऽ ऽ ऽ,गुऽ	सां ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ई ऽ,पल ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि सां		नि नि	नि
म प ध॒ ,निनि	सां सां निसां सां	सां ध॒ नि ,सांसां	रें सां निसां ध॒प
जो चा हे ,सोइ	इ छा ऽऽ सों	हो वे ऽ ,जुग	रा ऽ ऽऽ जऽ
३	×	२	०
नि	सां सां मं	सां	ग म म
ध॒ध॒पमप मग,म ध॒ निसां	रेंरें सांसां मं(मं) रेंसां	नि सां ध॒ प	म गम रे॒ सा,सासा
ओऽऽऽऽ हींऽ,क रे सब	कुद रत ओंऽ सीऽ	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ई ऽ,पल ।
३	×	२	०

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग		नि॒	नि॒
सासा	रे॒ –	नि॒सा नि॒सारे॒,सा	ध॒ -प॒	ध॒ –
ऽ काना	बां ऽ	ऽऽ ऽऽऽ,सु	री ऽब	जा ऽ
४	×	०	२	०

सा	निसा,सा	रेरेसानिसा	नि धनिसा	सा म	गम
ऽ	ऽऽ,वे	ऽऽऽऽऽ	री,अऽ	री	ऽऽ
३		४		×	
ग म(म)	रे	—	सा	नि सा	निसा,सा
ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽऽ,ह
०		२		०	
सा म	—	गम	,मप	नि ध	—
ना	ऽ	ऽऽ	,मुख	हे	ऽ
३		४		×	
प	पमप	ग म	मरे	गमप	म
र	तऽऽ	ढूं	ऽऽ	ऽऽऽ	क
०		२		०	
ग (म)म	रे	सा,निसा	,सासा		
ढूंऽ	ऽ	क,ऽऽ	,काना		
३		४			

अन्तरा.

					ग म
					स
नि ध	-नि	सांसां	सां	नि ध	—
प्र	ऽसु	रन	की	ता	ऽ
३		४		×	

				नि	नि
धधनिसांरें	-रें	सां	निसां	सां,निसां	ध
नSSSSS 0	Sन	सों २	SS	मो,SS 0	रा
पमप	धध,पमप	म	गम,म	पधनिसां	निसां
SSS ३	जीS,यSS	रा ४	SS,क	रSSS ×	SS
		म	म		
धध,पमप	म	ग	रे	गमप	म
तS,हीSS 0	टू	S १	S	SSS 0	क
ग					
(म)म	रे	सा,निसा	,सासा		
टू ३	S	क,SS ४	,काना		

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि				म				ग	म		
सा	—	निसा	,सारे	ग	म	म	गम	म	प	—	मग
को	S	SS	,यल	बो	S	ले	SS	S	S	S	माS
३		४		×		0		२		0	
ग				ग							नि
म(म)	रे	सा	निसा	म	—	गम	,पम	प	—	मप	ध
SS	S	ई	SS	मो	S	SS	,ढिंग	ला	S	SS	S
३		४		×		0		२		0	

नि	ध	प	मप	ग म	—	म गम	गम मप	म	(म)	रे	सा
ऽ	ल	के	ऽऽ	बा	ऽ	ऽऽ	सऽ	पे	ऽ	ऽ	ऽ ।
३		४		×		०		२		०	
निसा	—सा	—	-,सारे								
ऽऽ	ऽ,को	ऽ	ऽ,यल								
३		४									

अन्तरा.

प गम	प,मप	नि ध	-,ध	मां	—	सां निमां	मां	नि ध	—	—	निसां
काऽ	हे,ऽऽ	को	ऽ,नि	सि	ऽ	दिऽ	न	बो	ऽ	ऽ	लग
३		४		×		०		२		०	
रें	सां	निसां	धप	ग म	(म)	रे	सा	नि साम	—	ग म	प
ना	ऽ	वऽ	नऽ	आ	ऽ	व	त	मोरे	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म प	नि	ध	प	ग म	प	गमपधप	म	ग	ग म(म)	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽऽऽर	पे	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ ।
३		४		×		०		२		०	
सा	—	निसा	,सारे								
को	ऽ	ऽऽ	,यल								
३		४									

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)सा
बि

(गा)म	—	गम	पप	(नि)ध	—	प	मप	धध।म	प	म	ग
ना	ऽ	ऽऽ	हरि	को	ऽ	न	ऽऽ	खऽऽऽ	ऽ	ब	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(ग)रे	,ग	म	प	म	—	ग	(ग)म(म)	(म)रे	—	सा	,सा
र	ऽमो	री	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	त	,बि।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प	मप	(नि)ध	,नि	सां	—	सां	(नि),सां	(गं)रें	—	सां	सां
ह्मा	ऽऽ	हे	,को	सो	ऽ	च	ऽक	रे	ऽ	म	न
३		४		×		०		२		०	
(सां)नि	सां	(नि)ध	प	(म)प	म	गम	प	प	—	(नि)ध	—
मू	ऽ	र	ख	नि	त	ऽऽ	उ	ठि	ऽ	भो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
—	नि	सां	निसां	रें	—	सां	नि	सां	(नि)ध	प	मपध।
ऽ	ज	न	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽऽऽबि
३		४		×		०		२		०	

ग				नि						ग	
म	गम	प	प	ध	—	—	प	मप	,प	म	ग
ना	ऽऽ	ह	रि	कौ	ऽ	ऽ	न	ऽऽ	,ख	ब	र
३		४		×		०				०	
म											
रे	ग	म	प								
ऽ	मो	री	ऽ								
३		४									

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा

क

ग				ग				नि				ग			नि
रे	—	सा	निसा,सा	रे	—	सा	निसा	सा	ध	सा	—सा	रे	—	सा	—सा
री	ऽ	म	ऽऽ,र	ही	ऽ	म	ऽऽ	बं	ऽ	दे	ऽन	वा	ऽ	ज	ऽवा
३				×				२				०			
सा				नि								ग			
म	—	गम	—,प	ध	—ध	प	मप	धधपम	प	·म	ग	म(म)	रे	सा	—सा
के	ऽ	ऽऽ	ऽ,प	र	ऽव	र	ऽऽ	दीऽऽऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽऽ	ऽ	र,	ऽक
३				×				२				०			

अन्तरा.

प		नि	सा							नि		प		नि	
गम	प,मप	ध	निनि	सां	सां	निसां	सां	रें	सां,निसां	ध	प	गमधधपमप	गम	ध	निसां
जित	दे,ऽऽ	खू	तित	तू	ही	तूऽ	ही	भ	र,ऽऽ	र	हो	तेऽऽऽऽऽऽ	रिकु	द	रत
३				×				२				०			

नि सां निसां,सां धु प	गमपधुपमप म ग रे	ग रे ग मग मप	ग म म(म) ग रे सा,सा
कों ऽऽ,कौ ऽ न	पाऽऽऽऽऽऽ वे ऽ ऽ	रा ऽ ऽऽ, जनि	याऽ ऽ ऽ ज,क।
३	×	२	०

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म ग प म धु	प प म ग	नि म – धु –	– – प म
त न न त	न न त न	दे ऽ र्ना ऽ	ऽ ऽ त न
०	३	×	२
धध पम प –	ग म – म म	(म) – रे म	ग रे ग म
देऽ ऽऽ ऽ ऽ	र्ना ऽ त न	दे ऽ र्ना दे	ऽ र्ना दी ऽ
०	३	×	२
प म रे रे	रे प म ग	रे रे रे रे	ग रे – सा –
ऽ म्दी ऽ म्त	त दि या ना	रे त द रे	दा ऽ न्नी ऽ
०	३	×	२
सा नि सा सा सा	धु नि सा सा	नि सा सा रें सां	नि धु प प
ना दिर दिर दा	नि तुं दिर दिर	दा नी ऽ त	द रे दा नि।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म ^{नि}ध –	– – नि नि	सां – सां सां	सां – सां रें
दिर दिर दी ऽ	ऽ ऽम दिर दिर	दी ऽ म्दिर दिर	दी ऽ म्त दी
×	२	०	३
– सां – सां	सां सां ध नि	सां नि ध प	म ग रे सा
ऽ म्दी ऽ म्त	न न ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सा रे ग म	प ध नि सां	नि रें सां नि	ध प म ग
×	२	०	३
^गम – ^{नि}ध –	स्थायी के	अनुसार	
दे ऽ नीं ऽ			
×			

भैरव--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां नि ध	– प ^गम ग	म ^{नि}ध – प	ध म प म
ओ द न तो	ऽ म्त न न	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
^गम – म रे	ग म प म	^गम – रे ^गरे	– सा सा सा
दी ऽ म्त न	न न न न	ना ऽ रे ना	ऽ रे त न
०	३	×	२

म ग म प प	प ग म प ध़	नि सां नि ध़	प म प ध़
नि ता ऽ न्न	तों ऽ म्त दि	या ना रे त	द रे त न।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म प प	म नि नि ग म ध़ ध़	नि नि ध़ ध़ नि नि	सां सां सां सां
य ल ल मु	य ल ल मु	य लि य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
नि सां ध़ ध़ ध़ नि	सां नि सां सां	गं रें – सां सां	नि ध़ प प
य ल लि या	ऽ ल्ल ल ल	ले ऽ य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
रें सां – नि	ध़ध़ पप गग मम	नि नि पप पप ध़ध़ ध़ध़	
तक् ड्डा ऽ न्तिर	किट तक नग धिर	किट तक तक धिर	
०	३	×	

निनि सांसां सां सां	मं रें सां –	नि सां ध़ नि ध़
किट तक तक् ड्डा	ऽ न्तक् धा ऽ	तक ड्डा ऽ न्तक्
२	०	३

म म प – म रे	म रे सा –
धा ऽ तक् ड्डा	ऽ न्तक् धा ऽ
×	२

भैरव–सूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा				ग					
रे॒	–	रे॒	–	रे॒	–	–	रे॒	सा	–
आ	ऽ	ये	ऽ	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		३		०	
नि़		नि़							
सा	–	ध़॒	–	सा	–	नि़	सा	सा	–
भो	ऽ	ला	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	थ	ऽ
×		०		२		३		०	
				म			म		
रे॒	–	सा	सा	ग	मग	म	रे॒	–	सा
भै	ऽ	र	वि	अ	रऽ	ऽ	धां	ऽ	गि
×		०		२		३		०	
सा				नि		नि			
नि़	सा	ग	म	ध॒	–	ध॒	ध॒	प	–
फों	ऽ	फों	ऽ	फों	ऽ	क	र	त	ऽ
×		०		२		३		०	
मग	मरे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	–	सा
भूऽ	ऽऽ	ष	न	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प	प	ध॒	–	नि	नि	सां	सां	–	सां
नं	दी	की	ऽ	अ	स	ऽ	वा	ऽ	री
×		०		२		३		०	

नि						सां		नि	
ध	—	—	नि	सां	रें	नि	सां	ध	प
आ	ऽ	ऽ	नं	ऽ	दि	सो	ऽ	हे	ऽ
×		०		२		३		०	
प				नि			नि		
ग	म	प	प	ध	—	सां	ध	—	प
ए	क	क	र	सो	ऽ	है	कैं	ऽ	ची
×		०		२		३		०	
ध		नि					ग		
ध	सां	ध	प	म	ग	म	रे	—	सा
बा	ऽ	ह	न	को	ऽ	ऽ	बा	ऽ	घ।
×		०		२		३		०	

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प
नि
तू

					नि				
ध	प	म	मग	म	ध	ध	प	—	ध
अ	ब	या	ऽऽ	द	क	र	रे	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
					ग				
प	मप	म	—	ग	म	रे	ग	म	प
बं	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ	अ	प	नें	ऽ	अ
०		३			×		२		

					सा		म		
म	ग	म	रे	सा	नि	सा	ग	म	प
ल्ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	जो	ऽ	कु	छ	भ
०		३			×		२		
		प			नि				प
प	—	ध	—	सां	ध	—	प	—	नि
ला	ऽ	हो	ऽ	वे	ते	ऽ	रो	ऽ	तू।
०		३			×		२		

अन्तरा.

	म	नि							
प	प	ध	—	नि	सां	सां	सां	—	सां
ला	इ	ला	ऽ	हि	इ	ल्लि	ल्ला	ऽ	मु
०		३			×		२		
सां							नि		
ध	—	नि	सां	सां	रें	सां	ध	—	प
हं	ऽ	म	द	र	सू	लि	ल्ला	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
	ग					म	नि		ध
प	प	म	ग	म	प	प	ध	—	सां
न	बी	जी	ऽ	का	क	ल	मा	ऽ	ज
०		३			×		२		
सां		नि			नि				
ध	—	ध	—	सां	ध	ध	प	—	ध
बां	ऽ	प	ऽ	र	ध	र	रे	ऽ	ऽ।
०		३			×		२		
प	मप	म	—	ग					
बं	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ		स्थायी के	अनुसार		
०		३							

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

म					नि				
रे	–	सा	रे	सा	ध	–	सा	–	–
ज्ञा	ऽ	न	म	द	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म					म		
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	रे	–	सा
जेऽ	ऽऽ	न	र	ऽ	नि	स	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
सा		म			नि		ध		
नि	सा	ग	म	म	ध	–	सां	–	सां
ति	न	को	ऽ	क	ब	ऽ	हू	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		प							
ध	प	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
हो	ऽ	त	ऽ	खु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प		नि			सां				
म	प	ध	–	–	नि	सां	सां	–	–
स	त	के	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
नि		सां							
ध	ध	नि	सां	सां	रें	सां	निसां	ध	प
भ	र	भ	ऽ	र	पी	ऽ	ऽऽ	व	त
×		२			०		३		

प							ग		
म	प	मग	मरे॒	गप	म	ग	रे॒	–	सा
र	स	नाऽ	ऽऽ	सऽ	वा	द	ले	ऽ	त
×		२			०		३		
ग		प			नि		नि		
नि़	सा	ग	म	प	ध॒	ध॒	ध॒	सां	सां
ध्या	ऽ	न	ध	र	जा	को	ला	ऽ	गि
×		२			०		३		
नि					ग				
ध॒	प	ग	म	प	म	ग	म	रे॒	सा
र	ह	त	जि	य	ता	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

संचारी.

सा		नि	नि	नि	नि		नि		
नि़	सा	ध॒	ध॒	ध॒	ध॒	–	ध॒	–	प
म	न	क	र	र	सा	ऽ	य	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		सां			सां		नि		
ध॒	ध॒	नि	सां	–	नि	सां	ध॒	–	प
त	न	क	रो	ऽ	मा	ऽ	टी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म			ग				
मग	मग	रे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	सा
पांऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	त	म
×		२			०		ः		
नि़	नि़	सा			ग		ग		
सा	ध़॒	नि़	सा	–	रे॒	–	रे॒	–	सा
अ	गि	नी	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	री।
×		२			०		३		

आभोग.

		नि			सां				
प	प	ध	—	ध	नि	सां	सां	—	सां
ह	रि	दा	ऽ	स	डा	ऽ	गु	ऽ	र
×		२			०		३		
सां		मं		पं	मं		गं		
रें	—	गं	मंगं	मं	रें	—	रें	—	सां
के	ऽ	प्र	भूऽ	ऽ	ध्या	ऽ	ऽ	ऽ	न
×		२			०		३		
सां		ध			सां		नि		
ध	ध	रें	सां	—	नि	सां	ध	—	प
ध	र	त	ही	ऽ	मा	ऽ	नो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म							
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
त्वांऽ	ऽऽ	ति	बु	द	डा	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

भैरव-झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां					सां			नि	
रें	—	रें	सां	—	नि	सां	सां	ध	प
मौ	ऽ	म	दी	ऽ	मौ	ऽ	म	दी	ऽ
×		२			०		३		
प			प						
ग	म	रे	ग	प	मग	म	रे	सा	सा
ज	प	त	हूँ	ऽ	रैऽ	ऽ	न	दि	न
×		२			०		३		

नि़	नि़				ग				
सा	ध़॒	–	नि़	सा	रे॒	–	रे॒	सा	सा
ब	ड़े	ऽ	तु	म	पी	ऽ	र	ज	ग
×		२			०		३		
म			म						
ग	म	रे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	सा
दी	ऽ	न	ख्वा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म			नि		सां				
प	–	प	ध॒	–	नि	सां	–	सां	–
ना	ऽ	म	के	ऽ	लि	ये	ऽ	से	ऽ
×		२			०		३		
नि			सां		गं			नि	
ध॒	ध॒	ध॒	नि	सां	रें॒	रें॒	सां	ध॒	प
त	प	त	स	ब	क	ट	त	है	ऽ
×		२			०		३		
प		ध॒			नि		ध॒		
ध॒	ध॒	रें॒	सां	सां	ध॒	–	नि॒	ध॒	प
क	ट	त	दु	ख	फं	ऽ	द	युं	हि
×		२			०		३		
प			म						
ग	म	रे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	सा
रा	ऽ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी

प					नि			म	म
ध	—	ध	ध	ध	ध	—	प	प	प
आ	ऽ	ज	नँ	द	ला	ऽ	ल	स	खि
×		२			०		३		
प			म		ग		ग		
ग	म	रे	ग	म	रे	रे	रे	सा	—
प्रे	ऽ	म	मा	ऽ	ध	क	पि	ये	ऽ
×		२			०		३		
नि़					ग				
ध़	—	ध़	नि़	सा	रे	—	रे	सा	—
सं	ऽ	ग	ल	ल	ना	ऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
प		ग			म		ग		
ग	म	रे	ग	म	रे	—	रे	रे	सा
ती	ऽ	र	ज	मु	ना	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

अन्तरा.

		म	नि						
प	—	प	ध	—	नि	नि	सां	सां	सां
फू	ऽ	लि	के	ऽ	स	र	क	म	ल
×		२			०		३		
नि			सां		सां			नि	
ध	—	ध	नि	सां	रें	सां	सां	ध	प
मा	ऽ	ल	ती	ऽ	स	घ	न	ब	न
×		२			०		३		

(प)ग	—	म	प	ध̲	(ध̲)सां	—	सां	(नि)ध̲	प
मं	ऽ	द	सो	ऽ	गं	ऽ	ध	सी	ऽ
×		२			०		३		
(प)ग	म	(म)नि̲	ध̲	प	(प)ग	म	(म)रे̲	रे̲	सा
त	ल	स	मी	ऽ	रे	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

भैरव—मूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सां)नि	—	सां	—	(सां)नि	सां	(नि)ध̲	—	प	(म)प
सा	ऽ	धो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	ध	र
×		०		२		३		०	
(प)ग	गम	(ग)रे̲	ग	म	प	(प)ग	मग	रे̲	—
गु	नऽ	नि	धा	ऽ	न	गु	नऽ	दा	ऽ
×		०		२		३		०	
सा	—	(सा)नि̣	नि̣	सा	सा	(ग)रे̲	—	सा	—
ता	ऽ	स	र	स्व	ति	मा	ऽ	ता	ऽ
×		०		२		३		०	
(प)ग	म	(नि)ध̲	—	सां	(नि)ध̲	—	(नि)ध̲	—	प
को	ऽ	आ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	स
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प			म	नि					
म	प	—	प	ध	—	नि	नि	सां	सां
न	मो	ऽ	न	मो	ऽ	रि	ध	सि	ध
×		०		२		३		०	

नि			सां		गं			नि	
ध	—	—	नि	सां	रें	—	सां	ध	प
के	ऽ	ऽ	स्वा	ऽ	मी	ऽ	स	क	ल
×		०		२		३		०	

प		नि					ग		
ध	सां	ध	प	प	मग	म	रे	—	सा
बि	ऽ	द्या	ऽ	प	रऽ	ऽ	वे	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

संचारी.

नि़	नि	नि	नि	नि			नि		
सा	ध	ध	ध	ध	—	—	ध	—	प
जो	ऽ	इ	न	को	ऽ	ऽ	ध्या	ऽ	वे
×		०		२		३		०	

ध							नि		
प	ध	नि	सां	सां	रें	सां	ध	—	प
म	न	इ	ऽ	च्छा	फ	ल	पा	ऽ	वे
×		०		२		३		०	

प							ग		
ग	म	रे	ग	म	प	मग	रे	—	सा
दू	ऽ	र	हो	ऽ	त	ऽऽ	क्ले	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

आभोग.

प	—	प	नि ध	—	नि	सां	—	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
नि ध	ध	—	नि	सां	सां	रें	सां	नि ध	प
तु	म	ऽ	ही	ऽ	को	ध्या	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		३		०	
प ध	सां	नि ध	प	म	ग	म	रे	ग रे	सा
ब्र	ऽ	ह्मा	ऽ	वि	ऽ	ष्णु	म	हे	स।
×		०		२		३		०	

भैरव—ब्रह्मताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध	—	प	पध	प	म	प	—	म	ग
खे	ऽ	ल	नऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ
×		०		२		३		०	
म ग	म	प	—	पध	मप	म	ग		
ह	रि	जू	ऽ	होऽ	ऽऽ	री	ऽ		
४		५		६		०			
ग म	मग	म	रे	म प	म	ग	म रे	—	सा
ब्रि	जऽ	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ	में।
७		८		९		१०		०	

अन्तरा.

		नि		सां					
प	प	ध॒	ध॒	नि	—	सां	—	सां	—
छि	र	क	त	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×		०		२		३		०	

नि		सां				नि	
ध॒	ध॒	नि	सां	रें	सां	ध॒	प
ब्रि	ज	जु	व	ति	न	पै	ऽ
४		५		६		०	

प	ध॒	नि		म			म		
ध॒	सां	ध॒	प	प	म	ग	रे॒	—	सा
ब	ग	र	ऽ	ब्र	ग	ऽ	र	ऽ	में
७		८		९		१०		०	

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					नि			नि		
	म	ग	म	प	—	ध॒	ध॒	ध॒	ध॒	—	प
ऽ	वी	ऽ	ऽ	श्नू	ऽ	च	र	न	ज	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	

	ग					म					म
	म	ग	मरे॒	गम	प	प	म	ग	म	रे॒	रे॒
ऽ	ब्र	ऽ	ऽऽ	ह्माऽ	ऽ	क	मं	ऽ	ऽ	ऽ	ड
०		३		४		×		०		२	

	सा		ग			नि़			सा		
सा	नि़	सा	रे॒	सा	—	ध़	—	—	नि़	सा	सा
ल	शि	व	ज	टा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	

		म		म		प					
	मग	रे	–	ग	प	म	–	ग	म	रे	–
ऽ	देऽ	ऽ	ऽ	वी	ऽ	गं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	ग										
सा	म										
गे,	वी										
०											

अन्तरा.

			नि								
	प	–	ध	–	नि	सां	–	नि	सां	सां	–
ऽ	भा	ऽ	गी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	थी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां			गं			सां			नि		
रें	रें	सां	रें	सां	–	नि	–	सां	ध	–	प
स	क	ल	ज	ग	ऽ	ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
म						प	नि		नि		
प	मग	म	प	–	प	सां	ध	–	ध	–	प
भु	मीऽ	ऽ	भा	ऽ	र	उ	ता	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
म				म		ग			म		
प	मग	मरे	रे	ग	प	म	–	ग	रे	–	सा
अ	नऽ	ऽऽ	ध	न	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

सा	सा		ग	ग		सा		ग			
नि़	नि़	सा	रे॒	रे॒	सा	रे॒	ग	रे॒	ग	म	प
क	टा	ऽ	च्छ	न	के	ता	ऽ	ऽ	र	न	के
×		०		२		०		३		४	
म				म			ग				
प	म	ग	मग	रे॒	—	सा	म				
त	रं	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	गे,	बे				
×		०		२		०					

संचारी.

ग	म								नि॒		
म	ग	म	प	—	प	ध॒	ध॒	ध॒	ध॒	प	प
ह	र	ऽ	द्वा	ऽ	र	प्र	या	ग	सा	ग	र
×		०		२		०		३		४	
नि						सां			नि		
ध॒	—	—	नि	सां	—	रें॒	सां	—	ध॒	—	प
बे	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ति	री	ऽ	बे	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
म				म		म			म		
प	म	ग	मरे॒	ग	प	प	म	ग	रे॒	—	सा
स	र	ऽ	स्वऽ	ती	ऽ	वि	द्या	ऽ	दा	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
नि़	नि़		सा			सा			म		
सा	ध़॒	ध़॒	नि़	सा	सा	म	—	ग	रे॒	—	सा
क	र	त	दु	ऽ	ख	भं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि						सां		
प	—	प	ध	—	नि	सां	—	—	नि	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि			सां							नि	
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	ध	प
गो	ऽ	ग	दु	ऽ	ख	दू	ऽ	र	कऽ	रो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग			म	नि							
म	गम	प	प	ध	—	नि	नि	सां	नि	सां	सां
पा	ऽऽ	प	ह	रो	ऽ	नि	र	म	ल	क	रो
×		०		२		०		३		४	
म			ग				ग				
प	म	ग	म	रे	—	सा	म				
य	ही	ऽ	अं	ऽ	ऽ	गे,	बे				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

	ग								नि		
	म	ग	म	प	ध	नि	ध	—	ध	—	प
ऽ	शा	ऽ	र	दा	ऽ	स	र	ऽ	स्व	ऽ	ती
०		३		४		×		०		२	
		म		म		म			ग		
मग	मग	रे	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
सऽ	ऽऽ	बं	क	ला	ऽ	स	मा	ऽ	रा	ऽ	स
०		३		४		×		०		२	

सा			ग			सा					
नि़	सा	–	रे	–	सा	नि़	सा	ध़	नि़	सा	सा
स	ऽ	ऽ	र्वा	ऽ	नि	म	ऽ	ऽ	गैं	ऽ	म
०		३		४		×		०		२	
				म		ग					
मग	मग	म	रे	ग	प	म	–	ग	म	रे	सा
रीऽ	ऽऽ	ऽ	त्र	यी	ऽ	रू	ऽ	प	ध	र	न
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि			सां					
प	प	प	ध	ध	ध	नि	सां	नि	सां	सां	सां
ख	ल	नि	द	ल	नि	कं	ऽ	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						सां				नि	
नि	ध	ध	नि	सां	सां	रें	–	सां	निसां	ध	प
बि	र	द	बे	ऽ	द	पा	ऽ	ल	कऽ	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि		ध		नि	
प	पध	नि	सां	सां	सां	ध	–	नि	ध	ध	प
दी	ऽऽ	न	न	सु	ख	दा	ऽ	नि	स	र	नि
×		०		२		०		३		४	
ग		म								ग	
म	म	रे	रे	मग	प	म	ग	म	रे	रे	सा
अ	सु	र	न	नेऽ	ऽ	स्ता	ऽ	र	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
ग			सा					प	ध		
म	रे	सा	म	ग	म	प	–	ध	रें	सां	–
ह	र	नि	भू	ऽ	मि	भा	ऽ	र	म	हा	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि		नि	ध॒		
ध॒	—	ध॒	नि॒	ध॒	प
मो	ऽ	ह	ह	र	नि
×		०		२	

संचारी.

ग						प			ध॒		
म	म	गम	प	प	प	ध॒	ध॒	—	नि॒	ध॒	प
प	ति	तऽ	पा	व	नि	नि	रा	ऽ	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि			ध॒		
प	पध॒	नि	सां	रें	सां	ध॒	—	ध॒	नि॒	ध॒	प
आ	ऽऽ	दृश्रु	त	ग	ति	दे	ऽ	व	त	र	नि
×		०		२		०		३		४	
म		ग	म								
ग	म	रे॒	ग	म	प	म	—	ग	म	रे॒	सा
प	र	म	रू	ऽ	प	धा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि़			सा						नि		
सा	—	सा	म	ग	म	प	—	—	ध॒	—	प
वि	ऽ	श्व	भा	ऽ	र	हा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

		नि									
प	—	ध॒	—	नि	नि	सां	सां	नि	सां	सां	सां
चिं	ऽ	ता	ऽ	म	नि	आ	नं	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	

नि										नि	
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	ध	प
ने	ऽ	क	ज	न	म	दू	ऽ	ख	दऽ	ल	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि		ध			
प	पध	नि	सां	रें	सां	ध	—	नि	ध	प	प
क	ऽऽ	नि	सु	ख	बि	ला	ऽ	स	स	क	ल
×		०		२		०		३		४	
ग		ग				ग			म		
म	ग	म	नि	ध	प	म	ग	मग	रे	—	सा
आ	ऽ	नं	ऽ	द	की	खा	ऽ	नीऽ	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
सा		म				नि					
नि़	सा	ग	म	प	—	ध	—	ध	नि	सां	सां
ला	ऽ	य	क	नें	ऽ	स्ता	ऽ	र	सू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नि		ध		नि			ग				
ध	—	नि	ध	ध	प	मप	म				
सिं	ऽ	धु	त	र	नि	ऽऽ	शा				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

										नि़	
									सा	सा	म
								ऽ	स	ध	न
								२		०	
				नि							
ग	म	प	—	ध	—	—	प	ध	म	प	म
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	स	ध	न
३		४		×		०		२		०	

				नि						ग	
ग	म	प	–	ध॒	–	–	प	–	–	प	मग
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	द्रु	मऽ
३		४		×		०		२		०	
म				प						सा	
रे॒	ग	म	प	मप	म	ग	म	रे॒	सा	नि़	सा
ऽ	बे	ली	ऽ	माऽ	धो	ऽ	भ	व	न	अ	ति
३		४		×		०		२		०	
	ग			नि़	नि़					प	
सा	रे॒	–	सा	सा	ध़॒	नि़	सा	रे॒	सा	ग	म
प्र	का	ऽ	स	ब	र	न	ब	र	न	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
											नि़
रे॒	ग	प	प	म	–	ग	म	रे॒	–	सा	सा
ष्प	रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स
३		४		×		०		२		०	
सा	म	गम	प								
घ	न	ऽब	न								
३		४									

अन्तरा.

			नि						सां		
प	–	प	ध॒	–	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां
को	ऽ	कि	ला	ऽ	खं	ज	न	ऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध॒	ध॒	नि	सां	सां	रें॒	रें॒	सां	ध॒	–	प
क	पो	त	अ	ऽ	ति	अ	नं	द	का	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

नि									नि		
ध॒	प	मप	म	ग	म		प	—	ध॒	नि	सां
च	हूँ	SS	आ	S	र	झ		S	ब	र	S
×		०		२		०		३		४	
					नि						
रें॒	सां	नि	सां	—	ध॒	नि॒	ध॒	प	मग	—म	प
सा	S	S	S	S	यो	S	स	घ	नS	Sब	न
×		०		२		०		३		४	
नि											
ध॒	—	—	प								
छा	S	S	यो								
×		०									

संचारी.

						नि			नि		
म	म	गम	प	—	प	ध॒	—	ध॒	ध॒	—	प
स	प्त	SS	सु	S	र	ती	S	न	ग्रा	S	म
×		०		२		०		३		४	
			नि			ध॒			नि		
प	प	—	ध॒	—	ध॒	सां	—	सां	ध॒	—	प
ए	क	S	ई	S	स	मू	S	र	छा	S	न
×		०		२		०		३		४	
म			म						म		
ग	म	ग	रे॒	ग	प	म	—	ग	रे॒	—	सा
ओ	S	क्त	जो	S	क्त	ला	S	ग	डां	S	ट
×		०		२		०		३		४	
ग						नि			नि		
म	ग	म	प	प	—	ध॒	—	—	ध॒	—	प
क	र	S	दि	ख	S	ला	S	S	S	S	यों।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			म	नि		सां					
प	प	—	प	ध़	—	नि	सां	नि	सां	—	सां
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध़	—	नि	सां	—	रें	सां	निसां	ध़	—	प
सु	नो	ऽ	शा	हे	ऽ	अ	क	ऽऽ	ब	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म								नि			
प	नि़	ध़	प	ग	म	प	—	ध़	नि	सां	—
प्र	थ	म	रा	ऽ	ग	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		०		३		४	
					नि		म				
रें	—	सां	नि	सां	ध़	प	प	प	मग	—म	प
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	स	घ	नऽ	ऽअ	न
×		०		२		०		३		४	
नि											
ध़	—	—	प								
छा	ऽ	ऽ	यो								
×		०									

भैरव—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग म
बा

	ग			नि़			सा				
रे़	रे़	—	सा	ध़	—	ध़	नि़	सा	सा	—	रे़
ऽ	द	ऽ	र	भ्रू	ऽ	म	भ्रू	ऽ	म	ऽ	आ
३		४		×		०		२		०	

	ग			नि	नि						
—	रे	—	सा	सां	ध	नि	सा	रे	सा	—	रे
ऽ	ऽ	ऽ	ये	ब	र	न	ब	र	न	ऽ	ब
३		४		×		०		२		०	
											ग
ग	रे	ग	प	म	—	ग	म	रे	—	सा	म
र	स	त	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे,	बा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग	नि										
म	ध	—	नि	सां	—	सां	सां	—	नि	सां	सां
सु	नी	ऽ	सु	नी	ऽ	घ	न	ऽ	घो	ऽ	र
×		०		२		०				४	
नि									नि		
ध	—	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	ध	—	प
चा	ऽ	ऽ	त्र	क	च	को	ऽ	र	मो	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म					म	प					
प	ग	म	प	—	प	ध	ध	सां	ध	—	प
बो	ऽ	ऽ	ल	ऽ	त	सु	हा	ये	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	—	ग	म	रे	सा	म				
दु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे,	बा				
×		०		२		०					

संचारी.

			नि	नि	नि	नि			नि		
सा	सा	—	ध	ध	ध	ध	—	ध	ध	—	प
तै	से	ऽ	ही	ब	न	कुं	ऽ	ज	के	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
				नि					नि		
प	प	प	प	ध	ध	सां	—	सां	ध	—	प
बि	ह	र	त	भु	ज	कं	ऽ	ठ	मे	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
म						म			म		
ग	मग	मरे	ग	म	प	प	म	ग	रे	—	सा
अ	नुऽ	ऽऽ	रा	ऽ	गे	दो	ऊ	ऽ	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
	सा					ग			ग		
	नि़	ध़	नि़	सा	—	रे	—	—	रे	—	सा
ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म		नि								
प	प	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
स	खी	ऽ	ज	ऽ	न	ब	लि	ऽ	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	सां	सां	ध	—	प
ले	ऽ	त	रू	ऽ	प	नै	न	नि	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

प	ग	म	प	–	ध	सां	नि	सां	सां	ध	प
सा	ऽ	है	सू	ऽ	हे	ह	स	न	ब	स	न
×		०		२		०		३		४	
[म]प	म	ग	[म]रे	–	सा	–	[ग]रे				
मै	न	ऽ	बा	ऽ	रे	ऽ,	बा				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											[ग]म
											ये
गम	प	प	–	[नि]ध	–	प	पम	प	म	ग	[ग]म
ऽऽ	ग	न	ऽ	ना	ऽ	ऽ	यऽ	ऽ	क	ऽ	स
३		४		×		०		२		०	
[ग]रे	ग	म	प	म	–	ग	म	रे	[ग]रे	सा	–
ब	सु	ख	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	क	ऽ
३		४		×		०		२		०	
[सा]नि़	सा	[ग]रे	सा	[सा]नि़	सा	ध़	[सा]नि़	सा	सा	[ग]म	–
मो	ऽ	प	र	की	ऽ	ऽ	जे	ऽ	क्रि	पा	ऽ
३		४		×		०		२		०	

	म			म			ग				ग
रे॒	ग	म	प	प	म	ग	म	रे॒	–	सा	म
ऽ	दी	ऽ	जे	बु	ध	ऽ	आ	ऽ	ऽ	नि,	ये ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि		सां						
	प	–	ध॒	–	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	लं	ऽ	ओ	ऽ	द	र	आ	ऽ	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
नि			सां						सां	नि	
ध॒	ध॒	ध॒	नि	सां	सां	रें	–	सां	निसां	ध॒	प
क	र	न	स	क	ल	वि	ऽ	घ्न	हऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध॒	--	नि	ध॒	–	प	प	–	–	ध॒	–	प
मो	ऽ	ऽ	द	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
			नि			ध॒			नि		
प	मप	–	ध॒	–	ध॒	सां	सां	–	ध॒	–	प
मं	ऽऽ	ऽ	ग	ऽ	ल	म	हा	ऽ	मं	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	ग	म	रे॒	–	सा	म				
ग	त	ऽ	दी	ऽ	ऽ	नि,	ये				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि			नि		
म	प	गम	प	–	प	ध॒	–	ध॒	ध॒	–	प
इ	त	ऽऽ	नो	ऽ	प्र	सा	ऽ	द्	पा	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
प			सां			ध॒			नि		
ध॒	ध॒	–	नि	सां	–	रें॒	सां	–	ध॒	–	प
स	दा	ऽ	ह	री	ऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
ग				म		ग					
म	मग	म	रे॒	गम	प	म	म	ग	म	रे॒	सा
सु	धऽ	बु	ध	हिऽ	त	चि	त	ऽ	क्षां	ऽ	ड़ि
×		०		२		०		३		४	
									नि		
रे॒	सा	–	म	–	म	प	–	प	ध॒	–	प
त	न	ऽ	म	ऽ	न	औ	ऽ	र	ध्या	ऽ	ऊं।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि			सां					
प	–	प	ध॒	–	ध॒	नि	सां	–	सां	–	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	ति	हा	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि			सां					सां		नि	
ध॒	–	ध॒	नि	सां	सां	रें॒	सां	नि	सां	ध॒	प
ध्या	ऽ	न	ध	र	त	नि	स	दि	न	उ	र
×		०		२		०		३		४	

							नि		सां		
प	म	गम	प	−	प	प	ध॒	−	नि	सां	सां
तु	म	ऽऽ	तो	ऽ	पु	र	न	ऽ	ज	ग	त
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	ग	म	रे॒	−	सा	म				
गु	र	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	नि,	ये				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					नि					
	म	ग	म	प	−	ध॒	−	−	प	मप	प
ऽ	गं	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ध	ऽ	ऽ	र	ऽऽ	त्रि
०		३		४		×		०		२	
		म	म			ग					
म	ग	रे॒	ग	म	प	म	−	ग	म	रे॒	सा
न	य	न	सू	ऽ	ल	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि
०		३		४		×		०		२	
सा			ग			सा					
नि़	सा	सा	रे॒	−	सा	ध़॒	−	नि़	सा	−	सा
भ	ऽ	स्म	अं	ऽ	ग	नी	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ
०		३		४		×		०		२	
	ग					म					
	म	ग	म	प	−	प	म	ग	म	रे॒	सा
ऽ	गौ	ऽ	ऽ	री	ऽ	अ	र	ऽ	धं	ऽ	ग।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि			सां					
प	प	प	ध॒	—	ध॒	नि	सां	—	सां	—	सां
क	र	त्रि	सू	ऽ	ल	ग	रे	ऽ	मुं	ऽ	ड
×		०		२		०		३		४	
नि						सां					
सां	सांनि	रें	—	सां	—	नि	सां	—	ध॒	—	प
मा	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प			नि			म			म		
म	—	प	ध॒	—	प	प	म	ग	रे॒	—	सा
भा	ऽ	ल	चं	ऽ	द्र	मृ	त्युं	ऽ	ज	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा			प			नि			सां		
नि॒	सा	—	ग	म	प	ध॒	—	—	नि	सां	सां
भूं	ऽ	ऽ	गी	ऽ	सो	हे	ऽ	ऽ	भू	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि					नि						
सां	रें	सां	नि	सां	ध॒	प	म				
सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ,	गं				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

												नि॒
												सा
												स
ग				नि			नि				म	
म	गम	प	प	ध॒	—	—	ध॒	—	प	—	प	
ब	ऽऽ	मि	लि	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ब	
३		४		×		०		२		०		

		म		म			ग			सा	
मग	मरे	ग	प	प	म	ग	म	रे	–	सा	नि
जाऽ	ऽऽ	बो	ऽ	मि	र	ऽ	दं	ऽ	ऽ	ग	आ
३		४		×		०		२		०	
	ग			ग						म	
सा	रे	–	रे	रे	–	–	सा	–	निसा	ग	म
ऽ	ज	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म			ग	म			म				नि
रे	ग	मग	प	प	म	ग	रे	–	सा	–	सा
ल	न	जूऽ	की	ब	र	स	गां	ऽ	ठ	ऽ,	स।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि						सां		
प	प	प	ध	–	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां
क	न	क	था	ऽ	र	भ	र	ऽ	भ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि						नि			नि		
ध	–	–	नि	सां	–	रें	सां	निसां	ध	–	प
मू	ऽ	ऽ	क्ता	ऽ	ऽ	फ	ल	ऽऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म						नि			नि		
प	म	गम	प	–	मप	ध	–	सां	ध	–	प
क	रि	ऽऽ	न्यौ	ऽ	ऽऽ	छा	ऽ	ऽ	व	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म			म				नि				
प	म	ग	रे	–	सा	–	सा				
पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ,	स				
×		०		२		०					

संचारी.

नि़			नि	नि		नि	नि		नि	नि	
सा	सा	—	ध	ध	—	ध	ध	—	ध	ध	प
न	व	ऽ	न	व	ऽ	प	ल्ल	ऽ	व	न	की
×		०		२		०		३		४	

						नि			नि		
प	—	ध	नि	सां	—	सां	—	निसां	ध	—	प
मा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽ	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

प						म					
ग	मग	मरे	ग	म	प	प	म	ग	म	रे	सा
द्वा	ऽऽ	ऽऽ	र	ऽ	न	बं	धा	ऽ	ऽ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म			नि						सां		
प	—	—	ध	—	नि	सां	—	—	नि़	सां	सां
बं	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ध	र	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	

नि			सां					सां		नि	
ध	—	—	नि	सां	—	रें	सां	नि	सां	ध	प
को	ऽ	ऽ	ज	स	ऽ	सु	नि	य	त	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ग						ध		सां			
म	ग	म	प	—	ध	सां	—	ध	धनि	ध	प
स	ब	ऽ	ही	ऽ	को	ला	ऽ	ग	तऽ	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म							नि़
प	म	ग	म	रे	—	सा	सा
सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स
×		०		२		०	

भैरव–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

			ग
			रे – सा
			ला ऽ ल

नि			ग
नि सा ध –	सा – – म –	म ग	म प –
अ ल सा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	भो ऽ ऽ
३	×	२	०
	म		ग
म ग म –	रे – – सा –	नि सा	रे – सा
रे ऽ ही ऽ	आ ऽ ऽ ये ऽ	ऽ ऽ	ला ऽ ल
३	×	२	०
सा नि			
नि सा ध –			
अ ल सा ऽ			
३			

अन्तरा.

नि			सां
प – – ध –	– नि	सां सां –	नि सां सां सां
कौ ऽ ऽ न ऽ	ऽ बा	ऽ म ऽ	हि त चि त
×	२	०	३
नि			नि
ध ध – नि –	सां –	रें सां –	नि सां ध प
सों ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	चा ऽ ऽ	ऽ ऽ ये ऽ
×	२	०	३

म	नि		सां				नि						
प	ध	–	नि	–	सां	–	ध	–	–	प	–	गम	प
स	ग	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	रै	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽऽ	ज
×					२		०			३			

ग							ग			सा		नि	
म	–	ग	म	रे	–	सा	रे	–	सा	नि	सा	ध	–
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ला	ऽ	ल	अ	ल	सा	ऽ।
×					२		०			३			

भैरव–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

											ग		
											रे	–	सा
											आ	ऽ	ज

	सा						ग		नि				
सा	ध	सा	–	म	–	–	म	गम	ध	–	प	म	ग
र	स	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ	हो	ऽऽ	री	ऽ	खे	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

							ग						
म	–	ग	म	म	रे	–	रे	–	सा	–	रे	–	सा
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ	आ	ऽ	ज
३				×					२		०		

अन्तरा.

			नि			सां				सां			
प	–	मप	ध	–		नि	सां	–	–	नि	सां	सां	सां
ता	ऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	दै	दै	ऽ	ऽ	ना	ऽ	च	त
×					२		०			३			
नि												नि	
ध	–	–	नि	सां	सां	सां	रें	–	सां	नि	सां	ध	प
गा	ऽ	ऽ	व	त	सं	ग	ग्वा	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ब्रि	ज
×					२		०			३			
ध					म		ग						
सां	ध	प	ग	मग	रे	सा	रे	–	सा				
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ल	आ	ऽ	ज				
×					२		०						

राग पूर्वी.

पूर्वी रागः सकलविदितः कोमलाभ्यां रिधाभ्यां ।
मध्यस्तीव्रो मृदुरपि सदैवात्र तीव्रौ गनी स्तः ॥
गो वाद्यत्र प्रविलसति तत्साहचर्ये निषादः ।
संपूर्णोऽसौ सरसविबुधैः सायमेव प्रगीतः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू रिधौ मध्यमौ द्वौ वादिसम्वादिनौ गनी ।
पूर्वीरागः सायमुक्तः पूर्णारोहावरोहणः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल रिध तीवर गनी दोऊ मध्यम लाग ।
गनि वादी सम्वादितें बनत पूर्वी राग ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मगौ मपौ धपौ मगौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा पूर्विका सायं गांशा मद्वयभूषिता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'पूर्वी'—यह राग पूर्वीथाट से निकला है ! इसमें रिषभ, धैवत कोमल लगते हैं, मध्यम दोनों प्रकार के लिये जाते हैं एवं शेष स्वर शुद्ध प्रयुक्त होते हैं। इसकी जाति सम्पूर्ण है। वादी स्वर गन्धार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर माना जाता है। पूर्वी राग का वैचित्र्य सा, ग, प, नि इन स्वरों पर दिखाई देता। इसकी प्रकृति गम्भीर है। उत्तर भारत की ओर तीव्र धैवत का प्रयोग इस राग में कहीं-कहीं दिखाई पड़ता है। कोई-कोई गायक इसमें दोनों धैवत भी लगाते हैं।

आरोहावरोह:—

सा, रे॒ ग, मं प, ध॒, नि सां । सां नि ध॒ प, मं, ग, रे॒ सा ॥

पकड़:—

नि़, सा रे॒ ग, म ग, मं, ग, रे॒ ग, रे॒ सा ।

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे॒	ग	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
×		२			०		३		
नि़	नि़	सा	रे॒	ग	रे॒	ग	म	ग	ग
×		२			०		३		
म॑	ग	म॑	ध॒	म॑	रें॒	नि	ध॒	नि	ध॒
×		२			०		३		
प	म॑	ग	म॑	ध॒	म॑	ग	ग	रे॒	सा
×		२			०		३		

अन्तरा.

म॑	ग	म॑	ध॒	म॑	सां	ऽ	नि	रें॒	सां
×		२			०		३		
नि	रें॒	गं	रें॒	सां	नि	रें॒	नि	ध॒	प
×		२			०		३		
म॑	ध॒	नि	ध॒	रें॒	नि	ध॒	नि	ध॒	प
×		२			०		३		
सां	नि	ध॒	प	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
×		२			०		३		

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

(ग)म॑	ग	रे॒	सा	नि़	नि़	सारे॒	ग	(म॑)प	म॑ग	म॑	ग
ए	री	स	खी	तो	हे	पूऽ	र	बी	मुऽ	ना	ऊं
×		०		२		०		३		४	
(म॑)प	ध॒	प	ध॒	म॑	प	म॑	ग	म॑	रे॒	ग	ग
का	ऽ	म	व	र	ध	नि	के	क	र	सु	र
×		०		२		०		३		४	
(सा)नि़	रे॒	ग	—	म॑	ध॒	नि	ध॒	(ध॒)रें॒	नि	ध॒	प
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	मे	ऽ	ल	मि	ला	ऊं।
×		०		२		०		३		४	
(म॑)प	म॑	ग	रे॒	सा	नि़						
ए	री	स	खी	तो	हे						
×		०		२							

अन्तरा.

(ग)म॑	—	ग	—	(ध॒)म॑	ध॒	(नि)सां	—	सां	नि	सां	सां
वा	ऽ	दी	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	र	ब	ना	ऊं
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	नि	रें॒	गं	रें॒	सां	(सां)नि	—	(नि)रें॒	नि	ध॒	प
स	म	बा	ऽ	दी	ऽ	स	ऽ	प	म	गा	ऊं
×		०		२		०		३		४	

मंप	ध	म	प	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
अऽ	ऽ	स्त	स	म	य	तु	रि	य	प	ह	र
×		०		२		०		३		४	
सा नि़	रे	ग	ग	ध मं	ध	नि	ध	रें	नि	ध	प
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	को	रि	झा	ऊं
×		०		२		०		३		४	
मं प	म	ग	रे	सा	नि़						
ए	री	स	खी	तो	है						
×		०		२							

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं प	ध	म	पमं	ग	म	ग	रे	ग	–	नि़	रे	ग	म	ग	ग
पू	ऽ	र	विऽ	कें	ऽ	सु	र	गा	ऽ	य	गु	नी	ऽ	व	र
०				३				×				२			
ग	रे	ग	मं	प	ध	मं	प	मं ग	रे	ग	मं	ग	रे	सा	ऽ
०				३				×				२			
						ध मं	ध	ध रें	नि	ध	नि	ध मं	–	गम	ग
नि़	नि़	सा	रे	ग	ऽ	ज	हां	अं	ऽ	ग	म	नो	ऽ	हऽ	र ।
०				३				×				२			
मंप	ध	मं	पमं												
पुऽ	ऽ	र	विऽ												
०															

अन्तरा.

ध मं	–	ग	ग	ध मं	–	ध	मंध	ध सां	–	सां	सां	नि सां	रें	सां	सां
वा	ऽ	दि	गं	धा	ऽ	र	निऽ	खा	ऽ	द	सु	स	ह	च	र
०				३				×				२			
नि सां	–	सां	सां	नि	–	ध	ध	नि	रें	नि	ध	नि	ध	प	प
म	ऽ	ध्य	म	जो	ऽ	ग	दि	खा	ऽ	व	त	सुं	ऽ	द	र
०				३				×				२			
सा नि़	–	सा	रे	ग	–	मं	ध	ध रें	नि	ध	नि	धप	पमं	गम	ग
सं	ऽ	धि	प्र	का	ऽ	श	स	म	य	क	ह	तऽ	चऽ	तुऽ	र।
०				३				×				२			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़
ब

रे	मं ग	प	प	ध	प	–	प	मं प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	ध
न	त	ऽ	ब	ना	ऽ	ऽ	ऊं	ब	न	न	हिंऽ	आ	ऽ	वे	ह
३				×				२				०			
मं	ग	–	रे	सा	–	–	–	नि़रे	गमं	पध	पमं	ग	रे	सा	सा नि़
रि	के	ऽ	बि	ना	ऽ	ऽ	ऽ	हेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	आ	लि,	ब।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध	ध	सां	प
म ग म धम	सां – रें सां	नि ध निरें निध	नि ध प ध
का ऽ रि कऽ	रू ऽ अ ब	कै से सऽ मऽ	झा ऽ ऊं स
३	×	२	०
			सा
म ग – म	ग रे सा सा	निरे गम पध पम	ग रे सा नि
म झ ऽ त	ना ऽ हिं न	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, ब
३	×	२	०

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म	म	ग	
प ध म पम	ग म ग रे	म ग – रे	ग म प –
आ ऽ व नऽ	क हि ग ये	अ ग ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
म ध		ध	रे
प प म –	ग म ग –	म मध म ग	ग रे सा –
उ न को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सु जऽ फ र	क त हैं ऽ
०	३	×	०
		ध ध	म
नि रे ग म	प – – –	म – म –	ग म ग –
अं खि मो रि	बां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ईं ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग) मं मं ग ग	(ध) मं – ध मंध	(ध) सां – सां सां	सां रें सां –
स कु न बि	चा ऽ रो ऽऽ	रे ऽ मो रे	ब म ना ऽ
×	२	०	३
(नि) सां – सां सां	नि ध नि सांरें	(ध) नि – – ध	(नि) ध – प प
वे ऽ ग मि	ल न वा ऽऽ	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
×	२	०	३
(मं) प (ध) मं – (ध) मं	(मं) ग म ग –	नि रे ग मं	प – – प
स दा ऽ रं	गी ऽ ले ऽ	आ ऽ ल म	गी ऽ ऽ र
×	२	०	३
(मं) प – (ध) मं –	(मं) ग म ग –		
सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ		
×	२		

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(मं) प ध प मं	ग म ग रे	ग – (सा) नि रे	ग म ग –
क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	मो ऽ रिं अ	ट रि या ऽ
०	३	×	२

ग	रे॒	ग	मॆ	प	–	–	–	मॆ	ग	–	मॆ	ग	रे॒	सा	–
ट	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	कु	ऽ	न्भ	इ	ल	वा	ऽ
०				३				×				२			
सा															
नि॒	नि॒	सा	रे॒	ग	ग	मॆ	ध॒	रें॒	नि	ध॒	प	मॆ	ग	म	ग
स	खि	मो	री	भु	ज	वा	ऽ	फ	र	क	न	ऽ	ला	ऽ	गी।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग				ध॒				ध॒				नि			
मॆ	मॆ	ग	ग	मॆ	–	ध॒	मॆध॒	सां	–	सां	सां	सां	रें॒	सां	–
अ	व	न	क	रो	ऽ	तु	मऽ	मो	ऽ	रे	पि	य	र	वा	ऽ
०				३				×				२			
नि								सां सां							
सां	–	सां	सां	नि	ध॒	नि	ध॒	नि	निरें॒	नि	ध॒	नि	ध॒	प	–
डा	ऽ	रूं	ग	रे	ऽ	फू	ऽ	ल	नऽ	के	ऽ	ह	र	वा	ऽ
०				३				×				२			
सा															
नि॒	नि॒	सा	रे॒	ग	ग	मॆ	ध॒	रें॒	नि	ध॒	प	मॆ	ग	म	ग
स	खि	री	ऽ	उ	न	प	र	त	न	म	न	वा	ऽ	री	ऽ।
०				३				×				२			
ग	ध॒	प	मॆ												
क	ग	वा	ऽ												
०															

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग म॑ ग रे॒	– सा नि़ –	सा रे॒ ग –	– – म ग
रं गी ली रा	ऽ म की ऽ	अ खि यां ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग)म॑ म॑ ग ग	(ध॒)म॑ म॑ ध॒ म॑ध॒	(ध॒)सां – सां सां	रें॒ – सां सां
सु र न र	मु नि ज नऽ	जी ऽ व न	खं ऽ ज न
०	३	×	२
(सां)नि नि सां –	नि ध॒ नि ध॒	रें॒ रें॒ नि ध॒	म॑ ग म ग
म न रं ऽ	ज न प खि	यां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग)म॑ म॑ – ग	(ध॒)म॑ – ध॒ म॑ध॒	सां सां सां सां	रें॒ – सां –
कृ पा ऽ क	टा ऽ छ लऽ	छ न छ बि	आ ऽ छे ऽ
०	३	×	२
(सां)नि निरें॒ रें॒ गं	रें॒ सां नि ध॒	रें॒ रें॒ नि ध॒	म॑ ग म॑ रे॒
मृ गऽ छौ ऽ	ना ऽ छ कि	यां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

पूर्वी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
च

सा ध			म
निरे ग म ध	मध निसां नि ध	– प (प) –	ग म ग ध
लोऽ री मा इ	औऽ ऽऽ लि या	ऽ ऽ पी ऽ	ऽ ऽ कैं द
३	×	२	०
	नि		
म ग रे सा	– सां – नि	ध प म प	म ग म ग
र बा ऽ र	ऽ पू ऽ बिं	दु ल हि न	ब ना ऽ ई
३	×	२	०
सा	ध ध		
नि रे ग म	म मध म ग	मरे ग – म	ग रे सा सा
गा ऽ व त	क रऽ जो ऽ	रऽ रा ऽ ग	रं ऽ ग, च
३	×	२	०

अन्तरा.

ग	ध	नि	
म म ग –	म म ध –	सां सां सां –	रें – सां –
सु ल ता ऽ	न म शा ऽ	य क मा ऽ	नो ऽ जू ऽ
२	०	३	×
नि		सां	
सां – सां सां	नि निध नि ध	नि निरें नि ध	नि – ध प
व्या ऽ ह न	च ढिऽ या ऽ	स बऽ प्र थ	वी ऽ ऽ ब
२	०	३	×

				मं				सा				ध			
मंप	मंपध	मं	पमं	ग	म	ग	ग	नि	रे	ग	मं	मं	मंध	मं	ग
राऽ	ऽऽऽ	ती	ऽऽ	म	न	रं	ग	ध	न	ध	न	वा	ऽऽ	की	रा
१				०				३				×			
मं	रे	ग	मं	ग	रे	सा	सा								
ऽ	त	रं	ग	सं	ऽ	ग,	च								
२				०											

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि
म

				मं											
रे	ग	—	रे	ग	म	ग	—	मंप	ध	मं	पमं	ग	म	ग	—
धु	रा	ऽ	न	जा	ऽ	वो	ऽ	कौऽ	ऽ	न	वऽ	हां	ऽ	हैं	ऽ
३				×				२				०			
ग		ध		ध				मं							सा
मं	ग	मं	ध	रें	नि	ध	प	प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	नि
कु	ब	जा	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	ना	ऽ	रि	अऽ	ना	ऽ	रि,	म।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध		ध										नि	रें		
मं	ग	मं	ध	सां	—	सां	सां	नि	रें	गं	रेंसां	सां	नि	ध	प
हूँ	ऽ	तो	पे	वा	ऽ	रि	अ	र	ज	मो	रिऽ	मा	ऽ	नो	ऽ
३				×				२				०			

(ग)म ग (ध)म ध | (ध)रें नि ध प | (मं)प ध म पमं | ग म ग (सा)नि
उ त हूं न | जैं ऽ यो ऽ | क्रु ऽ ष्णा मुऽ | रा ऽ रि, म
३ | × | २ | ०

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

(सा)नि रे ग रेग | प – – प | (मं)प ध म पमं | ग म ग –
का ऽ ज रऽ | का ऽ ऽ रे | अ ति सु कुऽ | मा ऽ रे ऽ
३ | × | २ | ०

(ग)म रे ग म | (ध)म – ग – | म रे ग म | ग रे सा –
नैं ऽ न ति | हा ऽ रे ऽ | ला ऽ ग त | प्या ऽ रे ऽ।
३ | × | २ | ०

अन्तरा.

(ग)म म ग ग | (ध)म म ध मंध | (ध)सां सां सां सां | सां रें सां –
नि र ख त | ल ग त कऽ | र त म न | ब स में ऽ
३ | × | २ | ०

(सां)नि रें गं (रें)नि | रें नि (ध)म (ध)मंध | म ग ग म | ग रे सा –
च प ल चं | ऽ प अ निऽ | या ऽ रे ऽ | प्या ऽ रे ऽ।
३ | × | २ | ०

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध	रे	सा	
म मंध म ग	ग – रे सा	नि – सा रे	ग – म ग
मा इऽ मे रे	नै ऽ न न	बा ऽ न प	री ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा सा			प
नि सा प प	प – प –	मंप ध म पमं	ग म ग –
जा ऽ दि न	नै ऽ ना ऽ	श्या ऽ म नऽ	दे ऽ खों ऽ
०	३	×	२
नि	ध		
सा सा ग ग	म – ध मंध	रें रें नि ध	म ग रे सा
बि स र त	ना ऽ हिं घऽ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

ग	ध	ध	
म म ग –	म म ध मंध	सां – सां सां	रें – सां सां
चि त में ऽ	ब स ग इऽ	सां ऽ व रि	सू ऽ र त
०	३	×	२
नि			
सां सां सां –	नि – ध ध	रें रें नि ध	नि ध प –
उ र तें ऽ	ना ऽ हिं ढ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध ध		
म – ध नि	म मंध म ग	म रे ग म	ग रे सा –
मी ऽ रा ऽ	ह रिऽ के ऽ	हा ऽ थ बि	का ऽ नी ऽ
०	३	×	२

नि़ सा सा	ग	ग	धृ म	–	धृ	मंधृ	रें	रें	नि	धृ	म	ग	रे	सा
स	र	ब	स	दे	ऽ	नि	बऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री ऽ।
०				३				×				२		

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि़ व

रे	ग	–	रे	ग	म	ग	–	मं प	धृ	धृ म	पमं	मं ग	म	ग	–
हीं	क्यों	ऽ	न	जा	ऽ	ओ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	कऽ	न्हा	ऽ	ई	ऽ
३				×				२				०			
धृ म	ग	म	धृ	धृ रें	नि	धृ	प	मं प	धृ	म	पमं	ग	म	ग	सा नि़
जा	ऽ	य	र	हो	ऽ	मो	सें	क	र	के	ढिऽ	टा	ऽ	इ,	व।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग म	म	ग	–	धृ म	म	धृ	म	सां	सां	सां	सां	सां	रें	सां	–
स	ग	री	ऽ	र	ति	यां	ऽ	जि	न	घ	र	बी	ऽ	ती	ऽ
३				×				२				०			
नि सां	नि	रें	गं	–	रें	सां	सां	सां नि	निरें	नि	धृ	नि	धृ	प	–
क	हो	ऽ	ना	ऽ	थ	अ	ब	को	ऽऽ	ऽ	ये	री	ऽ	ती	ऽ
३				×				२				०			

(सा)	(ध)	(ध)	(प) (सा)
नि़ - रे॒ ग	- ग मे ध॒	रें॒ नि ध॒ प	ग म ग नि़
ग्वा ऽ ल सू	ऽ त तो हे	श र म न	आ ऽ ई, व ।
३	×	२	०

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(ध ध)			(सा)
नि नि मे ग	गमे रेग - रे॒	सा - - -	नि़
मौ ऽ जा ऽ	माऽ ऽऽ ऽ णी	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ थें
०	३	×	२
	(ध)	(रें)	(ध)
सा सा ग ग	मे ध॒ नि सां	सां नि ध॒ प	प - मे ग
मा णी ग र	र सि या ऽ	रै ऽ ण स	मै ऽ रा ऽ
०	३	×	२
	(मे ध)		
मे रे॒ ग मे	नि नि मे ग	गमे रेग - रे॒	सा - - -
णी ऽ सों ऽ	च ऽ त्र ऽ	साऽ ऽऽ ऽ खि	हो ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ध)	(ध)		
मे मेमे मे ग	मे - ध॒ मे	सां सां सां सां	सां रें सां -
भां गड ली पि	वो ऽ सु ख	क रो म न	रं ग में ऽ
०	३	×	२

सां नि	रें	गं	रें	सां	–	रें	सां		म प	–	प	ध म	ग	मरे	ग
सा	लु	डा	रे	आं	ऽ	च	ल	ऽ	छा	ऽ	गि	हो	ऽ	ऽऽ	ऽ।
०				३				×				२			

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध म	म	ग	रे	सा	सा	सा नि	–	रे	ग	म	ग
न	इ	रे	ल	ग	न	मो	ऽ	रि	ला	ऽ	गि
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध म	–	ध	–	सां	सां	सां	–	सां	रें	सां	सां
ते	ऽ	रे	ऽ	रं	ग	में	ऽ	नि	स	दि	न
×		०		२		०		३		४	
सां नि	–	रें	गं	रें	सां	सां नि	रें	नि	ध म	–	ग
हों	ऽ	ऽ	र	ह	त	रं	ऽ	ग	पा	ऽ	गि।
×		०		२		०		३		४	
ध	म										
न	इ										
×											

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

						मं	ग			मं	
	(सा)	नि़	सारे॒	ग	–	रे॒	रे॒	ग	ग	प	–
ऽ	पी	ऽ	रनि	जा	ऽ	मो	दी	ऽ	न	औ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ध॒	मं			मं	ग		ध॒			सां	
मं	गम	ग	–	रे॒	रे॒	ग	मं	–	ध॒	नि	निरें॒
ऽ	लिऽ	या	ऽ	स	ब	ऽ	मे	ऽ	रि	ई	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				मं						मं	
निध॒	नि	ध॒	प	प	प	ध॒	मं	प	मं	ग	म
छाऽ	दो	ऽ	ऽ	भ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रे॒सा	नि़	सारे॒	ग	–						
र,	पीऽ	ऽ	रनि	जा	ऽ						
३		४		×							

अन्तरा.

ध॒		ध॒		नि						नि	
मं	ग	मं	ध॒	सां	–	सांनि	रें॒	–	सां	ध॒	निरें॒
दो	ऽ	ऊ	ज	हां	ऽ	मेंऽ	दी	ऽ	न	इ	माऽ
३		४		×		०		२		०	
	ध॒			ध॒	ध॒	ग		ध॒		सां	सां
नि	नि	ध॒	प	मंध॒	मं	मं	ग	मं	ध॒	नि	निरें॒
न	पा	ऽ	ऊं	आऽ	नं	द	स	हि	त	ध	नऽ
३		४		×		०		२			

निध नि	ध प	मं प —	ध मं	प मं	मं ग म
जोऽ की	ऽ जें	मा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	मू ऽ
३	४	×	०	२	०
ग रेसा	नि़ सारे	ग —			
र, पीऽ	ऽ रनि	जा ऽ			
३	४	×			

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी

मंग
दुन

रे सा नि़ सारे	ग म ग —	मं प ध मं पमं	ग म ग —
वा ऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ	क र दे ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
सा नि़ — — सारे	ग म ग —	ध सां नि ध प	मं ध मं प मं धमं
जो ऽ ऽ बस	हो ऽ वे ऽ	पि या ऽ ऽ	मो ऽ रा दुन
३	×	२	०
ग रेसा नि़ सारे	ग म ग —		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

अन्तरा.

ग ध	ध	नि	ध
म॑ ग म॑ ध	सां - रें सां	ध नि नि सांरें	नि ध प -
ग रे को ऽ	हा ऽ दूँ गी	क र को कंऽ	ग न वा ऽ
३	×	२	०
ग ध	सां	म॑	म॑
म॑ ग - म॑ध	नि रेंनि ध प	प ध म॑ पम॑	ग म ग धम॑
औ र ऽ गुन	मा ऽनु गी ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रा, टुन
३	×	२	०
ग रेसा नि़ सारे	ग म ग -		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा ध	रे		
रे ग गम॑म॑ गम॑	ग रे सा -	रेरेसानि़सा नि़ - सारे	ग म ग -
नै ऽ ऽऽऽ याऽ	मो ऽ री ऽ	पाऽऽऽऽ ऽ ऽ रुक	रो ऽ रे ऽ
३	×	२	०
		म॑	
गम॑रेग प - ,पम॑	ध - प -	प ध म॑ पम॑	ग म ग -
अऽऽऽ ब ऽ ,निऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ।
३	×	२	०
सा ध			
रे ग गम॑म॑ गम॑			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			
३			

अन्तरा.

(ध)म ग (ध)म ध	(नि)सां - सां ,सांनि	रें - सां सां	निध (रें)निनि ध प
तु म हो ऽ	पी ऽ र ,गंऽ	भी ऽ ऽ र	ग्याऽ ऽऽ ऽ न
३	×	२	०
प (ध)म ग (ध)मध	(ध)रें नि ध प	(मं)प ध म पमं	ग म ग -
अं ऽ ऽ तर	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ
३	×	२	०
(सा)रे ग (ध)गमंमं गमं			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			
३			

पूर्वी—एकताल. (विलम्बित).

स्थायी.

(ग)ध
पि

(ध)म गरे	सानि ,सारे	ग म	ग -	(मं)प ध	म पमं
य ऽर	बाऽ ,कीऽ	बा ऽ	से ऽ	तो ऽ	में ऽऽ
३	४	×	०	२	०
(प)ग म	ग -	(ग)मरे ग	(ध)मध म,गमं	(रे)ग रे	सा -
आ ऽ	वे ऽ	तूंऽ ऽ	मोऽ हे,ऽऽ	भा ऽ	वे ऽ
३	४	×	०	२	०

सा			ध	ध				मं	ध		ग
नि॒	सारे॒	ग	मंध्र	सां	नि	ध॒	प	प	म	गम	ग,ध॒
ला	गग	रे	मोरे	पि	या	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ऽऽ	रि,पि
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध	सां							नि			
मंध्र	निसां	सांसां	-,सांनि	रें	—	सां	—	सां	सां	नि	ध॒
तूऽ	जिन	लजा	ऽ,वऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ	तो	सी	तूं	हि
३		४		×		०		२		०	
सां	ध			ध	ध			ध		सां	
रेंनि	नि	ध॒	पप	म	म	ग	,ग	म	ध॒	नि	रेंनि
वड़	भा	ऽ	गिन	ग	हे	ऽ	,सु	ल	ऽ	छ	ऽन
३		४		×		०		२		०	
ध				मं							ग
नि	ध॒	प	—	प	ध॒	म	पमं	ग	म	ग	,ध॒
न्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	री	,पि ।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
ध॒
म

								मं				सां			
म	ग	रे॒रे॒सानि॒	-,सारे॒	ग	गम	ग	—	प	प	म	ध॒	नि	निरेंनि	ध॒	प
न	ऽ	मऽऽऽ	ऽ,स्तऽ	जा	ऽऽ	मे	ऽ	इ	श्कं	ऽ	ऽ	अ	ऽऽज्वु	दे	ऽ
३				×				२				०			

म ध		ध	रे सा
प प म ग	म रेरे ग –	म ध म गम	ग रे सा –ध
ख ब ऽ ऽ	ऽ ऽर्न दा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध ध	ध	नि	
म –ग म ध,मध	सां –नि रें सां	सां निध नि ध	रें नि ध प
ग ऽर्स रे ऽ,बुऽ	रं ऽद री रा	प ऽऽ वीं ऽ	ऽ ऽ ये ऽ
३	×	२	०
ध		ध	रे सा
म ध म ग	म रे ग –	म ध म गम	ग रे सा, –ध
स ऽ र्नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०
ध			
म ग रेसा नि,सारे			
न ऽ ऽम ऽ,स्तऽ			
३			

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म	सा	रे	
ध म ग –	रे सा – निसा	नि – – सारे	ग गम ग –
च र ऽ ऽ	न प ऽ ऽऽ	र ऽ ऽ ऽऽ	स ऽऽ त ऽ
३	×	२	०
ग म	प	म	प
मरे गप – प	ध – प –	प ध म पम	ग म ग –
एऽ रोऽ ऽ आ	नं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ द ऽ।
३	×	२	

मं	रे	नि मा	मं रे
ध म ग गमं	ग रे सा –	सारे नि – सारे	ग गम ग गमं
सु ख ऽ ऽऽ	भ ऽ यो ऽ	तन म ऽ नऽ	ध ऽऽ न ऽऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध ध	ध नि	नि	
म ग म ध,मंध	सां –सां रें सां	सां सां – सांनि	रें रें सां –
ऐ सो पी र,जऽ	रा ऽज रो ऽ	ज र ऽ बऽ	क स न ऽ
३	×	२	०
नि	ध	ध	
सां सां(सां) – निध	नि – ध ध	नि – रें निध	नि ध प –
नि जाऽ ऽ मुऽ	दी ऽ ऽ न	औ ऽ ऽ लिऽ	या ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ध		मं	
म – ध नि	रें निध निध प	प ध म पमं	ग म ग गमं
ए ऽ ऽ ऽ	ऽ धऽ नऽ ऽ	ध ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ न ऽऽ।
३	×	२	०

पूर्वी–एकताल (विलम्वित).

स्थायी.

रे	ध		ध		
ग मंग	,मंप निनि	ध प	म पमं	ग म	ग –
ये ऽऽ	,मेह ऽऽ	बू ऽ	ऽ ऽऽ	ऽ ऽ	ब ऽ
३	४	×	०	२	०

(ध)म	धुमं	–	,गमं	(रे)ग	रे	सा	–	(नि)सासा	सा,रेरेसानि	–	,रेम
पी	ऽऽ	ऽ	,रेऽ	चे	ऽ	स्ती	ऽ	हज	र,तऽऽऽ	ऽ	,मुल
३		४		×		०		२		०	
ग	–	(रे)ग	म	मं	ग	म	रे	ग	रे	प	प
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न
३		४		×		०		२		०	
(मं)प	(ध)मंधु	रें	नि	(ध)नि	धु	प	प	प	धु	(ध)मं	पमं
नि	जाऽ	ऽ	मु	दी	ऽ	ऽ	न	औ	ऽ	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	मरे	(रे)ग,मंग	(मं)पनि								
ऽ	ऽलि	या,ऽऽ	मेहे								
३		४									

अन्तरा.

(प)मंमं	ग	(प)म	धुप	सां	–सां	(नि)सांरें	सां	(नि)सां	–सां	नि	धु
कर	ता	र	आऽ	पी	ऽब	नाऽ	यो	नू	ऽर	ते	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(सां)निरें	(ध)निनि	धु	प	(मं)प	धु	मं	पमं	ग	म	ग	(ध),मंधु
ऽऽ	माऽ	मू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे	,सुऽ
३		४		×		०		२		०	

नि -रें	निध नि	ध प	म म	ग म	रे ग
र ऽऽ	तऽ ऽ	खू ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ब ये
३	४	×	०	२	०
म ग	,मप निनि				
ऽ ऽ	,मेह ऽऽ				
३	४				

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म,-ध म-,गम ग रेसा	रेरेसानि, सारे ग मग	गमरेग प – पप	मध रेंनि ध प
ए,ऽऽ म,कऽ दू ऽम	साऽऽऽ, ऽऽ है ऽब	त्रिऽऽऽ ला ऽ यत	सब ऽवि ध ऽ
३	×	२	०
पम ध म गम	ग – रे सा	सानि – ध म,गम	ग – रे सा
लाऽ ऽ य ऽक	की ऽ ऽ नो	अल्ला ऽ ऽ ये,रऽ	सू ऽ ऽ ल
३	×	२	०
म,-ध म,गम ग रेसा			
ए,ऽऽ म,कऽ दू ऽम			
३			

अन्तरा.

म ध सां सांनि	रें – सां –	सां (सां) नि ध	नि रेंनि ध प
स ब मि लऽ	आ ऽ ये ऽ	औ ली या ऽ	अं ऽबि या ऽ
३	×	२	०

ध		मं	रे
मं ग मं ध	नि रेंनि ध पप	पमं ध मं गमं	ग – रे सा
च हुँ चो ऽ	ऽ ऽक में तुऽ	म्हाऽ ऽ री ऽऽ	धू ऽ ऽ म।
३	×	२	०

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा

दर्द

सा ग ध		मं ध	रे
नि सारेग मंरेग प,मंध	नि ध प मंप	प मं गम ग	ग मं मंरे ग
की मऽफा ऽऽऽ ऽ,ईऽ	अ ल्ला ऽ ऽऽ	अ ल्ला ऽऽ हो	अ ल्ला ऽऽ ऽ
३	×	२	०
सा	मं	ध	
निरेगमंप पमं ध प	पपधधपमं पमं गम ग	मंध मं गरे ग	– रे सा सासा
अऽऽऽऽ ऽऽ ऽ ल्ला	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ हो	अऽक ऽऽ ऽ	ऽ ब र, दर्द।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं	नि	नि रें	मं
प,पमं धप सांसां –सां	रें – सां ,सां	सां निध नि,रेंनि धप	प प मं ग
अ,ल्लाऽ ऽहि अल्ला ऽसु	भा ऽ न ,अ	क ऽऽ ऽ,ऽब रऽ	आ ले ऽ ऽ
३	×	२	०

ग				धृ	धृ	रे		सा				प			
मं	रे	ग	–	मं,मंधृ	मं,गमं	गरे	सा	निरे	गमं	प	मंप	नि	धृ	प	–
ऽ	ऽ	हं	ऽ	दु,ऽऽ	ली,ऽऽ	ऽऽ	ल्ला	लाहे	लाहे	ला	ऽऽ	ऽ	व	ल्ला	ऽ
३				×				२				०			
मं धृ				ग		रे		धृ							
प	मं	–	ग	मं	रे	ग	ग	मंधृ	मं	–	गरे	ग	–रे	सा,	सासा
अ	ल्ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हो	अऽ	क	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽब	र,	दर्द।
३				×				२				०			

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा		धृ		रे				सा			
निरेगग	–	गमंमं	–गमं	ग	–	रे	सा	रे	सा	–	निसा
सऽऽला	ऽ	ऽऽऽ	ऽ,हेऽ	का	ऽ	ऽ	र	कु	जा	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
सा				सा		सा				मं	
निसारेरेसा	निरे	ग	रेसा	निसारेरेसा	नि	निरे	गरे	ग	–	गमंमंमंमग	म
ऽऽऽऽऽ	ऽऽ	म	नऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽख	रा	ऽ	ऽऽऽऽऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
	रे			मं							
गरे	प	–	मंप	प	धृ	मं	पमं	ग	म	ग	–
वकु	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध		ध									
म,मध	मग	म	धप	सां	सांनि	रें	सां	रेंरेंसांनि	सां,निध	नि	ध
वि,ऽऽ	बित	फा	ऽव	त	ऽऽ	र	हे	अऽऽऽ	ऽ,ज्कुऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	

सां				म							
नि	रेंनि	निध	प	प	ध	म	पम	ग	म	ग	—
स्ता	बुकु	जाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सा
पि

सा		प						म		ध	
नि	रे	गप	मध	नि	ध	प	मप	प	ध	म	पम
या	ऽ	सऽ	नऽ	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मो	ऽ	री	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

म				सा							
ग	मरे	ग	—	नि	रे	ग	,गरे	पपमग	मरे	ग	—
मो	ऽरि	मा	ऽ	जै	ऽ	जै	बति	यांऽऽऽ	ऽह	ती	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ध				प				रे			
म	ध	रेंनि	धप	म	ध	म	गम	ग	—	रे	सा,सा
त	ब	ऽव	हांऽ	को	ऽ	ऽ	उन	था	ऽ	ऽ	ऽ,पि।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध								सां			
मं	ग	पर्म	धुप	सां	–	सां	निसां	नि	रें	गं	रेंसां
ए	ऽ	हूऽ	ऽन	जा	ऽ	ने	ऽऽ	वे	ऽ	हू	ऽन
३		४		×		०		२		०	
नि	रें			मं		ध		मं			
सां	नि	ध	प	प	ध	मं	पर्म	गम	गरे	ग	गग
जा	ऽ	ने	ऽ	मा	ऽ	ई	रीऽ	उन	कर	भे	द,ब
३		४		×		०		२		०	
ध				मं						रे	
मं	ध	रेंनि	धुप	प	ध	मं	पर्म	ग	म	ग	,सा
ता	ऽ	वम	ताऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	,पि
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	मं	ग	मं	ग	रे	सा	–	नि	रे	ग	म	ग	–	–	ग
त	न	न	त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ता
२				०				३				×			
म	रे	म	ग	ग	–	प	प	–	ध	प	–	प	(प)	–	मं
ऽ	र्दी	ऽ	नि	ता	ऽ	ऽ	नू	ऽ	म्त	नू	ऽ	म्त	दा	ऽ	रे
२				०				३				×			
ग	म	ग	ग	ग	–	मं	रे	ग	मं	ग	रे	सा	–	सा	सा
ता	रे	दा	नि	दी	ऽ	म्त	न	न	न	न	न	ना	ऽ	रे	ना
२				०				३				×			

— सा सा नि़	रे॒ ग म रे॒	ग मं प ध॒	(प) — — मं
ऽ रे त न	नि ता ऽ न्त	नि त न म	तो ऽ ऽ म्ता
२	०	३	×
— ध॒ रें॒ नि	मं — — ध॒मं	— ग मं ग	रे॒ सा — सा
ऽ दीं ऽ नि	ता ऽ ऽ दीं	ऽ नि ता ऽ	ऽ दीं ऽ नि।
२	०	३	×

अन्तरा

गमं मं ग ग	ध॒मं मं ध॒ ध॒	ध॒मं — मंसां सां	सां — सां सां
ओ द त न	ओ द त न	दी ऽ म्त न	दी ऽ म्त न
०	३	×	२
रें॒ सां — सां	सां सां सां नि	नि रें॒ गं रें॒	सां सां सां सां
त द्रे ऽ न्ना	त न द्रे द्रे	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
नि निरें॒ नि ध॒	प — प प	(प) — मं ग	म ग ग ग
दि याऽ ना रे	तो ऽ म्दे रे	ना ऽ रे ना	ऽ रे धा किट
०	३	×	२
ग ग मं ध॒	ध॒ मं सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि रें॒
तक धुम किट तक	धि त्ता किड नग	नग तिर तिट कत	गदि गिन धा ऽ
०	३	×	२
नि ध॒ प मं	ध॒मं ग ग मं	ग रे॒ सा —	
तिट कत गदि गिन	धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	
०	३	×	

पूर्वी—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

मं			सा	मं——							
धुमं	गरे	सा	निरेगरे	ग	प	मं,गम	ग	पप	पमं	धु	प
तन	देरे	ना	ऽऽऽत	द्रे	ऽ	ऽ,ऽऽ	ना	तदा	ऽऽ	ऽ	रे
३				×				२			
				ग				मं			
मंपधुनि	—	धु	प	प	(प)	मं	पमं	ग	म	ग	—
ताऽऽऽ	ऽ	ऽ	रे	या	ऽ	ऽ	नीऽ	दा	ऽ	नी	ऽ
०				३				×			
ग				रे				सा			
रे	ग	मं	धु,मंग	ग	—रे	सा	—सा	नि	रे	गरे	सा
ता	ऽ	ऽ	ऽ,रेऽ	ना	ऽरे	दी	ऽम	तो	ऽ	ऽम्त	द्रे
२				०				३			
सा				सा				ग			
रे	नि	धु	प	निरे	ग	गम	गरे	रे	म	ग	—गमं
ना	ऽ	ऽ	ऽ	तन	न	ऽऽ	देऽ	रे	ऽ	ना	ऽ,ऽऽ
×				२				०			

अन्तरा.

		ध									
		ममंधु	सांसां	सांनि	रें	सां	—सां	निसांरेंगं	—रें	सां	—धु
ऽ	ऽ	तनन	देरे	ताऽ	ऽ	नू	मुऽ	याऽऽऽ	ऽरे	दी	ऽम्त
३				×				२			
सां				प							
नि	रेंनि	धु	प	मं	गरे	म	ग	निरेगमं	धुनिरेंगं	—रें	सां
दी	म्तन	ना	ऽ	दे	ऽरे	त	नूं	उदाऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ,ऽ	नि
०				३				×			

निरें	गं	पंपंमंगं	मंगं	नि	रेंगं	मंमंगंरेंसांनि	धपर्मगरेसा
तदी	या	नाऽऽऽ	ऽरे	तो	म्द्रेऽ	नाऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ
२				०			

पूर्वी–सूलताल (मध्यलय)

स्थायी.

								प	र्म
								क	र
ध	नि	सां	सां	नि	ध	नि	ध	प	प
क	पा	ऽ	ल	लों	ऽ	च	न	त्र	य
×		०		२		३		०	
धर्म	ध	र्म	ग	र्म	रे	ग	रे	सा	सा
पं	ऽ	च	ब	द	न	द	श	भु	ज
×		०		२		३		०	
सानि़	–	सा	रे	ग	–	र्मप	पर्म	ध	र्म
भू	ऽ	षि	त	भू	ऽ	ष	नऽ	शि	व
×		०		२		३		०	
ध	नि	सां	सां	नि	ध	धनि	ध	र्मप	र्म
ज	टा	ऽ	मु	कु	ट	ध	र	क	र।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

[प]म	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां	सां
नी	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ	शो	ऽ	भि	त
×		०		२		३		०	
[सां]नि	–	सां	रें	–	सां	नि	सां	नि	धप
रू	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	वि	धु	ब	लऽ
×		०		२		३		०	
[ध]म	मध	म	ग	म	रे	ग	रे	सा	सा
त्रि	पुऽ	रा	ऽ	सु	र	म	र	द	न
×		०		२		३		०	
[नि]सा	–	[सा]सां	–	नि	ध	नि	ध	[म]प	म
गौ	ऽ	री	ऽ	सु	ख	व	र	क	र
×		०		२		३		०	

संचारी.

[नि]सा	–	[सा]प	–	प	म	ध	–	प	प
व्या	ऽ	घ्रां	ऽ	ब	र	अं	ऽ	ब	र
×		०		२		३		०	
[म]प	–	म	–	ध	–	नि	ध	प	प
भ	ऽ	स्म	ऽ	भू	ऽ	ष	न	क	टि
×		०		२		३		०	

(ध̲)म॑	(ध̲)म॑	—	ग	म॑	रे̲	म॑	ग	रे̲	सा
मु	जं	ऽ	ग	फ	न	प	व	र	त।
×		०		२		३		०	

आभोग.

(ध̲)म॑	—	ध̲	नि	सां	सां	सां	—	रें̲	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
(सां)नि	—	रें̲	गं	रें̲	सां	(सां)रें̲	नि	ध̲	प
वो	ऽ	प्र	वी	ऽ	न	भ	व	ब्रि	ज
×		०		२		३		०	
(ध̲)म॑	—	ध̲	(ध̲)म॑	—	गरे̲	ग	रे̲	सा	—
मु	ऽ	क्ति	मु	ऽ	क्तिऽ	क	र	के	ऽ
×		०		२		३		०	
(नि़)सा	सा	(सा)सां	—	नि	ध̲	नि	ध̲	प	म॑
नि	त	पौं	ऽ	ची	ऽ	स	व	क	र
×		०		२		३		०	

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)नि़	रे̲	ग	ग	म॑	(रे̲)ग	—	रे̲	सा	सा
अ	ब	च	तु	र	दं	ऽ	डि	म	त
×		२			०		३		

(सा)नि़	रे॒	(प)ग	म॑	प	प	म॑	ग	म	ग
बें	ऽ	क	ट	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		
(म॑)प	–	प	म॑	(प)म॑	ध॒	नि	ध॒	प	प
द्वा	ऽ	द	श	सु	र	न	के	ख	ट
×		२			०		३		
(म॑)प	–	म॑	–	ग	(म॑)प	म॑	ग	म	ग
च	ऽ	क्र	ऽ	ब	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

अन्तरा.

(प)म॑	ग	(प)म॑	ध॒	म॑	सां	सां	रें॒	सां	–
र	ग	र	गी	ऽ	र	गु	रि	गी	ऽ
×		२			०		३		
(सां)नि	रें॒	गं	रें॒	सां	(सां)नि	सां	नि	ध॒	प
रि	गु	रु	गु	र	चा	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(ध॒)म॑	ग	(ध॒)म॑	ध॒	–	(ध॒)रें॒	नि	(ध॒)नि	ध॒	प
ध	न	ध	नी	ऽ	ध	नु	धि	नि	ऽ
×		२			०		३		

म॑			ध॒		म॑				
प	प	ध॒	म॑	प	प	म॑	ग	म	ग
धि	नु	धु	नु	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

संचारी.

नि़		सा							
सा	–	प	–	प	प	–	ध॒	–	प
द्वा	ऽ	स	ऽ	प्त	ती	ऽ	मे	ऽ	ल
×		२			०		३		
ध॒									
म॑	म॑	ध॒	–	ध॒	नि	ध॒	प	प	प
प्र	ति	म	ऽ	ध्य	म	सों	ज	नि	त
×		२			०		३		
ध॒		ध॒							
म॑	–ध॒	म॑	–	ग	म॑	ग	रे॒	रे॒	सा
रा	ऽऽ	गां	ऽ	ग	स	ब	ज	न	क
×		२			०		३		
रे॒									
नि़	रे॒	ग	प	प	प	म॑	ग	म	ग
आ	ऽ	दे	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

आभोग.

ध॒		ध॒							
म॑	ग	म॑	ध॒	प	सां	सां	सां	–	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	अ	व	रो	ऽ	ह
×		२			०		३		

(सां)नि	रें	गं	रें	सां	(सां)नि	रें	नि	ध	प
के	ऽ	मे	ऽ	द	को	ऽऽ	सा	ऽ	ध
×		२			०		३		
(ध)मं	ग	(ध)मं	–	ध	(ध)रें	निध	नि	ध	प
भा	ऽ	षां	ऽ	ग	रु	उऽ	पां	ऽ	ग
×		२			०		३		
(प)मं	प	ध	मं	प	प	मं	ग	म	ग
च	तु	र	उ	प	जा	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)रे	ग	(ध)मं	–	ध	(ध)सां	–	नि	ध	प
पा	ऽ	यो	ऽ	है	पी	ऽ	रे	ऽ	पु
×		२			०		३		
(मं)प	ध	(ध)मं	प	मं	(मं)ग	म	ग	–	–
र	न	प	र	म	जो	ऽ	धा	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(ध)मं	–धु	मं	ग	मं	(रे)ग	–	रे	–	सा
द	ऽऽ	स्त	गी	ऽ	रे	ऽ	हो	ऽ	त
×		२			०		३		

(सा)नि़	रे॒	ग	–	रे॒	(ग)म॑	ग	(ध॒)प	–	प
सु	ख	सं	ऽ	ऽ	प	द	ना	ऽ	म
×		२			०		३		
(म॑)प	ध॒	(ध॒)म॑	–	(पम॑)	(म॑)ग	–	म	ग	–
ली	ऽ	ये	ऽ	(निऽ)	स्ता	ऽ	र	हैं	ऽ
×		२			०		३		

अन्तरा.

(ध॒)म॑	ग	(ध॒)म॑	–	ध॒	नि	सां	सां	–	सां
मा	ऽ	नो	ऽ	दो	उ	ज	हां	ऽ	न
×		२			०		३		
(सां)नि	रें॒	गं	रें॒	सां	(सां)नि	सां	नि	ध॒	प
में	ऽ	मो	ऽ	इ	नूं	ऽ	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
(ध॒)म॑	ध॒	(ध॒)म॑	ग	म॑	(रे॒)ग	–	रे॒	–	सा
मी	ऽ	रा	ऽ	जि	गौ	ऽ	से	ऽ	स
×		२			०		३		
ग	–	(ध॒)म॑	–	ध॒	(ध॒)सां	–	(रें)नि	रें॒	नि
क	ऽ	ले	ऽ	न	का	ऽ	औ	ऽ	लि
×		२			०		३		
ध॒	प	(ध॒)म॑	–	(पम॑)	(म॑)ग	–	म	ग	–
या	ऽ	को	ऽ	(सऽ)	हा	ऽ	र	है	ऽ
×		२			०		३		

पूर्वी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	(ग)म	ग	रे	सा	सा	(सा)नि	–	सारे	ग	म	ग
ऽ	मे	री	ऽ	प	त	रा	ऽ	खऽ	ली	ऽ	जो
०		३		४		×		०		२	
(मं)प	प	–	(मं)प	ध	प	(मं)प	(ध)म	–	(ग)म	ग	(ध)मंध
ह	ज	ऽ	र	ऽ	त	शे	ऽ	ऽ	ख	ऽ	सऽ
०		३		४		×		०		२	
म	–	ग	(रे)ग	रे	सा	(नि)सा	(रे)नि	रे	ग	प	प
ली	ऽ	म	पी	ऽ	र	अ	ल्ला	ऽ	हो	ऽ	मु
०		३		४		×		०		२	
प	–	(मं)प	ध	प	–	(मं)प	(ध)म	–	(ग)म	–	ग
हं	ऽ	म	द	के	ऽ	का	ऽ	ऽ	र	ऽ	न।
०		३		४		×		०		२	
–	(ग)म										
ऽ	मे										
०											

अन्तरा.

(ग)म	ग	मंध	नि	सां	सां	सां	सां	–	(सां)नि	रें	सां
हों	ऽ	आऽ	जी	ऽ	ज	गु	न्हा	ऽ	गा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि	सां	–	नि	–	ध	(ध)नि	–	–	ध	–	प
ति	हा	ऽ	रो	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ॐ
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	(ध)म	ध	नि	सां	–	सांरें	नि	(ध)नि	ध	प	प
हो	ऽ	तु	मी	ऽ	ऽ	जऽ	ग	त	के	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
(मं)प	(ध)म	–	(ग)म	–	ग	–	(ग)म				
स्ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	न	ऽ	मे				
×		०		२		०					

पूर्वी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	(सा)नि़	रे	(मं)ग	प	प	(मं)प	–	म	(मं)ग	म	ग
ऽ	लो	ऽ	च	ऽ	न	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
(ग)म	रे	ग	(ध)म	–	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
चु	न	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला	ऽ	लं	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
(नि़)सा	(रे)नि़	रे	ग	म	ध	नि	निरें	नि	ध	प	प
ही	रा	ऽ	मो	ऽ	ति	ला	ऽऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

(ग)म॑	ग	—	(ध॒)म॑	—	ध॒	(सां)नि	सां	नि	सां	—	सां
ग	रे	ऽ	बी	ऽ	च	हा	ऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	—	रें॒	गं	रें॒	सां	नि	निरें॒	नि	(ध॒)नि	ध॒	प
ना	ऽ	सि	का	ऽ	ये	स	ऽऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(ग)म॑	ग	—	(ध॒)म॑	—	ध॒	नि	निरें॒	नि	ध॒	प	प
पि	या	ऽ	ला	ऽ	ल	प्या	ऽऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(म॑)प	ध॒	म॑	ग	म	ग	—	(सा)नि़				
से	ऽ	ज	ला	ऽ	ल	ऽ,	लो				
×		०		२		०					

पूर्वी—चौताल (विलंबित).

स्थायी.

(म॑)प	—	(ध॒)म॑	(ध॒)म॑	ग	—	(ग)प	—	(ध॒)म॑	म॑	गम	ग
ग्या	ऽ	न	न	मों	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
(ग)म॑	—	ग	रे॒	सा	—	(सा)नि़	रे॒	ग	रे॒	सा	—
मा	ऽ	न	न	मों	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सा						म॑					
नि़	—	सा	रे॒	ग	—	प	—	म॑	ध॒	प	म॑ध॒
रं	ऽ	ग	न	मों	ऽ	रं	ऽ	ग	त	है	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	
सां											
नि	निरें॒	नि	ध॒	—	प	नि	ध॒	प	म॑	गम	ग
रा	ऽऽ	ग	रं	ऽ	ग	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध॒		ध॒		सां							
म॑	ग	म॑	ध॒	नि	सां	—	सां	—	नि	रें॒	सां
सा	ऽ	ध	न	में	ऽ	ऽ	सा	ऽ	धे	ऽ	सु
×		०		२		०		३		४	
सां						सां					
नि	—	रें॒	गं	रें॒	सां	नि	निरें॒	नि	ध॒	—	प
धा	ऽ	र	न	में	ऽ	सा	ऽऽ	व	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
				ध॒		सां					
म॑	म॑ध॒	म॑	ग	म॑	ध॒	नि	निरें॒	निध॒	नि	ध॒	प
आ	ऽऽ	ठ	न	में	ऽ	आ	ऽऽ	ठऽ	गां	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	
सां										ध॒	
नि	निरें॒	निध॒	नि	ध॒	प	नि	ध॒	प	—	म॑	ग
आ	ऽऽ	ठऽ	पा	ऽ	ठ	र	हि	ये	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि़		सा				म					
सा	–	प	प	प	–	प	–	ध॒	–	प	प
भू	ऽ	ठ	न	के	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	द	स
×		०		२		०		३		४	
ध॒			सां			सां			ध॒		
म	–	ध॒	नि	सां	सां	नि	निरें	नि	नि	ध॒	प
पां	ऽ	च	भू	ऽ	ठ	छां	ऽऽ	ड़ि	डा	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
ध॒				ग		रे॒					
म	मध॒	म	ग	म	ग	ग	–	रे॒	रे॒	सा	–
सां	ऽऽ	च	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	मों	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा			म —			म		ध॒			
नि़	–	रे॒	ग	प	प	प	प	म	–	गम	ग
सां	ऽ	च	आं	ऽ	च	र	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध॒		ध॒		सां					सां		
म	ध॒	म	ध॒	नि	सां	सां	सां	–	नि	सां	सां
म	ज	लि	स	में	ऽ	म	जा	ऽ	ल	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
सां						मां			ध॒		
नि	सां	–	नि	–	ध॒	नि	रें	नि	नि	ध॒	प
क	ही	ऽ	ये	ऽ	द	या	ऽ	ल	दा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

ध॒ म॑	ध॒	ध॒ म॑	ग	ध॒ म॑	ध॒	सां नि	रें॒	नि	ध॒ नि	ध॒	प
ज	हां	जै	ऽ	मी	ऽ	बा	ऽ	त	व	हीं	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां नि	निरें॒	सां नि	—	ध॒	प	प	प	ध॒ म॑	—	गम	ग
त	हांऽ	तै	ऽ	मी	ऽ	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

पूर्वी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

										म प	प	म॑	ग
										आ	हो	ऽ	ऽ
											०		
ग म॑रे॒	ग	प म॑	प	ध॒	—	प	म॑	—	प	म॑	म॑ ग	म	—
ऽऽ	ऽ	कै	से	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	पा	ऽ
३				×					२		०		
ग	—	रे॒ नि़	रें॒	रे॒ म॑	—	—	ग	—	रे॒	—	ग	—	—
बो	ऽ	गे	ऽ	भ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
रे॒ नि़	रे॒	सा	—	नि़ सा	नि़	रे॒	ग	—	—	म॑	ग	रे॒	सा
री	ऽ	में	ऽ	ज	ब	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ग	ये	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

(सा)नि़ रे ग म॑ | प – – म (ध)ध | रें नि | (ध)म – ग
ऽ ऽ तु म | भा ऽ ऽ जे ऽ | ऽ अ | हो ऽ ऽ
३ | × | २ | ०

अन्तरा.

(ध)म – ध (नि)सां – | – नि | रें – – | सां – – (नि)सां
गा ऽ ऽ री ऽ | ऽ ऽ | दूं ऽ ऽ | गी ऽ ऽ दि
× | २ | ० | ३

(रें)नि – रें गं – | रें सां | (नि)सां (रें)नि – | (ध)नि ध प –
ला ऽ ऽ ऊं ऽ | ऽ स | ब न ऽ | पै ऽ ऽ ऽ
× | २ | ० | ३

पध (ध)म – (ग)म – | ग – | (ध)म – ध | (सां)नि – सां रें
मुऽ ख ऽ मी ऽ | ऽ ऽ | हों ऽ ऽ | गी ऽ ऽ ऽ
× | २ | ० | ३

(ध)नि ध प (ध)म ध | रें नि | (ध)म – ग | (ग)मरे ग म॑ प
आ ऽ ऽ जे ऽ | ऽ अ | हो ऽ ऽ | ऽऽ ऽ कै से ।
× | २ | ० | ३

पूर्वी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि़
सा
भ

											प		
नि़	रे॒	ग	म॑	प	ध॒	–	प	–		ध॒	म॑	प	म॑
लो	री	ते	रो	जु	ब	ऽ	ना	ऽ	ऽ	भ	लो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
				ग	म॑								
ग	म॑	ग	–	म॑	रे॒	–	ग	–		म॑	ग	रे॒	–
री	भ	लो	ऽ	भ	लो	ऽ	ते	ऽ	ऽ	रो	भा	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
			नि़				ध॒				ग		
सा	–	–	सा	(सा	ध॒)	–	म॑	–	प	म॑	म	ग	सा
ग	ऽ	ऽ	सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग,	भ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

प	ध॒		सां										
ध॒	म॑	ध॒	नि	–	सां	सां	सां	–	–	नि	सां	सां	–
भ	लो	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×					२		०			३			

(नि)सां	–	–	नि	ध	नि	ध	(सां)नि	–रें	निध	नि	ध	प	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	खे	ऽऽ	लऽ	त	भ	लो	ऽ
×					२		०			३			
(प)म	प	ध	(ध)म	–	प	म	(ग)म	ग	सा				
र	चौ	ऽ	तैं	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ग,	भ				
×					२		०						

राग मारवा.

रागेऽस्मिन् मारवाख्ये किलगमधनयस्तीव्रकाः स्युर्मृदू रिः ।
वाद्यस्मिन्स्याद्द्वितीयो स्वरपविरहितो लच्ययोगानुरोधात् ।।
संवादी धैवतोऽसौ स्फुटमिहगमनं साध्यतेऽतिश्रमेण ।
सङ्गीताभ्यासशीलैर्नियतमविरतं गीयते सायमेव ।।

कल्पद्रुमांकुरे ।

तीव्रौ गमौ धनी चैव मृदूरिर्धैवतर्षभौ ।
संवादिवादिनौ चापः स मारुः सायमीरितः ।।

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे गमधनि सुर रिखब कोमल पंचम नाहिं ।
धरि संवादीवादितें कहत मारवा ताहिं ।।

चन्द्रिकासार ।

धमौ गरी गमौ गश्च रिसौ निधौ मधौ सरी ।
मारवा ऋषभांशाढ्याऽपा सायं चित्ररूपिणी ।।

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'मारवा'—यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें रिषभ कोमल व मध्यम तीव्र है, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। पंचम इसमें वर्जित है, अतः इसकी जाति षाड़व-षाड़व मानी गई है। इसके आरोह में निषाद स्वर अनेक बार वक्र गति से दिखाई देता है। वादी स्वर रिषभ और सम्वादी धैवत है। इस राग की सम्पूर्ण विशेषता रे, ग, ध इन स्वरों पर निर्भर है। अवरोह में रिषभ जब वक्र गति में प्रयुक्त होगा, तब यह राग स्पष्ट होकर खुलेगा। इस राग में मींड़ का काम प्रायः नहीं होता और वह सुन्दर भी नहीं लगता। मारवा राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर है। इस राग के पश्चात् कल्याण थाट के रागों में प्रवेश करना सहज-साध्य है, अतः इसे "परमेल प्रवेशक" राग भी कोई-कोई मानते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा र॒, ग, म॑ ध, निध, सां। सां निध, म॑ ग र॒ सा।

पकड़ः—

ध म॑ ग र॒, ग म॑ ग, र॒, सा।

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे॒	ग	म॑	नि	ध	ऽ	म॑	ग	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	ऽ
३				×				२				०			
नि़	रे॒	नि़	ध़	म़॑	ध़	सा	ऽ	नि़	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	ऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

म॑	ध	म॑	ग	म॑	ध	सां	ऽ	नि	रें॒	गं	मं॑	गं	रें॒	सां	ऽ
३				×				२				०			
रें॒	नि	ध	नि	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	ऽ।
३				×				२				०			

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध म॑

ऽ	ध	ग	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	नि़	रे॒	नि़	ध़	म़॑	ध़	सा	नि़
३				×				२				०			
ऽ	रे॒	ग	नि़	रे॒	ग	म॑	ध	ग	नि	ध	रें॒	नि	म॑	ध	रें॒
३				×				२				०			
ग	नि	ध	म॑	ग	म॑	ध	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	नि़	रे॒,	ध	म॑।
३				×				२				०			

अन्तरा.

														ग	मं
ध	नि	ऽ	सां	नि	ऽ	रें	गं	मं	गं	रें	गं	नि	रें	नि	ध
०				३				×				२			
रें	ऽ	रें	नि	ध	मं	ग	रे	ऽ	ध़	नि़	ऽ	रे	ग	मं	ग
०				३				×				२			
रे	ऽ	मं	गं	रें	गं	मं	धं	ऽ	रें	ऽ	नि	ध	मं	ग	रे
०				३				×				२			
नि़	रे	ध	मं	ऽ	ध	ग	मं	ध	मं	ग	रे				
०				३				×							

मारवा—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा ध	—	मं	मं	ध	मं	ध	मं	ग	रे
ती	ऽ	व	र	ग	म	ध	नि	सु	र
×		२			०		३		
सारे	ग	रे ग	ग	मं	ग	रे	ग	रे	सा
मेऽ	ऽ	ल	न	स	ज	त	म	धु	र
×		२			०		३		

(नि)सा	सानि	रे	रे	रे	(रे)नि	ध	मध	सा	सा
वि	कऽ	र	त	रि	ख	ब	भीऽ	त	र
×		२			०		३		
सारे	ग	(रे)ग	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
माऽ	ऽ	रु	व	क	ह	त	च	तु	र।
×		२			०		३		

अन्तरा.

ग	—	(ध)म	(ध)म	ध	(ध)म	सां	सां	सां	सां
रा	ऽ	ग	गा	ऽ	व	त	सु	क	र
×		२			०		३		
(नि)सां	—	रें	रें	रें	(रें)नि	रें	नि	ध	ध
पं	ऽ	च	म	वि	वा	ऽ	दि	सु	र
×		२			०		३		
(ध)म	ध	म	ग	रे	म	ग	रे	रे	सा
सं	ऽ	वा	ऽ	द	रि	ध	बि	च	र
×		२			०		३		
(सा)रे	—	रें	रें	रें	(ग)रे	रे	ग	रे	सा
अ	ऽ	स्त	दि	न	अ	ति	रु	चि	र।
×		२			०		३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग			ध
म॑ ग – रे॒	सा सा नि़ नि़	रे॒ – ग ग	म॑ – ध ग
जा ओ ऽ मो	ह न मो रे	फं ऽ द प	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२
सां सां	ध ध		
नि निरें नि ध	म॑ म॑ध म॑ ग	रे॒ – ग म॑	ग रे॒ सा –
क पऽ टि कु	टि लऽ ह म	आ ऽ प भ	ले ऽ हो ऽ
०	३	×	२
सा सा			ध
नि़ नि़ ध़ नि़	– नि़ रे॒ रे॒	ग – ग ग	म॑ – ध ग
गु न नि धा	ऽ न अ रु	श्या ऽ म स	लो ऽ ना ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

	ध	ध	
ग – ग ग	म॑ – ध म॑ध	सां – सां सां	सां रें सां सां
मं ऽ द म	ती ऽ ह मऽ	का ऽ न्ह च	तु र तु म
०	३	×	२
नि	रें		
सां सां रें रें	नि रें नि ध	म॑ म॑ ध ध	म॑ – ग ग
बि र ह बि	था ऽ भ ले	ह म को स	ता ऽ व त
०	३	×	२
म॑			
ग – म॑ रे॒	ग – म॑ म॑	ग – म॑ ग	रे॒ – सा –
मं ऽ दि र	में ऽ अ ब	दे ऽ र प	रे ऽ गी ऽ
०	३	×	२

सा												ध			
ध़	–	ध़	–	नि़	–	रे॒	रे॒	ग	ग	ग	–	म॑	–	ध	ध
क्यूं	ऽ	पू	ऽ	छो	ऽ	तु	म	ह	म	रो	ऽ	रो	ऽ	ना	ऽ
०				३				×				२			

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा			म॑			ध				ध	ध	ग		ग	
नि़	नि़	रे॒	ग	ग	ग	म॑	ध	सां	–	नि	नि	म॑	ध	म॑	ग
ज	ग	त	ज	न	नि	ज	ग	दं	ऽ	ब	भ	वा	ऽ	ऽ	नि
०				३				×				२			
								नि़							
म॑	ग	–	रे॒	रे॒	सा	सा	सा	ध़	ध़	ध़	म़॑	ध़	सा	सा	सा
कृ	पा	ऽ	क	र	नि	दु	ख	ह	र	नि	सु	ख	क	र	नि
०				३				×				२			
सा						ध		म॑	ध						
नि़	नि़	रे॒	ग	ग	ग	म॑	ध	नि	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा	सा
प्र	ण	त	ज	न	श	र	नि	भ	व	ज	ल	धि	त	र	नि
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध															
म॑	–	ध	सां	–	सां	सां	–	सां	सां	सां	सां	सां	रें॒	सां	–
मैं	ऽ	प	ती	ऽ	त	से	ऽ	व	क	च	र	न	न	को	ऽ
०				३				×				२			
सां				सां	सां							ध			
नि	नि	रें॒	रें॒	नि	नि	रें॒	नि	–	रें॒	नि	ध	म॑	ध	म॑	ग
मु	झ	प	र	कृ	पा	ऽ	द	ऽ	ष्टि	अ	ब	की	ऽ	जे	ऽ
०				३				×				२			

	ध		
म रे॒ – ग	– ग म ध	म ग – म	ग रे॒ सा –
म हा ऽ मा	ऽ य जो ऽ	ग नी ऽ शि	वा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सा	ध	म	
नि॒ नि॒ रे॒ ग	ग ग म ध	नि नि ध म	ग रे॒ सा सा
प्र ग त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	ध		ध
नि़ नि़ रे॒ ग	– ग म ध	नि ध – नि	म ध म ग
का उ कि री	ऽ त को उ	क रे ऽ स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
		ध़	
म रे॒ ग म	ग रे॒ सा –	म़ – ध़ –	सा सा सा –
मी ऽ त पि	य र वा ऽ	जो ऽ जो ऽ	क रि ये ऽ
०	३	×	२
सा –	रे॒ – सा सा	नि़ रे॒ ग म	ग रे॒ सा –
ऽ ऽ सो ऽ	सो ऽ स ब	अ प ने ऽ	म न की ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध			
म – ध सां	– सां सां सां	सां सां सां सां	सां रें॒ सां –
हों ऽ अ धी	ऽ न त न	म न ध न	तु म रे ऽ
०	३	×	२

नि नि रें –	नि नि रें नि	– रें नि ध	म ध म ग
तु म तो ऽ	मे ह र बा	ऽ न स ब	के ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रे रे – ग	– ग म म	ग ग म ग	रे – सा –
स दा ऽ रं	ऽ ग प र	रं ग ब र	सा ऽ यो ऽ।
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

[सा] ध ध म ध	म ग रे रे	रे गरे ग म	ग रे सा –
अ व गु न	ब क स क	र मऽ क र	मे ऽ रे ऽ
०	३	×	२
[ध] म – ध ध	सा – सा सानि	रे गरे ग म	ग रे सा –
ए ऽ क र	ता ऽ र सऽ	र नऽ द र	ते ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

[म] ग ग ग –	[ध] म – ध मध	सां – सां सां	सां रें सां –
इ त नो ऽ	ही ऽ व रऽ	मां ऽ ग त	अ ब मैं ऽ
०	३	×	२
[सां] नि नि रें रें	नि रें – [रें] नि	– रें नि ध	[ध] म ध म ग
दि न दि न	ब ढ़ो ऽ ग्या	ऽ न स र	सा ऽ व त
०	३	×	२

म रे॒ रे॒ ग	– ग म ध ध	म ग – म	ग रे॒ सा –
ता ऽ न रा	ऽ ग ता ऽ	ल सू ऽ र	मे ऽ रे ऽ
•	३	×	२
सा ध ध म ध	म ग रे॒ रे॒		
अ ब गु न	ब क स क		
०	३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा ध ध म ध	म ग रे॒ –	सारे॒ ग ग रे॒ म	ग रे॒ सा सा
सु घ र सु	घ र बैं ऽ	ठेऽ ऽ स ब	गु नि ज न
०	३	×	२
ध म – ध –	सा सा सा –	सारे॒ ग ग रे॒ म	ग रे॒ सा –
दे ऽ खो ऽ	गु न की ऽ	रीऽ ऽ त अ	नो ऽ खी ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा।

ध म – ग ग	ध म म ध –	ध म म सां –	सां – सां –
स ऽ म सु	र न सों ऽ	गु न को ऽ	गा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि सां सां सां – नि	रें – रें नि –	रें रें नि – ध	म ध म ग
उ नं ऽ चा	ऽ स कू ऽ	ट ता ऽ न्सु	ना ऽ वे ऽ।
•	३	×	२

	ग ध		
म रे – ग	– ग नि नि	ध म ग म	ग रे सा –
स दा ऽ रं	ऽ ग री ऽ	झ त स ब	म न को ऽ।
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग		सा	
ध – म	ग – रे सा	नि – रे	ग – – म
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
		सा	
ध – म	ग – रे सा	नि – रे	ग – – –
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध		ध
म – ग	म – ध –	नि ध – नि	म ध म ग
ऽ सा ऽ मि	दा ऽ ऽ ऽ	श र ऽ द्धि	गा ऽ ना ऽ।
०	३	×	२
रे			
रे ध – म			
ऽ आ ऽ ना			
०			

अन्तरा.

ग	ध	ध	
म ग ग	म – ध ध	म सां – सां	सां – सां –
ऽ चं द न	का ऽ क ठ	ड़ा ऽ ऽ ब	ना ऽ या ऽ
०	३	×	२

	सां	सां	सां	निसां	रें	नि	ध		मं	नि	ध	मं	ग	रे	ग
ऽ	ता	प	र	बैऽ	ऽ	ठे	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ना	वे	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			
ध	ध	—	मं												
ऽ	आ	ऽ	ना												
०															

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
बो

नि	रे	ग	मं	ध	मं	ध	मं	ग	रे	ग	मं
ल	न	बि	न	क	ब	ऽ	हूं	ऽ	चै	न	न
३		४		×		०		२		०	
ग	रे	सा	सा	ध मं	ध	रे	सा	—	सा	रे	—
हिं	प	र	त	पि	य	र	वा	ऽ	जो	चा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे ध	मं	ध	—	निरे	गमं	ध	ग	मं	ग	रे	सा
हे	र	स	ऽ	आऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे	मा,	बो
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध) मं	—	ध	ध	सां	—	सां	सां	(नि) सां	नि	रें	रें
औ	ऽ	र	न	सें	ऽ	तु	म	भ	ला	ऽ	इ
×		०		२		०		३		४	
(रें) नि	रें	नि	ध	मं	ध	मं	ग	रे	—	—	मं
पी	ऽ	त	क	रो	ऽ	म	न	के	ऽ	ऽ	रं
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	—	नि़	रे	ग	मं	ध	सां	रें	—
गी	ऽ	ले	ऽ	ह	में	बो	ल	न	सु	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रेंरें	निध	निनि	धमं	धध	मंग	रे,	सा				
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ,	बो				
×		०		२		०					

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) ध	ध	मं	ग	रे	सा	नि़	—	रे	ग	—	ग
च	लो	ह	टो	गि	र	धा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
(रें) नि	(नि) रें	नि	ध	मं	ग	नि	ध	मं	ग	रे	सा
न	इ	सी	चु	न	रि	मो	रि	बि	ग	र	त
×		०		२		०		३		४	

मा						ध					
नि़	–	रे॒	ग	ग	ग	म॑	–	ध	सां	सां	सां
हा	ऽ	हा	क	र	त	पां	ऽ	य	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
नि	नि										
सां	रें॒	नि	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
क	र	प	क	र	त	क	छु	ना	ड	र	त।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म॑						ध					
ग	–	ग	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
बा	ऽ	ट	च	ल	त	अ	च	रा	ग	ह	त
×		०		२		०		३		४	
ध		सां									
सां	सां	नि	रें॒	नि	ध	म॑	–	नि	ध	म॑	ग
म	डु	की	ऽ	स	र	सों	ऽ	ढु	र	क	त
×		०		२		०		३		४	
सा				ध							
रे॒	–	ग	ग	म॑	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	सा
जा	ऽ	य	क	हों	ऽ	घ	र	को	ऽ	अ	ब
×		०		२		०		३		४	
नि	सां										
सां	रें॒	नि	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
ह	टो	ह	टो	अ	ब	च	तु	र	श्या	ऽ	म।
×		०		२		०		३		४	

मारवा-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा															
म॑	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	सा	–	सा	सा	ध़	–	सा	सा	रे॒	–
सु	न	स	न	ब	ति	यां	ऽ	स	ग	री	ऽ	र	ति	यां	ऽ
०				३				×				२			
ग				ध				ध							
रे॒	रे॒	ग	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	रें॒	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
उ	च	ट	जि	या	ऽ	मो	रा	ड	र	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध				ध		ध									
म॑	म॑	ध	ध	म॑	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	सां	सां	–	रें॒	–
र	ह	त	अ	के	ऽ	लो	ऽ	थ	र	थ	र	कां	ऽ	पे	ऽ
०				३				×				२			
सां				सां				ध				ध			
नि	नि	रें॒	–	नि	निरें॒	नि	ध	म॑	म॑	ध	ध	म॑	–	ग	–
जि	य	रा	ऽ	उ	नऽ	बि	न	ल	र	ज	त	मो	ऽ	रा	ऽ
०				३				×				२			
रे॒								ध							
सा	–	ग	ग	म॑	–	ध	ध	रें॒	–	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
का	ऽ	सें	क	हूँ	ऽ	स	ग	रो	ऽ	दु	ख	पा	ऽ	ऽ	वे ।
०				३				×				२			

मारवा—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

धध मंमं	धमं	गरे	सा	ग मंग	ध मंध	सां	–	सां नि	रेंनि	ध मंध	मंग
झांझ	ऽन	मोऽ	रा	झन	काऽ	ई	ऽ	न	ऽसु	नाऽ	ईऽ
३		४		×		०		२		०	
ध मंध	मं गरे	गरे	सा	सा नि,निरे	निध	सा निरे	गग	मंमंगमं	गरे	गरे	सा
लोऽ	ग, ऽऽ	ऽऽ	वा	पि,याऽ	काई	मुख	दिखा	ऽऽऽऽ	ऽइ	ओऽ	र।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध मंध	सांसां	सांसां	निरें	सां	–	नि सां	-,निध	नि	रेंनि	ध मं	ध
लेऽ	चलो	नग	रऽ	में	ऽ	मैं	ऽ,सुऽ	र	ऽझ	न	ऽ
३		४		×		०		२		०	
निध	मंग	रे	–	रे	–	ध मं	ध	नि सां	नि	रें	नि
मिल	बिछु	रे	ऽ	आ	ऽ	नं	द	क	ऽ	ऽ	रे।
३		४		×		०		२		०	

मारवा—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ध मंध	मंमं धध,मंग	रेसा	रेनि	ध मं	–	ध मं	ध मं	ध मं	ध मं	ध	मं	ग	रे
नऽ	नंऽ;दीऽ	याऽ	ऽ,छुऽ	वा	ऽ	व	ना	मो	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ
३				×			२				०		

						ध							
रे॒	ग	म॑	ध	म॑ध	म॑ध	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	स	व	घ	र	ऽ	घ	र
३				×			२				०		

			ध	ध							ध	ध	ध
सा	नि॒	रे॒	नि॒नि॒	मं	ध॒	सा	सा	सा	सानि॒	रे॒	म	म	म
च	वा	ऽ	वक	र	ऽ	त	फि	र	तऽ	ऽ	र	ह	त
३				×			२				०		

							सा						ध
	नि	ध	-	म	-	ग	नि॒	रे॒	ग	म॑	ध	म॑	म॑
ऽ	नि	त	ऽ	झूं	ऽ	ठ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च।
३				×			२				०		

अन्तरा.

ध							ध						
म॑ध	म॑ग	रे॒	,रे॒	ग	म॑	ध	म॑ध	सां	-	सां	रें	सां	-
काऽ	हूऽ	के	,ला	गा	ऽ	ये	बुऽ	झा	ऽ	ये	क	हा	ऽ
३				×			२				०		

				रें			ध				ध		
सां	-	सांनि	रें	नि	ध	-	म	-	ध	-	म	ग	रे॒
हो	ऽ	तऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	इ
३				×			२				०		

सा							नि॒				ध		ध
नि॒	रे॒	ग	म॑	ध	-नि	ध	ध॒	नि॒	रे॒	ग	म॑	ध	म॑
सां	ऽ	च	को	ऽ	ऽक	हां	आं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च।
३				×			२				०		

मारवा—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

ध	ध			ध						सा	
म	मंध	म	ग	म	–	ध	म	ग	रे	रे	ग
जि	याऽ	नि	क	सो	ऽ	इ	आ	ऽ	वे	आ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
								नि			
रे	ग	–	म	ग	रे	सा	–	सानि	रे	नि	ध
वे	मो	ऽ	री	मा	ऽ	इ	ऽ	रीऽ	ऽ	पि	य
३		४		×		०		२		०	
ध					नि	नि					
म	ध	सा	सा	–	सा	रे	रे	धधमंध	धमंगरे	गमंमंग	रेसानिसा
ग	व	न	को	ऽ	ग	इ	ल	वाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

		ध						नि			
म	ग	म	ध	सां	–	सां	–	सां	सांनि	रें	–
उ	न	बि	न	मैं	ऽ	का	ऽ	वि	रऽ	हा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां	सां			ध	ध						
नि	निरें	नि	ध	म	म	ध	म	ग	रे	सा	–
दु	खऽ	वा	ऽ	नि	स	ऽ	दि	ना	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सा	सा			नि							
नि	निरे	नि	ध	सा	सानि	रे	–	रेंरेंनिरें	रेंनिधमं	धधमंग	मगरेसा
नि	तऽ	भ	इ	ल	वाऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

मारवा—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़ सा
मा

ध म	ध म	—	धनि	ध म	ध म	ग	ध म	ध	म	ग	रे
ई	ऽ	ऽ	मोहे	का	हु	ऽ	की	ऽ	क	हा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रे	सा	नि़सा	नि़ सा	ध मंध	म	गरे	रे ग	रे	सा	नि़सा
ऽ	प	री	ऽऽ	अ	पऽ	ने	पीऽ	त	म	को	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
सा नि़रे	नि़	ध़ म़	ध़	नि़ सा	रे	—	ध म	ग	रे	सा	नि़ सा
राऽ	खों	गी	ऽ	ग	रे	ऽ	ल	गा	ऽ	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

गग
कोऊ

ध म	ध	ध म	सां	सां	—	सां	—	नि सां	सां	सां निसां	निसांरेंरें
ला	ऽ	ख	क	हो	ऽ	तो	ऽ	ए	क	नाऽ	ऽऽऽगि
३		४		×		०		२		०	

				ध		ध		ध			सां
नि	ध	म॑	ग	म॑	ग	म॑	ध	म॑	सां	सां	नि
नों	ऽ	री	ऽ	ए	रि	हूँ	तो	दे	ऽ	ख	री
३		४		×		०		२		०	
				सां							नि़
रें॒	गं	रें॒	सां	रें॒	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा	सा
ऽ	झ	र	हि	उ	न	को	सु	भा	ऽ	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

मारवा—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा

पि

सा				म॑	ध			रे॒				नि़			
नि़	रे॒	ग	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा	ऽसा	सा	रे॒	सा	-
या	ऽ	मो	रे	अ	न	त	ऽ	दे	ऽ	स	ऽग	ई	ल	वा	ऽ
३				×				२				०			
ध	ध							नि़							
म॑	म॑	-	गरे॒	ग	रे॒	सा	-	ध़	नि़	ध	म॑	ग	रे॒	सा	,सा
ना	जा	ऽ	तूंऽ	ऽ	क	ब	ऽ	घ	र	ऽ	आ	ऽ	वें	गे	,पि।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध								नि				सां		ध	
म॑ध	सांसां	सांसां	सांसां	रें॒	-	सां	-	सांसां	सां	नि	रें॒	नि,निरें॒	निध	म॑	ग
उन	केद	रस	देख	वे	ऽ	को	ऽ	अखि	यां	ऽ	ऽ	त,रऽ	सर	हीं	ऽ
३				×				२				०			

ध ध | | नि | रें ग
म ध सां सां | सांनि रें सां – | सां सांनि रें रें | रे रे सा –सा
उ न बि न | मोऽ ऽ हे ऽ | क छूऽ ऽ न | भा ऽ वे, ऽपि
३ | × | २ | ०

मारवा–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि रे
उ द

ग म ध म | ध म ग रे | सा – – – | – – नि रे
त न दे रे | ना दी ऽ म्त | ना ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ उ द
० | ३ | × | २

| | ध |
ग म ध म | ध म ग रे | सा – म ध | नि रे नि रे
त न दे रे | ना दी ऽ म्त | ना ऽ त न | न न द रे
० | ३ | × | २

ग नि – रे | ग म ध ध | म नि – ध | रें – नि –
ना दी ऽ म्त | न न दिर दिर | त दे ऽ नों | दे ऽ नों ऽ
० | ३ | × | २

रें रें | | म | नि
गं गं रें नि | रें नि ध म | ध नि रें – | रें नि ध म
ता ऽ रे त | दा रे दा नि | दी ऽ ऽ ऽ | म्त न न न
० | ३ | × | २

मं	रे॒ ग	ग	
ध – ध म॑	ग ग म॑ –	म॑ ग रे॒ सा	नि़ ध़ नि़ रे॒
तो ऽ म्त न	न न दी ऽ	म्त न न न	न न, उ द।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं	मं		
नि नि ध म॑	ध ध म॑ ग	म॑ ध नि रें॒	– सां सां –
दिर दिर ता ना	दिर दिर ता ना	दे ऽ र्नी दे	ऽ र्नी दी ऽ
×	२	०	३
सां – नि रें॒	गं मं॑ धं मं॑	धं मं॑ गं रें॒	गं मं॑ गं मं॑
म्दी ऽ म्त न	न न दे रे	ना त दा रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
रें॒ गं नि रें॒	ध नि म॑ ध	ग म॑ रे॒ ग	नि़ रे॒ ग म॑
म्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
			रें॒ रें॒
रे॒ ग म॑ ध	म॑ ध नि रें॒	नि रें॒ गं गं	गं गं रें॒ नि
म्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध म॑ ग रे॒	सा – नि़ रे॒		
ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ, उ द		
×	२		

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	–	म	ध	म	ग	रे	रे	सा	–	नि़	नि़रे
तो	ऽ	म्त	न	न	त	न	न	तों	ऽ	म्त	नऽ
×		०		२		०		३		४	
नि़	ध़	ध़	ध	–	म	म	ध	म	ग	रे	रे
दे	रे	न	दा	ऽ	रे	त	न	न	दे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
रे	–	ग	–	रेग	म	ग	रे	रे	सा	सा	सा
तो	ऽ	म्तो	ऽ	म्त	न	न	न	न	दे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
नि़	रे	ग	म	ध	नि	–	म	ध	म	ग	म
ना	द्रे	तु	द्रे	त	दीं	ऽ	म्त	दीं	ऽ	म्त	दीं
×		०		२		०		३		४	
रे	ग	म	ध	ग	म	ग	रे	सा	नि़	ध़	–
ऽ	म्त	न	द्रे	त	दि	या	ना	रे	त	दीं	ऽम।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध	–	ध	म	ग	रे	ग	म	ध	सां	–	सां
दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	त	द	रे	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	

नि	रें	गं	रें	सां	सां	नि	—	रें	नि	ध	म॑
तों	ऽ	ऽ	म्त	न	न	दी	ऽ	ऽ	म्त	न	न
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	ध	म॑	ग	रे	ग	म॑	ध	—	ग	म॑
ता	ऽ	रे	त	न	न	ना	द्रे	द्रे	ऽ	तुं	द्रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	—	ध़	—	म़	म़	ध़	सा	सा	ग
द्रे	त	दा	ऽ	नी	ऽ	धा	ती	ना	धा	किट	धुम
×		०		२		०		३		४	
म॑	ध	सां	—	मंध	सां	—	रें	सां	सां	नि	नि
किट	तक	थों	ऽ	तक	थों	ऽ	धुम	किट	तक	धा	किड
×		०		२		०		३		४	
रें	गं	—	रें	सां	सां	रें	नि	—	ध	म॑	ग
नग	धे	ऽ	धुम	किट	तक	धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे	ग	—	म॑	ध	—	(ग)म॑	ग	रे	सा	ध़	—
धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ	धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

सा मं ध		सा
नि़रे गमं ध मंग	रे सा सा(सा) -नि़ध़	नि़ रे सा नि़नि़रेनि़ध़
तन नन ऽ तन	ना ऽ नाऽ ऽन,न	ना रे दो स्तनऽ,देरे
३	×	२
	मं	
म़ ध़म़ सा रे	गग मंध मंग रे	-सा -सा नि़ रेध़
या ऽऽ ऽ रे	दानि मोंऽ ऽऽ ऽ	ऽमां ऽडे ऽ ऽऽ
०	३	×
सा		
नि़ रे ग गमं,ध	मं ग रे सासा	
ना ऽ ऽ ऽऽ,ऽ	ऽ ऽ रे दोस्	
२	०	

अन्तरा.

ध	ध	नि नि सां
मंग मंध	मं सां सां -सां	सां -ध नि रें
ऽ ऽ बेऽ ऽथ	फा ऽ ई ऽन	क ऽखुं दा ऽ
३	×	२
रें	रें	ध
मं ग़ रें सां	निसां -रें नि -ध	मं ध मंग रेरे
से ऽ ऽ ड	ऽऽ ऽजं ग ऽहँ	सा ऽ ईऽ ऽन
०	३	×
नि़ सा		
सानि़ रेध़ नि़ रे	मं ग रे सासा	
कऽ ऽखुं दा ऽ	से ऽ ऽ डर	
२	०	

मारवा—झपताल (विलम्बित).

स्थायी.

		सा							
रे̱	सा	ध़	सा	सा	सा	सानि़	रे̱	सा	सा
म	हा	द	ल	बि	क	टऽ	भ	ट	प्र
×		२			०		३		
सा									
नि़	रे̱	ग	–	मं	ग	रे̱	सा	–	सा
ब	ल	रा	ऽ	ज	र	घु	वी	ऽ	र
×		२			०		३		
नि़					ध				
सा	रे̱	सा	ग	ग	मं	मं	ध	मं	ध
ति	ल	क	स	मु	झ	स	ट	ह	ट
×		२			०		३		
नि	ध	मं	ग	–	मं	ग	रे̱	–	सा
न	क	र	रा	ऽ	मे	ऽ	पा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अन्तरा.

मं					ध				
ग	–	मं	ध	ध	मं	–	सां	सां	–
नी	ऽ	ल	न	ल	री	ऽ	झ	रा	ऽ
×		२			०		३		
नि					रें̱				
सां	–	रें̱	रें̱	–	नि	रें̱	नि	ध	ध
जा	ऽ	ब	ली	ऽ	लं	ऽ	क	क	रि
×		२			०		३		

प॒ म॑	नि	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	सा	सा
पं	ऽ	क	ह	नु	मं	ऽ	त	छि	न
×		२			०		३		
नि॒ सा	—	रें॒	नि	ध	म॑	ग	रे॒	—	सा
ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ई ।
×		२			०		३		

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग ध	म॑	ध	म॑	ग	ध	म॑	ग	—	ग	रे॒	सा
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	मं	ज	न	ऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि॒ सा	नि॒	रे॒	नि॒	—	ध॒	सा नि॒	रे॒	ग	रे॒	सा	—
अ	ऽ	ऽ	स्ना	ऽ	न	अं	ज	न	दि	ए	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा नि॒	—	रे॒	ग	—	ग	ध	म॑	ध	सां	—	सां
ला	ऽ	ऽ	ग	ऽ	त	नै	ऽ	ऽ	न	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

सां	रें	नि	ध	म	नि	ध	म	ग	(रे)ग	रे	सा
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

(म)ध	म	ध	सां	—	—	(नि)सां	नि	रें	रें	सां	—
ना	ऽ	क	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	थ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(नि)सां	—	नि	रें	सां	सां	(नि)सां	नि	रें	नि	ध	ध
आ	ऽ	ऽ	ऽ	न	न	में	ऽ	ऽ	बी	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
(म)ध	म	ध	म	ग	(ग)ध	म	ग	म	ग	रे	सा
अ	ल	ऽ	क	ऽ	फु	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(नि़)सा	नि़	रे	ग	—	ग	(ध)म	ध	(ध)म	ध	सां	सां
सिं	दु	र	मां	ऽ	ग	मा	ऽ	थे	के	स	र
×		०		२		०		३		४	

सां रें	नि	ध	मे	नि	ध	मे	ग	–	रे ग	रे	सा
टी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											ग ध
											अ
ध मे	ग	रे	सा	सा	–	–	न सा	–	सा	सा नि	रे
ना	ऽ	ह	त	ना	ऽ	ऽ	द	ऽ	अ	का	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रे	–	सा	नि सा	सानि	रे	नि	ध	–	नि सा	–
स	वा	ऽ	यु	मं	ऽऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	न्या	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सानि	रे	–	रे	मे ग	मे	ग	रे ग	रे	सा	–	सा ध
रोऽ	न्या	ऽ	रो	बा	ऽ	ऽ	द	ऽ	ल	ऽ,	अ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध मं	ध	नि सां	सां	सां	—	नि सां	सां	नि	रें॒	—	सां
चि	त	च	प	ला	ऽ	च	म	ऽ	क	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
सां नि	—	रें॒	गं	रें॒	सां	नि सां	सांनि	रें॒	रें॒ नि	—	ध
वो	ऽ	ल	बूं	ऽ	द	ब	रऽ	ऽ	ख	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
ध मं	ध	मंग	मं	ग	—	ध मंध	सां	नि	रें॒	नि	ध
ता	ऽ	रऽ	स	मे	ऽ	श्रऽ	मा	ऽ	ऽ	न	ए
×		०		२		०		३		४	
मं ध	मं	ग	रे॒	ग	रे॒	सा	सा ध				
स	मी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	अ				
×		०		२		०					

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध मं	ध	मं	ग	रे॒	सा	सा	—	नि॒ सा	रे॒	—	सा
गां	ऽ	व	गां	ऽ	व	की	ऽ	लु	गै	ऽ	यां
×		०		२		०		३		४	
नि॒ सा	—	सा	रे॒	—	रे॒	मं ग	मं	ग	रे॒	—	सा
दौ	ऽ	रि	दौ	ऽ	रि	आ	ऽ	इ	आ	ऽ	इ
×		०		२		०		३		४	

नि़						ध			ध		
सा	रे॒	सा	ग	–	ग	म	ग	–	म	–	ध
री	ऽ	झ	री	ऽ	झ	प्या	रे	ऽ	की	ऽ	ब
×		०		२		०		३		४	

ध			ध			ध					
म	ध	–	म	ग	–	म	ध	म	ग	रे॒	सा
लै	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध			ध			ध					
म	ग	–	म	–	ध	म	सां	–	सां	–	सां
वे	ऽ	ऽ	स	ऽ	ब	बू	ऽ	ऽ	झ	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

नि						सां					
सां	–	सां	सां	सां	रें॒	नि	नि	रें॒	नि	ध	ध
श्या	ऽ	म	सुं	द	र	क	म	ल	नै	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

ध	ध					ध			ग		
म	म	ध	म	ग	–	म	–	ध	म	ग	–
ते	री	ऽ	क	हां	ऽ	रा	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ग											
रे॒	–	रे॒	ग	म	ध	म	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
सो	ऽ	च	स	कु	च	मु	स	ऽ	का	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

						सां			ध	ध	
ग	ग	–	मं	–	ध	नि	रें	नि	नि	मं	ध
मु	ख	ऽ	फे	ऽ	ऽ	रा	ऽऽ	त	म	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां			ध	नि		ध					
नि	रें	नि	नि	ध	–	मं	ध	मं	ग	रे॒	सा
नै	ऽऽ	न	क	हे	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	नि़										
	सा	नि़	रे॒	ग	मं	ग	रे॒	सा	सानि़	रे॒	सा
ऽ	गा	य	क	स	ब	मि	ल	बि	चाऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
		ध									
मं	–	मं	ध	–	रे॒	–	ग	–	ग	मं	ग
ले	ऽ	हो	ऽ	ऽ	या	ऽ	बा	ऽ	त	को	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे॒	ग	रे॒	सा	–	सा	म़	ध़	सा	–	सा	सा
सु	ध	अ	स्ता	ऽ	इ	सु	ध	अ	ऽ	च्छ	र
×		०		२		०		३		४	
						ध					
रे॒	–	रे॒	ग	–	ग	मं	ध	मं	ध	मं	ग
ता	ऽ	न	रा	ऽ	ग	की	ऽ	ऽ	सं	ग	त
×		०		२		०		३		४	

(ग)म	ग	रे	रे	म	ग	रे	सा	(नि)सा	रे	नि	ध
में	ऽ	ध	र	न	मु	र	न	सू	ऽ	द	र
×		०		२		०		३		४	

म	ध	सा	सा	सा	–	नि	रे	ग	सानि	रे	ध
त	ब	क	हि	ये	ऽ	वा	ऽ	ऽ	कोऽ	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

सा	सा
ऽ	गा
×	

अन्तरा.

ग	–	ग	(ध)म	–	ध	(ध)म	सां	–	सां	–	सां
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	का	ऽ	ऽ	व्य	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	

(सां)नि	रें	गं	रें	–	सां	(सां)नि	–	रें	नि	–	ध
धा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	अ	नू	ऽ	ऽ	भा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

(ध)म	नि	ध	म	ग	रे	–	(ग)म	ग	रे	–	सा
त	ब	धु	र	प	द	ऽ	ब	ऽ	ना	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

नि़	रे॒	ग	रे॒	–	सा	(सा) नि़	रे॒	ग	रे॒	सा	–
गा	ऽ	ऽ	वे	ऽ	सु	ना	ऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(सा) नि़	–	रे॒	ग	–	ग	(ध) म॑	ध	नि	ध	म॑	ग
ए	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जो	हो	ऽ	ऽ	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म॑	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	सा	(नि़) सा	रे॒	ध़	सा
श्रे	ऽ	ष्ठ	श्र	व	न	सु	ख	दा	ऽ	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा	सा										
क,	गा										
×											

मारवा–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

(नि़) सा	सा
कै	से

(नि़) सा	ध	–	(ध) म॑	–	–	ध	म॑	ग	–	रे॒	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
(सा) रे॒	ग	रे॒	ग	–	ग	म॑	ग	रे॒	–	सा	–	रे॒	सा
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नं	द	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	य	हां
×					२		०			३			

(ध़)म़ ध़ – सा –	सा –	(सा)नि़ रे॒ ग	रे॒ – – सा
स ब ऽ स ऽ	खी ऽ	य न ऽ	सों ऽ ऽ क
×	२	०	३
(सा)नि़ रे॒ – ग –	– म	ग रे॒ सा	सा रे॒ध़ सा सा
र त ऽ हैं ऽ	ऽ ऽ	प्या ऽ र	अ होऽ, कै से
×	२	०	३

अन्तरा.

म ध – सां –	– सां	– सां –	रें – सां –
ब्रि ज ऽ की ऽ	ऽ ना	ऽ री ऽ	स ऽ ब ऽ
×	२	०	३
(नि)सां नि रें गं रें	सां –	(नि)सां नि रें	नि – ध –
ब न ऽ ब ऽ	न ऽ	आ ऽ ऽ	ई ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
नि ध – (ध)म –	ग रे॒	म ग –	रे॒ – – सा
पि च ऽ का ऽ	ऽ ऽ	रि न ऽ	की ऽ ऽ प
×	२	०	३
(नि़)सा रें – नि ध	म ग	(रे॒)ग रे॒ सा	(नि़)सा रे॒ध़ सा सा
र त ऽ है ऽ	ऽ फु	हा ऽ र	अ होऽ, कै से
×	२	०	३

मारवा—धमार(विलम्बित).

स्थायी.

												सा	सा
												ह	म

(नि)सा	ध	–	मे	–	ध	–	मे	ग	–	रे	–	–	रे
आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	खे
×					२		०			३			
रे	ग	रे	ग	–		मे	ग	–	–	रे	–	सा	–
ल	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	न	ऽ	ऽ	स	ऽ	न	ऽ
×					२		०			३			
(ध)म	ध	–	(नि)सा	नि	रे	–	(रे)मे	ग	–	रे	–	सा	सा
उ	म्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ,	ह	म।
×					२		०			३			

अन्तरा.

(ध)मे	ध	–	सां	सां	सां	सां	सां	सां	–	(नि)सां	रें	सां	–
भ	र	ऽ	भ	र	रं	ग	स	ब	ऽ	ले	ऽ	हो	ऽ
×					२		०			३			
(रें)नि	–	रें	नि	ध	मे	नि	ध	मे	ग	(रे)ग	रे	सा	–
री	ऽ	क	र	त	अ	प	ने	ऽ	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
(ध)म	ध	–	(नि)सा	नि	रे	–	(रे)मे	ग	–	रे	–	सा	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ,	ह	म।
×					२		०			३			

राग काफी.

काफी रागो भुवनविदितः कोमलाभ्यां गनिभ्यां-
मन्यैस्तीव्रैः परममधुरः पंचमो वादिरूपः ॥
संवादी स्यात् स इह कतिचिद्वादिनं गं वदंति ।
सांद्रस्निग्धं सरसमतिभिर्गीयतेऽसौ निशायाम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ रिधौ तीव्रावुभौ नी पंचमोंऽशकः ।
यत्र षड्जस्तु सम्वादी काफी सा निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम गन्धार है मृदु तीवर हुँ निखाद ।
काफी सुन्दर राग है पस वादी सम्वाद ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मपौ धनी सनिधपा मगौ रिधौ ।
काफी पूर्णा भवेन्नित्यं पंचमांशसमन्विता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'काफी'—यह राग काफी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गंधार व निषाद कोमल हैं और शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं। इसका वादी स्वर पंचम व सम्वादी षड्ज है। कोई-कोई गुणिजन गन्धार और निषाद का सम्वाद मानते हैं। इस ग्रन्थ के लेखक को पहिला मत अधिक माननीय है। इस राग की जाति सम्पूर्ण-सम्पूर्ण है। गायन समय मध्यरात्रि का माना जाता है। कोई-कोई इसका गायन समय सायंकाल भी मानते हैं। सर्व साधारण में यह राग लोकप्रिय है। इसके आरोह में तीव्र गन्धार व तीव्र निषाद अनेक बार लगाये हुए दिखाई देते हैं। इन स्वरों के उचित प्रयोग से इस राग का वैचित्र्य बढ़ता है। किन्तु यह ध्यान रखना चाहिये कि तीव्र ग और तीव्र नि इस राग के नियमित स्वर नहीं हैं। कभी-कभी क्वचित कोमल धैवत लेकर भी चतुर गायक राग हानि नहीं होने देते, किन्तु यह प्रयोग गायक की कुशलता पर निर्भर है। इस राग की विशेषता **सा, ग, प, नि** इन स्वरों पर है। यह यावनिक राग बताया जाता है। साधारण श्रोतागण **"सासा, रेरे, गग, मम, प"** इस विशिष्ट स्वर समुदाय से तत्काल ही इस राग को पहिचान लेते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे ग, म, प, ध नि सां। सां नि ध, प, म ग, रे, सा।

पकड़ः—

सा सा, रे रे, ग ग, म म, प।

काफी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग॒	ग॒	रे	सा	रे	प	ऽ	म	प	ध
×		२			०		३		
ग॒	ग॒	रे	सा	रे	प	ऽ	म	प	प
×		२			०		३		
म	ध	नि॒	सां	नि॒	ध	म	प	ग॒	रे
×		२			०		३		
रे	ग॒	रे	म	ग॒	रे	सा	रे	नि़	सा
×		२			०		३		
नि॒	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	ग॒	रे।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म	म	प	नि	नि	सां	ऽ	प	नि	सां
×		२			०		३		
रें	ग॒ं	रें	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध	ध
×		२			०		३		
प	रें	सां	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध	ध
×		२			०		३		
सां	ऽ	नि॒	ध	म	प	ध	ग॒	ग॒	रे
×		२			०		३		
रे	ग॒	रे	म	ग॒	रे	सा	रे	नि़	सा
×		२			०		३		
नि॒	ध	सां	नि॒	ध	म	प	ध	ग॒	रे।
×		२			०		३		

काफ़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

		म				म					
पध	मप	ग	—	रेसा	रे	ग	—	म	प	—	प
गुऽ	निऽ	गा	ऽ	वऽ	त	का	ऽ	फि	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	
नि	सां					म					
सां	रें	सां	नि	ध	प	ग	—	रे	सा	रे	सा
ख	र	ह	र	प्रि	य	मे	ऽ	ल	ज	नि	त
०		३		४		×		०		२	
नि				म							
सा	—	रे	रे	ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
सां											
नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

अन्तरा.

प											
म	म	म	प	नि	—	सां	नि	सां	—	सां	सां
स	र	ल	स	रू	ऽ	प	वि	प	ऽ	शिच	त
०		३		४		×		०		२	

नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
मा	ऽ	न	त	स	ब	सु	ध	अ	वि	क	ल
०		३		४		×		०		२	
प		ध				म					
सां	—	नि	ध	म	प	ग	ग	रे	सा	रे	नि
आ	ऽ	अ	य	गु	नि	च	तु	र	क	ह	त
०		३		४		×		०		२	
				म							
सा	—	रे	रे	ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ ।
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

काफी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

												प	
												ध	प
												का	हे
												०	
म			सा	म						नि	सां		
ग	ग	रे	रे	ग	—	—	प	—	प	सां	रें		
छें	ड़ो	मो	हे	हो	ऽ	ऽ	श्या	ऽ	म	ब	हु		
३		४		×		०		२		०			

सां	नि॒	ध	प	(म)ग॒	ग॒	रे	सा	रे	नि़	सा	–
त	ह	सि	न	क	रो	तु	म	अ	ब	सा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	रे	(म)ग॒	ग॒	म	म	प	प	ध	ध	नि	नि
स	न	न	द	सु	न	जो	पा	व	त	तु	में
३		४		×		०		२		०	
सां	–	निसां	रेंनि॒	ध	–	म	प	म	प	पध	मप
दे	ऽ	गीऽ	ऽऽ	गा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म	काऽ	हेऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	म	म	प	नि	नि	सां	नि	सां	नि	सां	सां
अ	प	नि	क	र	त	क	छु	न	सु	न	त
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	रें	गं॒	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
रो	ऽ	क	त	नि	त	ड	ग	र	च	ल	त
०		३		४		×		०		२	
सां	–	(ध)नि॒	ध	म	प	(म)ग॒	–	रे	सा	रे	सा
नी	ऽ	ल	ज	ठ	ठु	रा	ऽ	इ	क	र	त
०		३		४		×		०		२	
(नि़)सा	–	रे	रे	(म)ग॒	ग॒						
सा	ऽ	स	न	न	द						
०		३		४							

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	
म	प
जि	न

रे सा (ग॒ पर)			ग (म पर)
ग म ग॒ रे	रे ग म म	प प ध प	म ग म प
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा रि मो रि	बा त, जि न
०	३	×	२
रे सा (ग॒ पर)			ग (म पर)
ग म ग॒ रे	रे ग म म	प प – –	– – म ग
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा री ऽ ऽ	ऽ ऽ अ ब
०	३	×	२
			ग (म पर) ग (म पर)
म नि॒ ध नि॒	ध प ध म	प प ध प	म ग म प
सा ऽ स सु	ने गि दे गि	गा रि ह म	हा रि, जि न
०	३	×	२

अन्तरा.

			सां सां
म म प ध	नि – सां सां	नि नि सां सां	नि॒ नि॒ ध प
गि रि कै ऽ	ला ऽ स को	बा स ह म	छां ऽ ड्यो ऽ
०	३	×	२

	सां⌒		ग ग
नि नि सां सां	ध सां नि॒ नि॒	ध प ध प	म ग म प
ह म अ ब	ला ऽ अ ति	बा रि भि जि	सा री, जि न
०	३	×	२

संचारी.

		म	म
सां नि॒ ध सां	नि॒ ध म प	ग॒ – रे म	ग॒ – रे सा
ड म क ड	म क ड म	रू ऽ ग त	बा ऽ ज त
०	३	×	२
नि़ सा रे –	रे ग म म	प प ध म	प प – –
म त सं ऽ	गी ऽ त बि	चा रि त त	का री ऽ ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

			सां सां
म म प ध	नि नि सां सां	नि नि सां –	नि॒ नि॒ ध प
ह र रं ग	क हा क हुँ	अ ब मैं ऽ	तो ऽ सों ऽ
०	३	×	२
			ग ग
नि नि सां सां	(निसां) रें सां नि॒	ध प ध प	म ग म प
अ न गि न	(देऽ) ऽ ॐ मैं	गा रि दे दे	ता रि, जि न
०	३	×	२

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			ग म क
	प (३)	म (१) सा (४)	
ग ग म प	ध प ग म	ग॒ ग॒ रे रे	प — — ग
द र पि या	नै या मो रि	कै से ला गे	पा र् ऽ तु
२	०	३	×
	ध (४)		
म ध नि॒ सां	रें नि॒ — नि॒	ध प ध म	प — — म
खे व ट अ	ना ड़ी ऽ हुँ	ठा ड़ि म झ	धा र् ऽ क
२	०	३	×

अन्तरा.

	सां (१)	मं (२)	
(म) — म प	नि — सां —	(सांरें) गं॒ रें सां	रें नि सां —
ना ऽ मो रे	नै ऽ या ऽ	(नाऽ) ऽ रे खि	वै ऽ या ऽ
०	३	×	२
सां (१)	रें (२)		
नि — सां सां	(निसां) नि॒ ध म	प — — ग	म ध नि सां
आ ऽ न प	(ड़ीऽ) ऽ म झ	धा र् ऽ क	द र पि या
०	३	×	२
	म (१) सा (४)	ग (४)	
नि॒ ध म प	ग॒ ग॒ रे रे	प — — म	
नै या मो रि	कै से ला गे	पा र् ऽ क	
०	३	×	

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सा नि
छां ड़ो

सा	रे	रे	(ग)	–	म	–	म	प	–	प	म	प	ध	नि	सां
छां	ड़ो	छै	ला	ऽ	मो	ऽ	रि	बैं	ऽ	यां	दु	ख	त	मो	रि
०				३				×				२			
								सा						ध	
नि	धप	म	प	(ग)	–	रे	–	रे	नि	ध	नि	प	ध	म	प
न	रऽ	म	क	ला	ऽ	ई	ऽ	कै	से	तु	म	कै	से	तु	म
०				३				×				२			
प		ध													
ग	म	प	ग	म	म	सा	नि	सा	ग	रे	म	ग	रे	सा	नि
नि	ड	र	ला	ऽ	ल	म	ग	रो	क	त	प	रा	ई,	छां	ड़ो
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग				सां				गं							
म	म	म	प	नि	नि	सां	–सां	रें	रेंगं	रें	सां	रें	नि	सां	–सां
कै	से	तु	म	म	हा	रा	ऽज	आ	वऽ	त	न	तो	को	ला	ऽज
×				२				०				३			

(ध)प रें सां रें	(रें)नि नि सां ‿सां	प ध प नि॒	ध प सा नि़
जा नो ना कं	सा को रा ऽज	प क ड़ मं	गा वे वा की
×	२	०	३
सा ग॒ रे म	ग॒ रे सा नि॒		
फि र त दु	हा ई, छां ड़ो		
×	२		

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सां नि सां	(ध)नि॒ नि॒ध म प	(सां)नि सां — सां	नि रें सां रें
ऽ आ ऽ ज	म नऽ ब स	ग ई ऽ सां	ऽ व रे कि
०	३	×	२
(रें)नि सां नि॒ ध	प ध नि सां	प नि॒ ध प	(म)ग॒ — रे म
सु र ति या	प्या रि प्या रि	स खि रि क	हा ऽ क हुँ
०	३	×	२
(म)ग॒ — रे सा	म नि॒ प ध	म प नि सां	(मं)गं॒ रें — मं
तो ऽ से ऽ	अ प ने जि	या कि बी ति	आ ली ऽ री
०	३	×	२
(मं)गं॒ रें सां रें	नि सां — (सां)रें	सां नि॒ ध प	म ग॒ रे सा
बा हु के बि	न दे ऽ खे	क ल न प	र त मो को
०	३	×	२

अन्तरा

प		मं	
नि प – ध	म प नि सां	ग रें – मं	ग रें सां –
हा हा ऽ क	र त तो रे	पैं यां ऽ प	र त हूँ ऽ
३	×	२	०
	प	म	
सां – रें रें	सां – नि प	ग – रे म	ग रे सा –
जो ऽ पि या	आ ऽ न मि	ले ऽ मो रि	स ज नी ऽ
३	×	२	०
नि सा	प	म	सा सां
सा रें सां –	नि प म प	ग ग रे सा	सां – रें
मैं तो चे ऽ	री स न द्	भ इ ते रि	ऽ आ ऽ ज
३	×	२	०
नि	सां		
सां नि म प	नि सां – सां		
म न ब स	ग ई ऽ सां		
३	×		

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प
स खी

			रे
म ग म रे	रे ग सा रे	प – प म	ग ग म प
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ र सो	ऽ र स खी
०	३	×	२

म ग म रे	रे ग सा रे	प – – प	ग रे रे –
अ ब कै सो	क र त हैं	मो ऽ ऽ र	औ र बो ऽ
०	३	×	२
			रे
म रे सा सा	सा – सा –	म ग ग म	ग ग म प
ल त हैं प	पी ऽ हा ऽ	जो ऽ र जो	ऽ र, स खी
०	३	×	२

अन्तरा.

म म म –	प प नि –	सां – सां सां	नि ध – ध
सु न को ऽ	य ल की ऽ	कू ऽ क जि	या ऽ ऽ में
०	३	×	२
नि – ध ध	नि ध नि प	म ध ध ध	– ध ध नि
हू ऽ क उ	ठ त है ऽ	क द र ओ	ऽ र कै से
०	३	×	२
नि ध प –	प – ध प	म ग ग म	गरेगरे ग म प
जै ऽ यूं ऽ	ना ऽ हीं ऽ	हो व त भो	ऽऽऽऽ र, स खी।
०	३	×	२

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे			
म ग म प	म ग म ग	म रे – ग	म म प –
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	हीं छै ऽ ल	बं ग री ऽ
२	०	३	×

म ग^{रे} म प	म ग म –	प नि सां रें	नि सां नि॒ ध
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	बि न ति क	र त मो हे
२	०	३	×
नि॒ ध नि॒ प	– प म ग	म रे – ग॒	म म प –
गु ज री रै	ऽ न स ग	री छै ऽ ल	बं ग री ऽ
२	०	३	×

अन्तरा.

प प प प	नि – नि नि	सां – सां –	पनि सांरें निसां रेंरें
क द र पि	या ऽ जो मैं	ऐ ऽ सो ऽ	जाऽ ऽऽ न्तीऽ ऽऽ
३	×	२	०
सांनि॒ धप – –	प नि – सां	(नि)सां नि॒ – ध	नि॒ ध नि॒ (ध)प
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ	आ ती ऽ का	हे को ऽ मैं	तो री न ग
३	×	२	०
म रे – ग	म म प –		
री छै ऽ ल	बं ग री ऽ		
३	×		

काफी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			म
			मु

रे	ग	रे	रे
ग ग म प	म ग म म	रे ग॒ सा रे	प – ध प
कीं ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
२	०	३	×
रे		रे	रे
मग ग म प	म ग म म	रे ग॒ सा रे	प – प प
कींऽ ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
२	०	३	×
म ग म प	म ग म म		
कीं ऽ के क	ला ई क्युं मु		
२	०		

अन्तरा.

प	म ग म मग	म नि॒ ध नि॒	ध – प ध
मु	कीं ऽ के फिर	नै ऽ न मि	ला ऽ व त
	२	०	३
नि॒ सां नि॒ ध	प – ध प	म ग म म	रे ग॒ रे रे
हँ स हँ स	बा ऽ त क	र त ऐ सो	नि प ट ढी
×	२	०	३

ग़ रे सा रे	नि़ सा सा, निनि	नि नि सां सां	नि़ ध नि़ ध
ऽ ट क द	र पि या, चलो	ह टो जा ओ	छां डो मो री
×	२	०	३
	रे		
प – ध प	मग ग म प		
गै ऽ ल मु	कोऽ ऽ के क		
×	२		

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि़
र हि

सा रे – ग	म म प –	ध प म ग़	रे सा, रे नि़
हे कै ऽ से	बि जु री ऽ	च म क च	म क र ही
०	३	×	२
सा रे – ग	म म प –		
हे कै ऽ से	बि जु री ऽ		
०	३		

अन्तरा.

म म म प	नि नि नि नि	सां सां रें नि	सां – सां –
ग र ज ग	र ज बा दल	ब र स न	ला ऽ गे ऽ
०	३	×	२

प	रें	सां	रें	|	नि	सां	नि॒	ध	|	नि॒	ध	नि॒	प	|	ध	प	म	ग
क	द्	र	क	|	र	त	मो	रा	|	जि	या	ध	क	|	ध	क	र	हि।
०					३					×					२			
म	रे	–	ग	|	म	म	प	–	|					|				
है	कै	ऽ	से	|	बि	जु	री	ऽ	|					|				
०					३													

काफी (सिंधुरा) –त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

					म								म				सा ग॒	
	रे	–	रे	|	ग॒	रेग॒	म	म	|	प	प	–	ग	|	म	ग॒	रेरेमम	गरेनि॒सा
ऽ	जा	ऽ	ने	|	दो	ऽऽ	मो	हे	|	छो	रो	ऽ	पि	|	य	रु	वाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
०					३					×					२			

अन्तरा.

म	म	प	प	|	नि	–	सां	सां	|	सां	–	रें	नि	|	सां	सां	सांनि॒ध	नि॒प
क	द्	र	पि	|	या	ऽ	तु	म्हें	|	ला	ऽ	ज	न	|	ड	र	हैऽऽ	ऽऽ
०					३					×					२			
प	नि	नि	नि	|	सां	सां	नि॒	ध	|	नि॒	ध	नि॒	प	|	म	प	मपमपधनि॒धप	मग॒रेसानि॒सा
इ	त	ने	लो	|	ग	न	में	ल	|	गा	य	ले	त	|	ग	र	वाऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ
०					३					×					२			

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	रे	–	ग	म	–	प	–	ग	म	ध	–	निध	नि	ध	प
मैं	वा	ऽ	री	सैं	ऽ	या	ऽ	औ	र	वा	ऽ	रूऽ	ऽ	त	न
३				×				२				०			
ध	प	म	ग	रे	ग	रे	सा	ग	ग	म	–	साग	मप	म	ग
म	न	ध	न	स	ब	ही	ऽ	तु	म	रे	ऽ	काऽ	ऽऽ	र	न।
३				×				२				०			
म	रे	–	ग												
मैं	वा	ऽ	री												
३															

अन्तरा.

म	म	प	–	नि	–	नि	नि	सां	सां	रें	नि	सां	–	सां	सां
त	न	से	ऽ	जो	ऽ	ग	न	म	न	से	बि	यो	ऽ	ग	न
२				०				३				×			
नि	ध	ध	ध	नि	–	ध	प	ध	म	प	प	नि	–	सां	सां
ह	म	तु	म	रे	ऽ	बि	न	क	द	र	पि	या	ऽ	तु	म
२				०				३				×			
रें	रेंगं	रें	सां	रें	नि	सां	–	प	नि	सां	निसां	नि	ध	प	ध
जु	गऽ	जु	ग	जी	ऽ	ओ	ऽ	क	र	लूं	ऽऽ	नै	ऽ	ऽ	न
२				०				३				×			
नि	निसां	नि	ध	नि	प	म	ग	म	रे	–	ग				
भ	रऽ	क	र	द	र	श	न	मैं	वा	ऽ	री				
२				०				३							

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प म ग	म रे रे ग	सा रे प –	ध प मग रेग
पि या झु म	झु म मो हे	निं दि या ऽ	आ ई रेऽ ऽऽ
२	०	३	×
म प म ग	म रे रे ग	सा रे प –	ध प म ग
पि या झु म	झु म मो हे	निं दि या ऽ	आ ई रे लो
२	०	३	×
म ध ध ध	नि सां नि ध	प – ध प	मपध प म ग
भो भये आ ये	जा ओ ज हां	रैं ऽ न ग	वांऽऽ ई रे ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

म म प प	नि नि सां सां	नि ध ध सां	नि ध प –
क र के धि	टा ई क दर	बि न ति क	र त हो ऽ
३	×	२	०
नि सां नि ध	प – ध –	म म ध –	ध ध ध ध
ये भी च तु	रा ऽ ई ऽ	अ ब का ऽ	ज य्ये मो रे
३	×	२	०
नि सां निध प	मपध प म ग		
जि या सेऽ बु	राऽऽ ई रे ऽ		
३	×		

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														प	म
														त	न
नि	प	म ग	रे	ग	रे	सा	रे	प	–	–	–	–	–	गम	रेग
दे	रे	ना	ऽ	ऽ	दा	ऽ	न्नि	दी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म्तऽ	नऽ
०				३				×				२			
म	निनि	धध	नि	पप	धध	सां	(सां)	नि	ध	प	प	ध	म	प	प
ना	दिर	दिर	तुं	दिर	दिर	त	न	दे	रे	ना	त	दे	रे	दा	नि
०				३				×				२			
नि	प	म ग	रे												
दे	रे	ना	ऽ												
०															

अन्तरा.

	ग	म	ध	ध	नि	सां	–	निसां	ध	निनि	सां	ध नि	ध	प	–
ऽ	ख	ऽ	ल्के	मे	ऽ	गो	ऽ	ऽऽ	य	ऽद्द	के	खू	ऽ	स्रो	ऽ
०				३				×				२			
ग	ग	म	ध	ध	नि	सां	–	निसां	ध	नि	सां	नि	ध	प	–प
ऽ	बु	ऽ	तुप	र	ऽ	स्ती	ऽ	ऽऽ	मे	ऽ	कु	न	ऽ	ऽ	ऽद्द
०				३				×				२			

ग	ग	म	ध	ध	नि	सां	–	निसां	ध	नि	सां	नि	ध	प	–
ऽ	आ	ऽ	रे	आ	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	मे	ऽ	कु	न	ऽ	द्वा	ऽ
०				३				×				२			
	ग	म	ध	ध	नि	सां	–	निसां	ध	नि	सां	निध	प	म	ग
ऽ	ख	ऽ	ल्के	मा	ऽ	रा	ऽ	ऽऽ	का	ऽ	र	नेऽ	ऽ	स्त	न
०				३				×				२			
म	निनि	धध	नि	स्थायी अनुसार											
ना	दिर	दिर	तुं												
०															

काफी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) नि़	सा	रे	ग	(सा) रे	(ग) रे	मरे	म	प	म
सौ	ऽ	त	ऽ	न	के	ऽऽ	सं	ऽ	ग
×		२			०		३		
प	–	–	–	ध	सां	नि	ध	–	प
ला	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	री
×		२			०		३		
(म) ग	–	म	नि	प	(म) ग	–	(ग) रे	नि़	सा
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

(प)म	–	प	–	ध	नि	सां	(नि)सां	–	सां
हं	ऽ	स	ऽ	न	की	ऽ	ग	ऽ	ति
×		२			०		३		
रें	(मं)गं	रें	–	सां	रें	नि	सां	–	–
हं	ऽ	स	ऽ	हि	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(सां)नि	–	सां	–	रें	सां	नि	ध	म	–
को	ऽ	ई	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
प	–	–	–	ध	सां	नि	ध	–	प
का	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	तें	ऽ	रि
×		२			०		३		
(म)ग	–	म	नि	प	(म)ग	–	(ग)रे	नि	सा
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

काफी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)सा	रे	(सा)रे	(म)ग	रे	(सा)रे	प	–	ध	(म)ग	–	रे
आ	ऽ	ये	री	मे	रे	धा	ऽ	म	श्या	ऽ	म
•		३		४		×		०		२	

रे						म					
म	ग॒	सा	रे	नि़	सा	रे	म	प	ध	नि॒	सां
कुं	व	र	क्रू	ऽ	ष्ण	उ	न	के	च	र	न
०		३		४		×		०		२	

				म		रे	म		सा		
नि॒	ध	म	प	ग॒	रे	प	ग॒	—	रे	नि़	सा
नै	ऽ	न	न	सों	ऽ	प	र	ऽ	सों	ऽ	ऽ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

								सां		सां	
म	—	प	ध	नि	सां	सां	सां	नि	सां	मं	ग॒ं
बं	ऽ	सी	ऽ	ब	ट	त	र	क	र	बं	ऽ
×		०		२		०		३		'	

				मं							
रें	सां	नि॒	ध	ग॒ं	मं	पं	मं	ग॒ं	रें	सां	—
सी	ऽ	लि	ये	सा	ऽ	ज	न	ट	व	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि॒				रें							प
ध	—	नि॒	रें	नि	सां	धनि॒	धप	म	ग	मग	म
सा	ऽ	जे	री	ऽ	ऽ	ओऽ	ढऽ	पि	य	रोऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म									म		सा
ग॒	रे	—	रे	रें	रें		सा	रे	ग॒	रे	रे
प	ट	ऽ	धा	ऽ	य	ऽ	आ	ये	री	मे	रे
×		०		२		०		३		४	

काफी–चौताल (विलंबित).

स्थायी.

नि़		सा	म		सा					म	
सा	रे	रे	ग॒	रे	रे	प	–	ध	ग॒	–	रे
जा	ऽ	गे	मे	ऽ	रे	भा	ऽ	ग	आ	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
म						म					
रे	ग॒	सा	रे	नि़	सा	रे	म	प	ध	नि॒	सां
श्या	ऽ	म	सुं	द	र	क	म	ल	न	य	न
०		३		४		×		०		२	
			म			रे	म		सा		
नि॒	–	धन	ग॒	–	रे	प	ग॒	–	रे	नि़	सा
आ	ऽ	नऽ	ठा	ऽ	ड़े	मे	रे	ऽ	द्वा	ऽ	र।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

						सां					
म	म	म	म	प	ध	नि	–	सां	नि	सां	सां
त	न	म	न	ध	न	नौ	ऽ	छा	ऽ	व	र
×		०		२		०		३		४	
						सां					प
नि	सां	रें	गं॒	रें	सां	नि	सां	सां	नि॒	ध	ध
क	रि	हों	ऽ	मैं	ऽ	प	रि	हों	पैं	ऽ	यां
×		०		२		०		३		४	

						म			रे		
सां	–	नि	ध	म	पध	ग	–	रे	नि	सा	सा
लै	ऽ	ऽ	हों	ऽ	बऽ	लै	ऽ	यां	आ	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
नि											
सा	रें	रें	रे	नि	सां						
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र						
×		०		२							

काफ़ी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

					सा	रे	म				
सा	–	सा	रे	–	रे	प	ग	म	ग	रे	रे
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	मे	रे	ऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	
			म							प	
सा	–	सा	रे	म	म	प	–	प	प	ध	म
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	सूं	ऽ	द	र	स	ब
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांनि	–	ध	प	म
मि	ल	सु	जा	ऽ	न	आ	ऽऽ	ऽ	नं	द	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	म						म		म		
प	ग	–	रे	म	म	प	ग	मग	ग	रे	रे
ऽ	क	ऽ	रो	ऽ	ई	मे	रे	ऽऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

						सां					
	म	म	प	—	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
ऽ	आ	ज	मो	ऽ	रे	पि	या	ऽ	पे	ऽ	मैं
×		०		२		०		३		४	
						नि					
	नि	—	सां	—	सां	सां	सांनि	—	ध	प	—
ऽ	वा	ऽ	रूँ	ऽ	गी	जी	येऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	—	रें	सां	सांनि	—	ध	प	म
स	म	झ	सो	ऽ	च	हूँ	साऽ	ऽ	य	ने	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	म		म				म				
प	ग॒	—	रे	म	म	प	ग॒	म	ग॒	रे	रे
ह	ल	ऽ	गा	ऽ	ई	मे	रे	ऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

काफी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग			म		सा						
म	नि॒	प	ग॒	रे	रे	प	—	—	प	नि॒	म
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०		२	

			म		सा						प
म	नि	प	ग	रे	रे	प	—	—	प	—	ध
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०		२	
									म		
म	म	प	नि	सां	रें	सां	नि	प	ग	—	रे
ऽ	आ	ये	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ग	ना	ऽ	थ
०		३		४		×		०		२	
					नि						
—	म	प	नि	सां	सां	रें	सां	नि	प	सां	नि
ऽ	की	नी	मो	से	ऽ	र	स	की	बा	ऽ	त।
०		३		४		×		०		२	
			म		सा						
म	नि	प	ग	रे	रे						
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ						
०		३		४							

अन्तरा.

प											
ध	म	—	प	—	ध	नि	सां	—	नि	सां	सां
अ	चा	ऽ	न	ऽ	क	आ	ये	ऽ	ऐ	ऽ	से
×		०		२		०		३		४	
	नि	नि	सां	—	रें	सां	सांनि	—	ध	—	प
ऽ	ह	र	को	ऽ	मि	ले	ऽऽ	ऽ	कै	ऽ	से
×		०		२		०		३		४	

			मं								
प	रें	रें	रें	मं	रें	सां	नि̱	प	नि	सां	–
छां	ऽ	ड़	दे	ऽ	रि	मे	ऽ	रि	आ	ली	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						प			म		सा
रें	सां	नि̱	प	सां	नि̱	म	नि̱	प	ग̱	रे	रे
अ	प	नो	घा	ऽ	त	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

									नि̱		
ध	म	–	प	–	ध	नि̱	–	सां	सांनि̱	ध	प
जि	या	ऽ	में	ऽ	आ	नं	ऽ	द	भऽ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांनि̱	–	ध	प	–
ऽ	त	न	की	ऽ	त	प	तऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	म					म		ग̱			
ग̱	ग̱	–	म	–	प	ग̱	–	म	ग̱	रे	सा
घ	र	ऽ	में	ऽ	सु	हा	ऽ	यो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म	–	प	–	ध	नि	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	आ	ऽ	न	ऽ	जी	व	न	ऽ	बि	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

–	नि	–	सां	–	सां	नि	प	सां	नि	ध	प
ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	स	रे	ऽ	गो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	
									सां		
प	रें	–	रें	मं	रें	सां	नि	प	नि	सां	सां
क	दी	ऽ	ना	ऽ	हिं	ळां	ऽ	डुं	क्रु	ऽ	ष्णा
×		०		२		०		३		४	
											ग्मा
रें	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	रे	रे
ति	हा	रो	सा	ऽ	थ	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

						सा	म						
सा	सा	–	रे	–	रे	रे	ग	–	–	म	–	–	म
ब्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
प	–	–	प	–	ध	प	म	ग	–	म	ग	(म)	–
चा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

अन्तरा.

प	प	–	रें	–	–	–	रें	रें	–	गं	रें	गं	–
इ	त	ऽ	सों	ऽ	ऽ	ऽ	नि	क	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां	रें	–	नि	–	नि	–	सां	सां	–	रें	–	[मं]गं	–
कुं	व	ऽ	रि	ऽ	रा	ऽ	ऽ	धि	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	–	सां	–	नि	–	ध	[ध]म	–	प	–	–	ध
उ	त	ऽ	सौं	ऽ	ऽ	ऽ	कुं	व	ऽ	र	ऽ	ऽ	क
×			२				०			३			
[सां]नि	–	–	[ध]नि	–	रें	–	सां	–	–	–	–	–	–
न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
[ग]म	–	–	ग	–	–	[रे]ग	म	–	–	प	–	–	ध
खे	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	त	फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	प
×			२				०			३			
सां	–	नि	ध	–	–	म	[ध]प	ध	–	(म)	–	ग	–
र	ऽ	ऽ	स्प	ऽ	ऽ	र	हि	ल	ऽ	मी	ऽ	ले	ऽ
×			२				०			३			
[सां]नि	–	–	सां	–	नि	–	सां	सां	–	[सां]नि	–	सां	रें
सो	ऽ	ऽ	सु	ऽ	ख	ऽ	ब	र	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न
×			२				०			३			
सां	नि	–	ध	–	–	प	ध	प	–	प	–	म	ग
जा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	सो	घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ
×			२				०			३			

प							ध						
म	म	नि̲	ध	–	नि̲	ध	प	ध	प	म	ग	(म)	–
ब	ज	ऽ	त	ऽ	ऽ	ब	धा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				•			३			
						सा							
सा	सा	–	रे	–	रे	रे							
ब्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि							
×			२										

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

							म						
सा	नि़	सा	रे	ग̲	सा	रे	ग̲	रे	ग̲	म	–	प	म
अ	ब	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ	टे	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	ह
×			२				०			३			
प	–	–	प	–	–	प	–	प	–	म	ग	म	–
मा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	–	नि̲	ध	नि̲	ध	प	म	ग	–	म	ग	(म)	–
खो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	धा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

प	–	–	रें	–	रें	–	–	रें	–	गं	रें	गं	–
ॐ	ऽ	ऽ	मी	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	–	नि	–	नि	–	सां	सां	–	रें	–	मं गं	–
खी	ऽ	ऽ	अ	ऽ	र	ऽ	जु	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	–	सां	–	नि	–	ध	म	–	प	–	–	ध
भा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	त	ऽ	जु	ऽ	ऽ	द्ध	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
सां नि	–	–	ध नि	–	रें	–	सां	–	–	–	–	–	–
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	–	–	ग	–	–	रें ग	म	–	–	प	–	ध	–
सा	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	थि	हो	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	सां	–	नि	–	ध	म	प	ध	–	(म)	–	ग	–
र	थ	ऽ	कां	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	क्यो	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां नि	–	–	सां	–	–	नि	सां	सां	–	सां	–	रें	–
च	ऽ	ऽ	क्र	ऽ	ऽ	सु	द	र	ऽ	श	ऽ	न	ऽ
×			२				०			३			

सां	नि॒	—	ध	—	नि॒	प	प	प	—	म	ग	म	—
धा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	भ	क्त	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
							ध						
म	—	नि॒	ध	—	नि॒	प	प	ध	—	म	ग	(म)	—
टे	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

नि॒
नि

							म			म			
सा	—	नि॒सा	रे	—	—,	रे	ग॒	रे	—	ग॒	सा	—,	रे
का	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ,	नि	रा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ,	अ
०			३				×			२			
							म						
म	म	—	मप	मप	ध	प	ग॒	—	रेग॒	रे	—	—,	नि॒
ल	ग	ऽ	सऽ	ऽऽ	ऽ	से	रं	ऽ	ऽऽ	ग	ऽ	ऽ,	जो
०			३				×			२			
							म			म			
सा	—	—	रे	—	—	रे	ग॒	रे	—	ग॒	सा	—,	रे
है	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ऽ	त	जी	ऽ	ऽ	स्की	ऽ	ऽ,	उ
०			३				×			२			

								म						
म	—	—	मप	मप	ध	प	ग	रे	ग	रे	—	—	—
सी	ऽ	ऽ	केऽ	ऽऽ	ऽ	है	सं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
०			३				×			२			

अन्तरा.

म
को

म	—	—	प	—	—	ध	नि	—	—	सां	—	—	नि
ई	ऽ	ऽ	कू	ऽ	ऽ	छ	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	न
०			३				×			२			
									नि				
नि	—	—	सां	—	—	सां	सां	—	सां	नि	ध	नि	प
हीं	ऽ	ऽ	मो	ऽ	ऽ	हे	भा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
०			३				×			२			
									नि				
प	नि	नि	नि	नि	सां	—	सां	—	सां	नि	ध	नि	प
क	द	र	तु	म	री	ऽ	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	का
०			३				×			२			
							म			रे			
	म	म	मप	मप	ध	प	ग	रे	ग	सा	—	—,	नि
ऽ	ज	म	जाऽ	ऽऽ	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ,	नि।
०			३				×			२			

काफी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

म			सा								म		
ग	ग	रे	रे	प	–	–	ध	म	प	ध	ग	ग	–
ए	रि	ए	मैं	कौ	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ज	त	न	ऽ
३				×					२		०		
				म									
रे	–	–	–	ग	रे	–	म	–	ग	रे	सा	रे	–
सों	ऽ	ऽ	ऽ	खो	ऽ	ऽ	लौं	ऽ	मो	रे	ऽ	पी	ऽ
३				×					२		०		
				नि़ सा							म		
नि़	सा	सा	–	सा	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	–	रे
या	ऽ	के	ऽ	म	न	में	ऽ	ऽ	प	रि	गां	ऽ	ठ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

प							सां						
म	म	–	प	–	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां	–
स	ब	ऽ	स	ऽ	ऽ	खि	यां	ऽ	ऽ	मि	ऽ	ली	ऽ
×					२		०			३			
	मं		सां										
रें	गं	–	रें	–	सां	–	रें	नि	–	सां	–	–	–
ब	न	ऽ	ब	ऽ	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
सां										सां			
नि	–	–	सां	–	नि	सां	नि	ध	–	ध	नि	प	ध
मैं	ऽ	ऽ	बै	ऽ	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	ख।
×					२		०			३			

							म			म			सा
सां	नि	–	ध	म	प	ध	ग	रे	–	ग	ग	रे	रे
घो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लौं	ऽ	ऽ	ए	रिं	ए	मैं
×					२		०			३			

काफी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सां
सुं

सां							नि			नि			
नि	सां	–	सां	–	सां	–	सां	नि	–	ध	–	म	–
द	र	ऽ	ते	ऽ	रे	ऽ	मु	ख	ऽ	सें	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			

			ध										
प	–	–	प	ध	सां	–	सां	नि	–	–	–	ध	प
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	हे
×					२		०			३			

म								रे					सां
ग	रे	ग	म	–	–	ग	रे	नि	सा	सा	–	–	नि
प्या	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ल	ग	त	ऽ	है	ऽ	ऽ,	सुं
×					२		०			३			

अन्तरा.

				सां						सां	मं		
	म	प	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें	रें	गं	रें	गं
ऽ	बे	स	र	की	ऽ	ऽ	मो	ति	य	न	की	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

सां				सां सां सां						सां				
रें	नि	सां	–	नि नि नि			सां	–		रें	सां	नि̱	–
झ	ल	क	ऽ	चं	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	की	च	म	ऽ
३				×					२		०		
		ध		ध					म		म		
ध	–	प	ध	सां	–	नि̱	ध	म	ध	प	ग̱	–	–
क	ऽ	अ	ति	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	त	न्या	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
सा		सां											
रे	नि̣	सा	नि										
ऽ	ऽ	री,	सुं										
३													

राग आसावरी.

रागिण्यासावरीयं मृदुगमधनिभिस्तीव्रकेणर्षभेण ।
संपन्नारोहणे या खलु गनिरहिता चावरोहे तु पूर्णा ॥
वादी स्याद्धैवतोऽस्यां श्रुतिरुचिरतरो गश्च संवाद्यभीष्टो ।
विष्वक्तानप्रसारैर्मृदुमधुरगलैर्गीयते संगवे सा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ धनी चैव तीव्रस्तु ऋषभो धगौ ।
वादिसंवादिनौ यस्यां साऽसावर्यपि संगवे ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल गमधनि तीव्ररिखब चढत गनी न सुहाइ ।
धग वादीसम्वादि तें आसावरी कहाइ ॥

चन्द्रिकासार ।

रिमौ पनी धपौ धमौ निधौ पमौ पगौ रिसौ ।
धांशाऽऽरोहेगनित्यक्ताऽऽसावरी संगवे मता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'आसावरी'—यह राग आसावरी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गन्धार, धैवत व निषाद स्वर कोमल लगते हैं और शेष सब स्वर शुद्ध हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है। इसका वादी स्वर धैवत और सम्वादी गांधार है। गायन समय दिन का दूसरा प्रहर है। आरोह में गान्धार व निषाद वर्ज्य करते हैं और अवरोह सम्पूर्ण है, अर्थात् इसकी जाति औडुव-सम्पूर्ण है। इस राग से मिलते-जुलते दूसरे राग **जौनपुरी व गांधारी** हैं, वे आगे बताये जांयगे। उत्तर भारत की ओर आसावरी में कोमल रिषभ लेने की प्रथा है, किन्तु अपनी ओर (दक्षिण) के ख्याल गायक इसमें तीव्र (शुद्ध) रिषभ ही लगाते हैं। इस पुस्तक में यह दोनों ही प्रकार दिये गये हैं और दोनों ही मधुर हैं। जलद तानों में कोमल रिषभ लगाने से गायकों को कुछ असुविधा होती है, इसीलिये संभवत: तीव्र रिषभ लेने का व्यवहार पड़ गया, ऐसा प्रतीत होता है। इस राग की विशेषता गान्धार पंचम व धैवत, इन स्वरों पर अवलम्बित है। यह राग अवरोह में स्पष्ट होता है।

आरोहावरोह स्वरूप:—

सा, रे म प, ध, सां। सां नि ध, प, म ग, रे, सा।

पकड़:—

रे, म, प, नि ध प।



आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ऽ	म	प	नि	(नि)ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	(म)ग	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	(म)ग	ऽ	म	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प	ऽ	(नि)ध	ऽ	रें	सां	नि	ध	प	म	(म)ग	(सा)रे
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	प	—	(नि)ध	—	ध	सां	—	सां	सां	—	सां
स	प्र	ऽ	सू	ऽ	र	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
(नि)ध	(नि)ध	—	(ध)सां	—	सां	रें	—	सां	(नि)ध	—	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
(म)प	(प)गं	—	(सां)रें	—	सां	रें	—	सां	(नि)ध	—	प
उ	नं	ऽ	चा	ऽ	स	कू	ऽ	ट	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
(प)म	प	नि	(नि)ध	प	ध	(म)ग	(सा)रे				
गा	ऽ	ऽ	इ	ऽ	ऽ	यें	ऽ				
×		०		२		०					

संचारी

	नि		नि			नि	नि		नि		
सा	ध॒	—	ध॒	—	ध॒	ध॒	ध॒	—	ध॒	—	प
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध॒						नि		
ध॒	ध॒	ध॒	सां	—	सां	रें	सां	—	ध॒	—	प
अ	ऽ	ऽ	स्था	ऽ	ई	सं	ऽ	ऽ	चा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
ध॒			प			म			सा		
प	ध॒	म	म	प	ध॒	ग॒	—	रे	रे	—	सा
औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व	सं	ऽ	पु	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			रे		म	नि			नि		
सा	सा	रे	म	प	प	ध॒	—	—	ध॒	—	प
सं	पू	ऽ	र	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प		म	नि			ध॒					
म	प	प	ध॒	—	—	सां	—	—	सां	—	सां
धू	ऽ	ऽ	डी	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध॒			सां			नि		
ध॒	ध॒	—	सां	सां	—	रें	—	सां	ध॒	—	प
तु	म	ऽ	ब	हो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	य	ऽ	क
×		०		२		०		३		४	

म	प		सां			सां			नि		
प	गं	—	रें	रें	सां	रें	सां	—	ध	—	प
गु	नि	ऽ	ज	न	के	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	

प					प	म	सा
म	प	नि	ध	प	ध	ग	रे
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ	ये	ऽ
×		०		२		०	

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			म		प	नि					
म	म	प	प	—	सां	ध	—	—	प	—	धम
च	तु	र	रा	ऽ	ग	गा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
	म		सा			म					
मप	ग	—	रे	—	सा	रे	म	—	प	—	प
आऽ	सा	ऽ	व	ऽ	री	औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	—	ध	ध	—	प	पध	ग	—	रे	—	सा
सं	ऽ	पु	र	ऽ	न	बऽ	त	ऽ	ला	ऽ	यो
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ह	ग	नि	को	त	ज	त
×		०		२		०		३			

नि नि	ध		सां	नि	
ध ध	— सां	— सां	रें —	सां ध	— प
अ व	ऽ रो	ऽ ह	सं ऽ	पु र	ऽ न
×	०	२	०	३	४
म	सां		सां	नि	
प गं	— रें	— सां	रें —	सां ध	— प
धै ऽ	ऽ व	ऽ त	वा ऽ	दि सू	ऽ र
×	०	२	०	३	४
म	सा		म	म	
पध ग	— रे	— सा	रे म	प प	
दिऽ ख	ऽ ला	ऽ यो	च तु	र रा	
×	०	२	०	३	

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध नि	म प	म ग	म
म पसां ध प	ध म पध मप	ग — रे सा	रे म प —
का न्हाऽ मो हे	आ सा वऽ रीऽ	रा ऽ ग सु	ना ऽ ये ऽ
०	३	×	२
नि नि नि	ध	प म प	म सा
ध ध ध —	नि ध प धम	म प पध मप	ग — रे सा
ग नि को ऽ	आ ऽ रो ऽऽ	ह न मेंऽ छुऽ	पा ऽ ऽ ये
०	३	×	२
	नि	नि ध	
सा रे म रे	म प ध प	ध गं रें सां	रें नि ध प
०	३	×	२

अन्तरा.

प म	नि नि	ध	
म — प प	ध — ध —	सां — सां सां	सां — सां —
धैं ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
नि नि		मं सां	नि
ध — ध ध	सां सां सां सां	सांरें गं रें सां	सां रेंनि ध प
म ऽ ध्य म	सु र ग्र ह	न्याऽ ऽ स सु	पं ऽऽ च म
०	३	×	२
प प	नि म प	म	
म प सां —	ध प पध मप	ग ग रे सा	रे — सा सा
अ व रो ऽ	ह न संऽ ऽऽ	पु र न दि	खा ऽ व त
०	३	×	२
	नि	नि ध	
सा रे म रे	म प ध प	ध गं रें सां	रें नि ध प।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	प मप	म सा
म म प सां	ध — प —	ध म धध पमप	ग — रे सा
अ खि यां ऽ	ला ऽ गी ऽ	र ह तऽ निऽऽ	स ऽ दि न
३	×	२	०
ग	नि	म मप	म सा
रे सा सा रे	ध़ प़ सा —	रे म धध पमप	ग — रे सा
प्या ऽ रे ति	हा ऽ रे ऽ	दे ऽ खऽ नऽऽ	कां ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि नि		सां	नि
म प ध ध	सां सां सां सां	रें गं रें सां	सां रेंनि ध प
घ रि प ल	छि न मो हे	जु ग सी ऽ	बी ऽऽ त त
३	×	२	०
म प सां	नि	पप	म सा
प गं रें सां	रें सां ध प	म प धध पमप	ग ग रे सा
नि स दि न	च ट प टि	ला ऽ गऽ रऽऽ	ह त म हिं।
३	×	२	०

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	म सा	
म म प सां	ध प पध मप	ग रे म म	प प प –
अ रे म न	स म झऽ सऽ	म झ प ग	ध रि ये ऽ
२	०	३	×
प	नि नि नि		म
ध म प प	ध ध ध प	ध म पध मप	ग ग रे सा
अ रे म न	इ स ज ग	में ऽ नऽ हींऽ	अ प ना ऽ
२	०	३	×
	नि सा	सां	सां नि
रे – सा –	सा सा गं –	रें – सां –	रें रें ध प
को ऽ ई ऽ	प र छां ऽ	ई ऽ सों ऽ	ड रि ये ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

प	नि नि	ध	
म - प प	ध ध ध -	सां सां सां सां	सां - सां -
द्रौं ऽ ल त	दु नि यां ऽ	कु टु म क	बी ऽ ला ऽ
०	३	×	२
नि		सां सां	नि
ध ध ध -	सां - सां सां	गं गं रें सां	नि सां ध प
इ न सौं ऽ	ने ऽ ह न	क ब हु न	क रि ये ऽ
०	३	×	२
नि		म	
प ध नि ध	- प धम प	ग - रे सा	रे रे सा सा
रा ऽ म ना	ऽ म मुऽ ख	धा ऽ म ज	ग त प ति
०	३	×	२
सा	सां	सां नि	
सा सा गं गं	रें - सां सां	रें रें ध प	ध म प सां
सु मि र न	सौं ऽ ज ग	त रि ये ऽ	अ रे म न।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म प	म	म	प नि नि
ध म पध मप	ग ग रे सा	रे म प प	सांसां - ध प
मे री अंऽ खीऽ	य न के सु	प न गि र	धाऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
प म	नि	प	म म
ध म प प	ध धनि ध प	ध म पध मप	ग - ग -
ए रि स खि	ब लिऽ ब लि	जा ऽ उंऽ छुऽ	बी ऽ ली ऽ
२	०	३	×

ग	नि सा		नि नि
रे रे सा सा	सा सा गं –	रें रें सां सां	सां रें ध प
छ बि प र	अ ति आ ऽ	नैं द सु ख	का ऽ री ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

म	नि नि	ध	
म म प प	ध – ध ध	सां सां सां –	सां – सां सां
प र म उ	दा ऽ र च	तु र चि ऽ	ता ऽ म णि
०	३	×	२
नि नि		सां	नि
ध ध ध ध	सां सां सां सां	गं – रें –	सां – ध प
द र स प	र म दु ख	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२
		म	ग
पध पधनि ध प	प धम पध मप	ग ग रे रे	रे – सा सा
अऽ तुऽऽ ल सु	भा ऽऽ वऽ तऽ	नि क तु ल	सी ऽ द ल
०	३	×	२
नि	गं	सां सां नि	प
सां गं रें रें	रें – सां –	रें रें ध प	ध म मपध मप
मा ऽ न त	से ऽ वा ऽ	भा ऽ री ऽ	मे रि अंऽऽ खीऽ।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म				नि नि			प	प				म सा			
रे	म	प	मप	धु	धु	प	म	म	प	धुम	प	गु	रे	गु	सा
अ	ब	तो	ऽऽ	सै	ऽ	ली	ग	ले	ऽ	ऽऽ	ऽ	मै	ऽ	ऽ	ली
३				×				२				०			
	सा			म	प	धु	प	नि				म सा			
सा	सा	रेनिसा	सा	रे	म	प	नि	धु	प	मपधु	मप	गु	रे	गु	सा
पि	या	केऽऽ	भ	ये	ऽ	हैं	नि	का	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

प		नि		धु								नि			
म	प	धु	—	सां	—	—	सां	सां	—	—	सां	सां	—	सां	सां
नैं	ऽ	ना	ऽ	ने	ऽ	ऽ	क	पा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	दो	ऊ
३				×				२				०			
नि						सां						प			
धु	—	सां	रें	सांरें	गुं	रें	सां	रें	नि	धु	प	म	प	धुम	प
द	ऽ	स्त	ह	माऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नैं	ऽ	नाऽ	ऽ
३				×				२				०			
म	सा			म			प	नि				म सा			
गु	रे	गु	सा	रे	म	प	नि	धु	प	मपधु	मप	गु	रे	गु	सा
में	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ख	ति	हा	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
३				×				२				०			

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(प)ध म प सां	(नि)ध - प ध	म म प ध	(म)ग - ग (प ब म)ग
ढै ऽ या ऽ	ला ऽ ओ ला	ऽ ओ रे ऽ	ला ऽ ओ ला
३	×	२	०
-- रे (ग)रे -	सा - सा सा	सां सां (सां)रें रें	(नि)ध ध प प
ऽ ओ रे ऽ	आ ऽ ऽजू सु	घ र घ ड़	प ल ना, ब।
३	×	२	०

अन्तरा.

(प)म म प प	(नि)ध ध (नि)ध ध	सां सां सां सां	- सां सां -
र त न ज	त न सों ज	टि त हिं डो	ऽ ल ना ऽ
३	×	२	०
सांरेंगं (गं)रें - (गं)रें	- सां - सां	सां - (सां)रें रें	(नि)ध ध प प
भूऽऽ ला ऽ ब	ऽ त ऽ ज	सो ऽ म त	ल ल ना, ब।
३	×	२	०

आसावरी–रूपक (मध्यलय).

स्थायी.

(प)ध॒	म	प	ध॒	सां	–	सां	(गं)रें॒	(गं)रें॒	सां	सां	(नि॒)ध॒	–	प
हो	ऽ	नं	द	ला	ऽ	ल	अ	ति	हि	र	सा	ऽ	ल
२		३		×			२		३		×		
(प)ध॒	म	प	नि॒	(नि॒)ध॒	–	प	(म)ग॒	–	(ग॒)रे॒	–	(ग॒)रे॒	–	सा
नि	र	त	त	सं	ऽ	ग	गो	ऽ	पी	ऽ	ग्वा	ऽ	ल।
२		३		×			२		३		×		

अन्तरा.

(प)म	प	(नि॒)ध॒	–	सां	सां	–	(सां)रें॒	–	रें॒	(रें)गं॒	रें॒	–	सां
ए	क	मा	ऽ	धु	गी	ऽ	ब्रा	ऽ	ज	त	बी	ऽ	न
२		३		×			२		३		×		
(सां)गं॒	–	रें॒	गं॒	रें॒	–	सां	सां	–	सां	रें॒	(नि॒)ध॒	–	प
मा	ऽ	धु	रि	बां	ऽ	सु	री	ऽ	क	ठ	ता	ऽ	ल।
२		३		×			२		३		×		

आसावरी–त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

प

प

धम पसां धप मपधमप	म सा ग – रे मा	म रे म प –	म नि प नि ध प
हऽ रऽ वाऽ ऽऽऽऽऽ	जा ऽ ऽ गो	जा ऽ गो ऽ	ऽ ऽ रे ऽ
३	×	२	०
प धम प ,मपध मप	म सा ग – रे मा	रे नि ध प	सा रे म प
ऽऽ ऽ ,ऽऽऽ ऽऽ	जा ऽ ऽ गो	ऽ ऽ रे ऽ	चु र वा ऽ
३	×	२	०
नि – ध – प	धम पध सां –	सां सां रें रें गं	सां रें नि ध प
ऽ ला ऽ गि	ऽऽ थाऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	धा ऽ त, प।
३	×	२	०

अन्तरा.

प म प धम ,पध	सां – सां सां	नि ध सां रें गं	सां रें – सां –
इ त निऽ ,कऽ	ही ऽ सा री	रै ऽ न ऽ	बी ऽ ती ऽ
३	×	२	०
सां सां गं – रें नि	नि म प ध सां	सां सां रें गं रें	नि ध प प
चे ऽ त पा	ऽ छ ली ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ त, प।
३	×	२	०

आसावरी—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

म प प		म प	ध ध
रे म प नि	ध - प -	प नि ध प	प प ध म
का ऽ रि कू	रूं ऽ मैं ऽ	ए क प ल	न मा ऽ ने
३	×	२	०
प म	म म	सा	सा
मपध मप ग -	ग ग - रे	रे सा - सा	रे रे सा -
जिऽऽ यऽ रा ऽ	पि या ऽ बि	न आ ऽ ज	अ ब मैं ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प	प	ध	
म म प -	ध म प पध	सां - सां -	सां सां सां सां
दि न तें ऽ	रै ऽ न भऽ	ई ऽ रै ऽ	न तें दि न
३	×	२	०
नि	ध	सां सां	नि
ध - ध ध	सां सां सां -	गं गं रें सां	रें सां ध प
रा ऽ ह त	क त हूँ ऽ	उ न के अ	व न की ऽ
३	×	२	०
म—सां	नि	ध पप	म सा
प गं रें सां	रें नि ध प	म प मप धध,पमप	ग - रे सा
का ऽ से क	हूं ऽ अ प	ने ऽ ऽऽ जीऽ,याऽऽ	की ऽ, अ ब ।
३	×	२	०

आसावरी—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

											,रे
											ऽक
म		सा						म	प		
ग	—	रे	सा	रेरेसानि	सा	सा	निसा	रे	म	प	प
ग	ऽ	वा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	बो	ऽऽ	ल	ही	ऽ	रे
३		४		×		०		२		०	
		प						नि			
मप	प,मप	सां	,निसां	सां	सांनि	रें	सां	ध	—	प	धम
ऽऽ	सो,अऽ	ब	,ऽऽ	मो	रेऽ	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
प	प		पप	म			सा				
म	म	प	धध,पमप	ग	—	—	रे	—	ग	सा	,रे
स	गु	ऽ	नऽ,बिऽऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	ऽक
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

				प							
			मप	सां	—	निसां	सां	सां	निसां	सां	—
ऽ	ऽ	ऽ	दुध	भा	ऽ	ऽऽ	त	तो	ऽऽ	हे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि		सां	सां			नि			रे		म
ध	सां,रेंसां	गं	रेंसां	रेंरेंसांनि	सांरें	ध	प	म	म	प	प
जो	ऽ,ऽऽ	लों	ऽखि	लैऽऽऽ	ऽऽ	यां	ऽ	औ	र	ऽ	डा
३		४		×		०		२		०	

(क्र० २)

नि ध	सां	नि ध	प	धधपम	प	म ग	—	सा रे	ग	सा	,रे
ऽ	ऽ	रू	ऽ	गऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	हा	ऽ	र,	ऽक
३		४		×		०		२		०	

आसावरी—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ग रे	—	—	सा	ग रे	—	सासा	नि ध	—	प	प धम	प म	म	प प
बी	ऽ	ऽ	र	बा	ऽ	मन	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	स	गु	ऽ
३				×			२				०		
मप	धधपमप	म ग	—	रे	—	सा	प म	प म	प	मप	पप धधपम	प	ग
ऽऽ	नऽविऽऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	रो	क	ब	ऽ	ऽऽ	घऽ,ऽऽ	ऽ	र
३				×			२				०		
म ग	—	रे	सा	सा	ग रे	म	प म	प	ध	प,मप	म ग	रे	सा
आ	ऽ	वे	ऽ	मो	रा	ऽ	पी	ऽ	ऽ	मं,ऽऽ	द	ऽ	र
३				×			२				०		

अन्तरा.

नि साध	निनि धध	निनि धध	निनि धध	नि ध	नि	प	ध	म	प	प	पध	प,मप	म ग
काऽ	गउ	ड़ाऽ	वत	मो	ऽ	रि	बैं	ऽ	यां	थ	कऽ	ग,ऽऽ	ई
३				×			२				०		

म म म म	ग ग	नि	ग
ग ग ग ग	रे रे सा	ध – सा –	रे – सा
नै ऽ न न	ढ र त	जो ऽ ऽ ऽ	नी ऽ र
३	×	२	०
प नि	ध	सां	गं गं
म प ध ध	सां सां सां	ध सांरें गं –	रें रें सां
त न की वि	था मो रि	का ऽऽ में ऽ	क हूं में
३	×	२	०
नि	नि नि	प	म
ध गं रें सां	सां ध प	धम प – पध	ग रे सा
री ऽ अ हे	ल ग त	जोऽ ऽ ऽ ऽऽ	नी ऽ र ।
३	×	२	०

आसावरी–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

म	नि	नि नि	म म
रे म प प	ध – ध	ध ध ध म	प प प
ग ऽ ऽ म	जै ऽ जै	म न भा ऽ	ऽ व न
३	×	२	०
नि नि	म सा	म म	नि
ध ध प ध	ग रे सा	रे म प प	ध – प
न मो ना ऽ	रा य ण	ए ऽ क न	के ऽ कि
३	×	२	०
नि ध			
ध – सां सां	रें नि ध	प म ध प	नि ध प
ये ऽ स ब	का ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र ।
३	×	२	०

प नि नि नि	ध	नि	
मप ध– धध –ध	सां – –	सां रें सांरेंगं रेंसां	रें – सां
हम ग्वाऽ रनि ऽतु	म ऽ ऽ	ग्वा ऽ ऽऽऽ रगु	सां ऽ ऽ
३	×	२	०
	प म	नि नि नि	ध
रें नि ध प	म प प	ध ध ध –	सां – –
ऽ ऽ ऽ ई	ज न म	ज न म ऽ	के ऽ ऽ
३	×	२	०
मं	सां	सां	
सां रें गं –	रें सां सां	रें नि सां रें	नि ध प
र ख वा ऽ	ऽ र ह	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे म
त न न

		म	
प नि ध प	ध म प ध	ग – रे सा	रे म प प
ना द्रे दा नि	तुं द्रे दा नि	ता ऽ ऽ रे	त दा ऽ नि
०	३	×	२
नि नि	म म		
ध – ध –	ग – ग –	रे रे ग सा	रे नि सा सा
दी ऽ म्दी ऽ	म्तों ऽ म्तों ऽ	म्त दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२

	नि	सां	नि
सा रे म प	ध – ध ध	सां – – रें	ध प प प
त दि या ना	रे ऽ त न	दी ऽ ऽ म्त	दा नि त न
०	३	×	२
		म	
प ध नि ध	प म प ध	ग – रे सा	नि सा रे म
दी ऽ ऽ म्त	दा नि त न	दी ऽ म्त दा	नि, त न न।
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि	नि	
म म म म	प प ध –	ध सां – सां	रें नि सां सां
दे रे ना दे	रे ना दी ऽ	म्त दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२
नि			
ध ध – ध	सां – रें सांसां	रें गं रें सां	रें नि ध प
त नु ऽ म्त	नो ऽ म्तो ऽम्	दे रे ना त	दा रे दा नि
०	३	×	२
प			
प गं – रें	सां – रें नि	निनि निनि सां –	पप पप सांसां सांरें
तक् ध्डा ऽ न्तक	ध्डा ऽ न्धा ऽ	किड नग धा ऽ	तिट कत गदि गिन
०	३	×	२
मं			
गं – सांसां सांसां	सांसां सांसां रें नि	निनिनिनि निनिसांसां	नि ध प म
धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	तिट कत गदि गिन	धा ,त न न।
०	३	×	२

आसावरी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

	सा
ऽ	ओ
२	

		म				म	प				
रे	म	रे	म	प	प	प	मां	नि	ध	प	—
दा	ता	ना	द्रे	ता	ना	त	दी	य	न	रे	ऽ
०		३		४		×		०		२	
ध	प			म							
प	नि	ध	ध	ग	—	मग	मग	रे	रे	सा	सा
त	दी	या	ना	रे	ऽ	त	दि	या	ना	रे	त
०		३		४		×		०		२	
		नि				प			नि		नि
सा	रे	ध	—	प	—	म	प	—	ध	—	ध
ना	द्रे	ना	ऽ	द्रीं	ऽ	ता	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त
०		३		४		×		०		२	
		म		म	म	म			सा		
सा	सा	रे	म	ग	ग	ग	ग	रे	रे	सा	सा
ना	ना	ना	ना	त	दि	त	द	रे	दा	नि,	ओ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	—
ओ	दे	ऽ	ता	ऽ	ना	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध			सां					
ध	ध	—	सां	—	सां	गं	गं	रें	रें	सां	सां
ता	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	ना	ता	ना	ना	ना
×		०		२		०		३		४	
सां								म			
रें	सां	नि	ध	प	प	ध	म	रे	म	प	प
त	द	रे	दा	नि,	ओ	दा	ता	ना	द्रे	ता	ना।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि			प	म	म		ग		
ध	—	प	धुम	धुप	ग	—	रे	—	सा
ला	ऽ	ल	अऽ	लऽ	सा	ऽ	ने	ऽ	हो
×		२			०		३		
सा					नि		नि		
रे	ग	रे	—	सा	सा	—	ध	—	प
तु	म	रैं	ऽ	न	के	ऽ	जा	ऽ	गे
×		२			०		३		
प		नि			ध			ग	
म	प	ध	—	ध	सा	—	रे	रे	सा
नै	ऽ	न	ऽ	उ	नीं	ऽ	दे	अ	ति
×		२			०		३		
सा				ध	म		ग		
नि	ध	प	धुम	प	ग	ग	रे	—	सा
र	त	र	ती	ऽ	र	स	पा	ऽ	गे।
×		२			०		३		

अन्तरा.

कण: प		नि॒	नि॒	नि॒	ध॒				
म	प	ध॒	ध॒	ध॒	सां	सां	सां	—	सां
अं	S	ज	न	अ	ध	र	भा	S	ल
×		२			०		३		
कण: सां	रें॒		गं॒				नि॒		
रें॒	गं॒	रें॒	रें॒	सां	सां	सां	ध॒	—	प
क	व	न	ति	य	अ	नु	रा	S	गे
×		२			०		३		
कण: म							नि॒		
प	गं॒	गं॒	रें॒	सां	सां	सां	ध॒	—	प
सां	S	चि	क	हो	ह	र	रं	S	ग
×		२			०		३		
कण:				म	म		ग॒		
पध॒	नि॒	ध॒	पम	ध॒प	ग॒	ग॒	रे॒	—	सा
काS	S	कें	मुS	खS	हं	स	ला	S	गे।
×		२			०		३		

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

कण: ध॒		नि॒	नि॒		म	म			ग॒		
प	नि॒	ध॒	ध॒	पम	प	ग॒	—	ग॒	रे॒	—	सा
ब	र	स	त	घS	न	सा	S	थ	बूं	S	द
०		३		४		×		०		२	
कण: सा	म		ग॒					सा			
ग॒	ग॒	ग॒	रे॒	—	सा	—	सा	रे॒	म	—	प
स	ज	ल	ज	S	ल	S	त	न	की	S	त
०		३		४		×		०		२	

	नि		नि			सां			नि		
प	ध	—	ध	सां	—	रें	सां	रें	ध	प	गम
प	त	ऽ	ग	ई	ऽ	मी	त	ल	अं	ऽ	गऽ
०		३		४		×		०		२	
	प	नि	नि								
ध	मां	ध	ध								
च	र	स	त								
०		३									

अन्तरा.

				नि	नि	ध					
म	म	प	प	ध	ध	सां	—	सां	सां	सां	सां
नि	र	ख	नि	र	ख	ने	ऽ	अ	क	म	ल
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध		सां	गं	गं		नि		
ध	ध	ध	सां	सां	गं	रें	रें	सां	ध	—	प
अ	र	स	प	र	स	अ	ति	उ	मं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
						नि					
म	म	प	प	—	प	ध	—	—	सां	सां	सां
प्र	फु	लि	त	ऽ	भ	ये	ऽ	ऽ	री	म	न
×		०		२		०		३		४	
सां		सां					प	नि	नि		म
रें	सां	रें	नि	ध	प,धम	मप	सां	ध	ध	पम	प
अ	ति	उ	मं	ऽ	ग,ऽऽ	घऽ	र	स	त	घऽ	न
×		०		२		०		३		४	

आसावरी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म			म		प	नि					
रे	म	प	प	–	नि	ध	–	–	प	–	धम
अ	ति	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
म	म		सा			म			म		
प	ग	–	रे	–	सा	रे	म	–	प	–	–
ज	ग	ऽ	में	ऽ	ऽ	हों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	–	ध	ध	–	प	पध	ग	–	रे	–	सा
रा	ऽ	व	रा	ऽ	जे	आऽ	हा	ऽ	दु	ऽ	र ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	–	सां
ना	ऽ	ऽ	म	ऽ	सु	न	त	ऽ	गु	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			ध			सां			नि		
ध	–	–	सां	–	सां	रें	–	सां	ध	–	प
आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	धा	ऽ	य	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
म			सां						नि		
प	गं	रें	रें	सां	सां	रें	सां	–	ध	–	प
पा	ऽ	व	त	म	न	इ	छा	ऽ	फ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

			नि								
म	प	—	ध	सां	—	रें	मां	रें	नि	ध	प
ति	न	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	म		मा								
पध	ग	—	रे	—	मा						
आऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	र						
×		०		२							

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		ग	ग			सा					
ध	म	रे	रे	—	रे	रे	ग	रे	सा	—	सा
नै	ऽ	न	आ	ऽ	ल	मा	ऽ	नें	भा	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि						ध		रे			
सा	—	रे	नि	ध	ध	मा	—	ग	रे	—	सा
ऐ	ऽ	से	आ	ऽ	ज	अं	ऽ	ज	ना	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
						नि				ध	
सा	—	रे	म	प	—	ध	—	प	ध	सां	—
दे	ऽ	ख	म	न	ऽ	मे	ऽ	रो	पि	या	ऽ
×		०		२		०		३		४	

						म	ग		ग		
सांरें	नि	ध	प	धम	पध	ग	रे	—	रे	सा	—
अऽ	ति	ऽ	ही	ऽऽ	अऽ	कु	ला	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प			नि		नि						
म	प	मप	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	सां	—
ब	स	ऽऽ	न	ऽ	म	ली	ऽ	न	भ	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि		नि				सां				नि	
ध	—	ध	सां	सां	—	गं	रें	सां	सां	ध	प
अं	ऽ	ज	न	हूँ	ऽ	नैं	ऽ	न	ध	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म			गं	गं							
प	गं	—	रें	रें	रें	सां	सां	रें	नि	ध	प
भा	ऽ	ऽ	व	र	त	न	सा	ऽ	ज	त	ये
×		०		२		०		३		४	
म		नि			प	म			ग		
प	नि	ध	ध	प	धम	ग	—	रे	रे	सा	—
अं	ऽ	ग	ग	ऽ	गऽ	आ	ऽ	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि			नि			प			नि		
सा	ध	ध	ध	—	प	नि	ध	—	ध	—	प
कौ	ऽ	न	तो	ऽ	हे	मि	ली	ऽ	ना	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

ध						म		ग	ग		
प	ध	म	प	प	ध	ग	—	रे	रे	—	मा
जा	ऽ	के	सु	ख	ऽ	को	ऽ	नि	हा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	ध					सा					
ध	ग	—	रे	—	रे	रे	ग	रे	मा	—	मा
ज	गे	ऽ	सा	ऽ	रि	ग	ऽ	त	प्या	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि								
मा	—	ध	ध	मा	मा	रे	—	ग	रे	मा	—
ढी	ऽ	ट	न	श	र	मा	ऽ	ऽ	त	हैं	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
स	ग	ऽ	री	ऽ	नि	म	ट	ऽ	ग	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
नि		नि				गं			नि		
ध	—	ध	सां	—	सां	रें	सां	रें	ध	—	प
जा	ऽ	वो	ये	ऽ	सि	म	ट	ऽ	ग	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
म			गं						नि		
प	प	गं	रें	—	सां	रें	सां	सां	ध	—	प
क	हे	ऽ	ह	ऽ	रि	ब	ल्ल	भ	ये	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म प	नि	ध	प	ध	मप	म ग	–	रे	ग रे	सा –
खं	ऽ	डि	ता	ऽ	कह	ला	ऽ	ऽ	त	है ऽ।
×		०		२		०		३		४

आसावरी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा रे
ऽ आ
०

म	प	–	नि	नि ध	–	–	नि ध	–	प	ध	म
ऽ	यो	ऽ	रे	जी	ऽ	ऽ	त	ऽ	ही	ऽ	ग
३		४		×		०		२		०	
–	प	–	नि	नि ध	–	प	नि ध	–	प	ध	म ग
ऽ	जा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	म	चं	ऽ	द्र	ऽ	लं
३		४		×		०		२		०	
–	सा रे	–	सा	म ग	–	–	सा रे	–	सा	–	म रे
ऽ	का	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ग	ऽ	र	ऽ,	आ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प म	प	–	नि ध	–	ध	ध सां	सां	–	सां	–	सां
जि	त	ऽ	ती	ऽ	त	सु	नी	ऽ	य	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध		सां				नि	नि	
ध	ध	—	सां	—	गं	रें	—	सां	सां	ध	प
च	हूं	ऽ	दे	ऽ	म	बा	ऽ	जे	ब	ज	त
×		०		२		०		३		४	
प			नि			प			नि		
म	प	नि	ध	—	प	रें	रें	सां	ध	—	प
रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त	अ	नं	द	भ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	—	रे	—	मा	—	रे				
घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि	नि		नि		
म	म	—	प	—	प	ध	ध	—	ध	प	—
ज	ब	ऽ	को	ऽ	प	कि	ये	ऽ	च	ढे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध				नि		नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	सांरें	ध	—	ध	—	प
ह	नू	ऽ	मा	ऽ	न	अऽ	ग	ऽ	वा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प			म			म			सा		
ध	म	प	प	—	ध	ग	—	—	रे	—	सा
क	र	जो	धा	ऽ	ये	लं	ऽ	ऽ	के	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

						प	नि		नि		
म	–	प	प	–	–	सां	ध	–	ध	–	प
कां	ऽ	पि	यो	ऽ	ऽ	थ	र	ऽ	थ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	–	सां	सां	–	सां
रा	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	मा	ऽ	र	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	–	सां	–	सां	रें	सां	–	ध	–	प
लि	यो	ऽ	दे	ऽ	म	दि	यो	ऽ	जी	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म	प			सां					नि		
प	गं	–	रें	रें	सां	रें	–	सां	ध	–	प
वि	भी	ऽ	प	न	को	ला	ऽ	यो	सी	ऽ	ता
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	–	रे	–	सा	–	रे				
र	घू	ऽ	ब	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प
म
अ

		नि		म			सा				प
प	सां	ध	पध	प	ग	—	रे	म	प	प	म
ति	ऽ	अ	लऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	री
३		४		×		०		२		०	
	नि			प					म		प
प	ध	—	प	ध	म	—	प	—	प	पध	ग
ऽ	आ	ऽ	ली	झ	प	ऽ	क	ऽ	च	लऽ	न
३		४		×		०		२		०	
	सा			म			म	सा			प
—	रे	ग	सा	ग	—	ग	ग	रे	सा	निसा	म
ऽ	ग	ऽ	ति	मं	ऽ	द	च	ल	न	ऽऽ,	अ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
मो	ह	ऽ	ना	ऽ	सों	मि	ल	ऽ	आ	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	रें	—	सां	ध	—	प
त	ब	ऽ	हीं	ऽ	म	जा	ऽ	न	पा	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	

प	प		सां			सां		ऩि			
मप	गं	—	रें	—	सां	रें	सां	ध	सां	—	सां
चऽ	तु	ऽ	रा	ऽ	ई	क	र	न	ला	ऽ	गि
×		०		२		०		३		४	
ऩि	ऩि	ऩि	ध				प				
सां	ध	ध	नि	ध	प	धम	म				
च	तु	र	त	र	न	ऽऽ,	अ				
×		०		२		०					

संचारी

प						ऩि			ऩि		
म	—	प	प	—	मप	ध	—	—	ध	—	प
ग्रे	ऽ	म	की	ऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
						ऩि	ऩि		ऩि		
ध	म	—	प	—	नि	ध	ध	—	ध	प	—
क	र	ऽ	त	ऽ	री	स	ज	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध						म	म		सा		
प	—	ध	म	—	प	ग	ग	—	रे	—	सा
कैं	ऽ	ऽ	से	ऽ	दु	र	त	ऽ	ते	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि			प			प	ऩि		ऩि		
सा	रे	म	म	प	प	नि	ध	—	ध	—	प
सों	ऽ	ऽ	धें	ऽ	की	ह	र	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प म	प	—	नि ध॒	—	ध॒	ध॒ सां	—	सां	सां	सां	—
धी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ज	के	ऽ	प्र	भु	मों	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि ध॒	नि ध॒	—	ध॒ सां	—	सां गं	रें	सां	रें	नि	ध॒	प
रिं	त	ऽ	मा	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
म प	गं	रें	सां रें	सां	सां	रें	नि	ध॒	सां	सां	—
को	ऽ	टि	का	ऽ	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि सां	नि ध॒	नि ध॒	ध॒ नि	ध॒	प	ध॒म	प म				
चँ	व	र	ढु	र	न	ऽऽ	अ				
×		०		२		०					

आसावरी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

										सा रे॒	म	—
										आ	ऽ	ऽ
										०		
प	—	प	—	नि ध॒	—	—	नि ध॒	ध॒	प	—	ध॒	म	—
ई	ऽ	है	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ल	न	के	ऽ	फा	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

	म		सा नि
प – – ध	ग – – रे –	सा –	रे ध –
ग ऽ ऽ ल	ला ऽ ऽ ऽ ऽ	सों ऽ	ह म ऽ
३	×	२	०
	ग ग		सा
सा – – रे	रे – – रे –	सा –	रे म –
सों ऽ ऽ छि	पा ऽ ऽ व ऽ	त ऽ	क हा ऽ
३	×	२	०
	म ग		सा
प – ध ध	ग – – रे –	सा –	रे म –
ऽ ऽ जि य	ठा ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ	आ ऽ ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि		ध	
म प – ध –	– ध	सां – सां	सां – सां –
हों ऽ ऽ तो ऽ	ऽ ति	हा ऽ रि	प्या ऽ री ऽ
×	२	०	३
सां			नि
रें रें गं रें रें	मं –	– रें सां	ध – प –
स खी ऽ हि त	जा ऽ	ऽ न त	है ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
म			नि
प गं – रें –	– रें	गं रें मं	ध – प ध
ते ऽ ऽ री ऽ	ऽ न	न द ऽ	जे ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
म		सा	
ग – – रे –	सा –	रे म –	
ठा ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ	आ ऽ ऽ	
×	२	०	

आसावरी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा							नि			नि			
रे	म	–	प	–	–	–	ध	–	–	ध	–	प	–
आ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ऽ	ऽ	गु	ऽ	न	ऽ
०			३				×					२	
							म						
ध	म	–	प	–	–	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–
मा	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ
०			३				×					२	
सा							प	म					
रे	नि	ध	सा	सा	रे	सा	ध	ग	–	रे	–	सा	–
ले	ऽ	ऽ	च	ल	उ	न	ही	पा	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ।
०			३				×					२	

अन्तरा.

			नि		नि								
प	–	–	ध	–	ध	ध	सां	सां	–	सां	–	सां	सां
वै	ऽ	ऽ	ठा	ऽ	कु	र	अ	ज	ऽ	हूँ	ऽ	न	हिं
×					२		०			३			
										नि			
रें	–	गं	रें	–	सां	–	रें	सां	–	ध	–	ध	नि
आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	टू	ऽ	ट	न	ऽ	ला	ऽ	गी	ऽ
×					२		०			३			
			ग										
ध	म	ग	रे	–	सा	–	रे	म	–				
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	आ	ऽ	ऽ				
×					२		०						

राग भैरवी.

आभांत्यस्यां रिगमधनयः कोमला मोऽत्रवादी ।
सः संवादी क्वचिदपि धगौ वादिसंवादिनौ च ॥
प्रातर्गेया सुरुचिरतरा स्वैरिणी सर्वगम्या ।
संपूर्णा सा जनयति सुखं भैरवी रागिणीयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र मध्यः स्वरो वादी संवादी षड्ज ईरितः ।
स्वैरिणी गीयते प्रातर्भैरवी सर्वकोमला ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सब कोमल सुर भैरवी संपूरन सुर होइ ।
मस वादी सम्वादि है सब जो चाहै कोइ ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ गमौ पधौ निश्च सनिधपा मगौ रिसौ ।
संपूर्णा भैरवी प्रोक्ता धैवतांशा प्रभातगा ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"भैरवी"—यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें मध्यम शुद्ध (कोमल) तथा शेष स्वर भी कोमल लगते हैं, यह राग सम्पूर्ण है। वादी स्वर मध्यम और सम्वादी षड्ज है। कोई-कोई गुणीजन धैवत वादी व गान्धार सम्वादी मानते हैं। इन दोनों मतों के गीत प्रचार में दिखाई पड़ते हैं। इस राग के गाने का समय प्रातःकाल माना जाता है, कोई-कोई इसे सर्वकालिक (प्रत्येक समय का) मानते हैं। प्रायः इसके आरोह में अनेक बार तीव्र रिषभ का प्रयोग किया हुआ दिखाई पड़ता है किन्तु यह इस राग का नियमित स्वर नहीं है, यह ध्यान अवश्य रखना चाहिये। प्राचीन ग्रन्थों में भैरवी में तीव्र रिषभ लेने का उल्लेख मिलता है, जिसका प्रचार दक्षिण में आज भी है। यह राग अति लोकप्रिय है और बहुत से गायकों को आता है। इस राग में ख्याल बहुत कम गाये जाते हैं; ग़ज़ल, ठुमरी, टप्पा आदि गीत ही अधिकतर दिखाई देते हैं। इस राग की विशेषता और सुन्दरता सा, ग॒, प, ध॒ इन स्वरों पर निर्भर है। मध्यम को प्रधानता (वादित्व) देने वाले गायक, मध्यम का ठीक-ठिकाने अधिक प्रयोग करके गन्धार का महत्व घटा देते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे॒ ग॒ म, प ध॒, नि॒ सां। सां, नि॒ ध॒ प, म ग॒, रे॒ सा।

पकड़ः—

म, ग॒, सा रे॒ सा, ध़॒ नि़॒ सा।

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे सा	नि सा ध ऽ	नि ध ऽ ग	म ध म प
०	३	×	२
ग म ग रे	सा नि ध ऽ	म ध नि ग	ऽ म ध ऽ
०	३	×	२
नि सां ऽ रें	सां नि ध म	प नि ध प	म ग रे सा।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि नि ध नि	ध प म ग	म ध नि सां	ध नि सां ऽ
०	३	×	२
गं मं गं रें	सां नि ध नि	गं ऽ सां ऽ	रें नि सां ऽ
०	३	×	२
ध ऽ नि म	ऽ ध ग ऽ	म नि ध प	म ग रे सा।
०	३	×	२

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			(रे)म –
			भै ऽ
रे (म)ग – रे	सा – (नि)ध नि	सा रे सा –	– – – –
र वी ऽ क	ही ऽ म न	मा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

धृ			
नि - नि नि	नि नि ध नि	सा सा रे नि	सा - सा सा
को ऽ म ल	स ब सु र	क र गु नि	गा ऽ व त
०	३	×	२
सा (over 3rd note)		नि	म
सा सा ध ध	प प पध नि	ध - प म	ग - म -
प्र थ म प	ह र कीऽ ऽ	रा ऽ नी ऽ	हो ऽ, मैं ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि			
ध - ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	सां - सां -
म ऽ ध्य म	वा ऽ दी ऽ	सु र म म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
सां			नि नि
नि - नि -	सां सां सां -	गंगं रेंसां रें -	सां - ध प
भ ऽ क्ती ऽ	र स की ऽ	खाऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
			नि
सा सा ध ध	प - प प	ध प ध नि	ध पम रे ग
स ब को इ	गा ऽ व त	स ब को रि	झा ऽऽ व त
०	३	×	२
रे प		म	
ग - ध ध	प - ध सांनि	ध मप ग -	प - ध पम
भै ऽ र वि	शा ऽ स्त्र प्रऽ	मा ऽऽ नी ऽ	हो ऽ, मैं ऽऽ।
०	३	×	२

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि		रे	
ध – नि	सा – रे सा	ग रे ग म	रे ग रे सा
ऽ जा ऽ य	तू ऽ म न	गु रु च र	न श र न
३	×	२	०
	म	रे	ग
सा ध प ध	– पम रे ग	सा – रे म	रे ग रे सा
ए ऽ क भा	ऽ वऽ ध र	अं ऽ त र	मों ऽ घ न।
३	×	२	०

अन्तरा.

नि		सां	सां नि नि
ध म ध नि	सां रें सां सां	नि – सां सां	रें सां ध प
जो इ जा ऽ	व त ज न	स ऽ द्गु रु	के श र न
३	×	२	०
		म	ग
प – प	ध पम म प	रे ग सारे म	रे ग रे सा
ऽ वा ऽ को	ह रऽ त च	तु र भऽ व	बं ऽ ध न।
३	×	२	०

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा			
नि सा ग म	(ध) – ध प	– ध प प	म प म ध
कैं सी ये भ	ला ऽ ई रे	ऽ क न्हा इ	प नि यां भ
३	×	–	

म	म	म	रे
प म ग रे	ग प ध नि	ध प ग म	ग रे सा सा
र त मो रि	ग ग रि गि	रा इ क र	के ल ग इ ।
३	×	२	०

अन्तरा.

			रें गं
ध म ध नि	सां – सां नि	सांरें गं रें गं	सां रें सां सां
म न द क	है ऽ ऐ सो	ढीऽ ऽ ट भ	यो क न्हा इ
०	३	×	२
प	प म		म
ध – ध ध	प ग ग रे	ग प ध नि	ध प ग म
का ऽ क रुं	मा इ न हिं	मा न त क	न्हा इ क र
०	३	×	२
रे			
ग रे सा सा			
त ल गा इ			
०			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सा नि
अ त

	ग	म	
सा रे ग म	रे (ग) – सा	रे ग – रे	सा – – रे
सां डे ना ले	ग लां ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ ऽ आ
२	०	३	×

मा धृ(नि) - नि	सा - सा रे	(ग) सा ग रे	सा - सा रे
ऽ मो ऽ द	दे ऽ ले बे	चे र ऽ दि	या ऽ सु न
२	०	३	×
नि मा - रे	ग म - ग	म ग(रे) - रे	सा - सा नि
मि या ऽ मि	यां बे ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ, अ त।
२	०	३	×

अन्तरा.

ध ध
इ श्क

म ध(नि) - म	ध नि सां नि	सां - सां रें(गं)	सां ध(नि) प ग(म)
दि सा ऽ र	न हिं जा ने	दे ऽ मि यां	इ ना ऽ य
×	२	०	३
म - नि -	प ध म प	रे ग(म) - सा	रे ग(म) - रें
त ऽ जा ऽ	प्या रे ते रे	भ ला ऽ क	र के ऽ च
×	२	०	३
सा - सा नि			
ला ऽ, अ त			
×			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

																प
																तो
				म				म								
ध	प	-	ध	प	-	-	म	ग	-	प	म	ध	-	प	म	
गी	त	ऽ	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	
३				×				२				०				
	रे									म						
	ग	-	रे	सा	-	-	-	सा	रे	ग	-	रे	सा	-	प	
ऽ	ढो	ऽ	ला	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ,	तो	
३				×				२				०				

अन्तरा.

																प
																ध
																इ
										गं					सां	
म	ध	-	नि	सां	-	-	-	-	-	रें	-	सां	-	-	नि	
इक	दी	ऽ	सां	झे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	
३				×				२				०				
				गं								नि		म		
नि	सां	-	सां	रें	-	-	-	सां	-	रेंनि	सां	ध	-	प	सा	
गी	त	ऽ	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हींऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	धा	
३				×				२				०				

धृ प – प	नि धृ – प –	म गृ – – म	प – – म
ऽ य ऽ क	ले ऽ जे ऽ	का ऽ ऽ रि	रे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
रे गृ – रे	सा – – –		
ऽ ढो ऽ ला	या ऽ ऽ ऽ		
३	×		

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
रे म
ए जि

म म सा रे गृ – रे	रे सा रे नि	सा – सा –	– – पधृ मप
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ एऽ जिऽ
०	३	×	२
म म ग रे गृ – रे	रे सा रे नि	सा – सा –	– – – नि
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ ऽ मैं
०	३	×	२
सा नि – नि नि	नि नि धृ प	धृ – प –	म – – –
दौ ऽ रि झ	प ट प र	हूँ ऽ पैं ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

सा	नि		
नि - नि नि	नि - ध नि	सा - सा -	- - सा म
डा ऽ रि फि	रू ऽ ग र	बैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि
०	३	×	२

अन्तरा.

प			
ध - म ध	- ध नि नि	सां - सां सां	सां - सां -
अं ऽ ध का	ऽ र जि न	ठा ऽ ड़ो गु	सैं ऽ यां ऽ
०	३	×	२
सां			नि
नि नि नि नि	सां - सां सां	गंगं रेंसां रें सां	ध - प -
ग ह प क	रो ऽ मो रि	थैंऽ ऽऽ ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
			नि
सा सा ध ध	प - प -	प - ध सांनि	ध प (ग) -
मु रा ऽ द	ली ऽ की ऽ	ला ऽ ज तुऽ	म्हीं ऽ को ऽ
०	३	×	२
म		प	म
ग - प -	प प ध प	म - म -	प म
रा ऽ खो ऽ	सं ग इ क	टैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि।
०	३	×	२
म म			
रे ग - रे	रे सा रे नि		
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये		
०	३		

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

						प		ग							
	सा	–	रे	ग	–	म	–	रे	–	–	सा	–	–	–	रे
ऽ	रा	ऽ	व	रे	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
			सा		नि										
नि	सा	–	रे	सा	ध	–	नि	सा	–	–	नि	सारे	गम	–	रे
ऽ	ऽ	ऽ	म	न	मे	ऽ	रों	ली	ऽ	ऽ	नो	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
ग	सा	–	रे												
ऽ	रा	ऽ	व												
०															

अन्तरा.

प		म		नि								सां			नि
ध	प	ग	म	ध	–	नि	नि	सां	–	नि	–	गं	गं	गं	ध
अ	चा	न	क	जा	ऽ	नि	क	सी	ऽ	हों	ऽ	सु	झ	क	झि
३				×				२				०			
							म			ग		ग			
ध	ध	–	ध	पध	निध	प	ग	–	म	रे	–	ग	सा	–	रे
झ	क	ऽ	उ	ठीऽ	ऽऽ	अ	जा	ऽ	न	जा	ऽ	न,	रा	ऽ	व।
३				×				२				०			

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मा	नि	म ग	ग
नि सा ग म	ध - प -	ग - प म	रे - सा -
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	लो ऽ अ नि	या ऽ रे ऽ
३	×	२	०
मा	नि		प ध
नि सा ग म	ध - प -	ध ध प प	ध नि ध प
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	चि त व न	में गो म न
३	×	२	०
म	नि म		
म प ग म	ध - प ग	- ग प म	ग रे सा रे
ब म की नो	प्या ऽ रि प्या	ऽ रि ब ति	यां क र के ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प		सां	नि
ध म ध नि	सां - रें सां	नि नि सां मां	रें निसां ध प
स न द क	है ऽ मो रा	जी रा न हिं	मा ऽऽ ने ऽ
३	×	२	०
प——गं	नि	म ग	
गं - - रें	सां ध - प	ग ग प म	ग रे सा रे
डा ऽ ऽ र्दी	नो मो ऽ पैं	जा दु सा क	छु क र के ।
३	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा,सारे
स,खीऽ

रे म — पध प	म — रे रे	सा रे सा —	सा रे नि — सा,सारे
आ ऽ जऽ अ	मा ऽ द भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ
०	३	×	२
रे म — — पधपम	ग म — — रेरे	सा रेनि सा —	— — सा सा
आ ऽ ऽ जऽअऽ	मा ऽ ऽ दभ	ई ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
नि सा ध प प	प ध,निध प म	म ग प गम रे सा	रे नि — सारे
सा ऽ ज न	आ ऽ,ऽऽ प त	जी ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ सखी।
०	३	×	२

अन्तरा.

सा ग — ग ग	ग ग — गग	म म म म	म पग म म —
चा ऽ टु अ	च न ऽ कछु	श्र व न न	कीऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा ग — ग ग	ग म — म म	रे गग मप धनि धप	मग रेसा रेनि सा—
अ ऽ पिं त	हा ऽ र त	जीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ लाऽ
०	३	×	२

नि
सा – धृ धृ | प – प प | प – धृ धृ | पम प म –
बो ऽ ध म | खी ऽ ज न | के ऽ अ ब | माऽ ऽ ने ऽ
० | ३ | × | २
नि सा | | ग ग |
सा – धृ – | पधृ निधृ प म | प म रे सा | रे नि – सा,सारे
प ऽ च्छा ऽ | ताऽ ऽऽ प भ | ई ऽ ला ऽ | ऽ ऽ ऽ स,खीऽ।
० | ३ | × | २

अन्तरा. २ ग.

प | नि | | गं
धृ धृ धृ धृ | धृ म – धनि | सां सां – सां | रें रें सां सां
च र न न | ते ऽ ऽ गिर | प र्यो ऽ च | तु र म खि
० | ३ | × | २
सां | | रें | नि
नि नि सां सां | सां – – रेंगं | गंगं रेंसां निसां – | धृ – प –
त ब हुँ न | हा ऽ ऽ थग | हीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ | ला ऽ ऽ ऽ
० | ३ | × | २
नि सा | | प नि |
सा सा धृ – | प प प – | धृ धृ सां धृ | – पम म –
क ल हा ऽ | न्त ता ऽ | क ह त ना | ऽ यिऽ का ऽ
० | ३ | × | २
नि सा | | ग |
सा सा धृ – | पधृ निधृ प मप | म – रे सा | रे नि – सा,सारे
जि या में ऽ | दाऽ ऽऽ ग ऽर | ही ऽ ला ऽ | ऽ ऽ ऽ स,खीऽ।
० | ३ | × | २

भैरवी—पंजाबी त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां	नि म सा	म ग	
प -ध नि	ध पम ग रे	सारे ग सा रे	सा - - सा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	यर छू टो ऽ	जा ऽ ऽ य
२	०	३	×
	म सा		
प -ध नि	ध पम ग रे	सा सारे ग सारे	सा - - सा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू ऽटो	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

अन्तरा.

ध म धनि	सां रें सां सां	निनि सां सां	गंगंरेंसां रें.निसां(ध) प
ऽ चा ऽ रक	हा र मि ल	ऽ दुलि यां ऽम	गाऽऽऽ ऽ,ऽऽ वो ऽ
२	०	३	×
सा		ध प	नि म म
सा सा ध -ध	प - प -	प - ध सां	ध प ग -
अ प ना ऽवि	गा ऽ ना ऽ	छू ऽ टो ऽ	जा ऽ ये ऽ।
२	०	३	×
	म सा		
प -ध नि	ध पम ग रे	सा सारे ग सारे	सा - - सा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू टोऽ	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

भैरवी–त्रिताल पंजाबी (विलंबित).

स्थायी.

सा
बि

नि̣ सा धृ प ,–प	प म धृप (ग) प धृ धृ,पम	रे ग ग रे –सा रेनि̣	सा – – –सा
ना ऽ रे ,ऽखि	वैंऽ या नैं या,ऽऽ	कैं मे ऽला ऽगे	पा ऽ ऽ ऽवि
२	०	३	×
नि̣ सा धृ प धृसां	निम धृ धृप(ग) प मपधृनिधृपम	रे ग ग रे –सा रेनि̣	सा – – –सा
ना ऽ रे ऽखि	वैंऽ या नैं याऽऽऽऽऽऽऽऽ	कैं मे ऽला ऽगे	पा ऽ ऽ ऽवि।
२	०	३	×

अन्तरा.

सा सा सा सारे	ग ग म –	रे ग ग – म म	ग धृधृमम गम रे सा
न दि या ऽऽ	ग ह री ऽ	ना ऽ व पु	राऽऽऽ ऽऽ नी ऽ
×	२	०	३
नि̣ सा सा धृ –धृ	प धृ प प धृ सां	नि धृ धृ,पम (ग) प धृ,पम	रे ग रे सारे नि̣
मौं ला ऽ ऽल	गा वे बे ड़ा	पा,ऽऽ र नै या,ऽऽ	कैं मे लाऽ गे
×	२	०	३
सा – – –सा			
पा ऽ ऽ ऽबि			
×			

भैरवी–पंजाबी (विलम्बित).

स्थायी.

सा सारे पम	गम रे सारे ,सानि	सा – – ,प	पप ध,पम ग रेनि
ऽ ना ऽऽ हिंप	रऽ त ऽऽ ,मैका	चैं ऽ ऽ .न्यों	वरि या,ऽऽ ऽ ऽऽ।
०	३	×	२
,सा – सारे पम			
ऽना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

अन्तरा.

सा सा सा –रे	ग – म –	ग – म –म	गगमप धनिधप मगरेसा रेनिसा
द ऱ स ऽपि	या ऽ को ऽ	बे ऽ गि ऽदि	खाऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽवो
०	३	×	२
सां ध प प	प – –धसां	ध प ग ,प	पप पधनिसां निधपम गरेसा–
मा ऽ न त	नाऽऽ दिन	रै ऽ न ऽसां	वरि याऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ।
०	३	×	२
सा –सारे पम			
ना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

भैरवी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध
त

३				×				२				०			
म	प	ग	म	प	ध	नि	प	–	ध	प	म	प	–	–	ध
न	न	दिर	दिर	ता	ऽ	ऽ	नों	ऽ	म्त	दे	ऽ	नों	ऽ	ऽ	त
														म	
म	प	ग	म	प	ध	निध	प	–	ध	प	म	प	–	ग	म
न	न	दिर	दिर	ता	ऽ	ऽऽ	नों	ऽ	म्त	दे	ऽ	नों	ऽ	त	न
					म				म						
प	ध	नि	प	–	ग	–	म	प	ग	–	म	ग	रे	सा	सा
दे	रे	ना	दि	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	ना
सा					म				नि						
नि	सा	ग	म	प	ग	–	प	–	ध	–	नि	सां	सां	–	नि
ता	ना	दे	रे	ना	दे	ऽ	नों	ऽ	दी	ऽ	म्त	त	दी	ऽ	म्त
									म				म		
सां	रें	गं	मं	प	–	ध	प	–	ग	–	म	प	ग	–	म
न	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	दी	ऽ	तो	ऽ	म्त	त	दा	ऽ	रे
ग	रे	सा	सा	प	ध	निध	प	–	ध	प	म	प	–	–	ध
त	द्रे	दा	नि	ता	ऽ	ऽऽ	नो	ऽ	म्त	दे	ऽ	नों	ऽ	ऽ	त।

अन्तरा.

ग म म (नि)ध	– नि सां सां	सां सां – सां	सां रें गं मं
ना दिर दिर दा	ऽ नि तु दिर	दिर दा ऽ नि	ता ना दे रे
३	×	२	०
सां रें गं मं	पं मं – धं	पं – गं –	मं – गं रें
ता ना दे रे	ना दी ऽ म्त	दी ऽ म्ता ऽ	नो ऽ म्त न
३	×	२	०
सां नि सां प	– ध – प	– (म)ग – म	प (म)ग – म
दे रे ना दी	ऽ म्ता ऽ दी	ऽ म्तो ऽ म्त	त दा ऽ रे
३	×	२	०
ग रे सा सा	प ध निध प	– ध प म	प – – ध
ता द्रे दा नि	ता ऽ ऽऽ नो	ऽ म्त दे ऽ	नों ऽ ऽ त।
३	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे
त

नि सा ग म	(ध)प नि ध प	(म)ग ग म (ग)रे	– सा – सा
दा नि दा नि	तो ऽ म्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ त
३	×	२	०

सा	नि	प	
नि नि सारे ग	सारे गरे सा ध	प – प सां	नि सां ध नि
न न नऽ ऽ	देऽ ऽऽ रे ना	ऽ ऽ ओ दा	नि दा नि त
३	×	२	०
म	ध	म ग	
ध प ग म	प नि ध प	ग ग म रे	– सा – रे
दा नि दा नि	तो ऽ म्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ, त।
३	×	२	०

अन्तरा.

प			
ध ध ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	रें नि सां सां
ओ द त न	ओ द त न	नि त त न	नि त त न
×	२	०	३
	रें	सां नि	
सां गं – रें	– गं रें सां	नि सां – ध	– नि ध प
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३
म		म ग	
ग प – प	ध नि ध प	ग ग म रे	– सा सा सा
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त न दे रे	ऽ ना त न
×	२	०	३
नि निनि सासा सासा	ग गग मम मम	धध धध निनि निनि	सांसां सांसां सांसां सांसां
ना दिर दिर दिर	तु दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर
×	२	०	३

			म
सांसां गंगं रेंरें सांसां	निनि रेंरें सांसां निनि	धध निनि धध पप	गग गग रे सा
दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दा नि
×	२	०	३
नि निनि सा सा	गग गग म –	ध –ध नि –	सांसां सां मं मं
धीं तृक धी ना	नक तिक धा ऽ	क्डा ऽन धा ऽ	किड धा ऽन्धा
×	२	०	३
नि	म	ग	
गं रें सां ध	– ग –ग म	रे – सा रे	
क त्तीं ना क्डा	ऽ न्ता ऽड ता	धा ऽ ऽ, त	
×	२	०	

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		म	
ध प ध	म प ग म	नि ध – ग	– ग म प
ऽ त न न	त न ना दिर	त नो ऽ म्दी	ऽ म्त न न
०	३	×	२
			नि
रे – सा रे	सा नि ध नि	सा ग – म	ध – नि सां
दी ऽ म्त न	दे रे त न	दिर तो ऽ म्त	दी ऽ म्त दि
०	३	×	२
गं गं रें सां	नि ध प म	ग म नि ध	प म ग रे
या ना रे त	दा नि ना द्रे	तुं द्रे त न	न ता रे दा
०	३	×	२
सा ध प ध			
नि, त न न			
०			

अन्तरा.

म	नि		
सा ग – म	ध –ध म ध	नि सां – रें	सां नि ध नि
त नो ऽ म्त	नो ऽम ओ दा	ना दी ऽ म्नि	त न न न
×	२	०	३

		मं	
सां – गं गं	रें सां नि सां	गं मं पं गं	– मं गं रें
दी ऽ म्त न	दे रे त दि	या ना रे दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३

सां नि ध –	नि (रें) – नि	(ध) – नि ध	नि ध प म
त न दी ऽ	म्त दी ऽ म्त	दी ऽ म्त न	दे रे ना त
×	२	०	३

ग म नि ध	प म ग रे	सा ध प ध
दा नि त न	न ता रे दा	नी, त न न
×	२	०

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

पप धध
दिर दिर

	म		नि
नि ध नि ध	प ग – रे	सा – ग –	म – ध –
त न न त	न दी ऽ म्त	ना ऽ दी ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
०	३	×	२

	म	म	
नि ध नि सां	– ग – म	ग म ध –	म – ध –ध
न्न दे रे ना	ऽ ता ऽ न्न	दे रे ना ऽ	दी ऽ म्तो ऽम
०	३	×	२
			म
म धध मम ध	– नि सां –	नि ध ध प	ग म पप धध
ना दिर दिर दा	ऽ नि ता ऽ	रे त द रे	दा नि, दिर दिर ।
०	३	×	२

अन्तरा.

		म	
निनि निनि ध पप	धध ध मम पप	ग म ध –	– सां – गं
दिर दिर ना दिर	दिर तु दिर दिर	त न दी ऽ	ऽ म्ता ऽ रे
×	२	०	३
गं		नि	म
रें – सां –	नि नि सां सां	ध ध नि ध	– प ग –ग
दा ऽ न्नी ऽ	न न तु द्रे	त द रे दा	ऽ न्नि दी ऽम
×	२	०	३
	म	नि	
म म ग रे	सा – ग म	– म ध –	नि – सां –
त न द रे	ना ऽ त द्रे	ऽ न्ना दी ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
×	२	०	३
	म		
नि ध ध प	ग म पप धध		
रे त द रे	दा नि, दिर दिर		
×	२		

भैरवी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

							सा	–	सा
							शा	ऽ	र
							३		
सा									
ध॒	–	–	–	–	प	–	प	–	ध॒
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		म					सा		
प	–	ग॒	–	रे॒	सा	–	नि॒	–	–
दा	ऽ	नि	ऽ	द	या	ऽ	नी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
					म		ग॒		
प	ध॒	प	म	प	रे॒	ग॒	सा	रे॒	सा
ज	ग	ज	न	नि	दु	ख	ह	र	नि
×		२			०		३		
ग॒					ग॒				
रे॒	–	रे॒	–	म	रे॒	–	सा	–	सा
ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	मा	ऽ	त
×		२			०		३		
सा				म			ध॒		
नि॒	सा	ग॒	म	नि॒	ध॒	–	सा	–	सा
स	ऽ	र	ऽ	स्व	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

अन्तरा.

(प)ध	म	ध	—	नि	सां	—	सां	—	सां
की	ऽ	जे	ऽ	कृ	पा	ऽ	द्रृ	ऽ	ष्टि
×		२			०		३		
(सां)नि	नि	नि	सां	सां	(सां)रें	(नि)सां	(नि)ध	—	प
से	व	क	प	र	अ	प	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(प)ध	—	ध	—	(ध)सां	(नि)ध	—	प	—	प
ना	ऽ	रा	ऽ	य	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
(प)गं	गं	(गं)रें	—	सां	(नि)ध	—	प	—	प
क	म	ला	ऽ	स	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
(सा)नि़	सा	(म)ग	ग	म	(नि)ध	नि	सां	सां	सां
से	त	अ	खि	नि	से	त	अ	शि	नि
×		२			०		३		
(ग)रे	रे	रे	—	म	(ग)रे	—	सा	—	सा
ह	र	पा	ऽ	र्वे	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

भैरवी–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

										ध
										म
ध				सां			नि			
सां	–	सां	–	रें	सां	–	ध	प	प	
वा	ऽ	नी	ऽ	द	या	ऽ	नी	ऽ	म	
×		२			०		३			
							म			
नि	–	ध	–	प	प	–	ग	–	म	
हा	ऽ	बा	ऽ	क	बा	ऽ	नी	ऽ	सु	
×		२			०		३			
	प				म					
प	नि	ध	प	प	ग	ग	रे	–	सा	
र	न	र	मु	नि	ज	न	मा	ऽ	नि	
×		२			०		३			
सा							नि			
गं	गं	गं	रें	रें	सां	–	ध	–	नि	
स	क	ल	बु	ध	ग्या	ऽ	नी	ऽ,	भ।	
×		२			०		३			

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	सां	सां	–	सां
ज	ग	ज	न	नि	ज	ग	जा	ऽ	नि
×		२			०		३		

सां रें	रें	रें	—	रें	गं	रें	रें	सां	सां
म	हि	षा	ऽ	सु	र	म	र	द	नि
×		२			०		३		
सां गं	—	रें गं	—	मं	गं रें	—	सां	—	सां
ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	चं	ऽ	डि
×		२			०		३		
प	ध	नि	सां	रें	सां	—	नि ध	-	नि
अ	म	र	प	द	दा	ऽ	नी	ऽ,	म।
×		२			०		३		

भैरवी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सा	सा	सा ध	प	ध	प	म	प	रे	म ग
ध	न	घ	री	ऽ	ध	न	सु	दि	न
×		२			०		३		
ग सा	सा	रे	रे	म	ग रे	ग	रे	—	सा
घ	न	ध	न	मु	हू	ऽ	र	ऽ	त
×		२			०		३		
सारे	नि सा	नि ध	ध	नि	सा	—	—	रे	सा
धऽ	न	ध	न	स	खी	ऽ	ऽ	ध	न
×		२			०		३		

सा ध़	–	प	म	प	म ग़	–	ग़ रे़	–	सा
आ	ऽ	ज	की	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	लि।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प ध़	म	ध़	ध़	नि़	सां	–	–	रें़	सां
ध	न	ध	न	विं	द्रा	ऽ	ऽ	ब	न
×		२			०		३		
सां रें़	रें़	सां रें़	–	मं	गं़ रें़	रें़	सां	–	सां
ध	न	बं	ऽ	सि	ब	ट	ध	ऽ	न
×		२			०		३		
प ध़	ध़	प	प	ध़	प	म	प	ग़	म
ध	न	स	रि	त	सि	रि	ज	मु	ना
×		२			०		३		
प	नि़	ध़प	म ग़	म	ग़ रे़	–	ग़ रे़	–	सा
का	ऽ	न्हऽ	क	र	त	ऽ	के	ऽ	लि।
×		२			०		३		

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा म	–	–	रे़ ग़	–	म	ग़ रे़	ग़	रे़	सा	–	सा
जो	ऽ	ऽ	तू	ऽ	र	चो	ऽ	सा	मा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

(नि)सा	रे	नि	सा	–	रे	ग	–	रे	सा	–	सा
द	या	ऽ	सौं	ऽ	ना	ना	ऽ	प्र	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
(नि)सा	ध	ध	प	–	ध	प	म	म	प	म	–
तो	ऽ	हे	ना	ऽ	बि	सा	ऽ	रों	स	दा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा	सारे	ग	ग	ग	म	(ग)रे	ग	रे	सा	–	सा
ह	रऽ	ह	र	गु	न	गा	ऽ	य	गा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

(प)ध	ध	म	ध	–	नि	सां	–	रें	सां	–	सां
दु	ख	ऽ	सू	ऽ	ख	जी	ऽ	स	हा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
(सां)गं	(रें)गं	गं	गं	गं	–	रें	रें	रें	सां	–	सां
अं	ऽ	त	र	ना	ऽ	क	छु	उ	पा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
(सा)ध	–	ध	प	–	ध	प	म	प	–	म	म
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
सा	सारे	ग	–	म	म	(ग)रे	ग	रे	सा	–	सा
ध्या	ऽऽ	नां	ऽ	त	र	ला	ऽ	य	ला	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि़ सा	—	सा ध॒	प	—	प	प नि॒	ध॒	पम	प	म	म
जा	ऽ	की	मा	ऽ	या	नि	रं	ऽऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
रे॒ सा	सा	रे॒	ग॒	—	म	ग॒ रे॒	रे॒	—	सा	—	सा
लि	खि	न	जा	ऽ	त	अ	गं	ऽ	पा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
ध़ नि़	नि़	ध़	प़	ध़	नि़	सा	सा	रे॒	सा	—	सा
सु	र	न	र	मु	नि	क	र	बि	चा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा	—	सा	रे॒	ग॒	म	ग॒ रे॒	ग॒	रे॒	सा	—	सा
जा	ऽ	को	ऽ	शि	व	ध्या	ऽ	य	ध्या	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प ध॒	—	म	ध॒	—	नि॒	सां	सां	सां	सां	—	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	सि	रि	नि	बा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
सां ग॒ं	—	रें॒	रें॒	ग॒ं	ग॒ं	ग॒ं रें॒	रें॒	ग॒ं रें॒	सां	—	सां
पू	ऽ	र	न	घ	ट	घ	ट	प्र	का	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

		सा									
सा	सा	ध	ध	प	प	प	ध	प	म	–	म
ज	ल	थ	ल	प्र	भु	ब	न	बि	ला	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
म			म			ग					
नि	ध	–	ग	–	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
र	है	ऽ	प्र	ऽ	भु	छा	ऽ	य	छा	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा						ग					
ग	–	ग	सा	रे	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
भ	ऽ	स्म	अं	ऽ	ग	गौ	ऽ	रि	सं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि									ग		
सा	रे	नि	सा	–	रे	ग	–	म	म	–	म
ज	टा	ऽ	में	ऽ	बि	रा	ऽ	जे	गं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म					प						
ग	–	ध	प	–	नि	ध	प	म	प	–	म
चं	ऽ	द्र	मा	ऽ	ल	ला	ऽ	ट	ध	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सा	रे	ग	–	म	रे	–	ग	रे	सा	–
अ	धि	ऽ	क	ऽ	सु	हा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प											
ध॒	—	ध॒	म	ध॒	नि॒	सां	रें॒	सां	सां	—	सां
घो	ऽ	ट	त	भं	ग	च	ढ	त	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
सां				सां					नि॒		
नि॒	--	सां	सां	गं॒	—	रें॒	—	सां	ध॒	—	प
रु	ऽ	ड	न	की	ऽ	मा	ऽ	ल	ग्री	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
				नि॒		नि॒	नि॒				
प	प	प	—	ध॒	सां	ध॒	ध॒	पम	प	म	म
ध	तु	ग	ऽ	अ	र	धां	ऽ	गिऽ	से	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म						ग॒					
सा	—	रे॒	ग॒	—	म	रे॒	—	ग॒	रे॒	सा	—
पू	ऽ	ज	न	ऽ	च	ढा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	म		म			ग॒					
	ग॒	—	ग॒	—	म	रे॒	—	ग॒	रे॒	सा	—
ऽ	जा	ऽ	दि	ऽ	न	ते	ऽ	ऽ	बि	छु	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि॒						रे॒					
ध॒	—	—	नि॒	सा	रे॒	ग॒	—	रे॒	ग॒	रे॒	सा
रे	ऽ	ऽ	म	न	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ऽ	ह	न
×		०		२		०		३		४	

सा						ग				ग	
प	–	–	ध	म	प	ग	–	–	म	रे	सा
वा	ऽ	ऽ	दि	न	ऽ	तें	ऽ	ऽ	भ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि						ग			रे		
सा	–	रे	ग	–	म	रे	ग	–	ग	रे	सा
सू	ऽ	ऽ	ख	ऽ	स	रा	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प											
ध	–	म	ध	–	नि	सां	–	–	सां	सां	–
जे	ऽ	ऽ	चू	ऽ	रि	यां	ऽ	ऽ	क	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सां										नि	
नि	–	–	सां	–	सां	रें	–	–	सां	ध	प
में	ऽ	ऽ	न	ऽ	हिं	भा	ऽ	ऽ	व	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	

प						म				ग	
ध	–	–	ध	प	पम	ग	–	–	म	रे	सा
जे	ऽ	ऽ	चु	री	ऽऽ	यां	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	

रे						म					
सा	–	रे	ग	–	म	ग	रे	ग	रे	सा	–
बां	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ढ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी

सा									म		
ध	—	—	प	—	ध	प	धुम	प	ग	—	—
ए	ऽ	ऽ	क	ऽ	स	पू	ऽऽ	ति	ने	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे									ग		
ग	—	म	सा	—	रे	ग	—	म	रे	—	सा
आ	ऽ	ऽ	न	ऽ	क	ह्यो	ऽ	ऽ	ते	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि			सा								
ध	—	—	नि	सा	—	रे	—	ग	रे	सा	—
मो	ऽ	ऽ	ह	न	ऽ	ठा	ऽ	ड़े	हैं	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि									म		
सा	ध	—	प	—	ध	प	म	प	ग	—	—
द्वा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ध	रा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म			नि								
ग	म	—	ध	—	नि	सां	—	—	सां	—	—
का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	में	का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध			सां			सां			नि		
नि	—	—	नि	सां	सां	नि	सां	—	ध	—	प
यूं	ऽ	ऽ	हू	ऽ	ल	से	ऽ	ऽ	बं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

					प	म					
प	ध	–	प	म	मप	ग	–	–	म	रे	सा
टू	ऽ	ऽ	ट	ऽ	गऽ	ये	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि						ग					
सा	रेसा	रे	ग	–	म	रे	–	ग	रे	सा	–
ड़ा	ऽऽ	ऽ	के	ऽ	त	ड़ा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी–दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

नि	
ध	नि
क्या	गु

रे										रे		नि	
सा	–	–	सा	–	–	सा	सा	रे	–	नि	–	ध	नि
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	मैं	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	पे
×			२				०			३			
			रे				ग						
सा	ग	–	ग	–	–	–	नि	–	–	सा	रे	ग	म
डा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	नि
×			२				०			३			

(ग)रे — —	सा — — ग	(ग)रे रे —	सा — सा —
ऐ ऽ ऽ	सो ऽ ऽ च	ट क ऽ	रं ऽ ग ऽ
×	२	०	३
(सा)नि नि —	सा — — ग	(ग)रे — सा	(नि)ध — — नि
ब द ऽ	न ऽ ऽ ऽ	मा ऽ ऽ	रो ऽ ऽ, गु।
×	२	०	३

अन्तरा.

सा — —	सा — — रे	ग — —	म — म म
आ ऽ ऽ	वो ऽ ऽ सैं	यां ऽ ऽ	ऽ ऽ मु ख
×	२	०	३
(म)ग — —	म — — प	(म)ग — म	(ग)रे — सा —
दे ऽ ऽ	खो ऽ ऽ मो	रे ऽ मं	द ऽ र ऽ
×	२	०	३
(रे)ग रे —	ग — — म	(ग)रे — —	सा — — रे
सु ख ऽ	जै ऽ ऽ सों	चं ऽ ऽ	द्र ऽ ऽ ब
×	२	०	३
(रे)नि नि —	सा — — ग	(ग)रे सा —	(नि)ध — — नि
द न ऽ	जै ऽ ऽ सो	ता ऽ ऽ	रो ऽ ऽ, गु।
×	२	०	३

(क० २)

भैरवी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा	नि	म	ग
नि̣ सा ग म	ध – – प पम	ग म	रे – सा
डा ऽ र त	के ऽ ऽ स रऽ	पि च	का ऽ रि
३	×	२	०
नि सा	म		ग
मां नि ध प	ग ग – म –	– म	रे – मा
स खि मो पै	कुं व ऽ र ऽ	ऽ क	न्है ऽ या
३	×	२	०

अन्तरा.

प			
ध – म ध –	– नि	सां सां –	सां – – –
धा ऽ ऽ ट ऽ	ऽ घा	ऽ ट ऽ	मैं ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सां			नि
नि – – सां –	– गं	रें मां –	ध – प –
गे ऽ ऽ क ऽ	ऽ त	रूं ऽ ऽ	ध ऽ न ऽ
×	२	०	३
म	म	ग	सा
ग धप नि ध प	ग म	रे – सा	नि̣ सा ग म
क हाऽ क रूं ऽ	मों रि	दै ऽ या	डा ऽ र त
×	२	०	३

भैरवी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

रे नि			
मारे निसा ध नि	सा – – मा –	– गरे	ग – ग
काऽ न्हाऽ ऐ सी	बं ऽ ऽ मी ऽ	ऽ बऽ	जा ऽ ई
३	×	२	०
रें	म		ग
ग प ध नि	ध म म रे ग	गप म	रे – सा
मो ऽ ह ल	ई ऽ ऽ ऽ ऽ	नऽ ई	ना ऽ र।
३	×	२	०

अन्तरा.

म			नि सां
ग म ध नि	मां – – मां –	रें मां	सां मां गं
श्या ऽ म में	सै ऽ ऽ न ऽ	क र	र ही है
३	×	२	०
नि	म प		ग
रें मां ध प	ग नि धप रे ग	मम म	रे – सा
स न मु ख	री ऽ झऽ र ही	रीऽ झ	वा ऽ र।
३	×	२	०

भैरवी– धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सां नि नि	प नि		
रें सां ध प	ग म – ध –	नि	सां – –
आ ली दे खो	भो ऽ ऽ र ऽ	ऽ भ	ई ऽ ऽ
३	×	२	०

				सां		गं			गं				
–	–	सां	नि॒	गं॒	–	गं॒	रें॒	रें॒	रें॒	–	सां	–	सां
ऽ	ऽ	लो	ग	जा	ऽ	गे	प	व	न	ऽ	जा	ऽ	गे
३				×					२		०		
नि॒				नि॒		म					ग॒		
सां	नि॒	रें॒	सां	ध॒	–	प	ग॒	ग॒	ग॒प	म	रे॒	–	सा
पं	ऽ	ऽ	छि	जा	ऽ	गे	ग	ग	नऽ	वि	रा	ऽ	जे।
३				×					२		०		

अन्तरा.

म			नि॒											
ग॒	म	–	ध॒	–	–	नि॒	सां	–	–	सां	–	सां	सां
प्रे	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	अ	ला	ऽ	ऽ	प	ऽ	क	छु
×					२		०			३			
नि॒		सां			नि॒		ध॒	प				नि॒	
सां	सां	गं॒	रें॒	सां	ध॒	प	प	गं॒	–	रें॒	सां	ध॒	प
सु	न	त	हू	ऽ	ना	हिं	क	हा	ऽ	क	रूं	मो	रे
×					२		०			३			
ध॒			म				रे			सां	नि॒		नि॒
प	नि॒	ध॒प	ग॒	–	प	म	ग॒	रे॒	सा	रें॒	सां	ध॒	प
श्रा	ऽ	नऽ	जा		ऽ	ऽ	ऽ	व	त	आ	ली	दे	खो।
×					२		०			३			

राग तोड़ी.

मनी तीव्रौ यस्यां खलु धगरयः संति मृदवो ।
मतो वादी षष्ठोऽस्य तु सहचरो गोऽतिमधुरः ॥
गभीरा सम्पूर्णा प्रकटसग्रहन्याससुभगा ।
प्रसिद्धा तोडीयं दुरधिगमना संगवचरा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मनो तीव्रौ धगरयः कोमलाः स्युर्धगौ स्मृतौ ।
वादिसंवादिनौ यत्र तोडी सा संगवे मता ॥

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे मनि कोमल रिगध वादी धैवत साज ।
सम्वादी गंधार है टोडी राग बिराज ॥

चन्द्रिकासार ।

धनी सरी गरी सश्च मपौ धपौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा तोडिका ज्ञेया धैवतांशा च संगवे ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"तोड़ी"—यह राग तोड़ी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध शेष स्वर रे, ग, ध कोमल लगते हैं। वादी धैवत व सम्वादी गान्धार है। यह राग सम्पूर्ण जाति का है, गायन समय दिन का दूसरा प्रहर मानते हैं। पंचम स्वर का प्रयोग इस राग में कमी के साथ किया जाता है। नवीन विद्यार्थियों को इस राग में विकृत स्वर उचित स्थानों पर लेना कठिन होता है। इस थाट से उत्पन्न होने वाले "मुलतानी" नामक राग में भी ऐसी ही अड़चन होती है। इस राग की सारी खूबी रे, ग, ध, इन स्वरों पर अवलम्बित है, जबकि मुलतानी में ग, प, नि, यह स्वर विशेषता रखते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे ग, मेप, ध, निसां। सांनिधप, मेग, रे, सा।

पकड़ः—

ध़ नि़ सा, रे, ग, रे, सा, मे, ग, रे ग, रे सा।



तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) नि
मां

रे	ग	(प) म	ग	(प) म	—	ध	(प) ध	—	ध	(सां) नि	मां
चो	सु	र	न	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ब	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
—	नि	ध	नि	ध	—	म	ग	म	—	ध	नि
ऽ	ये	ऽ	गि	झा	ऽ	यें	ऽ	लें	ऽ	हो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(ध) म	म	प	ध	(ध) म	म	ग	म	ग	रे	सा	(सा) नि
स	ब	बि	धि	अ	प	नें	गु	रु	न	की,	सां।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(म) ग	ग	म	म	ध	—	(सां) नि	—	सां	नि	सां	—
गु	नि	ज	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	सों	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(नि) ध	–	ध	(सां) नि	सां	रें	(रें) नि	–	ध	नि	सां	रें
ग	ऽ	ग	पु	र	न	स	ऽ	म	सु	र	न
×		०		२		०		३		४	
नि	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	सा	रे	ग	म
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	ऽ	सा	रे	ग	म	प	म	ग	रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	रे	ग	म	प	ध	प	म	ग	रे
×		०		२		०		३		४	
सा	ऽ	सा	रे	ग	म	प	ध	नि	सां	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा
×		०		२		०		३		४	
नि़	निनि़	सासा	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	सांसां
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	तिर	किट	धिड	नग
×		०		२		०		३		४	
निनि	निध	धध	मम	ग	रे	सा	(सा) नि़				
नगि	नत	गिन	तक	धि	त्ता	धा,	सां				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)रे	(रे)ग	रे	रे	सा	सा	(नि)ध	ध	नि	सा	रे	ग
बि	क	र	त	ज	ब	ध	ग	रि	क	र	त
×		०		२		०		३		४	
म	प	मप	ध	म	ग	रे	ग	रे	—	सा	सा
म	नि	तोऽ	ऽ	व	र	सु	र	सं	ऽ	ग	त
×		०		२		०		३		४	
(सा)नि	सारें	ग	ग	(ध)म	म	ध	—	ध	नि	ध	ध
सु	गऽ	म	स	र	ल	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
(प)ध	नि	(नि)ध	नि	(ध)म	ग	(ग)रे	ग	रे	रे	सा	सा
गु	नि	तो	ऽ	ड़ी	ऽ	को	ऽ	ब	र	न	त
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

(ध)म	ग	(ध)म	म	ध	ध	(सां)नि	—	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	ज	हां	अं	ऽ	श	र	ह	त
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	नि	(नि)रें	नि	ध	प
रि	ग	मुऽ	र	त	हां	स	ह	च	र	म	त
×		०		२		०		३		४	

(क्र० २)

(ध)म	ध	नि	सां	नि	ध	(ध)म	ग	रे	(रे)ग	रे	सा
पं	ऽ	च	म	को	उ	अ	ऽ	ल्प	क	ह	त
×		०		२		०		३		४	
(सा)रे	रे	रें	(रें)गं	रें	सां	(ग)रे	रे	(रे)ग	रे	सा	सा
ह	र	रं	ग	को	ऽ	म	त	अ	भि	म	त
×		०		२		०		३		४	
(सा)रे	(रे)ग	रे	रे								
चि	क	र	त								
×		०									

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(ध)म	म	प	ध	(ध)म	ग	रे	ग	रे	सा	(सा)नि	नि	सा	रे	ग	–
मो	रे	म	न	जा	ऽ	य	श	र	न	तु	म्हु	कं	ऽ	दा	ऽ
२				०				३				×			
–	–	–	–	(रे)ग	ग	ग	रें	–	रे	सा	सा	नि	–	सा	रे
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	म	ल	भा	ऽ	व	ध	र	अं	ऽ	तः	ऽ
२				०				३				×			
(सा)रे	सा	(नि)ध	–	सा	रे	ग	ग	(ध)म	म	ध	ध	(ध)म	ध	नि	ध
क	र	ना	ऽ	टू	ऽ	ट	त	स	ब	भ	व	फं	ऽ	ऽ	ऽ
२				०				३				×			

म	ग	रे	सा	सारे	ग	रे	रे	सा	सा	(नि) ध	ध	नि	सारे	ग	–
ऽ	ऽ	दा	ऽ	जाऽ	ऽ	य	श	र	न	तु	मु	कं	ऽऽ	दा	ऽ।
२				०				३				×			

अन्तरा.

(ध) म	–	ग	–	(ध) म	–	ध	–	(सां) नि	–	सां	नि	सां	–	सां	–
मे	ऽ	रा	ऽ	मे	ऽ	रा	ऽ	ना	ऽ	क	छु	ते	ऽ	रा	ऽ
०				३				×				२			
सां	रें	(रें) गं	(रें) गं	रें	रें	सां	सां	(सां) नि	–	सां	रें	(रें) नि	–	ध	–
झू	ऽ	ठा	ऽ	क	ल	जु	ग	धं	ऽ	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
(ध) म	ध	नि	सां	नि	(ध) नि	ध	प	(ध) म	ग	रे	ग	रे	रे	सा	सा
दो	ऽ	दि	न	को	ऽ	ज	ग	च	तु	र	स	म	झ	स	ब
०				३				×				२			
(सा) नि	सा	ग	(ध) म	–	म	ध	–	(ध) नि	(ध) नि	ध	म	ग	–	रे	सा
सां	ऽ	च	ए	ऽ	क	गो	ऽ	बीं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दा	ऽ।
०				३				×				२			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध प ध	(ध)म म प ध	(ध)म ग – ग	म म प प
का ऽ न्ह क	र त मो से	रा ऽ ऽ र	ए रि मा ई
०	३	×	२
(मं)ग मं प ध	(ध)म – ग ग	रे – रे रे	(ग)रे – सा सा
अ ब ही ऽ	जा ऽ य क	हूं ऽ ज सो	दा ऽ ध र
०	३	×	२
(रे)नि़ सा ग ग	(ध)म म ध ध	(ध)म ध नि ध	सां नि ध प
लं ग र भ	ग र मो रि	ग ग रि दि	नि डा ऽ र।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ध)म – ग ग	(ध)म – ध ध	(सां)नि – सां नि	सां – सां सां
मैं ऽ द धि	बे ऽ च न	जा ऽ त बिं	द्रा ऽ ब न
०	३	×	२
(सां)नि – ध ध	नि – सां सां	(सां)नि नि सां रें	(रें)नि – ध ध
आ ऽ न अ	चा ऽ न क	तु म रो ऽ	बा ऽ ऽ र
०	३	×	२
(ध)म ध नि ध	नि ध प –	(मं)ग – रे रे	(ग)रे – सा सा
बा ऽ ट घा	ऽ ट में ऽ	रो ऽ क त	टो ऽ क ।
०	३	×	२

सा	ध	ध	
रे रे ग ग	म म ध –	म ध नि धनि	सां नि ध प
अ प ने च	तु र कों ऽ	ली ऽ जे संऽ	ऽ भा ऽ र
०	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		रे	
रे रे ग रे	– सा सा –	नि – सा रे	ग – – –
अ ल्ला ऽ जा	ऽ ने अ ऽ	ल्ला ऽ जा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध		
म प – ध	म – ग –	रे – रे ग	रे रे सा –
न बी ऽ अ	ली ऽ को ऽ	नू ऽ र भ	र र हो ऽ
०	३	×	२
सा	ध	ध ध	
रे रे ग –	म म ध ध	म ध नि म	– ग रे सा
ज ग में ऽ	ह स न हु	मे ऽ न चै	ऽ न जि ये।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध	ध		
म म ग –	म – ध ध	नि – सां नि	सां – सां –
जो ह रा ऽ	के ऽ फ र	जं ऽ द न	बी ऽ के ऽ
०	३	×	२
सां रें		सां	
रें रें गं रें	गं रें सां सां	नि – सां रें	नि – – ध
जि ग र गो	ऽ से अ लि	का ऽ स म	हो ऽ ऽ बै
०	३	×	२

म ध नि सां	नि ध ध नि	(ध)म – ग रे	ग रे सा –
कौ ऽ स र	के ऽ दो उ	जा ऽ म ह	म पि ये ऽ।
०	३	×	२

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

रे सा सा	(सा)प – प प	म – प ध	(ध)म ग – रे
ऽ लं ग र	कां ऽ क रि	या ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो
३	×	२	०
ग रे सा सा	ध – प प	मप ध (म)ध नि	(ध)म ग – रे
ऽ लं ग र	कां ऽ क रि	याऽ ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो
३	×	२	०
ग रे – सा	(सा)नि रे ग –	(ध)म – प ध	(ध)म – ग रे
ऽ मो ऽ रे	अं ग वा ऽ	ऽ ऽ ल ग	जा ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०
ग रे सा सा			
ये लं ग र			
३			

अन्तरा.

(म)प प (म)ग –	(ध)म – ध ध	(सां)नि – सां नि	सां सां सां –
सु न पा ऽ	वे ऽ मो रि	सा ऽ स न	न दि या ऽ
×	२	०	३

सांरें गं रें नि	– नि सां रें	रें नि ध नि ध	म – प ग म
दौऽ ऽ रि दौ	ऽ रि घ र	आ ऽ ऽ वे	ऽ लं ग र
×	२	०	३
प ध – ध नि	ध म – प ध	ध म ग – रे	ग रे सा सा
कां ऽ क रि	या ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो	ऽ लं ग र
×	२	०	३

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म – प ध	ध म ग – पध	ध ग म ग – म	ग रे सा –
बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ पति	या ऽ ऽ प	थि क वा ऽ
×	२	०	३
सा ध रे ग – म	ध नि ध प	म ग मरधप ग – म	ग रे सा –
मो रे ऽ पि	या ऽ स न	मोऽऽऽ रा ऽ सं	दे स वा ऽ
×	२	०	३

अन्तरा.

प म म ग ग	ध म म ध ध	सां नि नि सां सां	रें – सां –
घ रि घ रि	प ल प ल	छि न छि न	मैं ऽ का ऽ
३	×	२	०

सां	गं	सां	रें
रें गं गं रें	रें रें सां –	नि – सां रें	नि – ध –
जु ग सि बि	त त है ऽ	बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ध			ध ग
म ध नि सां	नि ध ध नि	ध पम प ध	म ग – म
सि य री ऽ	हो ऽ छ ति	या ऽऽ प ति	या ऽ ऽ प
३	×	२	०
ग रे सा –			
थि क वा ऽ			
३			

तोड़ी —त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध
नि
क

म		ध	ग
ध प ग म	प – मप ध	म ग – रे	रे – सा –
ल लि म्हा ने	दा ऽ ऽऽ ऽ	रु ड़ी ऽ पि	ला ऽ वै ऽ
३	×	२	०
नि़			
ध़ नि़ सा ग	रे – सा सा	नि़सा मग पम ध	निनि धम गरे सा,नि
हों ऽ तो ऽ	रा ऽ म द	छऽ कीऽ ऽऽ ऽ	बेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ,क ।
३	×	२	०

अन्तरा.

म ग म ध	नि नि सां सां	ध नि सांरें गं	रें सां ध –
सु न री ऽ	भ ग ति न	प्रे ऽ मऽ का	म धु वा ऽ
३	×	२	०
रें गं रें सां	नि सांरें नि ध	ध नि सां रें	नि – ध नि
भ र भ र	मो ऽऽ हे छ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे क।
३	×	२	०

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे रे	रे – सा सा	नि – सा रे	ग – गम प
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२
म ग रे रे	रे – सा सा	ध नि सा रे	ग – – –
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग – म म	प – ध ध	नि नि ध प	म ग गम ध
जो ऽ ब न	की ऽ म त	वा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ।
०	३	×	२
म ग रे रे			
पि या सं ग			
०			

अन्तरा.

प मं प ध (मं)	मं ग मं ध (ध ध)	नि – सां नि (सां)	सां – सां –
मृ ग म द	औ ऽ रे ऽ	के ऽ स र	डो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
नि – सां गं (सां)	रें – सां –	ध ध सां नि (प प)	ध प प ग (मं)
भी ऽ ज त	रं ऽ ग ऽ	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
०	३	×	२
मं ग रे रे (ग)			
पि या सं ग			
०			

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध ध	मं मं प प (ध)	मंप धप मं –	ग – – –
ऽ दे उ द	र स मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

– मं – ध (ध)	नि नि सां सां	सां रें सां रें	नि नि सां –
ऽ हों ऽ तो	दा सी तो रि	ज न म ज	न म की ऽ
०	३	×	२
रें गं – रें (सां)	– नि सां –	नि सां निसां रेंसां	नि ध – –
तु ही ऽ है	ऽ मो रा ऽ	प्या ऽ ऽऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

	म॑		
– ध – नि	ध ध प –	ध – नि	ध – प –
ऽ प्रे ऽ म	र स वा ऽ	ऽ रा ऽ ज्दु	ला ऽ रे ऽ ।
०	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म॑
प प
मैं तो

म॑	ग		
ग ग रे रे	रे – सा सा	सा रे ग –	– – – –
अ प ने मैं	या ऽ म न	मा ऽ ती ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सा	ग	सा	रे
रे रे रे रे	रे – सा –	नि – सा रे	नि – ध ध
भ र भ र	प्या ऽ ला ऽ	दे ऽ त अ	मी ऽ र स
०	३	×	२
सा	ध	ध ध	
रे रे ग ग	म॑ म॑ ध ध	नि नि ध प	म॑ ग, म॑ प
ल ट क च	ल त ब हु	भां ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मैं तो
०	३	×	२

अन्तरा.

ध	ध	सां	
म॑ – ग ग	म॑ – ध –	नि नि सां –	सां सां सां –
जो ऽ को उ	वा ऽ की ऽ	च र चा ऽ	क रि है ऽ
०	३	×	२

सां नि - सां गं	रें - सां सां	सां नि - सां रें	रें नि - ध -
मो ऽ ऊं ऽ	ना ऽ दि न	ग ऽ ऽ ऽ	ती ऽ ऽ ऽ
	३	×	२
ध म ध नि सां	ध नि ध प	म ग रे रे	ग रे - सा -
गा ऽ वे गु	द र गु रु	जि न लि ख	दी ऽ नो ऽ
०	३	×	२
सा नि़ सा ग ग	ध म म ध ध	ध नि नि ध प	म ग म प
जो ऽ मो रे	ज न म मं	गा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मैं तो

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

- ध - प	प म म प प	मप धप म ग	प म ध -
ऽ रा म् सु	मि र मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
- ध नि धप	म म प प	प ग म प ध	ध म - ग -
ऽ रा म् सुऽ	मि र मो रे	प्या ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

– (ध)म – ध	नि – सां सां	रें – सां सां	नि सां सां सां
ऽ रा ऽ म	ना ऽ म स	दा ऽ सु ख	दा ऽ य क
०	३	×	२
(नि)सांरें गं रें सां	सां नि सां रें	(रें)नि ध म ध	नि ध – प
संऽ ऽ क ट	म क ल नि	वा ऽ ऽ रे	ऽ तो ऽ रे।
	३	×	२

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प प	(म)ग –	रे सा	(सा)नि –	सा रे	ग ग
म न	वा ऽ	मो रा	ना ऽ	हिं र	ह त
०	३	४	×	०	२
(म)ग म	प ध	म प	ध नि	ध प	म प
इ त	नि क	ह त	अ र	ज ग	र ज
०	३	४	×	०	२

अन्तरा.

(प)म –	(म)ग –	(प)म ध	(सां)नि –	नि सां	– सां
कै ऽ	से ऽ	क र	रा ऽ	खु आ	ऽ न
×	०	२	०	३	४

सां						सां					
नि	नि	सां	गं	रें	सां	नि	सां	नि	–	ध	–
पि	या	बि	न	हां	ऽ	रे	ऽ	दू	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	ध					सां					
ध	रें	सां	रें	नि	सां	नि	नि	सां	नि	–	ध
उ	मं	ड	उ	मं	ड	घु	मं	ड	गा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
प	ध										
ध	नि	ध	नि	ध	प	प	प				
ग	र	ज	ग	र	ज	म	न				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि				ग			सा		सा	ध	
ध	नि	सा	रे	रें	–	सा	नि	सा	ध	म	ग
अ	ब	मो	रे	रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे				सा						ग	
ग	रे	–	सा	ग	–	रे	ग	–	रे	रे	सा
वि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध		ध		सां							
म	ग	म	ध	नि	सां	–	सां	नि	ध	नि	सां
नि	स	दि	न	ति	हा	ऽ	रि	टे	ऽ	र	क
३		४		×		०		२		०	

सांरें	गं	रें	सां	(सां)नि	सांरें	नि	ध	(ध)म	ध	नि	मां
रS	त	म	न	रं	SS	ग	S	ह	म	चे	S
३		४		×		०		२		०	
नि	धनि	ध	प	(ध)म	पध	नि	(ध)म	प	ध	(ध)म	ग
री	SS	तु	म	शा	SS	म	रा	S	म	रे	S
३		४		×		०		२		०	
(रे)ग	रे	–	सा	(रे)ग	–	रे	ग	रे	–	सा	निसा
वि	रा	S	म	रा	S	S	S	S	S	म	SS।
३		४		×		०		२		०	

तोड़ी–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)ध़	नि़	–	सारे	(सा)नि़	ध़		(सा)नि़	सा	सा	निसा	रे	(ग)रे	सा
स	ब	S	निस	ब	र	S	जो	S	री	SS	क	र	त
३				×			२				०		
निसा	रेरेसानिसा	नि़	सारे	(ग)रे	–	सा	नि़	सा	सारे	सारेग	रे	–	सा
रह	तSSSS	S	नित	बो	S	ली	ठो	S	लीS	SSS	प्या	S	रे
३				×			२				०		
(नि)सा	(सा)ध	(ध)म	ग	रे	–	सा	(नि)ध़	नि़	सा	रे	ग	रे	सा
अ	प	ने	S	S	S	S	गां	S	S	S	S	S	व
३				×			२				०		

अन्तरा.

नि़ मा							ध़						
सा ध़ ध़ —	नि	ध़	प	मं	ध़	नि	ध़	नि	ध़	प
मे रे तो ऽ	जि	या	में	जो	ऽ	ई	ऽ	आ	ऽ	वै
३	×			२				०		
ध़ म — प मंपध़	ध़ म	म	ग	मं ध़	म	ग	रे	ग	रे	सा
जो ऽ ही ऽऽऽ	क	र	हो	स	दा	ऽ	ऽ	ऽ	रं	ग
३	×			२				०		
सा नि़ सारे नि़ ध़ध़	नि़	सारे	ग	प	मंपध़	म	ग	ग रे	—	सा
त बऽ ही ऽह	मा	ऽऽ	गे	ना	ऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३	×			२				०		
नि़ ध़ नि़ — सारे	(सा)	नि़	ध़	ध़ म	ध़	नि़	सा	मा रे	ग रे	सा
म ब ऽ निस	ब	र	ऽ	जो	ऽ	री	ऽ	क	र	त।
३	×			२				०		

तोड़ी—आड़ाचौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़				ध़				सां					
सा	ध़	ध़	—	निमं	ध़	—	न	सां	नि	ध़	ध़	प	मंप
जा	ऽ	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	प	थि	क	वा	ऽऽ
४		०		×		२		०		३		०	

प मंपध	म	ग	—	ग रे	ग रे	ग	रे	सा	निसा	रे	सा	ध	ध
मोऽऽ	रे	ऽ	ऽ	पि	या	ऽ	सों	ऽ	ऽऽ	क	ह	ऽ	दे
४		०		×		२		०		३		०	

म	ग	ग मंरे	ग	प मंप	धनि	ध	प	मंप	मंपध	म	ग	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	होऽ	ऽऽ	प	ति	ऽऽ	ऽऽऽ	या	ऽ	रे	ऽ।
४		०		×		२		०		३		०	

अन्तरा.

प मंमं	पध	मंग	ध मंध	सां नि	सां	—	सां नि	सां	सां	सां नि	ध	सां नि	सां
पह	लेऽ	मुख	सोंऽ	क	ही	ऽ	ऽ	ऽ	यो	तु	म	रो	ऽ
४		०		×		२		०		३		०	

सां रें	गं	—	रें	सां	निसांरें	नि	ध	ध म	ध	नि	ध	प	मंप
खु	दा	ऽ	हा	ऽ	ऽऽऽ	फि	ज़	तु	म	ऽ	बि	न	ऽऽ
४		०		×		२		०		३		०	

प ध	म	ग	ग मंरे	ग	रे	—	सा	—	रे	सा	निसा	सा रे	रें
स	दा	ऽ	रंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	अ	ब	ऽऽ	ज	री
४		०		×		२		०		३		०	

—	गंरें	—	सां	नि सां	सांरें	गं	—	रें	सां	निसां	निसांरें	नि	ध
ऽ	जाऽ	ऽ	त	छ	तिऽ	यां	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	ऽ	ऽ।
४		०		×		२		०		३		०	

तोड़ी--एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

												प धनि किर्
ध	प	म	पध	(ध) म	ग	रे	सा	(सा) नि	सा	निसा	रेरे	
पा	ऽ	ऽ	ऽक	गो	ऽ	रे	ऽ	मो	ऽ	ऽऽ	मन	
३		४		×		०		२		०		
(ग) रे	—	सा	निसा	(नि) ध	नि	सा	रे	सारेग	रे	(रे) नि	ध	
मैं	ऽ	यां	ऽऽ	त	न	म	न	धऽऽ	न	नौं	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
(नि) ध	नि	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	(सा) नि	सारे	ग	—	
छा	ऽ	व	र	क	रि	हूँ	ऽऽ	प	रिऽ	हूँ	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
(ध) मं	—	ध	—	(नि) ध	नि	सां	रें	नि	ध	पमं	धनि	
पैं	ऽ	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	किर् ।	
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

(ध) मं	ध	नि	सां	सां	—	निसां	सां	(गं) रें	—	सां	निसांरेंगं
म	हु	म	द	शा	ऽ	ऽऽ	सु	जा	ऽ	न	अऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

रेंसां निसांरेंसां	नि ध	(ध)म प	मंपधनि ध	— मंपध	म ग
बऽ कऽऽऽ	हीं ऽ	भा ऽ	ऽऽऽऽ ग	ऽ हऽऽ	मा ऽ
३	४	×	०	२	०
रे (ग)रे	— सा	(सा)नि सा	रे ग	म ध	नि सां
रे जा	ऽ गे	ले ऽ	ऽ हों	ऽ ब	लै ऽ
३	४	×	०	२	०
रें नि	— ध	ध नि	मां रें	(गं)रें —	सां (ध)निनि
ऽ या	ऽ ऽ	सु र	ज न	मैं ऽ	यां किर।
३	४	×	०	२	०

तोड़ी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सारे
जिऽ

ग — — रेंसा	(ग)रे — सा —	नि सा रे रेग	(प)म रे ग —
ऊ ऽ ऽ मोरा	चा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
म ध (ध)निनि मंध	सां निसां नि ध	(मं)प पध (ध)म ग	(प)म रे ग —
ऽ ऽ हेऽ ऽऽ	पी ऽऽ या ऽ	मि लन को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

मा रे ग –	ध/म ध नि ध	धधनिसां रेंगं रेंनि ध	म/ग म ध धनि
र खि ये ऽ	ग रे ऽ ल	गाऽऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ये ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
म/ग – – रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

अन्तरा.

म/ग – – ध/मध	सां निसां सां सां	नि/धध नि सांरें सांरेंगं	सां/नि सांरें नि/ध –
सूं ऽ ऽ दर	मू ऽऽ र त	जब तें दंऽ ऽऽऽ	खी ऽअ त ऽ
३	×	२	०
प ध ध/म ग	ग/म ध नि सां	निसां निसांरें नि ध	म/ग म ध धनि
त ब तें ऽ	क छु न हिं	ऽऽ ऽऽऽ भा ऽ	वे ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
म/ग – – रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

तोड़ी—त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि़/ध़ नि़ सा –रे	ग रे सा –	रे नि़ ध़ प़	ध़ नि़ सा –रे
बा जो रे ऽमं	म द सा ऽ	घ र वा ऽ	अ नं द ऽब
३	×	२	०

					सा					म		ग			
नि	-ध	प	-	सासा	प	-	मंप	पध	मंपधप	ग	-	रे	ग	रे	सा
धा	ऽव	रा	ऽ	पूजि	ले	ऽ	ऽऽ	मन	काऽऽऽ	ई	ऽ	का	ऽ	जो	रे।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध			म	सां			
मंध	निध	प,पधप	ग,मंध	नि	सां	सां	-निसां
तन	ऽम	न,धऽऽ	न,पाऽ	ई	ऽ	ला	ऽ,ऽऽ
३				×			
नि				सां		रें	
ध	नि	सां	सां	नि	सांरें	नि	ध
गा	जी	ऽ	ला	ऽ	बन	रा	ऽ
२				०			
सां				सां		रें	
नि	सांरें	गं	रेंसां	नि	निसांरें	नि	ध
स	दाऽ	ऽ	रंऽ	गी	ऽऽऽ	ला	ऽ
३				×			
			नि	ध			
धधनिसांरेंगं	गंरें	निसां,निसांरेंसां	ध	मंध	मंग	-रे	सा
ऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	मोऽ,ऽऽऽऽ	रा	राऽ	ऽऽ	ऽजो	रे।
				०			

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

प								सा			
मंरे	ग	रेसा	सारे	ग	—	रे	सा	नि	सारेग	रे	सा
दैंऽ	ऽ	याऽ	बट	दू	ऽ	भ	र	भ	ऽऽऽ	ई	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि				नि							
सा	निसारे	नि	ध	सा	नि	—	सारे	नि	ध	प	—
मैं	ऽऽऽ	का	ऽ	लं	ऽ	ऽ	गर	वा	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि				ग			सा				
ध	नि	सा	सारे	रे	—	सा	नि	सारे	ग	रे	सा
भ	र	ऽ	नन	दे	ऽ	त	ग	गऽ	रि	या	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
रे											
ग	—	रेसा	निसारे								
दे	ऽ	याऽ	ऽ,बट								

अन्तरा.

ग				प		ध					
रेरे	धध	निध	पप	म	मंपध	मंग	गरे	ग	रे	सा	निसा
बिहा	ऽन	तोरे	संग	कै	सेऽऽ	जाऽ	ऽऊं	स	ज	नी	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ध								प	ध		
म	धनि	सां	—,सांरें	नि	ध	प	मंप	ध	म	ग	रे
बी	चमां	ऽ	ऽ,झऽ	ठा	ऽ	ड़ो	ऽऽ	स	दा	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ग	रे	सा	सारे	ग रे	–	ग मरे	ग	–	रे	सा	सारे
रं	ऽ	ग	उच	कै	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या,	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
रे ग	–	रेसा	नि,सारे								
दे	ऽ	याऽ	ऽ,बट								
३		४									

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि सा
तो

सा ध	–	मं प	मंपध	ध म	ग	–	ध म	ध	सां नि	सां	नि
री	ऽ	छ	बिऽऽ	मो	ऽ	ऽ	म	न	ही	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	
ध मंध	मंग	रे	सा	नि ध	नि	सा	–,सा	सारे	सारेग	रे	सा
नऽ	भाऽ	ऽ	वे	अ	धि	क	ऽ,सु	हाऽ	ऽऽऽ	वे,	तो
३		४		×		०		२		०	
सा ध	–	मं प	मंपध	ध म	ग	–	ध मंध	सां नि	सां	नि	ध म
री	ऽ	छ	बिऽऽ	मो	ऽ	ऽ	मन	ही	ऽ	म	न
३		४		×		०		२		०	
ग	ग रे	–	सा								
ऽ	भा	ऽ	वे								
३		४									

अन्तरा.

		ध		ध							
मं	ग	मं	ध	सां	निसां	सां	सां	निध	सांनि	रेंसां	गं,रेंसां
सा	ऽ	त	स	खी	ऽऽ	मि	ल	देऽ	होऽ	ऽऽ	ऽ,मुऽ
३		४		×		०		२		०	
सां		रें		ध				ध			
निसां	निसांरें	जि	ध	मंध	निसां	निध	–नि	मं	ग	रे	सा
बाऽ	ऽऽऽ	र	क	सुऽ	ऽऽ	दुऽ	ऽर	सु	ऽ	घ	र
३		४		×		०		२		०	
सा	सा	ध		ध				मं			ध
निसा	गग	मं	ध	सां	नि	ध	प	ग	मं	ध,	नि
गाऽ	येव	जा	ये	रि	झा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ,	तो
३		४		×		०		२		०	
ध	प	मंप	पध								
री	ऽ	ऽऽ	छबि								
३		४									

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे				ग				रे			मं
ग	–	रे	रे	रे	–	सा	निसा	ग	–	–	गमं
को	ऽ	स	म	झा	ऽ	वो	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	कहो
३		४		×		०		२		०	

				प				रे				म		प	
नि़	ध़	–	प़	सा	सा	निसा	सारे	ग	ग	–	–	ग	रे	म	ग
र	ऽ	ऽ	ऽ	ह	ज	ऽऽ	रत	मी	रा	ऽ	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			
			मं					नि		नि				ग	
मंग	मंप	–	ग	मंरे	ग	रे	सा	सा	ध़	ध़	नि़	सा	रे	रे	सा
तेऽ	हाऽ	ऽ	रे	नाऽ	ऽ	म	कों	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र।
३				×				२				०			

अन्तरा.

				नि				प							
सासा	सा	ध	ध	ध	–	प	मंग	मंप	धनि	ध	प	(प)	–	म	ग
मन	डो	ऽ	रे	जा	ऽ	में	ऽऽ	गूऽ	ऽऽ	ऽ	द	पा	ऽ	ऊं	ऽ
३				×				२				०			
प				ग				ध	ध						
मंप	मंपध	मंग	रेरे	रे	–	सा	–	मंध	सां	निसां	निध	धमं	रेग	रे	सा
सोऽ	ऽऽऽ	हीऽ	कर	रा	ऽ	खों	ऽ	अब	हूं	ऽऽ	जेऽ	हर	ऽऽ	वा	ऽ।
३				×				२				०			

तोड़ी–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	मं			ध			ग				
	प	मंप	पध	म	ग	–	रे	ग	रे	सा	निसा
ऽ	ला	ऽऽ	लम	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व	न	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

(सा) निसा निसारे	नि ध	(नि) सा सारे	ग ग	(ध) मग पम	ध ध
मैंऽ ऽऽच	ली ऽ	स मुऽ	झ त	नाऽ हींऽ	ऽ मा
३	४	×	०	२	०
(सां) नि —	— सारें	(सां) नि —	ध —	धधनिसारें गं	रें नि
का ऽ	ऽ हुकी	बा ऽ	ऽ ऽ	ऽऽऽऽऽ ऽ	त ऽ।
३	४	×	०	२	०
ध प					
ऽ ला					
३					

अन्तरा.

(प) म ग	— (ध) मध	सां निसां	सां सां	रें —	सां सांरें
हूँ ऽ	ऽ तोरे	का ऽऽ	र न	ब्या ऽ	कु लऽ
३	४	×	०	२	०
गं रें	सां निसां	(सां) निसां निसांरें	(रें) नि ध	मप मपध	म ग
ऽ भ	ई ऽऽ	प्याऽ ऽऽऽ	रे ऽ	तूऽ ऽऽऽ	उ ठ
३	४	×	०	२	०
(म) पम धनि	— ध	(सां) निसां निसांरें	(सां) नि ध	धधनिसांरें गं	रें नि
चल मोरे	ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽऽ	सा ऽ	ऽऽऽऽऽ ऽ	थ ऽ।
३	४	×	०	२	०
ध (म) प					
ऽ, ला					
३					

कण				प		ध					प
ध	—नि	ध	प	म	पध	म	ग	मरे	ग	—	म
प्या	SS	रे	S	उ	नS	के	S	SS	S	S	मु
३		४		×		०		२		०	

कण		ध		रे				सा			
मंपधनि	नि	म	ग	ग	रे	सा	निसा	नि	—	सा	रे
खSSS	S	की	S	ब	ति	यां	SS	नै	S	न	स
३		४		×		०		२		०	

कण						ग					
नि	ध	प	—	सारे	ग	मरे	ग	—	रे	सा	निसा
लो	S	नें	S	जांS	ब	नS	S	S	म	द	SS
३		४		×		०		२		०	

कण	नि								नि		
ध	नि	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	ध	नि	सा	रे
म	त	वा	S	S	S	री	SS	S	S	S	S।
३		४		×		०		२		०	

कण	रे		
ग	—	—	रेरे
को	S	S	सम
३		४	

अन्तरा.

कण		प	ध	नि		सां					
		मंग	मंध	सां	—सां	निसां	निसांरेंरें	निध	प	ध	नि
S	S	लाS	इलि	ला	Sइ	कS	SSSरि	येS	S	र	स
३		४		×		०		२		०	

सांरें सांरेंगं	रेंसां निसां,निसांरें	रें नि धृ	प धृ नि	धृ प	धृ मे पधृ
नाऽ ऽऽऽ	ऽऽ ताऽ,ऽऽऽ	की ऽ	उ ल	ट पु	ल टऽ
३	४	×	०	२	०
धृ मे गृ	मरे गृ	– रे	– सा	सा ग रे रे	– सा
कै सी	ऽऽ ऽ	ऽ नी	ऽ की	सु हा	ऽ य
३	४	×	०	२	०
नि़ धृ़ नि़	सा –मारे	नि़ –	धृ़ प़	प़ धृ़ नि़	सा रे
म हुं	ऽ .मद	मा ऽ	ऽ ऽ	स दा	ऽ रं
३	४	×	०	२	०
नि़ –	धृ़ –	नि़ धृ़ ग	ग ग	रे मा	सा नि़ सारे
गी ऽ	लो ऽ	ले ऽ	क च्च	ल त	बा ऽर
३	४	×	०	२	०
रे नि़ –	धृ़ –	धृ़ नि़	सा रे	नि़ धृ़	नि़ सारे
डा ऽ	री ऽ	ब लि	हा ऽ	ऽ ऽ	रि, ऽऽ
३	४	×	०	२	०

तोड़ी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़ धृ़ नि़ सा रे	ग रे सा नि़सा रे	नि़ धृ़ – धृ सा	सा – नि़सारे रे
ह मा ऽ रे	तो ऽ ऽऽ जे	ही ऽ ऽ स	र ऽ ऽऽऽ व
३	×	२	०

अन्तरा.

ग	ग	ग	म	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ना	द्रे	द्रे	तुं	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि	रें	गं	रें	सां	सां	म	ध	नि	ध	प	प
धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे	धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि़	मासा	रेरे	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	निनि
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	गदि	गिन	तिर	किट
×		०		२		०		३		४	
धध	धप	पप	मम	म	मध	म	रे	ग	रे	—	सा
नगि	तक	निग	तक	धि	ताऽ	धा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	न्न।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	सां	(नि) ध	नि	ध	प	—	म	ग	ग	म	ग
तो	ऽ	म्त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	न	अ	त
४		×		०		२		०		३	
सा	रे	सा	रे	ग	—	म	म	प	म	प	ध
त	न	दे	रे	ना	ऽ	अ	त	त	न	दे	रे
४		×		०		२		०		३	

म	ग	(ध)म	—	ध	—ध	ध	—ध	म	ध	नि	सांसां
ना	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऽम	दी	ऽम	दा	रा	दी	ऽम
४		×		०		२		०		३	

सां	—	सांरें	गं	गं	रें	नि	ध	नि	सां	रें	ध
दी	ऽ	म्तऽ	न	न	त	द	रे	ता	रे	दा	नि।
४		×		०		२		०		३	

अन्तरा.

(म)ग	गग	मम	मम	ध	—ध	नि	निनि	सांसां	सांसां	सां	—सां
ना	दिर	दिर	दिर	दी	ऽम	तु	दिर	दिर	दिर	दी	ऽम
×		०		२		०		३		४	

ध	नि	सां	(गं)रें	—	सांसां	नि	सां	रें	नि	ध	—
त	दी	ऽ	म्दी	ऽ	ऽम	त	न	न	ना	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

प	—	म	प	—	ध	म	ग	म	रे	ग	—
ता	ऽ	रे	ना	ऽ	रे	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(ग)रे	—	रे	(म)ग	—	ग	(ध)म	—	ध	नि	सां	सां
ता	ऽ	रे	ना	ऽ	रे	ता	ऽ	रे	दा	ऽ	त्रि
×		०		२		०		३		४	

ध	ध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	ध
त	द	रे	दा	नी	ऽ	ता	रे	दा	नि
×		०		२		०		३	

तोड़ी —त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं
प —
दीं ऽ

			— — मं —
प ग रे सा	ग रे सा सा	सा रे ग —	— — प —
ओ दे ता ना	ना त दा रे	दे रे ना ऽ	ऽ ऽ दीं ऽ
०	३	×	२
	ग	सा	
प ग रे सा	रे रे सा —	नि़ सा ग म	प ध प —प
ओ दे ता ना	दे रे ना ऽ	धा किड किड धु	किड किड धिलां ऽग
०	३	×	२
		मं	मं
प ध प ध	प ध म प	प ग — प	ग — प —
किड नग तिर किट	नग धे किड नग	ते ह्ड़ा ऽ न्ते	ह्ड़ा ऽ, न्द्रीं ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध		प	ध
सां नि ध प	सां नि ध प	ध नि — ध	— प — प
ओ दे ता ना	ओ दे ता ना	दे रे ऽ ना	ऽ दी ऽ न्त
०	३	×	२
प	ग	नि़ सा	ध
ग — — —	रे — सा —	सा सा ग ग	म — ध —
दा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ	धि ति ली ति	ला ऽ ना ऽ
०	३	×	२

प	-प	प	ध	प	ध	मं	प	प	ग	-	प	मं ग	-	प	-
नग	ऽड्धि	गड्	तुं	नग	तिर	किट	तक	ते	ध्ड़ा	ऽ	न्ते	ध्ड़ा	ऽ	न्दीं	ऽ
०				३				×				२			

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	-	रे	ग	मं	मं	ध	नि	ध	मं	ग	मं
दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले	दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	
नि ध	-	-	-	-	-	ध	मं	ध	नि	-	ध
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	दे	ऽ	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि	ध	प	-	मं	धनि	नि	ध	प	ध	मं	ग
ना	ऽ	ऽ	ऽ	य	लऽ	लि	य	लि	य	लो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
-ग	ग	गमं	धनि	-नि	ध	मं	रे	ग	रे	-	सा
ऽम्	य	लोऽ	ऽऽ	ऽम्	य	ला	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल्ले
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी– एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मंमं	ग			ग		सा	रे
धग	–,मंरे	ग	–रेसा	रे	सा	निरे	निरेग
तदा	ऽ,रेऽ	ऽ	ऽ,दर	आ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०	
मं		ग		मं			
प	ध	मं	–ग	गमंमं	धधसां	–	निसांरें
दा	नी	दी	ऽम	नादिर	दिरतो	ऽ	ऽऽम
२		०		३		४	
ग				सा			
रे	सारेगरे	सा	निसा,सा	निरे	–निरेग	रेगमं	गमंप
तो	ऽऽऽम्त	ना	ऽऽ,त	द्राऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
×				२		०	
ध नि	ध	ग					
मंध	मंग	मंरेग	–रेसा				
रेऽ	द्राऽ	नीऽऽ	ऽ,दर				
३		४					

अन्तरा.

		ध						नि	
		मं	धधनिनि	सां	निसांसां	सां	–	धनि	सांरें
ऽ	ऽ	ऽना	दिरदिर	तो	ऽऽम	तो	ऽम	तन	देरे
३		४		×		०		२	

(गं)रें	सांमि	रेंगं	रें	सां	निसां	(रें)नि	सांरें
ऽ	नाऽ	ऽत	दा	ऽ	ऽऽ	रे	दाऽ
०		३		४		×	
नि	ध	(ध)मधनि	ध	मप	मपध	(ध)म	ग
नी	ऽ	ताऽऽ	रे	ऽऽ	ऽऽऽ	ना	ऽ
०		२		०		३	
(ग)मरे	ग	(म)गम	(म)धनि	सांरें	–	(रें)गंगंरेंसां	निधध
रंऽ	ऽ	तुंद्रे	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	नाऽऽऽ	ऽऽ,त
४		×		०		२	
मधनिसां	रेंध	रेंनि	(ध)मग	(ग)मरेग	–रेसा		
दाऽऽऽ	ऽऽ	ऽरे	दाऽ	नीऽऽ	ऽ,दर।		
०		३		४			

तोड़ी–तिलवाड़ा (विलम्बित)

स्थायी.

	(म)ध	पम	गम	(नि)ध	–प	(ध)म	ग	(ग)मरे	ग	–	रेरे
ऽ	ऽत	नन	दरे	ना	ऽत	दा	ऽ	नीऽ	ऽ	ऽ	तारे
३				×				२			
(ग)रे	–	सा	–	(सा)निरेगम	प	(म)गमगरे	निध,नि	सा	–रे	(रे)ग	–
दा	ऽ	नी	ऽ	दाऽऽऽ	ऽ	नीऽऽऽ	ऽऽ,त	दी	ऽम्त	दी	ऽम्
०				३				×			

		धृ	ग	धृ		नि		धृ		गं	
मंपधृनि	–धृ	पधृ	मंग	म	धृ	धृ	–धृ	सां	निसां	रें	सां
ताऽऽऽ	ऽन्न	दरे	नाऽ	दा	ऽ	नी	ऽउ	दा	ऽऽ	नी	ऽ
२				०				३			
नि		रें		रें		धृ					
धृनि	सांरें	गं	–	नि	–धृ	मंधृ	निसां	रें	सांरें	गंगंरेंसां	निधृपमं
नाद्रे	तुद्रे	दी	ऽम	दी	ऽम	तदि	याना	रे	ऽऽ	नाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
×				२				०			
	म										
गरेसासा	–धृ	पमं	गमं								
ऽऽऽऽ	ऽत	नम	दरे								

अन्तरा.

		धृ						रें			
		–मं	धृनि	सां	निसां	–नि	सांरें	नि	धृ	धृनि	सांरें
ऽ	ऽ	ऽउ	दन	तो	ऽऽ	ऽन्त	दिया	रे	ऽ	तन	दरे
३				×				२			
रें				रें				धृ			धृ
गं	रें	सांनि	सांरें	नि	धृ	प	–	मंपधृनि	धृ	प	मंग
ऽ	न्ना	ऽत	नन	ना	ऽ	रे	ऽ	ताऽऽऽ	रे	ऽ	दरे
०				३				×			
धृ								गं			
म	धृ	धृ	–धृ	नि	सां	–धृ	निसां	रें	–	सां	–
ना	ऽ	दी	ऽन्त	दी	ऽ	ऽन्त	नन	दी	ऽम	दी	ऽम
२				०				३			

नि	रें-	रें	गुंरें	गं	मंगं	पं	–	मंपं	मंगंगुंरें	सांनिधुप	मंगरेसा
ता	SS	रे	SS	ना	SS	रे	S	SS	दाSSS	SSSS	SSSS
×				२				०			
सा	–धु	पर्म	गुर्म								
नी	Sत	नन	देरे								
३											

तोड़ी–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प									
धु	–	धु	प	प	म	प	म	गु	गु
आ	S	दि	अ	न	ह	द	ना	S	द
×		२			०		३		
म							गु		
गु	म	प	धु	म	गु	रे	रे	सा	–
उ	प	जो	S	ज	ग	त	में	S	S
×		२			०		३		
सा				सा	सा				
नि	–	सा	–	रे	रे	गु	रे	–	सा
ता	S	को	S	क	रू	S	ध्या	S	न
×		२			०		३		
धु								म	
म	–	धु	नि	सां	नि	धु	प	गु	म
पा	S	क	म	न	घ	ट	में	S	S ।
×		२			०		३		

ध	-	ध	ध	नि	ध	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	न	ह	द	ना	ऽ	द।
×		२			०		३		

अन्तरा.

(प) म	ग	म	ध	(प) ध	(सां) नि	सां	सां	-	सां
ख	र	ज	रि	ख	ब	गं	धा	ऽ	र
×		२			०		३		
(सां) नि	सांरें	गं	रें	सां	(सां) नि	सां	रें	(रें) नि	ध
स	ऽऽ	प्त	सु	र	आ	ऽ	ह	त	मि
×		२			०		३		
(ध) म	ध	निसां	नि	ध	म	ग	रें	-	सा
ला	ऽ	यऽ	नि	र	गु	न	ब्र	ऽ	ह्म
×		२			०		३		
(सा) रें	गं	(रें) गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध	प
व्या	ऽ	प	क	ज	ग	त	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
ध	-	ध	नि	धप	म	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	नऽ	ह	द	ना	ऽ	द।
×		२			०		३		

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(ग)रे	रे	(ग)रे	रे	–	सा	सा	सा	–	सा
ल	ड़े	ह	म	ऽ	न	हु	मे	ऽ	न
×		२			०		३		
(सा)नि़	–	सा	–	रे	(सा)नि़	सा	नि़	ध़	ध़
ई	ऽ	मा	ऽ	म	सैं	ऽ	य	ऽ	द
×		२			०		३		
(नि़)ध़	ध़	ग	ग	–	(ध)म	म	ध	–	नि
सु	भ	ट	धू	ऽ	म	म	ची	ऽ	भ
×		२			०		३		
(ध)म	ध	(ध)म	–	ग	(म)ग	म	प	ध	नि
ई	ऽ	जं	ऽ	ग	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ती।
×		२			०		३		
(ध)म	म	(म)ग	रे	–					
ल	ड़े	ह	म	ऽ					
×		२							

अन्तरा.

(ध)म	–	ग	(ध)म	ध	नि	सां	सां	सां	–
खे	ऽ	त	बि	र	छा	ऽ	इ	यो	ऽ
×		२			०		३		

रें –	गं रें सां	(सां)नि सां	(रें)सां (नि)ध –
सिं ऽ	घ के ऽ	छा ऽ	व ड़े ऽ
×	२	०	३
(नि)ध ध	गं (गं)रें गं	रें –	सां नि ध
भ लें	च लें ऽ	ख ऽ	ङ्ग व गि
×	२	०	३
(ध)म ध	नि सां रें	(सां)नि सां	नि ध प
रे ऽ	ऽ ऽ ऽ	हा ऽ	थी ऽ ऽ।
×	२	०	३
प प	ध (ध)म ग	(ग)रे रे	(ग)रे – सा
ल ड़े	ह स ऽ	न हु	से ऽ न।
×	२	०	३

संचारी.

(नि)सा सा	ध ध –	(नि)ध –	ध प प
क र	ब ला ऽ	भू ऽ	मि प र
×	२	०	३
(प)म म	प – ध	प ध	(ध)म ग –
म हा	भा ऽ र	त भ	यो ऽ ऽ
×	२	०	३

म॑ ग॒	म॑	प	ध॒	म॑	म॑ ग॒	—	रे॒	सा	—
हु	वे	सै	ऽ	य	द्	ऽ	ज	ब	ऽ
×		२			०		३		
नि॒ ध॒	नि॒	सा	रे॒	ग॒	प म॑	प	म॑	ग॒	—
न	बी	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

आभोग.

ध॒ म॑	ग॒	ध॒ म॑	—	ध॒	सां नि	नि	सां	—	सां
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ज	ब	हु	ऽ	र
×		२			०		३		
सां रें॒	—	गं॒	रें॒	सां	सां नि	नि	सां	नि	ध॒
नू	ऽ	र	को	ऽ	त	ख	त	ले	ऽ
×		२			०		३		
प ध॒	गं॒	गं॒	रें॒	गं॒	रें॒	—	सां	नि ध॒	ध॒
सा	ऽ	ह	प	र	भी	ऽ	स्त	कु	र
×		२			०		३		
ध॒ म॑	ध॒	नि	सां	रें॒	रें॒ नि	सां	नि	ध॒	प
बा	ऽ	न	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

		ध					ग		
ध	ध	म	ग	–	रे	रे	रे	–	मा
ल	ड़े	ह	स	ऽ	न	हु	मे	ऽ	न।
×		२			०		३		

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प									
ध	ध	ध	ध	नि	ध	ध	प	म	ग
तु	म	स	मा	ऽ	न	न	दू	ऽ	जां
×		२			०		३		
म									
ग	म	प	ध	म	ग	–	रे	–	मा
ज	ग	में	ऽ	मो	रे	ऽ	रा	ऽ	ज
×		२			०		३		
नि									
ध़	नि़	सा	रे	ग	रे	–	सा	–	सा
स	क	ल	गु	न	सं	ऽ	प	ऽ	न्न
×		२			०		३		
प		सां							
म	ध	नि	सां	–	निध	नि	ध	–	प
तु	म	ग	री	ऽ	बऽ	न	वा	ऽ	ज
×		२			०		३		

अन्तरा.

म	म	ध			सां				
प	ग	म	ध	–	नि	नि	सा	–	सां
भ	र	न	पो	ऽ	ष	न	दु	ऽ	क्ख
×		२			०		३		

नि							सां		
ध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	नि	सां	निध
दा	ऽ	ली	ऽ	द्र	भ	य	ह	र	नऽ
×		२			०		३		
				म					
ध	नि	ध	प	ग	प	ग	रे	–	सा
ख	ट	द	र	स	न	नि	वा	ऽ	म
×		२			०		३		
सां					सां				
नि	नि	रें	गं	रें	नि	सां	नि	ध	प
तु	म	हो	ऽ	ध	र	म	ग	ऽ	ज।
×		२			०		३		

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		म				सा					
ध	मग	रे	ग	रे	सा	नि	सारे	ग	म	प	–
ह	रऽ	ह	र	शि	व	शं	ऽऽ	क	र	गं	ऽ
०		३		४		×		०		२	
प			ध		म	ध		प	सां		
म	प	ध	म	ग	ग	म	ध	ध	नि	सां	नि
गा	ऽ	ऽ	ध	र	पि	ना	ऽ	कि	पा	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
		ध			प				ग		
ध	प	म	प	ध	म	ग	रे	–	रे	–	सा
ब	ती	अ	र	ऽ	धां	ऽ	गी	ऽ	सो	ऽ	हे।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

मं प	मं ग॒	—	ध॒ म	—	ध॒	नि	सां	नि	सां	—	सां
न	र	ऽ	रु	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	
नि सां	नि ध॒	—	नि	सां	रें॒	गं॒	रें॒	सां	नि	सां	निध॒
औ	र	ऽ	वे	ऽ	ष	वि	रा	ऽ	ज	ऽ	तऽ
×		०		२		०		३		४	
ध॒ म	ध॒	निसां	निध॒	नि	ध॒	प	—	मध॒	नि	ध॒	प
भ	ऽ	स्मऽ	अंऽ	ऽ	ग	मे	ऽ	तऽ	ब	म	न
×		०		२		०		३		४	
प म	ध॒ मंग॒	रे॒	रे॒ ग॒	रे॒	सा						
मे	ऽऽ	त	सों	ऽ	है						
×		०		२							

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि॒ ध॒	नि॒	सा	रे॒	सा रे॒	सा ग॒	—	रे॒	—	रे॒	सा	—
मे	रे	तो	ऽ	अ	ल्ला	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ
३		४		×		०		२		०	

सा	ग			नि			सा				
रे	रे	—	सा	सां	नि	—	नि	सा	रे	ग	रे
आ	धा	ऽ	र	जि	ने	ऽ	र	चो	ऽ	ऽ	सं
३		४		×		०		२		०	
	सा			रे			ध			ग	
सा	नि	सा	रे	नि	ध	ध	ग	—	ग	मंरे	ग
ऽ	सा	ऽ	र	का	ऽ	म	को	ऽ	ध	लोऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
	ध			ध			ग				सा
ग	म	ध	नि	म	ग	—	रे	ग	रे	सा	ध
भ	म	हा	ऽ	जं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ल,	मे।
३		४		×		०		२		०	
—	नि										
ऽ	रे										
३											

अन्तरा.

मं			मं	नि							
प	प	—	प	ध	—	नि	सां	नि	सां	सां	सां
जि	ने	ऽ	र	चो	ऽ	अ	र	म	कु	र	स
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		सां							नि	
सां	ध	—	नि	सां	रें	गं	रें	सां	निसां	ध	—
ज	मीं	ऽ	आ	ऽ	स	मा	ऽ	ऽ	ऽऽ	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ग				प		ध			रे		
मंध	नि	सां	नि	ध	प	ध	म	ग	ग	रे	सा
निऽ	रं	ऽ	ज	ऽ	न	नि	रा	ऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

सा			ध		प	सां					
नि़	सारे	ध	म	ध	ध	नि	ध	नि	ध	प	प
सां	ऽऽ	चो	क्यों	ऽ	न	से	ऽ	ऽ	वो	प	र
×		०		२		०		३		४	

प							नि़	नि़	
ध	म	ग	रे	ग	रे	मा	सा	ध़	नि़
व	र	ऽ	दि	गा	ऽ	र,	म	ऽ	रे
×		०		२		०		३	

तोड़ी—चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

ध

ब

				ध			ग		ध		प
ध	प	मंप	ध	म	–	ग	मरे	ग	म	ध	ध
र	नी	ऽऽ	न	जा	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ये	ऽ	हो
३		४		×		०		२		०	

				ध			ध			ग	
–	नि	ध	प	म	प	ध	म	ग	–	रे	ग
ऽ	ते	हा	रि	ली	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	या	ऽ
३		४		×		०		२		०	

				सा			रे				सा
−	रे	−	सा	नि	सा	रे	नि	ध	प	−	नि
ऽ	तें	ऽ	म	आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	नि
३		४		×		०		२		०	
	ग							ग			सा
सा	रे	−	सा	सारे	ग	−	रे	रे	सा	−	ध
ऽ	ग	ऽ	म	आऽ	गो	ऽ	च	ऽ	र	ऽ,	ब ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म॑			म॑			सां					
प	ध	प	ग	म	ध	नि	सां	नि	सां	−	सां
ए	क	ज	कों	ऽ	ऽ	दी	न	द	या	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		सां								
सां	ध	−	नि	सां	रें	गं	रें	सां	निसां	नि	ध
ल	ढे	ऽ	ल	ढा	ऽ	ऽ	व	ऽ	ऽऽ	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	
				ध		रे					
धनि	ध	पम	पध	म	ग	ग	गं	−	रें	सां	निसां
एऽ	क	ऽऽ	नऽ	को	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	
सां		ध									
नि	ध	सां	नि	ध	प	−	धनि				
सा	ऽ	मं	छ	ऽ	र	ऽ,	बऽ				
×		०		२		०					

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि॒ध॒	नि॒	सा	रे॒	सा रे॒	ग॒	—	रे॒ ग॒	रे॒	मा	—	रे॒
मे	रे	तो	ऽ	तू	ही	ऽ	आ	ऽ	न	ऽ	मा
३		४		×		०		२		०	
रे॒	ग॒ रे॒	—	मा	सा नि॒	सा	—	सा रे॒	—	ग॒	रे॒	मा
न	ध्या	ऽ	न	जि	या	ऽ	जा	ऽ	न	नै	ना
३		४		×		०		२		०	
—	मा नि॒	सा	नि॒ ध॒	ध॒ म॑	ध॒	—	सा नि॒	मा	—रे॒	रे॒ ग॒	—
ऽ	प्रा	ऽ	न	ह	ज	ऽ	र	त	ऽऽ	मा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे॒ ग॒	—	प म॑	प	ध॒	म॑	ग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	नि॒ ध॒
हे	ऽ	म	र	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न,	मे।
३		४		×		०		२		०	
—	नि॒	सा	रे॒								
ऽ	रे	तो	ऽ								
३		४									

अन्तरा.

प	प	—	नि ध॒	—	नि	सां	सां	—	सां नि	सां	सां
अ	न	ऽ	ध	ऽ	न	त	न	ऽ	म	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि			सां								
ध	—	ध	नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध
बा	ऽ	र	धा	ऽऽ	म	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प						प			ग		
ध	ध	नि	ध	—	प	ग	ग	रे	रे	सा	—
गु	रू	ऽ	ज	ऽ	न	स	क	ल	तु	मी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे	रे	मं	प						ध		
नि़	सा	ग	मं	प	—	मं	ग	—	मं	ध	—
ढ़ी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध			ग				नि़				
मं	ग	रे	रे	—	सा	—	ध़	—	नि़	सा	रे
ऽ	ऽ	न	मा	ऽ	न	ऽ	मे	ऽ	रे	तो	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											सा रे मे
				सा							ध़
—	सा	नि़सा	नि़ध़	नि़	रे	नि़	ध़	नि़	ध़	प	मं
ऽ	री	ऽऽ	बऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै	जो
३		४		×		०		२		०	

धृ	निृ	सा	–	रे	सा	–	(निृ)सा	निृ	सारे	ग	–
ऽ	घ	री	ऽ	घ	री	ऽ	मो	हे	खिऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	–	सा	(निृ)सा	(निृ)धृ	निृ	सा	रे	ग	रे	सा	(सा)रे
ऽ	ऽ	वैं	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वैं,	मे।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध)म	ग	–	ध	म	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	सो	ऽ	लं	ग	र	ढी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट
×		०		२		०		३		४	
(नि)ध	नि	–	सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध
को	ऽ	ऽ	ऊ	ऽ	न	दे	ऽ	ऽ	ऽ	खो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	ध	नि	ध	–	प	(सां)नि	–	रें	नि	ध	प
स	ब	न	छां	ऽ	ड़	मो	ऽ	ऽ	हू	ऽ	सों
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	ध	म	ग	(ग)रे	–	सा	(सा)रे				
ने	ऽ	ह	ज	ना	ऽ	वैं,	मे				
×		०		२		०					

संचारी.

(ध)म	ग	—	म	ध	(प)ध	(प)ध	नि	ध	नि	ध	प
दु	र	ऽ	ज	न	में	ठा	ऽ	ड़ि	ति	न	में
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	ध	नि	ध	—	प	(ध)म	प	ध	(ध)म	—	ग
मो	ही	ऽ	को	ऽ	ल	जा	ऽ	ऽ	वै	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	ग	ध	ध	(ध)म	ग	रे	—	—	(ग)रे	—	सा
स	ग	री	त्रि	य	न	में	ऽ	ऽ	मो	ऽ	हे
×		०		२		०		३		४	
(सा)नि़	सा	रे	ग	—	(ध)म	ध	—	नि	ध	प	—
री	ऽ	ऽ	म	ऽ	च	ढ़ा	ऽ	ऽ	ऽ	वै	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

(ध)म	ग	—	(ध)म	ध	(प)ध	(ध)सां	सां	—	सां	—	सां
चं	ऽ	ऽ	च	ऽ	ल	स	स	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	ध	—	(सां)नि	सां	रें	गं	रें	सां	(सां)निसां	नि	ध
तु	म	ऽ	ब	हू	ऽ	ऽ	ना	ऽ	यऽ	क	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(ध)म ध	नि ध	— प	(ध)म ग	(ध)म ध	सां सां
का हू	ऽ भा	ऽ वे	का ऽ	ऽ ऽ	हू न
×	०	२	०	३	४
रें नि	ध म	ग रे	सा (सा)रे		
भा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	वे, मे		
×	०	२	०		

तोड़ी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

			(नि)सा
			सं
(रे)मंग (ध)म ध (मं)ध	(ध)सां नि ध प —	— (ध)म	प ध —
भाऽ ऽ ऽ र	च ल ऽ त ऽ	ऽ ध	र त ऽ
३	×	२	०
(ध)म ग (प)मंप ध	(ध)म (मं)ग — रे —	(ग)रे सा	नि सा रे
प ग ङिऽ ग	म गा ऽ त ऽ	ऽ छि	पा ऽ ऽ
३	×	२	०
नि — ध ध	(ध)म ध — नि (सा)सा	रे ग	रे सा (नि)सा
व ऽ ऽ त	म ध ऽ के ऽ	री ब	च न, सं।
३	×	२	०

अन्तरा.

(ध)म ध – नि (सां)सां | सां – | (गं)रें सां – | (नि)ध नि सां रें

क हूँ ऽ ब स | न ऽ | क हूं ऽ | पे ऽ च सु

× | २ | ० | ३

(रें)गं रें सां नि ध | (नि)ध गं | (गं)रें गं रें | सां नि ध प

धा ऽ र त ऽ | ता ऽ | प र क | र त ऽ अ

× | २ | ० | ३

(ध)म प ध (ध)म ग | रे रे | (ग)रे सा (नि)सा | (रे)मग (ध)म ध (म)ध

ने ऽ ऽ क ऽ | ऽ ज | त न सं | भाऽ ऽ ऽ र।

× | २ | ० | ३

तोड़ी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)सा

ला

ध ध नि | ध – प – | (ध)म – – प – | ध –

ऽ ल ऽ | म ऽ ध ऽ | मा ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ

० | ३ | × | २

(ध)म – – | ग – – – | रे ग – रे – | सा –

ते ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ब न ऽ ब ऽ | न ऽ

० | ३ | × | २

सा		ग	नि
नि सा रे	नि – ध –	रे – – सा –	सा
खे ऽ ऽ	ले ऽ ऽ ऽ	फा ऽ ऽ ग ऽ	ऽ, ला।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध			
म ध – नि –	सां –	सां सां –	नि सां सां –
स ब ऽ म ऽ	खी ऽ	य न ऽ	मो ऽ ले ऽ
×	२	०	३
नि		सां	सां
ध नि सां रें गं	रें सां	नि सां रें	नि – ध –
मं ऽ ऽ ऽ ऽ	ग ल	गा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
		म	ध
ध ध नि ध –	– प	प ग –	म – ध –
अ प ऽ नी ऽ	ऽ अ	प नी ऽ	खे ऽ ले ऽ
×	२	०	३
ध ग			
म ग – रे –	सा सा		
फा ऽ ऽ ऽ ऽ	ग, ला		
×	२		

इस पुस्तक में आये हुए रागों के स्वर विस्तार

इन स्वर विस्तारों से शिक्षार्थियों के गायन में सुन्दरता आवेगी तथा इस पुस्तक में वर्णित १० रागों के चलन उनके ध्यान में भली प्रकार से आजायंगे।

इन स्वर विस्तारों में स्वल्प विराम (कौमा) उचित स्थानों पर रुकने की जगह दिखाते हैं, अतः इन विरामों का विशेष महत्व समझना चाहिये।

शिक्षकों को चाहिये कि कक्षा में अपने विद्यार्थियों को योग्य रीति से इन स्वर विस्तारों को स्वयं बारम्बार गाकर दिखावें। तत्पश्चात् उनके सम्मुख उसी प्रकार पढ़कर (बांचकर) दिखावें, ऐसा करने से विद्यार्थियों को ठीक-ठीक स्वर स्थानों की समझ तथा योग्य स्थानों पर आवाज़ को ऊंची-नीची करने की कला, इन दोनों ही बातों का शीघ्र ज्ञान हो जावेगा। जिस प्रकार भाषा की विशेषता प्रत्यक्ष रूप से भाषा को सुनकर शीघ्र ही समझ में आजाती है, उसी प्रकार यह सङ्गीत रूपी भाषा है, ऐसा कहना कुछ अंशों में उचित ही होगा।

ये विस्तार अच्छी तरह सध जाने पर फिर इनकी सहायता से छोटी-बड़ी तानों को रचने की कला विद्यार्थियों को, शिक्षकों द्वारा समझानी चाहिए। विद्यार्थियों को नई-नई तानें तैयार करने की स्वयं इच्छा हो, ऐसी प्रेरणा शिक्षकों के द्वारा मिलनी सदा हितकारी रहेगी। कौनसी तान ठीक है और कौनसी गलत ? यह बात विद्यार्थियों को कारण सहित समझाई जावेगी तो इससे उनका बहुत हित होगा।

यमन-स्वरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, ऩिरे, सा, ऩि, रेग, रेग, मग, प, मग, रेग, रे, ऩि, रे, सा।

(२) ऩिरेग, रेसा, सा, ऩिध़, ऩिध़, प़, प़ध़ऩि, ध़ऩि, रे, गरे, ऩिरेग, रे, ऩिरे, सा।

(३) साग, रेग, मग, पमग, ध, पमग, निध, पमग, सां, निध, पमग, ध, पमग, रेग, प, रे, सा, ऩि रे, सा।

(४) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा, सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारेगमपधनिसां निधपमगरेसा ।

(५) सा, ऩि, ध़, प़, ऩि, ध़, प़, ऩि, ध़, ऩि, रे, ग, रे, गमपमग, रे, पमग, रे, ग, रे, ऩिरे, ग, रे, ऩिरे सा ।

(६) सा, रेग, प, म, ग, रे, गमपधनिधपम धपमग पमग रे, प, रे, सा ।

(७) सारेगमप, गमप, मप, धप, निध, प, सां, नि, ध, प, निध, प, मध, प, म, ग, रे, गमपमग, रे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमपरे, सा, सारेगमपध-पमरे, सा, सारेगमपधनिधपमरे, सा, सारेगमपध निसांनिधपमरे, सा ।

(९) गग, पधप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, रेंसां, निध, प, मप, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, मप, निधप, मपधप, मग, रे, गमपधनिध, प, मग, रे, पमग, रे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

(१०) साप, प, मध, प, पध, निध, प, धप, मग, ध, प, म, ग, रे, पगरे, गरे, ऩिरे, सा ।

(११) पग, पधप, सां, सां, रेंसां, गंरेंसां, पंरें, सां, निरेंगंमं-पं, रें, सां, रेंसां, निध प, मप, निध, प, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

बिलावल—स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, सारे, सा, ग, मग, प, मग, मरे, सा ।

(२) सा, ग, रे, सा, सा, ऩिध़, ऩिध़, प़, ध़सा, रेसा, ग, मपमग, मरे, सा ।

(३) सारेग, मग, प, मग, मरे, गप, ध, प, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(४) सा, निध़, निध़, प़, सा, सारे, सा, सारेगमरे, सा, ग, प, धनिधप, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(५) सां, निध, प, धनिध, प, ध, मग, मरे, गपधनिध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(६) सारेगमरे, सा, सारेगमपग, मरे, सा, सारेगमध, प, मग, मरे, सा, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, सा ।

(७) सासागमरे, गप, ध, निसां, सांरेंगंमंरेंरें, सां, सां, रेंसां, निध, प, ध, मग, मरे, गपधनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(८) सारेगम, रेगमप, गमध, प, निध, निसां, गंरेंसां, रेंसां, निध, प, धनिधप, मग, मरे, गमध प, मग, मरे, सा ।

(९) सारेगमप, गमप, ध, प, निध, निसां, सांरेंसां, गंमंरें, सां, रेंसां, निध, प, धनिसां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१०) सारेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारे-गमधधपध, मग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनि धपमगरे, सा ।

(११) सा, ग, मरे, सा, रे, सा, ध़, प़, ध़, सा, ग, गमग, गमध, प, मग, सां, निध, प, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१२) ग, ग, मग, मरे, गप, धनिधप, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१३) पप, ध, निसां, सांरेंसां, सांरेंगंमंरेंसां, गंमंरेंरेंसां, रेंसां, सां, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, पं, गं, मंरें,

सां, रेंसां, निध, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१४) साध, ध, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गप, ध, निसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१५) पप, ध, निसां, सां, रें, सां, सांरेंगंमंरेंसां, सांरेंगंमंपंगं, मंरेंरेंसां, गंगंमंरेंसां, रेंसां, निध, प, सां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

खमाज–स्वरविस्तार

(१) नि॒, सा ग, म ग, प, म ग, नि॒ ध, म प ध, मग, प, मगरेसा ।

(२) नि॒सागमपग, म, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(३) नि॒सागमपग, म, धप, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(४) सागमपधग, म, ध, प, सां नि॒, ध, सांरेंसां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(५) गगसागमपगम, नि॒ध, मपध, मग, धनिसां, सांनि॒धपमगरेसा ।

(६) नि॒साग, मगरेसा, प, मग, मगरेसा, नि॒सागमपनि, सां, रें, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(७) नि॒साग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, सांरेंसांनि॒ध, मप, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(८) नि॒सा, ग, म, प, म, ध, प, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, गमगरेसा ।

(९) नि॒सागमप, गमप, धप, नि॒धप, सांनि॒धप, सांरेंसांनि॒धप, सां नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१०) निसाग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, निसागमपधनिसां सांनिधपमगरेसा ।

(११) निसाग, मगरेसा, गमधपमगरेसा, निसागमपनिसांरें सांनिधपमगरेसा ।

(१२) निसागमगरेसा, निसागमपमगरेसा, निसागमपधप-मगरेसा, निसागमपधनिधपमगरेसा, निसागमपधनि-सांनिधपमगरेसा ।

(१३) निसाग, म, निसागमपग, म, निसागमपधपमग, म, निसागमपधनिधपम, ग, म, निसागमपधनिसांनिध-पमग, म, निसागमपधनिसांरेंसांनिधपम, ग, म ।

(१४) गमध, मध, निध, सां, निध, सांरेंसां, निध; मधनिसां निध, सां, निध, गंमंगंरेंसां, रेंसां, निध, सां, निध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१५) गमधनिसां, निसां, निनिसांरें, सां, निध, गंमंगंरेंसां, निसां, पनिसांरेंसां, निध, सां, निध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

भैरव–स्वरविस्तार.

(१) सा, रे, रे, सा, ध, सा, रे, सा, गरे, मगरे, रे, सा ।

(२) सा, रे, सा, निसा, ध, निध, प, पध, सा, रे, गरे, मगरे, पमगरे, रे, सा ।

(३) निसा, रे, सा, निसाध, साध, निध, प, मपध, नि, सा, रे, गरे, मगरे, गमपमगरे, गरे, रे, सा ।

(४) निसारे, सा, निसाध, सा, गमपमगरे, गमध, प, मपमगरे, गमपमगरे, रे, सा ।

(५) साग, मप, ध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(६) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरे-रेसा, सारेगमपधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरेसा ।

(७) निसामगरेसा, निसागमपग, मरेरेसा, निसागमपग, म, ध, निध, प, मप, मग, रेसा, निसागमपधनिसां–निधमपगमरेसा ।

(८) निसागमप, गमप, मप, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, निध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; गमप, ध, प ।

(९) निसागमपग, म, ध, निसां, सांरेंसांनिध, सांनिध, निध, प, गमनिध, प, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा; ग, मप, ध, प ।

(१०) साधपधमपमगरेगमपमगरेसा, सारेसानिध, निसा, गरेगपमगरेसा; ग, मप, ध, प ।

(११) मप, ध, निसां, निसां, सांध, निसां, रें, सां, नि, सां, ध, प, मग, मप, ध, रें, सां, निध, धप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(१२) साध, ध, निध, प, पध, निसां, रेंसां, निसां, ध, प, ग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, सा ।

(१३) प, प, ध, निसां, सां, निसां, ध, निसां, रें, सां, निसांध, प, मं, गं, मं, रें, सां, रें, सां, निसां, ध, प, मग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

पूर्वी—स्वरविस्तार

(१) ग, रे, सा, निरे, सा, नि, सारेग, रेग, मग, प, म, ग, रेग, मग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(२) नि, सारेग, रेग, मग, पमग, धपमग, मग, रेग, मधमग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारेग, मग, गममगमग, पधमपमग, मग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सा, नि, रेनि, ध, प, मप, धनिधप, मग, मध, नि, धनि, सा, निरेग, मग, रे, सा, निरे सा ।

(५) सा, निरे, सा, निरेग, रे, सा, निरेगमगरेसा, निरेगम-पमगरेसा, निरेगमपधपमगरेसा. निरेगमपधनिधपमगरेसा, निरेगमपधनिसां निधपमगरेसा, नि, सारेग ।

(६) निरेगमप, गमप, मप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, रें, नि, ध, प, मपध, मप, मग, मग, निरेग, धमग, रे, सा, निरे, सा ।

(७) साधपधमपमग, मरेग, मगरेसा, निरेगरेसा, पमगरे-गमगरेसा ।

(८) निरेगमप, गमप, धप, निध, प, मपधमप, मग, मग, निरेगमपमग, मग, धपधमपमग, मग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(९) निरेग, निरेगमग, निरेगमपमगमग, निरेगमपधपम-गमग, निरेगमपधनिधपमगमग, निरेगमपधनिसां-निधपमगमग, निरेगमपधनिसांरेंनिधनिधपधपमगमग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(१०) मग, मधम, सां, सां, निरें, सां, निरेंगंरें, सां, रेंसां, नि,

धृ, रें, नि, धृ, प, मधृनि, रेंनि धृप, पधृमप, मग, मग, निरे, ग, मधृमग, रेग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(११) सा, प, प, मपधृ, प, निधृ, प, सां, नि, धृ, प, मप, निधृ, प मपधृमपमग, निरेगमधृमग, रे, ग, रे, सा, नि रे सा ।

(१२) मग, मधृप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, निरेंगंमंगं-रेंसां, गंरेंसां, रेंसां, नि, धृ, प, मधृरेंनिधृ, प, मपधृम-प, मग, मग, निरेग, मधृमग, रेग, रे, सा, निरे, सा; नि, सारेग ।

मारवा—स्वरविस्तार

(१) ग, रे, सा, नि रे, सा, निरेग, रेग, मग, रे, सा ।

(२) निरेग, मग, धमग, रेगमधनिध, मग, रे, ध, मग, रे, ग, रेसा, निरे, सा ।

(३) निरेग, मधमग, निध, मग, निरेंनिधमध, मग, ध, मग, मग, रे, सा, नि रे, सा ।

(४) सा, निरेनिध, मधसा, रे, गरे, मगरे, धमगरे, निधम गरे, गमध, मगरे, गरे, सा, नि, रे सा ।

(५) निरेसा, निरेगरेसा, निरेगमगरेसा, निरेगमधमगरेसा, निरेगमधनिधमगरेसा, निरेगमधनिरेंनिधमगरेसा ।

(६) धमधमगरे, गमगरेसा, निरेसा, निरेनिध, मधसा, निरेगम-गरेसा, निरेगमधनिरेंनिधमगरेसा ।

(७) निरेग, रेग, मग, धमग, निरेंनिधमग, निनिधधममगग, रेंरेंनिनिधधममगग, रेगमधनिधमग, निधमगमगरेसा ।

(८) मग, मधम, सां, सां, निरेंसां, गंरेंसां, मंगंरेंसां,

निरेंसां, निरेंनिध, मध, निधमग, रेगमधनिधमग, ध मग, मग, रेसा ।

(९) साध, ध, निध, मध, निध, मगरे, गमध, निध, मग, रे, ग, रेसा ।

(१०) मग, मध, म, सां, सां सांरेंसां निरेंगंमंगंरेंसां, मंगंरेंसां, रेंसां, रेंनिध, मध, निधमग, रे, गमधमग, रे, ग, रे, सा, निरे, सा ।

काफी—स्वरविस्तार.

(१) सा, रेरेग, सा, रेप, मप, धप, मपधमप, ग, रे, रेग रेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(२) निसा, मगरेसा, निसा, धनिसा, रेगरे, मगरे, पमगरे, धपमपगरे, निधमपधमपगरे, रेगरेमगरेसा; निसारेग, सा, रेप ।

(३) निसाग, रे, म, ग, रे, प, मपग, रे, धपमपगरे, निधपमपधमपग, रे, सांनिधपमपधमपग, रे, रेगरेम-गरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(४) सा, रेसा, निधनिसा, धनिसा, मधनिसा, धनिसा ग, रे, म, ग, रे, प, मप, ग, रे, सारेंसांनिधपमप-सांनिधपमपगरे; रेगरेमगरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(५) सा, रेप, मप, धप, धनिधप, सांनिधप, रेंरेंसांनिधप, सांनिधप, मपधमप, ग, रे, निनिधपमपधमप, ग, रे, प, ग रे, रेगरेमगरेसा, सा, रेग, सा, रेप ।

(६) सा, गमप, गमपधनिधप, गमपधनिसांनिधप, गम-पधनिसांरेंसांनिधप, गमपधनिसांरेंगंरेंसांनिधप, सां,

निधप, धप, मपधमप, ग, म, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(७) सारेरेग, सा, रेप, म, पधनिसां, निधपमगगरेरे, रेनि-धनिपधमप, मगमप, म, सानि, सागरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(८) सांनिधप, निधपम, धपमग, मगरेसा, सागरेग, सा, रेप ।

(९) गंगंरेंसां, रेंरेंसांनि, सांसांनिध, निनिधप, धधपम, पप-मग, ममगरे, मगरेसा, सारेमपधनिसांरेंनिधपमग, रेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(१०) म, पध, निनिसां, निनिसांरेंसांनिध, सांरेंसांनिध, मप, निधमप, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

आसावरी–स्वरविस्तार.

(१) सा, रेम, प, प, ध, प, धम, पधमप, ग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(२) सा, रेम, प, प, ध, प, निध, प, सां, नि, ध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(३) सा, रेसा, निध, निध, प, मपध, सा, रेमपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(४) सारेम, रेम, प, प, ध, निध, सांनि ध, प, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(५) सारेमप, प, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, गंगंरेंरेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(६) सासामगरेसा, रेमपधमपग, रेसा, रेमपनिधपधमपग, रेसा, रेमपनिधसां, निधप, धमपग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(७) सारेसा, सारेगरेसा, सारेमपग, रेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधपधमपग, रेसा, सारेमपध, सां, सांनिधपमगरेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(८) सां, रेंसां, गं, रेंसां, मंगंरेंसां, रेंसां, निध, सां, निध, नि ध, प, मप, सां, निध, प,म, प निध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(९) सासा, ध, प, निध, प, ममपनिध, प, धमपग, रेसा, साग, रेसा, रेसा, निधप, मपध, सा, रेमपधम, पग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(१०) सारेमगरेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधप-धमपग, रेसा, सारेमपध, सां, निधपधमपधमपग, रेसा; रेम, प, नि, ध, प ।

(११) मप, ध, ध, सां, सां, ध, सां, रें, रें, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, गं, रेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, सां, निध, मपधमप, ग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।

(१२) सांध, ध, निध, प, सां, निध, ध, प, धम, पनिध, प, धमप, ग, रे,रे, सा, साध सा, रेम, प, धमप, ग, रे,सा ।

(१३) म, पध, सां, सां, गंरेंसां, मंगंरेंसां, गंरेंसां, रेंसां, सां, ध, निध, प, मपध, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, सां निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।

भैरवी–स्वरविस्तार.

(१) ग, सारेसा, ध, नि, सा, ग, मगरेसा ।

(२) सा, निसा, ध, निसा, ग, मग, पमग, रेसा, मगरे, सा ।

(३) निसाग, मग, पमग, धपधमपग, निनिधधपधमपग, पग, मग, सा, रेग, मगरेसा ।

(४) निसाग, रेग, मग, पमग, पधमपग, निनिधधपधमपग, सां, नि, ध, प, धमपग, रेसा, रेग, मगरेसा ।

(५) निसागगरेसा, निसागमपग, मगरेसा, निसागमपधमपग, मगरेसा, निसागमपधनिधपधमपग, मगरेसा, निसागमप-धनिसांनिधपधमपग, मगरेसा ।

(६) सा, नि, ध, प, ग, म, ध नि, सा, धनिसा, रेसा, मगरेसा, निसागमप, ग, मगरेसा, निसागमपधनि-सांनि धपमगरेसा ।

(७) निसागमप, गमप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, गं, रें, सां, नि, ध, प, सां, नि, ध, प, नि, ध, मपग, सा, रेग, मगरेसा ।

(८) साधपधमपगम, निध, सा, रेगम, गरेसा, धनिसारेनिसा, पमगरेसा ।

(९) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां, सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, निसागमपध-निसांनिधपमगरेसा ।

(१०) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,

सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारे-गमपधनिसांनिधपमगरेसा ।

(११) सा, ध, निध, गमध, ध, नि, सा, ग, पग, धपग, धधमपग, रे, मगरेसा ।

(१२) ध, मध, निसां, सां, रेंसां नि, नि, सां, गंरेंसां, नि, ध, प, साध, प, धमप, ग, म, नि, ध, प, ग, म, ग, रे, सा ।

(१३) सा, ध, प, ध, मपम, सा, रेग, म, ग, रेसा, रेसा, ध, निसा, सारेसा, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

(१४) ध, मध, निसां, सां, रेंसां, गं, रेंगं, मंगं, रेंसां, गं, रेंसां, सां, रें, निसां, ध, सांध, प, सा, ध, पधमप, ग, पग, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

तोड़ी—स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि, सारेग, मग, धमग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(२) नि, सारेग, मग, प, मध, प, मपध, मग, ध, मग, रे, सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारेग, मग, धमग, मधनिध, प, मपधमप, मग, ध, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सारेग, रेग, मग, धमग, निध, प, मपध, मग, रेंनि-धनिध, प, मपधमप, मग, धमग, धनिसारेग, मग, धमग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(५) सा, निसा, रे, निध, निध, मध, निसा, धनिसा, रेगरेसा, मग, रे, सा, मधनिध, प, मधमग, रे, सा नि, सारेग ।

(६) सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, म़पध़ म़ग़, म़ध़, नि़, ध़नि़सा, रेगरेसा, धनिधपमग, रेसा, नि़सागमधनिसां, निध–पमगरेसा; नि़नि़, सारेग ।

(७) सा, रेसा, ग, रेसा, मग, रेसा, धमग, रेसा, निधमग. रेसा, रेंनिध, निधप, धमग, रे, सा, नि़, सारेग ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा, सारेगमपधमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारे-गमपधनिसांनिधपमगरेसा, नि़नि़, सारेग ।

(९) नि़सागमप, गमप, धप, निध, प, सां, निध, प, मप-धनिधप, मपधमपमग, नि़, सारेग, धमग, रेग, रे, सा, नि़, सारेग ।

(१०) नि़सागमधनिसां, धनिसां, रेंसां, गं, रें, सां, निसांरें, निध, रेंनिध,निध, प, मधनिसांरेंगंरेंसां, निध, निध, प, मपधनिधप, मपध, मग, धमग, रेग, मग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(११) मग, मध, नि, सां, सां, निसां, निध, निसां, रेंगं, रें, सां, नि, सां, रें, निध; निध, प, गं, मंगं, रें, सांनि, सां, रें, निध, मधनिसां, रें, निध, निध, प, मपधनिध, प, मपध, मग, ध, मग, रेग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(१२) सा, ध, ध, निध, प, मप, मध, नि, रेंनि,ध, प, म, पध, मग, रेग, रे; सा ।

(१३) मग, मध, सां, सां, रें, सां, रेंगंरेंसां, मंगं, पं, मंगं, रें, सां, निसां, रें, निध, रेंनिध, प, मधनिध, प, मपध, मग, गं, रें, सां, निसांरें, निध, निध, प, मधनिध, प, मपध, मग, रेग, ध, मग, ग, रे, सा, नि़रे, सा

चीजों की सूची.

* समाप्त *

शुद्धि-पत्र क्रमिक पुस्तक मालिका (दूसरा भाग)

स्वरलिपि वाले पृष्ठों में लाइन गिनते समय हैडिंग, कणस्वर व ताल चिन्हों की लाइनें छोड़कर केवल स्वरलिपियों की लाइनें गिनी जायंगी। मैटर वाले पृष्ठों में सब लाइनें गिनी जायेंगी।

पृष्ठ	लाइन	कालम	अशुद्ध	शुद्ध
१४	१६	०	विविष्टवर्ण	विशिष्टवर्ण
१७	१३	०	पगौ गरी परी च स:	पमौ गरी परी च स:
२३	३	४	सां सां	रें सां सां
२५	३	४	नि – रं मा सा	नि – रं मा सा
२६	५	२	ग – ग	ग – ग ग
४२	६	४	नि	निध
६१	७	६	ध प	ध प प
६१	११	२	ग	ग रं
६४	११	१	नि सां गं	नि सां गं
६७	१२	४	क ऽ	कौ ऽ
६८	३	१	सा ध नि नि	सां ध नि नि
७५	२	०	प्राहूण	प्राहूणे
६०	१	४	नि प ध नि	नि प प ध नि
६५	२	२	र नऽ,वऽऽ	रै नऽ,बऽऽ

६८	७	३	सां – गं	सां – गं रें
१२०	५	४	ग रे –	म रे –
१२०	७	२	नि सां सां	नि सा सां
१२१	५	०	श्रौतुरप्मेष रागः	श्रौतुरप्येष रागः
१२६	४	२	ता ऽ सा हि	ता ऽ सो हि
१२७	६	२	ध ध (म) ग	ध ध (म) ग (प over second ध)
१५६	४	२	मों ऽ हे र	मों ऽ हे ऽ
१६८	१	४	– ध	– ध (प above)
१८७	६	२–३	गम ग(म)ग | रे (ग above) –	मग म(म)ग | रे (म above) –
१६५	११	६	प मपध	प मपधप
१६७	५	१	धध पम प –	धध पम प –
२१८	१२	५	ऽ का	ऽ की
२१६	१	४	प	प प
२१६	२	४	भ	भ र
२२०	८	३	ऽ या	ऽ यो
२२३	२	१	सा ऽ	सो ऽ
२२६	५	६	मप प	मप प (म above)

२४६	१	४	ध मं ग मरे ग	ध मं ग मरे ग
२६५	१	२	मंमंगरेंसांनि	मंमंगरेंसांनि
२६६	६	२	नग रऽ	नग ऽर
२६६	६	२	ध मं	ध मं
२६८	११	५	रेंरेंनिरे	रेंरेंनिरें
३०५	२	२	ना ऽ नाऽ ऽन,न	ना ऽ नाऽ ऽ,न्न
३०५	६	१	ग	गं
३०६	हैडिंग	०	मारवा झपताल (विलंबित)	मारवा–झपताल (मध्यलय)
३१७	१३	०	मगौ रिधौ	मगौ रिसौ
३३२	५	४	सा नि	सा नि़
३३३	५	४	गरेनि़सा	गरेनि़सा
४०३	१०	२	न्त ता ऽ	न्त रि ता ऽ
४०६	१	४	सा रेंनि	सा रेंनि़
४२२	१	४	ग ग –	म ग –
४२२	६	३	प पम	प मप

४४७	६	१	रे़रेसानि़सा	रे़रे़सानि़सा
४५८	५	२	सा –सारें	सा –सारे़
४६५	१	४	रे नि़रे़ग	रे़ नि़रे़ग
४६८	१	३	मंगंगंरें सांनिध़प मंगुरेंसा	मंगंगंरें सांनिध़प मंगुरे़सा
४७३	११	१	म मं प ग़	मं मं प ग़
४७३	११	४	सा – सां	सां – सां
४७७	७ व ८	६	ध़ ब	प ध़ ब
४८८	२१	०	रे, ग, रें, रें.., सा।	रें, ग, रें, नि़ रें, सा।
४९४	१२	०	ग, रे़सा, निरे़, सा।	ग, रे़सा, नि़रे़, सा।
४९५	१४	०	नि़धपमपधमपग़,	निनि़धपमपधमपग़,
४९६	१०	२	गं, रेंगं, मंगं	गं, रेंगं, मंगं
५००	४	०	ध़मग़	ध़मंग़
५०४	२४	१	पायो रे पीरे पुरन	पायो है पीरे पुरन